प्रस्तावना ।

इस पंचम कलिकाल के अन्दर जैनधर्म को फैलाने वाले चर्मतीर्थंकर श्री महावीर प्रभू थे और आज भी हम उनके परूपे हुवे आगमों का आश्रय लेकर उनको पूर्ण श्रद्धा के साथ मानते हैं परन्तु इस दुखमी कलिकाल के प्रारम्भ में कई प्रचण्ड युद्ध और दुष्काल पड़े हैं। इस कारण से ही हमारे विद्वान् मुनि अपने जिनेन्द्र देव के परूपे हुवे आगमों का प्रचार अच्छी तरह से नहीं कर सके। परन्तु इस ब्रिटिश शान्ति प्रिय राज्य के अन्दर हम सर्व को इस सचे केवल ज्ञानी के परूपे हुवे दयामय धर्म को फैलाने के वास्ते स्वतंत्र मौका मिल गया है। मनुष्य जब कोई अच्छी बात को चलाने की कोशिश करता है तो पहले उसको अनेक संकट पड़ते हैं। यदि उन संकटों की बिलकुल परवाह न करते हुए अपने कार्य को करे तो उसका कार्य शीघ्र सिद्ध हो जाता है वैसे ही हमारे तीर्थंकरों के परूपे हुवे आगमों का प्रचार करने में हमारे मुनिवर्ग के उपसर्गातिक कष्ट भी हुए हैं परन्तु वह बिलकुल उनकी परवाह न करते हुवे अपने सचे आगमों का प्रचार करते रहे हैं। और दिन पर दिन तन मन से कर रहे हैं। परन्तु पहिले की अपेक्षा अब श्रावकों में धार्मिक ज्ञान बहुत कम है। इसी कारण से जब कोई विद्वान् साधु वा श्रावक कोई सची बातों का संसोधन करके दिखलावें तो उनको देखने में भी बड़ी आलस रहती है। और इसी कारण धर्म की हानी दिन पर दिन होती जारही है ॥

कई कारणों से जैन पंचांग का चलना बन्द होगया और लोगों ने अपने २ मत के अनुसार पंचांग बनाये वह प्रथा आज दिन तक चली आ रही है, ऐसा पुराने ग्रन्थों से मालूम होता है। देखिये सूर्यसिद्धान्त जिसको बने हुवे २१६५००० वर्ष हुवे और खगोल विद्या का ग्रन्थ है ऐसा जैनेतर मानते हैं, जिसमें लिखा हुआ है कि पहिले सायन पंचांग चलता था। दूसरा हिन्दुस्थान के अन्दर निकलता हुआ हिन्दी "सरस्वती" नाम का अखबार उस में भी इस पंचागों की निसबत

सन् १९११ फरवरी मास की सरस्वती में लिखा था उसका भी सारांश हम आपको नीचे बतलाते हैं, विसाजी रघुनाथ लेले महाशय का जन्म शक १७४६ में हुआ था, सत्रह अठारह वर्ष की अवस्था में विसाजी एक दिन धूप में बैठे थे। उनको उस समय सन्देह हुआ कि मकर शक्रांति के अभी बहुत * दिन हैं, परन्तु दिन अभी से बढ़ने लगा। इसका क्या कारण है, इस प्रश्न को उन्होंने कई पंडितों और ज्योतिषियों से पूछा परन्तु किसी से सन्तोषकारक उत्तर न मिला तो उनका सन्देह [बढ़ता चला गया। तो फिर उन्होंने पूने के प्रोफेसर केरोलक्ष्मणछत्रे के साथ लिखा पढ़ी बहुत की। आखर उसने भी सायन मत सही मान लिया, और काशी के बापूदेव शास्त्री अच्छे ज्योतिषी होगये हैं। एक पंचांग भी वे निकालते थे, विसाजी ने बापू देव को भी लिखा उन्होंने उत्तर तो कुछ न दिया, परन्तु अपने पंचांग में सायन-मत की यथार्थता उन्होंने स्वीकार करली ॥

संयोगवश एकवार शङ्कराचार्य ग्वालियर आये। विसाजी उनकी सेवा में पहुंचे और उनको भी सायन, निरयन, वाद कह सुनाया। जब शङ्कराचार्य ने विसाजी के मत को सब प्रकार जांच लिया और सचा पाया तब एक दिन उन्होंने सभा की सभा में लश्कर (ग्वालियर) के सारे पंडित और ज्योतिषी एकत्र हुए। बहुत वाद विवाद के बाद लेले का ही मत सचा ठहरा। अतएव शङ्कराचार्य ने उनको सायन प्रथा के अनुसार श्राद्धादिक कर्म करने की लिखी हुई आज्ञा दे दी ॥

फिर जब लोगों का लेले ने कोई आक्षेप न छोड़ा और सब भांति उन्हों को चुप करा दिया तब धड़ाके के साथ अपने सायन मत के अनुसार सारे त्योहार मनाने आरम्भ कर दिये। जब निरयन प्रथा के अनुसार दिवाली होती थी तब वे अपने दरवाज़े पर मोटे मोटे अक्षरों में लिख देते थे कि आज वेदोक्त दिवाली नहीं है, जब सायन दिवाली पड़ती थी तब वे खूब धूम धाम से मानते थे। फिर विसाजी ने सायन पंचांग बनाया और उसको मराठी के अरुणोदय नामक पत्र के क्रोड़पत्र के स्वरूप में निकलता था। उसी पंचांग की समालोचना करते समय फीलहार्न साहब ने लिखा है नीचे मुजब:—

The sankrantis put down in those (निरयन) calenders are clearly no longer what according to the pefinitions of the ancient and authoritative works thay should be. In new (सायन) calenders, the kalk and makara sankrantis of all really as they should on the longest

* २१ या २२ दिन का फरक है ॥

and shortest days of the year A Hindu who, in the perpormance of his riligious ceremonies should allow himself to be guided by there (सायन) calenders, would at all times perporm those ceremonies at the right season

भावार्थ ।

इन निरायन पंचाङ्गों में लिखी हुई संक्रातिया अब वैसी नहीं रही है, जैसी कि उन्हें पुरातन और सर्वमान्य ग्रन्थों की परिभाषा के अनुसार होनी चाहिये। सायन पंचाङ्ग में कर्क और मकर शंक्रातिया वस्तुतः वर्ष के सब से बड़े और सब से छोटे दिनों पर जैसे कि चाहिए पड़ती भी हैं, जो हिन्दू अपने धर्म कृत्यों के सम्बन्ध में सायन पंचाङ्ग के अनुसार कार्य करेगा वह उन का ठीक समय पर होगा। यदि हमारे पास पुराने ग्रन्थों में से खोजना करके निकाले हुवे पुराने हैं कि जिन से मालूम होता है कि सायन पंचाङ्ग ही सत्य है, अब आप सोचिये कि जिन अन्य मती लोगों के शास्त्रों को आप अल्पज्ञों के बनाये हुए कहते हो और उन्हीं को अपने परमपूज्य वा सर्वमान्य बना रक्खा है और उन्हीं के आधार से सर्व धर्म कर्म कर रहे हो तो क्या अपनी भूल नहीं है, अब सुनिये सायन और निरायन का अर्थ क्या होता है, सायान = इस का अर्थ ऐन सहित याने ऐन बदले उसी दिन कर्क और मकर शंक्राति हो, और निरायन = का अर्थ ऐन रहित यानी ऐन तो नहीं बदलती मगर कर्क और मकर शंक्रान्ति हो अर्थात बिना ऐन, अब देखिये इस बात को तो विद्वान से लेकर मूर्ख तक समझ सकता है कि जिस पंचाङ्ग में ऐन नहीं वह सच्चा कैसे हो सकता है, परन्तु इसी ऐन रहित पचाङ्ग का प्रचार वर्तमान में विशेष करके होरहा है इस रूढी को मिटाने के वास्ते हमारे परमपूज्य श्री श्री १००८ श्री सोहन लाल जी महाराज ने वीरप्रभु के फरमाये हुवे, चन्द्रपन्नति, सूर्यपन्नाति, जम्बुद्वीपपन्नति, ठाणायाग समवायाग, आदि सूत्रों में जो ज्योतिष विद्या है उस में जिस तरह तिथि नक्षत्र करण, दिनमान वगैरा बतलाया है वह सर्व सायन मत के अनुसार ही मिलता है। जो निरायन मत के अनुसार धर्म कर्म होरहे हैं वह ठीक समय पर नहीं होते, इन सर्व दोषों को मिटाने के लिये जैन सूत्रों की शैली की रहस को जान कर पूरे अनुभव के साथ चातुरमास सम्वत्सरी, पक्खी, अष्टमी ठीक होजावे इस हेतु से जैन पत्रिका बनाई है यह सर्व जैनमात्र को मानने योग्य है। निरायन पंचाङ्गों से कौन २ से सूत्र विरुद्ध बात है सो आप को बतलाते है।

(१) चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्र वा आसोज, इतने लौंद (अधिक) मास पड़ते हैं अन्य मत में।

(२) नक्षत्र २७ पत्री में लगाते हैं।

(३) एक तिथी को ज्यादे से ज्यादे ६६ घड़ी की और कम से कम ५४ घड़ी की मानते हैं और उन के ब्रह्म विलास में २४ घंटे से नुन तिथि लिखी है।

(४) जब दिन बढ़ जाने का भय होजावे तो एक दिन सूर्य को खड़ा कर देते हैं और घंटे मिनट जो लगाते हैं वहां पर तो कई दिन तक घटाते बढ़ाते ही नहीं हैं।

(५) कभी २ दो तिथि घटा कर १३ दिन का पख और कभी १६ दिन का कर देते हैं इसी वास्ते जैन और अन्यमत की तिथि का वा घड़ी पलों का फरक रहता है दिनमान कभी १ पल २, ३, ४, ५, ६ तक घटा बढ़ा देते हैं जैन में ४ भाग ६१ या घटाते बढ़ाते हैं।

(१) जैन आगमों में तो केवल पौष और आषाढ़ ही अधिक मास कहे हैं।

(२) जैन शास्त्रों में नक्षत्र २८ माने गये हैं पख १५ या कभी १४ दिन का माना है॥

(३) जैन शास्त्रों में तिथि को ५६ घड़ी जाजेरी मानी है इत्यादि अनेक कारण हैं एक और भी बतला देते हैं कि जितने निरायन पंचाङ्ग अब हिन्दुस्थान में चलते हैं वह एक दूसरे के साथ नहीं मिलते, और जिस प्रकार से वे शुभाशुभफलादेश बतलाते हैं, वह भी बहुत कम मिलता है इस लिये विचारशील विद्वान् पुरुष व स्त्रियों का धर्म है कि अपने हित अहित का अवश्य विचार करें॥

निरायन पंचाङ्ग के जरिये से चातुर्मास पांच महीने का होता है और पखीयें बराबर नहीं होतीं और छमच्छरी का झगड़ा ही रहता है इत्यादि जो फर्क होरहे हैं उस का सिर्फ कारण यही है कि सायन पंचाङ्ग की मौजूदगी नहीं इसी वास्ते पुनः जैन बन्धुओं से निवेदन है कि अपने आगमों के प्रतिकूल जितनी बातें होरही हैं उन को

छोड़ कर अनुकूल कार्य करें। और इस तिथि पत्रा का इस पंचमकाल में कितनेक अरसे से अभाव था जिस को मिटाने के कारण अहमदनगर निवासी श्रावक रायचन्द्र जी ने पंचाङ्ग बना वा छपवा के मिटा दिया था परन्तु उस में कईएक अशुद्धियां रह गई थीं जिस को संशोधन करने के वास्ते बहुत से सूत्रों के पाठ देखकर उनके अनुसार उसको संशोधन करके अब यह तिथिपत्रिका त्यार किया गया है। और जो इस में वार लगाये गये हैं सो उन वारों का जिक्र न तो जैन सूत्रों में ही है और नाहीं किसी अन्य प्राचीन ग्रन्थों में ही है क्योंकि विक्रम सम्वत् १९६० के साल का छपा *हुवा सूर्य सिद्धांत के पृष्ठ ११७ में लिखा है कि–प्राचीन समय में वार और योग्य पंचाङ्ग के अंग नहीं थे, और आगे जाके उसी पृष्ठ पर लिखते हैं कि और प्राचीन ग्रन्थों में वार, योग, करण, शब्दसे न किसी यज्ञादि का विधान पाया जाता है इस वास्ते मालूम होता है कि इन वारों का पहले यहां पर प्रचार नहीं था। और सरस्वती अखबार में यह जिक्र है कि वार यूनान देश से किसी वक्त मुसलमानों के राजकाल में आये हैं सो हम ने भी लोगों के समझने के वास्ते लगा दिये हैं तांकि इस से तिथि वगैरा का पता अच्छी तरह से लग जाये ।

इस पत्री के वास्ते सूत्रों के पाठ ।

और जो इसमें तिथीयां लगाई हैं सो वह चन्द्रमा का दिन है, सो इसी को तिथी कहते हैं। जिसका प्रमाण समवायांग सूत्र के २९ में समवायंग में है–तत्रपाठ चन्द-दिणेणं एगुणती सं० महुत्ते सांरेंगे महुत्तग्गेणं पणंते, और भी परमाण देखिए कि चन्द्रपन्नति सूत्र के १० प्राभृतक की पंचदशमी प्राभृतिका में भी २९ महुर्त्त ३२/६२ भाग का चन्द्रमा का दिन कहा है और यही २० मी प्राभृतिका में जिक्र है, और यही सूर्य पन्नति में जिक्र है भावा अर्थ-चन्द्रमां का दिन ५९ घड़ी ६/२ भाग का होता है इसीको तिथी कहते हैं और चन्द्रमां कि अर्द्ध तिथी को करण कहते है सो करण ११ हैं जम्बुद्विपन्नति सूत्र में त्रिबर्गम हैं जिसमें सप्तकरण तो चर है और ४ करण स्थिर है युग की आदि से इतने बोल लगते हैं जम्बुद्विपपन्नति सूत्र में कहा है तत पाठ-गोयमा चन्दादिया संवछरा दाखिणाईया अयंणा पाउसाईया उऊ सावणाई या मासा बहुलाईया पखा दिवसाई या अहोरत्ता रोदाईया महुत्ता बालवाईया करणा अभिइआईया न रकत्ता पणंता॥ भावा अर्थ है–गोतम–प्रथम चन्द्रसम्वतसर में युगकी

* १ जिस के मिलने का पता—शास्त्र प्रकाश कार्यालय विंदुपुर–मुजफ्फरपुर। २लाला मेहरचंद लछमणदास शहद मिठा लाहौर।

भादि लगती है उसी ही रोज प्रथम समय ही नया सम्वत्सर लगता है और दक्षिणायण में सूर्य की ऐन बदलती है और चंद्रमां उस रोज उत्रायण में होता है पावस ऋतु लगती है और उसी ही समय श्रावण मास लगता है प्रथमां कृष्ण पक्ष लगता है प्रथमा दिवस लगता है और रूद्रनाम प्रथमां महूर्त्त में युग की आदि लगती है बालवकरण में और अभिजित नक्षत्र का प्रथमां समये में आदि लगती है ऐह उमोक्त ९ बोल जिस दिन मिले उसी रोज युगकी आदि लगती है उसी रोज अभिनंदनाम (श्रावण) मास की प्रथमां तिथी श्रावण वदी एकम लगती है इसको सूत्र में नंदा भी कहा है ॥

यदि कोई पूछे की आपने नवां सम्वत्सर कहा से लगाया सो आप इसका भी प्रमाण लिजीये श्रीजम्बुद्विपपन्नाति सूत्र में कहा है के जब सूर्य प्रथमा (अभ्यितर) मांडले को ग्रहण करके चलता है उस दिन १८ महूर्त्त (३६) घड़ी का दिनमान होता है और रात्री १२ महूर्त्त (२४) घड़ी की होता है उसी दिन मिथुन की संक्रांति पूर्ण होती है उसको आषाढ की पूर्णमासी बोलते हैं अगले रोज सूर्य बदलता है कर्क की संक्रान्ति लगती है॥तत्रपाठ॥जयाणंभंते सूरिएसव्वभिंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारंचरेई तयाणं के महालए दिवसे के महालया राई भवंति गोयमा तयाणं उत्तम कठ पत्ते उक्कोसए अठारस्स मुहूर्त्ते दिवसे भवंति जहणिया दुवालस्स मुहूर्त्ताराईभवंति से निखम माणे, सूरिए, णवंसम्वच्छरं, अयमाणे, पढमंसि, अहोरतंसि, अभितरांणतरं, मंडलं, उवसंकमित्ता, चारंचरेई, जयाणं, सूरिए, अभितराणंतरं, मडलं, उवसंकमिताचारंचरेई, तयाणं, केमहालए, दिवसेभवंति, केमहालए, राईभवंति, गोयमा तयाणं, अठारस्स मुहूत्तेदिवसेभवेई, दोहिंएगाठेभागं,मुहूत्तेहिंऊणे,दुवालस्स, मुहूत्ता, राईभवंति,दोहिंएगाठेभागं मुहूत्तेहिं,भाहिया,इतिश्वनात,एहीपाठचन्द्रपन्नति सूत्र के प्रथमा प्रभृतिक की षष्टमी प्रभृतिकामे है और सूर्य पन्नति में भी है उमोक्त पाठ सावित करता है कि आषाढ़ सुदी१५ को दिनमान ३६ घड़ी (१८*महूर्त्त) का होता है क्योंके चन्द्रपन्नति सूत्र के १० दशमा प्राभृतक की दशमी प्राभृतिकामे तथा सूर्य पन्नति वा जम्बूद्विपपन्नति में कहा है के आषाढ़ के महिने को तीन नक्षत्र पूर्ण करते हैं तत्रपाठ, गिम्हाणं, भंते, चउथं, मासं, केई, णखत्ता, नेति, गोयमा, तिणिनखत्ता, नेंई, तंजहा, मूलो, पुव्वासाढा, उत्तरासाढा, मूलं, चोद्दस, राइंदियाई, णेंई, पुव्वासाढा, पनरस, राइंदियाई, नेंई, उत्तरासाढा, एगंराई, दिंय, नेंई, तयाणं, वट्टाए, समचउरंस, संठाणं, संठिया,

* यह मिथला नगरी का प्रमाण है। और जगह उंची नीची धरती के सबब से कम ज्यादा हो तो जिसदिन उस खेत्र में बड़ा दिन हो उस रोज समझना चाहिए।

पोर, मंडुमाए, सहाय, भणंरीजपाएछायाए, मूरिए, अणुपरियट्टंति, तस्सणं, मासस्स, जेसचरिमें दिवसे, तंसिचणं, दिवमंसि, लेहट्ठाइं, दोपयाइं, पोरिसभिवंति, तथा उत्ताध्येन सूत्र के पटविंशति अध्याय की त्रोदशी गाथा में कहा है, तत्र मूलपाठ, आसाढेमासे दुपया, पोसेमासे, चउपया, चित्तासोए मूमासेसु, तिपया, हवई पोरसी १३ और भी प्रमाण देखिए श्रीसमवायंग सूत्र के चतुरविंशति समवायंग का मूल पाठ, उत्तरायण, गयणं, सूरिए, चउवीसंगुलिए, पोरसीछायं; निव्वत्तई, ताणं; नियट्टाति, इत्यादिप्रमाणों से साबित होता है कि आषाढ शुदी १५ के दिन दिनमान बड़े से बड़ा १८ मूहुर्त्त तथा (३६) घड़ी का उत्कृष्ट होजाता है इसी वास्ते दो पग छाया में पोरसी दिन आता है, और उसके अगले दिन से सूर्य दक्षिणायन में जाता है उसी रोजसे दिन घटना शुरु होता है और रात्रि बढ़ने लगती है वह कर्क शंक्रांति का पहिला दिन है इसीको श्रावणवदी एकम कहते हैं इसी मास को अभिनंद भी कहते हैं यही युग की आदि का दिन है सो यह युग विक्रम सम्वत् १९७२ ज्येष्ठ शुदी १५। रविवार और जैन श्रावण वदी १ से शुरु होता है याने यहां से लगता है सो हमने उसी दिन लगाया हैं, और उस दिन तक वीर निर्वाण सम्वत् २४५३ साढे आठ मास बीत चुके सो इस का खुलासा इस तराह है आप समझ लीजिए ॥

तीन वर्ष साढे आठ मास चौथे आरे के रहते थे तब भगवंत श्रीमहावीर स्वामी मोक्ष गये उनके ४७० वर्ष पीछे विक्रम राजा को राज पद हुआ फिर उन्होंने तेरे वर्ष पीछे अपना सम्वत चलाया था*उस सम्वत् से आज दिन तक १९७२ का सम्वत चलरहा है सो उसमें से विक्रम सम्वत् १९७१ कार्तिक वदी १५ तक २४५१ वर्ष हुये और सम्वत १९७२ ज्येष्ट शुदी १४ लोकीक और जैन आषाढ शुदी १५ तक २४५३ वर्ष साढे आठ मास हुये जिनमें से ३ वर्ष साढे आठ मास चौथे आरे के निकाल देवें तो बाकी २४५० वर्ष रहे जिसके ४९० युग पांचमे आरेके बिते और ४९१ वें मा युग लगा है बाकी पंचमे आरेके १८५५० वर्ष रहे

* ईसवीं सन १९०१ की छपी हुई महाराजा विक्रम की स्वानेह उमरी जिसको हकीम रामकिशन लाहौरवाले ने आठमी दफा छपवाई है जिसमें लिखा हैं कि ईसवीं से ८१ साल पहले महाराजा विक्रम पैदा हुए थे और बीश साल की उमर म राजपद हुआ फिर ईसवीं से ५७ वर्ष से पहले ही अपना सम्वत् का प्रारंभ किया।

आदि लगती है उसी ही रोज प्रथम समय ही नवा सम्वत्सर लगता है और दक्षिणायण मे सूर्य की ऐन बदलती है और चंद्रमा उस रोज उत्रायण में होता है पावस ऋतु लगती है और उसी ही समय श्रावण मास लगता है प्रथमा कृष्ण पक्ष लगता है प्रथमा दिवस लगता है और रूद्रनाम प्रथमा महुर्त्त में युग की आदि लगती है बालवाकरण में और अभिजित नक्षत्र का प्रथमा समये में आदि लगती है येह उपोक्त ६ बोल जिस दिन मिले उसी रोज युगकी आदि लगती है उसी रोज अभिनंदनाम (श्रावण) मास की प्रथमा तिथी श्रावण वदी एकम लगती है इसको सूत्र में नंदा भी कहा है ॥

यदि कोई पूछे की आपने नवा सम्वत्सर कहां से लगाया सो आप इसका भी प्रमाण लिजीये श्रीजम्बुद्वीपपन्नाति सूत्र में कहा है के जब सूर्य प्रथमा (अभ्यितर) मांडले को ग्रहण करके चलता है उस दिन १८ महुर्त्त (३६) घड़ी का दिनमान होता है और रात्री १२ महुर्त्त (२४) घड़ी की होता है उसी दिन मिथुन की संक्रांति पूर्ण होती है उसको आषाढ की पूर्णमासी बोलते हैं अगले रोज सूर्य बदलता है कर्क की संक्रान्ति लगती है॥तत्रपाठ॥जयाणंभंत्ते सूरिएसव्वभितरं मंडलं उवसंकमित्ता चारंचरेई तयाणां के महालए दिवसे के महालया राई भवंति गोयमा तयाणं उत्तम कठ पत्ते उक्कोसए अठारस्स मुहुत्ते दिवसे भवंति जहणिया दुवालस्स मुहुत्ताराईभवंति से निख्खम माणे, सूरिए, नवंसम्वत्सरं, अयमाणे, पढमंसि, अहोरतंसि, अभितराणंतरं, मंडलं, उवसंकमित्ता, चारंचरेई, जयाणं, सूरिए, अभितराणंतरं, मंडलं, उवसंकमिताचारंचरेई, तयाणं, केमहालए, दिवसेभवंति, केमहालए, राईभवंति, गोयमा तयाणं, अठारस्स मुहुत्तेदिवसेभवेई, दोहिंएगाठेभागे,मुहुत्तेहिंऊणे,दुवालस्स, मुहुत्ता, राईभवंति,दोहिंएगाठेभागे मुहुतेहिं,आहिया,इतिवचनात,एहीपाठचन्द्रपन्नति सूत्र के प्रथमा प्राभृतक की षष्टमी प्राभृतिकामे है और सूर्य पन्नति में भी है उपोक्त पाठ साबित करता है कि आषाढ़ शुदी १५ को दिनमान ३६ घड़ी (१८*महुर्त्त) का होता है क्योंके चन्द्रपन्नति सूत्र के १० दशमां प्राभृतक की दशमी प्राभृतिकामे तथा सूर्य पन्नति वा जम्बूद्वीपपन्नति में कहा है के आषाढ़ के महिने को तीन नक्षत्र पूर्ण करते हैं तत्रपाठ, गिम्हाणं, भंत्ते, चउथं, मासं, केई, णख्खत्ता, नेति, गोयमा, तिण्णिनख्खत्ता, नेंई, तंजहा, मूलो, पुव्वासाढा, उत्तरासाढा, मूलं, चोद्दस, राईदियाई, णेंई, पुव्वासाढा, पनरस, राइंदियाई, नेंई, उत्तरासाढा, एगंराई, दिंवे, नेंई, तयाणं, चडाए, समचउरंस, संठाणे, संठिया,

* यह मिथुन नगरी का प्रमाण है। और जगह उंची नीची धरती के सबब से कम ज्यो तो जिसदिन उस देश में बड़ा दिन हो उस रोज रात होना चाहिए।

यह सर्व चन्द्रमा के साथ इतनी २ देर तक रहते हैं यह सर्व इस पत्री में लगाये गये है और दिनमान एक घड़ी के ६/७ भाग दिन प्रते घटता बढ़ता है सो इसमें लगा दिया है और इस पत्री में सूर्य मास भी लगाये गये हैं और ऋतुमास भी जिस, को कर्म मास भी लीपते हैं वह भी लगादिया है और नक्षत्रमास भी लगाया है और भी एक प्रमाण आपकी सेवा में निवेदन किया जाता है कि चन्द्रपन्नाति सूत्र के दशमा प्रभृतिक की विशमी प्राभृतिकामा कहा है कि सूर्य सम्वत्सर संबंधी तीसम स अतिक्रम्या एक चन्द्र मास अधिक पौष होता है, और फिर ३० मासिआते क्रम्या एक चन्द्रमा मास अधिक आषाढ़ होता है।

तथा च पूर्वाचार्य प्रदर्शितेय करणगाथा ॥ चं दशजोविसेपो आईच्चसस्स हविजमासस्स । तीसई गुणीउगंनो हवेइहु अहिमासस्सउ एको १ इतिवचनात ॥

यह एक युग में चन्द्रमा के २ मास लौंद के आते हैं सा एक युग में साठ मास सूर्य के बीतते हैं एक मास साढ़े तीस दिन का होता है और साल ३६६ दिन का होता है और चन्द्रमा के ६२ मास भुक्तते हैं एक मास २९ दिन ३२/६२ भाग का गिना है और चन्द्रमा का साल ३५४ दिन और एक दिन के १२/६२ भाग का होता है कर्मऋतु के ६१ मास बीतते हैं एक मास तीस दिन और एक साल ३६० दिन का गिना जाता है और नक्षत्रों के ६७ मास बीतते हैं पाच वर्षों को एक युग कहते हैं, और युग के दिन १८३० होते है एक दिन ३० मुहूर्त्त का होता है जिस में एक मुहूर्त्त में सूर्य्य के चलन का प्रमाण की पुछा की है उस के उत्तर में श्रीमद वीर भगवान् फर्माते हैं कि श्री चन्द्रापन्नातिसूत्र के पंचदशमाप्रभृतिक में कहा है: —

तत्रपाठ ता जंजं मंडल उवसंकमित्ता चारचोरेई ता तस्सरमंडलस्स परिखेवस्स अठा रस्स, तीसेभागसय।

गछई मंडलंसयसहस्सेणं अठाणउतिएय स एहिंछेत्ता इति वचनात् ॥

भावार्थ—जिस २ माइले को ग्रहण करके सूर्य चन्द्रमा नक्षत्र चलते हैं उस २ माइले के एक लाख अठानवे सौ भाग किये तिस में से एक मुहूर्त्त में सूर्य

जिसके १७१० युग होते हैं यह सर्व मिलकर २१००० वर्ष हुवे जिनके ४२०० युग होते हैं, एक युग पांच वर्ष का होता है और एक युग में सूर्य की १०येण होती है और चन्द्रमां की १३४ अयेणा दक्षिणायण उत्तरायण रूप होती हैं, जिस में प्रथमां वर्ष की प्रथमां आउट्टी किस दिन होती है। और उस रोज चन्द्रमां के साथ कौनसा नक्षत्र होता है और सूर्य के साथ कौनसा नक्षत्र योग जोड़ता है यह चन्द्र पन्नाति सूत्र प्राभृतिक १२ वां में पूछा की है तिसका। वीर भगवान् ने यह उत्तर दिया है, तत्रपाठ, ता एतेसिणं, पंचएहं, सम्वत्सराण, पढमा, वार्सिकिय, आउट्टि, चंदे, केणं, नक्खत्तेणं, जोयई, ता, अभितिणा, अभितिस्सणं, पढपसमय, तंसमयंचणं, सूरेकेणं, नक्खत्तेणं, जोगंजोइं, तापूसेण, इतिवचनात, भावार्थ, इन पांच सम्वत्सर में पहले सम्वत्सर की प्रथमांयेण के दिन चन्द्रमां के साथ कौन सा नक्षत्र जोग जोड़ता है, हे गोतम, अभिजित नक्षत्र जोग जोड़ता है परन्तु अभिजित नक्षत्र पहले समय लगते ही चन्द्रमा के साथ युग की आदि में जोग जोड़ता है उसी वक्त चन्द्रमा उत्तरायण में होता है और उसी ही समय सूर्य की अयण दक्षिणायण बदलती है उसके साथ पुष्यनक्षत्र होता है युग की आदि में और भी चन्द्रपन्नति सूत्र के एकादशमा प्राभृतिक में पूछा है कि चन्द्रसम्वत्सर कब लगता है तिसके उत्तर में भगवन् फरमाते हैं तत्रपाठ, ता एतेसिणं, पंचएहं,सम्वत्सराणं,पढमस्स, चन्द्रसम्वत्सरस्स के आदिय तिवंद्या, ताजेणं, पंचमस्स, अभिवढियस्स, सम्वत्सरस्स पज्जवसाणे, सेणं, पढमस्सचन्द सम्वत्सरस्स आदि यणंतरं, पुरे, कडे समये, इतिवचनात, भावाऽर्थ यह पाठ कहता है कि जिस दिन पञ्चमां अभिवर्धनसम्वत्सरका अंतकासमय हो उसके अगले समय प्रथमाचन्द्रसम्वत्सर की आदि लगती है, और पंचमां अभिवर्धनसम्वत्सर का अन्त कब होता है, चन्द्रपन्नाति सूत्रप्राभृत ११ वें में तत्रपाठ, ताजेणं पढमस्स चन्द्र सम्वत्सरस्स आदि सेणं पञ्चमस्स, अभिवढियस्स सम्वत्सरस्स पज्जवसाणे अणतर पछाकड़े समये तंसमयं चणं चन्देकेणं नक्खतणं जोयई ता उतराहिं आसाढे उतराणं आसाढाणं चरममपये इतिवचनात् पंचमाअभिवर्धन सम्वत्सर के अंत में चन्द्रमा के साथ उत्रापाढ़ा नक्षत्र जोगा उसका भी अंत का समा होता है, और अगले समयनयायुग लगता है तब ही चन्द्रमां के साथ अभिजित नक्षत्र प्रथम समय ही लगता है, और जैन में नक्षत्र अठाविसमाने गये हैं जिसमें ६ नक्षत्र ४५ मुहूर्त्ती हैं और ६ नक्षत्र १५ मुहूर्त्ती है और १५ नक्षत्र तीस मुहूर्त्ती है और १ अभिजिति नक्षत्र ६ मुहूर्त्त $\frac{२७}{६७}$ भाग का है

पूर्ण करते है, और २ या ३ मांडले चन्द्रामां पहेले निकलेगा क्योंकि नक्षत्र पिछे निकलेगें, तब उनका जोग मिलेगा ना तो नहीं क्योंकि अभितर और बाह्य मंडल का बहुत फरक है उनकी चाली चन्द्रमां से भी शीघ्र है इस कारण भी चन्द्रमां कुछ वक्त पहिले निकलेगा आसाढ़ शुदी पुर्णमासी को पुर्वाषाढ़ा या उत्तराषाढ़ा बाहिरले मांडले है बाहिरले मंडल चन्द्रमां के साथ जोग जोड़ेगें और दूसरे दिन चन्द्रमां अभिज नक्षत्र के साथ जोग जोड़ना है या श्रवण के साथ जोग जोड़ना है. वह पहले मांडले अभिज है, चन्द्रमां बाहिर से दूसरे मांडले रहकर जोग जोड़ना है, इस वास्ते अभिज श्रवण पहिले निकलेगा चन्द्रमा पीछे और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र जिस दिन से उसने १५ दिन रात्री पूर्ण करेगा पहिले कम रहेगा आखिर पूर्ण करेगा इस बात को पंडित जनों को ख्याल में रखनी चाहिए यह काम बड़ा ही विचार का है, इस वास्ते विचार से काम लेंगे तो ठीक होगा ।

इस तिथी पत्र को देखने की रीति यह है ।

पहिले खाने में रविवार लग रहा है वह प्रथम युग का खाना है इसी खाने को पाच साल के बारह मास के अंत में बुधवार लगरहा है वहां तक देखना चाहिए इसी मुताबक सर्व जाणलेंगें सम्वत् १९७२ से १९७७ हादशुदी तक २ दूसरे खाने में बृहस्पतिवार से सम्वत् १९७७ से १९८२ हादशुदी तक देखें फिर तीसरे खाने के वार से १९८२ से १९८७ हादशुदी तक और चौथे वार के खाने से १९८७ से १९९२ हादशुदी तक फिर पचमां वार के खाना से १९९२ से १९९७ हादशुदी तक और छटे वार के खाने से १९९७ से २००२ हादशुदी तक फिर सातमें वार के खाने से २००२ से २००७ हादशुदी तक देखने चाहिये यह १५ वर्ष हुए है और पांच वर्ष पीछे फिर उपर से सम्वत् बदलाना पड़ता है और कुछ नहीं बदलता जैसा है वैसा ही रहता है, और इस पत्री में १ तिथी २ वार के साथ लगाई गई है और नक्षत्र ३ करण ४ दिनमान ५ सूर्यमास की तारीख ६ ऋतु मास की तारीख ७ युग प्रमाण ८ सूर्यके साथ नक्षत्रों का जोग ९ और रात्रिं

१८३० चन्द्रमा १७६८ नक्षत्र १८३५ भाग चलते हैं इसी ही हिसाब से एक युग के १८३० दिन की गिनती आती है परन्तु जो वक्त आंतरों में लगता है वह इस गिनती में शामिल नहीं आया मालूम देता है क्योंकि चन्द्रापन्नतिसूत्र का प्रथम प्राभृतक की षष्ठमी प्रभृतिका में कहा है कि जो सूर्य चन्द्रमा एक मांडले से दूसरे मांडले जाते हैं उस का नाम विकंपमान है ।

विकंपेई विकंपावीत्ता इति वचनात् ।

जो वक्त उस जगह में लगता है वह गोणता में है इस वास्ते पांच वर्षों में एक दिन अनुमान प्रमाण बढ़ता मालूम देता है सो हम ने भी लगा दिया है क्योंकि बहुत दिनों से सुनते थे कि एक दिन का फर्क रहता है सो वह यह ही फर्क था सो अब निकल गया और अन्य पंचाङ्गों में भी देखने में आता है कि वह दिनों की गिणती को अहर्ण गणके नाम से लगाते है सो वह भी देखा गया तो पांच वर्षों के १८३१ दिन ही लगाते है, सो इक दिन का फर्क निकलजाने से युग का प्रमाण भी ठीक मिलता है, और पखी का प्रमाण चन्द्रपन्नति के द्वादश वां प्रभृतक में १४ दिन २२ मुहूर्त्त ४७/६२ भाग का लिखा है जिसके मुहूर्त्त ४४२ भाग ४७/६२ होते हैं और एक मास के ८८५ मुहूर्त्त ३०/६२ भाग होते हैं और कोई तर्क करके आपने वीरसम्वत् २४५३ साढे आठमास लिखे हैं और पत्री में २४४१ से शुरु किया है सो क्या कारण सो भाई साहिब इसका कारण सिर्फ यह ही है कि अभी तक इसका प्रचार नहीं है इस वास्ते प्रचलित सम्वत् है वह ही लगाया है इसका खुलासा उपर लिख चुके है और १५ सालका यह तिथी पत्रका छपचुका है सो पंडित जन सूत्रों के साथ मिला के देख लेंवेंगे ॥

और चन्द्रमां उदेभी मिलता मालूम देता है, और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र भी ठीक मालूम देते है परन्तु इतना ख्याल रखना चाहिए कि अब दक्षिणायण है या उत्तरायण हैं, क्योंकि दक्षिणायण उत्तरायण का फरक रहता है, जैसे कि मृगसिरा और पौष मास में चन्द्रमां पूरणमासी को रात अनुमान ३४ घड़ीयां ३५ घड़ी की होति है, और उस दिन मृगसिर नक्षत्र को मृगशीर की पूर्णमासी पूर्ण करनी हैं, पुष्य को पोषी पूर्ण करानि हैं, यह बाहिरले माडले रह करके पूर्णमासी

पूर्ण करते है, और २ या ३ मांडले चन्द्रामां पहले निकलेगा क्योंकि नक्षत्र पिछे निकलेगें, तब उनका जोग मिलेगा ना तो नहीं क्योंकि अभितर और बाह्य मंडले का बहुत फरक है उनकी चाली चन्द्रमां मे भी शीघ्र है इस कारण भी चन्द्रमां कुछ वक्त पहिले निकलेगा आसाढ़ सुदी पूर्णमाशी को पूर्वापाढ़ा या उत्तरापाढ़ा बाहिरले मांडले है बाहिरले मंडल चन्द्रमां के साथ जोग जोड़ेगें आर दूसरे दिन चन्द्रमां अभिज नक्षत्र के साथ जोग जोड़ना है या श्रवण के साथ जोग जोड़ना है. यह पहले मांडले अभिज है, चन्द्रमां बाहिर से दूसरे मांडले रहकर जोग जोड़ना है, इस वास्ते अभिज श्रवण पहिले निकलेगा चन्द्रमां पीछे और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र जिस दिन से उसके १५ दिन रात्री पूर्ण करेगा पहिले ऊंचा रहेगा आखिर पूर्ण करेगा इस बात को पंडित जनों को ख्याल में रखनी चाहिए यह काम बड़ा ही विचार का है, इस वास्ते विचार से काम लेंगे तो ठीक होगा।

इस तिथी पत्र को देखने की रीति यह है।

पहिले खाने में रविवार लग रहा है यह प्रथम युग का खाना है. इसी खाने को पाच साल के बाद्ट मास के अंत में बुधवार लगरहा है वहां तक देखना चाहिए इसी मुवाफक सर्व जाणलेंगें सम्वत् १,६७२ से १,६७७ हादसुदी तक २ दूसरे खाने में बृस्पतिवार से सम्वत् १,६७७ से १,६८२ हादसुदी तक देखें फिर तीसरे खाने के वार से १,६८२ से १,६८७ हादसुदी तक और चौथे वार के खाने से १,६८७ से १,६६२ हादसुदी तक फिर पचमां वार के खाना से १,६६२ से १,६६७ हादसुदी तक और छठे वार के खाने से १,६६७ से २००२ हादसुदी तक फिर सातमें वार के खाने से २००२ से २००७ हादसुदी तक दखने चाहिये यह १५ वर्ष हुए है और पांच वर्ष पीछे फिर उपर से सम्वत् बदलाना पड़ता है और कुछ नहीं बदलता जैसा है वैसा ही रहता है, और इस पत्री में १ तिथी २ वार के साथ लगाई गई है और नक्षत्र ३ करण ४ दिनमान ५ सूर्यमास की तारीख ६ ऋतु मास की तारीख ७ युग प्रमाण ८ सूर्यके साथ नक्षत्रों का जोग ६ और राशि

१८३० चन्द्रमा १७६८ नत्तत्र १८३५ भाग चलते हैं इसी ही हिसाब से एक युग के १८३० दिन की गिनती आती है परन्तु जो वक्त आतरों में लगता है वह इस गिनती में शामिल नहीं आया मालूम देता है क्योंकि चन्द्रायन्नतिसूत्र का प्रथमा प्राभृतक की पष्ठमी प्रभृतिका में कहा है कि जो सूर्य चन्द्रमा एक माडले से दूसरे माडले जाते हैं उस का नाम विकंपमान है।

विकंपेई विकंपावीत्ता इति वचनात।

जो वक्त उस जगह में लगता ह वह गोणता में है इस वास्ते पाच वर्षों में एक दिन अनुमान प्रमाण बदता मालूम देता है सो हम ने भी लगा दिया है क्योंकि बहुत दिनों से सुनते थे कि एक दिन का फर्क रहता है सो वह यह ही फर्क था सो अब निकल गया और अन्य पंचाङ्गों में भी देखने में आता है कि वह दिनों की गिणती को अहर्ण गणके नाम से लगाते है सा वह भी देखा गया तो पाच वर्षों के १८३१ दिन ही लगाते है, सो इक दिन का फर्क निकलजाने से युग का प्रमाण भी ठीक मिलता है, और पखी का प्रमाण चन्द्रपन्नाति के द्वादश वा प्रभृतक मे १४ दिन २२ मुहूर्त $\frac{४७}{६२}$ भाग का लिखा है जिसके मुहूर्त ४४२ भाग $\frac{४७}{६२}$ होते हैं और एक मास के ८८५ मुहूर्त $\frac{३२}{६२}$ भाग होते हैं और कोई तर्क करके आपने वीरसम्वत् २४५३ साढे आठमास लिखे हैं और पत्री मे २४४१ से शुरु किया है सो क्या कारण सो भाई साहिब इसका कारण सिर्फ यह ही है कि अभी तक इसका प्रचार नहीं है इस वास्ते प्रचलित सम्वत् है वह ही लगाया है इसका खुलासा उपर लिख चुके है और ३५ सालका यह तिथी पत्रका छपचुका है सो पंडित जन सूत्रों के साथ मिला के देख लेंगे ॥

और चन्द्रमा उदेभी मिलता मालूम देता है, और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नत्तत्र भी ठीक मालूम देते है परन्तु इतना ख्याल रखना चाहिए कि अब दाक्षिणायण है या उत्तरायण हैं, क्योंकि दक्षिणायण उत्तरायण का फरक रहता है, जैसे कि मृगसिरा और पौष मास में चन्द्रमां पूरणमासी को रात अनुमान ३४ घड़ीया ३५ घड़ी की होति है, और उस दिन मृगसिर नत्तत्र को मृगशीर की पूर्णमासी पूर्ण करनी हैं, पुष्य को पोषी पूर्ण करनि हैं, यह बाहिरले माडले रह करके पूर्णमासी

समवा यंग में कहा है तत्रपाठ, समणे, भगवं, महावीरे, वासाणं सवीसति, रायमा से, वीतिकंते, सत्तरीए, राइं दिएहिं, सेसेहिं, वासावासंपज्ञो सवेति, इतिवचनात, अब देखीये कि इस पाठ ने तो जाहिर कर दिया के पहले ५० दिन और पीछे सत्तर दिन से शक है परन्तु पहले ५० दिन पीछे १०० दिन या पहले ८० दिन पीछे ७० दिन यह सूत्रों में कहीं भी विवर्णम नहीं है इस वास्ते चौमासा चार ही मास का होना चाहिए क्योंकि जैन सूत्रों के हिमाब से चौमासा में लौंद नहीं आता इस का खुलासा ऊपर देख लेना जैन सूत्रों में दो पोष और आपाढ़ दो ही मास अधिक होते हैं और नहीं इसलिए ४ मास का ही चौमासा होना संभव है और भी एक बात आपको दिखलाना जरूरी समझते हैं वह यह है कि कितने एक मुनी महाराज चौथ की सम्वत्सरी करते हैं और कोई पंचमी की कोई छट की भी कर लेते हैं सो यह गड़बड़ जब ही मिट सक्ती है कि सर्व मुनी महाराज वा श्रावकजन इस पत्री के अनुसार ही करे क्योंकि यह पत्री बिलकुल सूत्रों के साथ ही तैयार की हैं सो आप खुद सूत्रों के पाठके साथ मिला के निश्चय कर लेवेंगें और इसमें भी केई सूत्रों के प्रमाण लिख दिये हैं सो आप से पुनः प्रार्थना है की सूत्रों के अनुसार ही सर्व धर्म कार्य करने चाहिए और हमें आशा है कि आप इसके मुताबिक ही करेंगे और इसमें कोई दृष्टि दोष या भूल रहगई हो तो बुध जन सुधार कर लेवें ॥

इति शुभं भवतुः—

पुर्ण कर्त्ता नक्षत्र १० पोरसी की छाया प्रमाण ११ चन्द्रायण प्रमाण १२ संक्रांति लगने का प्रमाण १३ और असझाइ टालने का प्रमाण १४ सम्वत्सरी प्रमाण इत्यादि प्रमाण इस पत्री में लगाया है, और कोई पूछा करे की इसमें ग्रह नहीं लगाये गये सो इसके उत्तर में निवेदन यह है कि ग्रहों की चाल का खुलासा पुरी तौर से सूत्रों में नहीं है क्योंकि बहुत से सूत्र ग्रंथ विछेद होगये हैं उनमें वर्णन होगा परन्तु अभि इनमें खुलासा नहीं है इस वास्ते नहीं लगाये और चन्द्रमा सूर्य के ग्रहण ठीक समय पर लगेंगे देखा गया है, परन्तु लगाने का अस्थान नहीं मिला इस वास्ते नहीं लगाये गये और इसकी कोई साधुओं को जरूरत भी नहीं है. जरूरत तो तिथी पक्खी चौमासी सम्वत्सर वगैरा की है सो वही शुद्ध करके त्यार किया है, सो समस्त जैन मुनिमहाराजों को वह श्रावक जनों को इसके मुजब पक्खी, चौमास, सम्वत्सरी, असझाइटालनी इत्यादि धर्म काजे करने चाहिये और पोरसी की छाया का मापना भी इसीके अनुसार करना चाहिये यदि सूत्रों से कोई नुनो अधिका हो तो बुध जन सुधार करलेवें और शांति भाव से विचार करें अगर कोई भूल हो तो खबर देवें और कोई दृष्टी दोष रह गई हो तो मिछामी दुकड क्योंकि छद्मस्त भूल कायम है ज्ञानी गुणी जन क्षमा करते चले आये हैं ओं शांति शांति भवतु ।

अहो हमारे सुज्ञ जैन प्रीय बंधुओ इस संप्रति काल में जैन सूत्रो के अनुसार तिथी पनका न होने के कारण से बहुत से कार्ज आजकल धर्म सबधी जो होरहे हैं वह कार्य सूत्रो से विरुद्ध से मालूम देते हैं, इसलिये पुनः प्रार्थना है कि अब सर्व जैन सूत्रो के अनुसार ही होना चाहिये क्योंकि इस वक्त केई मुनिमहाराज तो उदय तिथी मानते हैं और कितने ही अस्त तिथी को मानते हैं, और बहुत मुनी महाराज वा श्रावकजन ५० दिन में सम्वत्सरी करते हैं,और कितने ही जब अन्यमत के पंचाङ्गो मे अधिक मास, (लौद) चौमासा मे आ जाता है तब ८० दिन में सम्वत्सरी करते हैं, और कोई मुनिमहाराज सम्वत्सरी के पीछे ७० दिन बाद विहार करते है, याने चौमासा उठते हैं और केई सम्वत्सरी तो ५० मेदिन कर लेते हैं परन्तु पीछे १०० दिनके बाद चौमासा उठते हैं सो प्रीय मित्र वरो सूत्र में तो ५० में दिन सम्वत्सरी करनी कही है और सम्वत्सरी के ७० दिन पीछे चौमासा उठना कहा है सो आपकी सेवा में प्रमाण भी दिया जाता है सूत्र श्रीसमवायंग के ७० में

शुद्धि पत्र ।

हमारे पाठकगणो अवल इस शुद्धि पत्र को ख्याल में ले के पीछे सुधार के साथ इस तिथी पत्रका को यत्नापूर्वक पढ़ने की कृपा कीजिये ।

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्धि	शुद्धि	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्धि	शुद्धि
				२८	५ कर्णा	चच	कोलच
प्रस्तावना में शुद्धा शुद्ध पृष्ठ प्रथम लगाते हैं					६	कोलच	गर
६	८	नुहुत्ते	मुहूर्त्त		७	गर	घृष्टि
७	१	पोर	परि		८	घृष्टि	घालच
७	३	न्तुरविशंत	चतुरविशंति		९	घालच	स्त्रीलोचन
		पत्रि में शुद्धा शुद्धि			१०	स्त्रीलोचन	विघिज
२	६	२ पग ३ अः छाः पो	प हसतमी पंक्ति चाहिए २ पगः ३ अः छा		११	विघिज	घच
६	१	कोलव १ । ५६	कोलच २ । ५६		१२	चच	कोलच
६	२	गरः २ ५८	गर १ । ५८		१३	कोलच	गर
१०	१	वार नही लाग	वार बु		१४	गर	घृष्टि
१३	१	वारः र	वारः मं		१५	घृष्टि	वालच
१६	८	५८॥भाःउः मिथुनेंदु	५६॥भाःउः मिथुनेंदु	३३	उपर ही	चन्द्रमा २ दिन २८	साढे १८
२६	६	पुष्पार्के १८ घः उः	पुष्पार्कैः ४८ घः उः	३६	३	पुर्वापाडा	पुर्वाफाल्गुणी
२८	११	उत्रापाडाः ४२। ६०	उत्रापाडाः ४२ । ६		४	उत्रापाडा	उत्राफाल्गुणी

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकिक। आषाढ़वदी १। वीर सम्वत् २४४१। जुगनोमासपहलो १। चंद्रसम्वत्सरनोमासप्रथमश्रावणवदी १ लोकोत्तरमासकोनामअभिनंदे। रवीदक्षिणायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्रभुक्त	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६०	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७ माहे १८ भागफर्से ॥ ४ दिन ३६ घडी उपरपुनर्वसनक्षत्रचीत चुका है (रात्रीपूर्ण कर्ता नक्षत्र) सूर्य के साथ नक्षत्र
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	५६	२	ऽभीच	१८	५४			वालय	२६	३२	कोलय			३५	५७	१	१	१	मकरेंदु।पावसऋतु। कर्कऽर्क संक्रांति।पुष्पार्के। गर्जनेकीऽसभावनही
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	२	५८	४	श्रावण	१८	५४			स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			३५	५३	२	२	२	मकरेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	३	५७	६	धनेष्ठा	१८	५४	सत	३०	विणिज	२७	३६	वृष्टि			३५	४९	३	३	३	१८॥ भाग उपरांत कुंभेंदु।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	४	५६	८	पू. भा.	४८	५४			वव	२६	३८	वालव			३५	४५	४	४	४	कुंभेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	५	५५	१०	उ. भा.	६०	०			कोलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			३५	४१	५	५	५	३७ भाः उः मीनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	६	५४	१२	उ. भा.	१८	५४			गर	२४	४२	विणिज			३५	३७	६	६	६	मीनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	७	५३	१४	रेवती	१८	५४			वृष्टि	२३	४४	वव			३५	३३	७	७	७	५१॥भाःउःमेखेंदु। दोपग१अंगुल छायापोरसी
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	८	५२	१६	ऽश्वनी	१८	५४	भर	३०	वालव	२२	४६	कोलव			३५	२९	८	८	८	मेखेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	९	५१	१८	कृतका	४८	५४			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			३५	२५	९	९	९	मेखेंदु। पुष्पार्के४८ घ०उः श्लेषाऽर्के ६दिन ४२घ०
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१०	५०	२०	रोहेणी	६०	०			विणिज	२०	५०	वृष्टि			३५	२१	१०	१०	१०	७ भा०उ०वृखेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	११	४९	२२	रोहेणी	१८	५४			वव	१९	५२	वालव			३५	१७	११	११	११	वृखेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१२	४८	२४	मृग	१८	५४	ऽार्द्रा	३०	कोलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			३५	१३	१२	१२	१२	२५॥ भाः उः मिथुनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१३	४७	२६	पुनर्वसु	६०	०			गर	१७	५६	विणिज			३५	९	१३	१३	१३	मिथुनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१४	४६	२८	पुन०	१८	५४			वृष्टि	१६	५८	शुकन			३५	५	१४	१४	१४	४४भाःउ कर्केंदु।३६घः२७भाःउःचंद्रायणावदली१रात्रीनक्षत्रउत्तराषाढासमास
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	४५	३०	पुरक	१८	५४	ऽश्ले	३०	चतुष्पद	१५	६०	नाग			३५	१	१५	१५	१५	कर्केंदु। २पग२अंगुलछायापोरसी। पखी १

पृष्ट	पंक्ति	अशुद्धि	शुद्धि
४४	७		चन्द्रायण ४७
४५	८	५३ भा उः कूंभेंदु	५३॥ भा:उ कूंभेंदु
४८	७	आद्राऽर्के ६ दिन २४ घः	आद्राऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
५२	१०	सिंहेभ्राडु शक्रांति	सिंहेभानु शक्रांति
५६	१	घः भाः ४ । ४० चित्रा	घः भाग ४० । ४० चित्रा
६१	१४	पखी ६२	पखी ६१
६४	३	पुर्वापाडा	पुर्वाभाद्रपदा
६४	४	उत्रापाडा	उत्राभाद्रपदा
७१	१	घ भाः २ ६	घः भाः २ ५६
७१	२	१ ८	१ ५८
८१	उपर ही	विक्रमः १६७	विक्रम १६७५

पृष्ट	पंक्ति	अशुद्धि	शुद्धि
८२	६	पुर्वाफाः	पुर्वापाडा
८२	७	उत्रा फाः	उत्रापाडा
६०	१२	३ पः ६ अंः छा॰ पोः	३पः६अं छाः मघा समासरात्रिका
६१	३	चित्रा २१ । २३	चित्रा २१ । ३३ स्वाति ३०
६२	१०	रेयतिऽर्के १३ दि४२	रेवतिऽर्के १३ दिः २४ घः
१०६	२	तुलेंदु	तुलेंदुः चन्द्रदर्शन
१०८	१५	ज्येष्टा ऽर्के ६ दिन २४ घः	ज्येष्टाऽर्केः ६ दिन ४२ घड़ी
११६	१५	दिनमान १३ । १३	दिनमाः ३१ । १३
१२३	१२	दिनमाः ३५ । ५४	३४ । ५४
१२३	१३	दिनमानः २४ । ५८	३४ । ५८

पिछले पृष्ट की शुद्धा शुद्धि

१ २५ प्रमम मुहूर्त नहीं जगा सो जगायो

		अशुद्ध	शुद्ध
२		एक घंटे (फाजक)	एक घंटा (फजाक) का

और इसमें छापे की बहुत अशुद्धियां रहगई हैं सो पाठक जन सुधार के पढ़ें इति ।

लोकीक मास श्रावण इस पत्री में देखना हो तो ५ कोठा वारों का देखो जैसे लोकीक १६७२ श्रावणवदी १ मंगलवार है तो इसी पत्री में भी श्रावण वदी १ मंगलवार मिलेगी इसी तरह अनुक्रमें मिलता चला जावेगा ।

तिथी घटने वढ़ने के कारण सियात एक वार घटे वढ़े तो आगे मिल जायगा ऐसा मालूम देता है जो अधिक मास हो तो दूसरे से मेलना ॥

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक । वीरसम्वत् २४४१ । जुगनोमास २ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास २+भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनामसुप्रतिष्ठित+रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग	नक्षत्रेंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र घड़ी	भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणराशी	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रायन परिमान १ पक्षीपरिमाण २ सूर्य के साथ नक्षत्र ३ चन्द्रमा दो दिन ६७ साढ़े १८ भाग वरते ४ पोरसी छाया परिणाम ५
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	३०	०	सतभि०	७	४१	वालिव	३० भा	कोलव	३०	०	स्त्रीलोचन			३३	५९	१	१	३१	कुभेंदु+सिंहभानुसंक्रांति
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	२	२९	२	पु: भा	७	४१			गर	२९	२	विणिज			३३	५५	२	२	३२	५८ भाः उः मीनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	३	२८	४	उः भा	३७	४१			वृष्टि	२८	४	वव			३३	५१	३	३	३३	मीनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	४	२७	६	रेवती	३७	४१			वालव	२७	६	कोलव			३३	४७	४	४	३४	मीनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	५	२६	८	ऽश्वनी	३७	४१			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			३३	४३	५	५	३५	६॥ भा उ॰ मेषेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	६	२५	१०	भरणी	७	४१			विणिज	२५	१०	वृष्टि			३३	३९	६	६	३६	मेषेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	७	२४	१२	कृत्तिका	७	४१			वव	२४	१२	वालव			३३	३५	७	७	३७	२८ भाःउ.वृषेंदु २ । पग ५ अंगुल छाया पोरसी
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	८	२३	१४	रोहिणी	३७	४१			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			३३	३१	८	८	३८	वृषेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	९	२२	१६	मृगसरा	३७	४१			गर	२२	१६	विणिज			३३	२७	९	९	३९	४६॥भाःउः मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१०	२१	१८	आर्द्रा	७	४१			वृष्टि	२१	१८	वव			३३	२३	१०	१०	४०	मिथुनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	११	२०	२०	पुनर्व०	३७	४१			वालव	२०	२०	कोलव			३३	१९	११	११	४१	६५ भा उःकर्केंदु । प्रजुसनपर्व । चन्द्रायन ३
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१२	१९	२२	पुष्य	३७	४१			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			३३	१५	१२	१२	४२	कर्केंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१३	१८	२४	ऽश्लेषा	७	४१			विणिज	१८	२४	वृष्टि			३३	११	१३	१३	४३	कर्केंदु।पुर्वाफाल्गुणीऽर्क १८घा उ उत्राफाल्गुणीऽर्के२०दिन६घड़ी
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१४	१७	२६	मघा	७	४१			शुकन	१७	२६	चतुष्पद			३३	७	१४	१४	४४	१६॥भाःउ सिंहेंदु । पक्षी २
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१६	२८	पुःफा०	७	४१			नाग	१६	२८	किंस्तुघ्न			३३	३	१५	१५	४५	सिंहेंदु । दो पग ६ अंगुल छाःपो॥धनैष्टराशी फा

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीकें । आषाढ़शुदी । वीर सम्वत् २४४१ जुगनोमास । १ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरनोमास १ । श्रावणसुदी । लोकोत्तरमासकानाम । अभिनंदे । रविव्रुत्तणायथे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	सूर्य के साथ नक्षत्र
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	४४	३२	मघा	४८	५४			किस्तुघन	१५	०	बव			३४	५८	१६	१६	१६	६२॥भाःउ सिंघेदुऽश्लेपाऽर्के३०३।मघार्के१३दिन२४घड़ी ।
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	२	४३	३४	पू फाः	४८	५४			बालव	१४	२	कोलव			३४	५४	१७	१७	१७	सिंघेंदु ॥ चंद्रदर्शनम्
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	३	४२	३६	उ फाः	६०	०			स्त्रीलोचन	१३	४	गर			३४	५०	१८	१८	१८	सिंघेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	४	४१	३८	उःफा॰	१८	५४			विणिज	१२	६	वृष्टि			३४	४६	१९	१९	१९	१४भा उ कन्येंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	५	४०	४०	हस्त	१८	५४			बव	११	८	बालव			३४	४२	२०	२०	२०	कन्येंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	६	३९	४२	चित्रा	१८	५४	स्वाः	३०	कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			३४	३८	२१	२१	२१	३२॥भाःउःतुलेंदु । अमीचनसभराकीका २पग३ छायाःपो०
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	७	३८	४४	विशाखा	६०	०			गर	९	१२	विणिज			३४	३४	२२	२२	२२	तुलेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	८	३७	४६	विशा०	१८	५४			वृष्टि	८	१४	बव			३४	३०	२३	२३	२३	५१भाःउःवृश्चिकेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	९	३६	४८	ऽनूराधा	१८	५४	ज्येः	३०	बालव	७	१६	कोलव			३४	२६	२४	२४	२४	वृश्चिकेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१०	३५	५०	मुला	४८	५४			स्त्रीलोचन	६	१८	गर			३४	२२	२५	२५	२५	वृश्चिकेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	११	३४	५२	पु॰षाडा	४८	५४			विणिज	५	२०	वृष्टि			३४	१८	२६	२६	२६	२॥भा उ॰धनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१२	३३	५४	उःपा	६०	०			बव	४	२२	बालव			३४	१४	२७	२७	२७	धनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१३	३२	५६	उःषाः	१८	५४	ऽभी	१८/५४	कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			३४	१०	२८	२८	२८	२१भा॰उःमकरेंदु (नक्षत्रमास१चद्रायणाधदलीर)
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१४	३१	५८	श्रवण	३७	५१			गर	२	२६	विणिज			३४	६	२९	२९	२९	मकरेंदु [मघार्के५४घःउ.पु फाऽर्के१३दिन२४घ श्रवणरात्रीपुर्णकर्तासमास
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	३०	६०	धनिष्टा	३७	५१			वृष्टि	१	२८	बव	३०/६०	वा	३४	२	३०	३०	३०	३६॥भा उःकुंभेंदु। सूर्यमास१ऋतुमास१।२पग४अंःछा०पो धनेष्टरात्री।पक्षी २

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीरसम्वत् २४४१ । जुगनोमास २ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास २+भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनामसुप्रतिष्ठित+रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र घड़ी	भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भा ६७	दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रायन परिमान १ पखीपरिमाण २ सूर्य के साथ नक्षत्र ३ चन्द्रमा दो दिन ६७ साढ़े १८ भाग वरते ४ पोरसी छाया परिणाम ५
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	३०	०	सतभि०	७	४१	वालव	३० भा	कोलव	३०	०	स्त्रीलोचन			३३	५६	१	१	३१	कुंभेंदु+सिंहभानुसंक्रांति
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	२	२९	२	पुः भा	७	४१			गर	२९	२	विणिज			३३	५५	२	२	३२	५८ भाः उः मीनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	३	२८	४	उः भा	३७	४१			वृष्टि	२८	४	वव			३३	५१	३	३	३३	मीनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	४	२७	६	रेवती	३७	४१			वालव	२७	६	कोलव			३३	४७	४	४	३४	मीनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	५	२६	८	ऽश्वनी	३७	४१			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			३३	४३	५	५	३५	६॥ भा उ मेखेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	६	२५	१०	भरणी	७	४१			विणिज	२५	१०	वृष्टि			३३	३६	६	६	३६	मेखेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	७	२४	१२	कृतका	७	४१			वव	२४	१२	वालव			३३	३५	७	७	३७	२८ भाःउ.वृखेंदु २ । पग ५ अंगुल छाया पोरसी
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	८	२३	१४	रोहिणी	३७	४१			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			३३	३१	८	८	३८	वृखेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	९	२२	१६	मृगसरा	३७	४१			गर	२२	१६	विणिज			३३	२७	९	९	३९	४६॥भाःउः मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१०	२१	१८	आर्द्रा	७	४१			वृष्टि	२१	१८	वव			३३	२३	१०	१०	४०	मिथुनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	११	२०	२०	पुनर्व०	३७	४१			वालव	२०	२०	कोलव			३३	१९	११	११	४१	६५ भा.उःकर्केंदु । प्रजुसनपर्व । चन्द्रायन ३
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१२	१९	२२	पुख	३७	४१			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			३३	१५	१२	१२	४२	कर्केंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१३	१८	२४	ऽश्लेषा	७	४१			विणिज	१८	२४	वृष्टि			३३	११	१३	१३	४३	कर्केंदु।पुर्वाफाल्गुणीऽर्क १८घा उ उत्राफाल्गुणीऽर्के२०दिन६घड़ी
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१४	१७	२६	मघा	७	४१			शुकन	१७	२६	चतुष्पद			३३	७	१४	१४	४४	१६॥भाःउ.सिंघेंदु । पखी २
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१६	२८	पुःफा०	७	४१			नाग	१६	२८	किस्तुघन			३३	३	१५	१५	४५	सिंघेंदु । दो पग ६ अंगुल छाःपोः।धनेष्टराश्री का

विक्रम सम्वत १९७२लोकीक। वीर सम्वत् २४४१जुगतोमास २। पहला चंद्रसम्वत्सरनामासरभाद्रवासुदी। लोकोत्तरमासनामसुप्रतिष्टित। रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग	नक्षत्र अंक के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र घड़ी	भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	चन्द्रमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग। चन्द्रायन प्रमाण १ पोरसी छाया प्रमाण २। सूर्य के साथ नक्षत्र ३। पक्षी प्रमाण ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	१५	३०	उःफा	३७	४१			वव	१५	३०	बालव			३२	६०	१६	१६	४६	३५ भाःउः कन्येंदु। चंद्रदर्शनम्
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	२	१४	३२	हस्त	३७	४१			कोलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			३२	५६	१७	१७	४७	कन्येंदु।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	३	१३	३४	चित्रा	३७	४१			गर	१३	३४	विणिज			३२	५२	१८	१८	४८	५३॥भाःउःतुलेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	४	१२	३६	स्वाति	७	४१			वृष्टि	१२	३६	वव			३२	४८	१९	१९	४९	तुलेंदु। ऋषिपंचमीसम्वत्सरी
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	५	११	३८	विशाषा	३७	४१			बालव	११	३८	कोलव			३२	४४	२०	२०	५०	तुलेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	६	१०	४०	अनुराधा	३७	४१			स्त्रीलोचन	१०	४०	गर			३२	४०	२१	२१	५१	५भाःउः वृश्चकेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	७	९	४२	ज्येष्ठा	७	४१			विणिज	९	४२	वृष्टि			३२	३६	२२	२२	५२	वृश्चकेंदु। २पग७अं०छाया पोरसी। सतभिषांरात्रिका
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	८	८	४४	मुला	७	४१			वव	८	४४	बालव			३२	३२	२३	२३	५३	२३॥भाःउःधनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	९	७	४६	पुर्वाषाड़ा	७	४१			कोलव	७	४६	स्त्रीलोचन			३२	२८	२४	२४	५४	धनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१०	६	४८	उत्राषाड़ा	३७	४१	अभिच	१५/५४	गर	६	४८	विणिज			३२	२४	२५	२५	५५	४२भा उः मकरेंदु। नक्षत्रमास२। चन्द्रायन ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	११	५	५०	श्रवण	५६	२८			वृष्टि	५	५०	वव			३२	२०	२६	२६	५६	मकरेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१२	४	५२	धनेष्टा	५६	२८			बालव	४	५२	कोलव			३२	१६	२७	२७	५७	६०॥भाःउः कुंभेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१३	३	५४	सतभि०	२६	२८			स्त्रीलोचन	३	५४	गर			३२	१२	२८	२८	५८	कुंभेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१४	२	५६	पुःभा०	२६	२८			विणिज	२	५६	वृष्टि			३२	८	२९	२९	५९	कुंभेंदु। पक्षो ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	१	५८	उःभा०	५६	२८			वव	१	५८	बालव			३२	४	३०	३०	६०	१२भाःउः मीनेंदु।ऋतुमास २। पूर्वाभाद्रपदारात्रिका

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४१ । युगनोमास ३ । पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास ३ । आसौज वदी । लोकोत्तरमासको । नाम । विजय । रविदत्तिणायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१	०	६०	रेवती	५६	२८			कोलव स्त्रीलोचन	० २९	६० ३२	गर	२९	३२	३२	०	१	३१	६१	मीनेंदु । सूर्यमा २ । २ पग ८ श्रंछाया सप्तम । उत्रा भाद्रपद् राशिका
०	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	३	५९	२	ऽश्विनी	५६	२८			विणिज	२९	३२	वृष्टि			३१	५७	२	१	६२	३०॥ भाः उः मेखेन्दु । कन्यार्कसंक्रांति । वर्षाऋतु ।
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	४	५८	४	भरणी	२६	२८			वव	२८	३४	घालव			३१	५३	३	२	६३	मेषेंदु । उत्राफाल्गुणाऽर्के २४ घः उः हस्तऽर्के १३ दिन २५ घः ।
बु	श	मं	शु	चं	वृ	र	५	५७	६	कृतिका	२६	२८			कोजव	२७	३६	स्त्रीलोचन			३१	४९	४	३	६४	४६ भाः उः वृषेंदु ।
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	६	५६	८	रोहिणी	५६	२८			गर	२६	३८	विणिज			३१	४५	५	४	६५	वृषेंदु
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	७	५५	१०	मृगसरा	५६	२८			घृष्टि	२५	४०	वव			३१	४१	६	५	६६	वृषेंदु
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	८	५४	१२	आर्द्रा	२६	२८			घाजव	२४	४२	कोलव			३१	३७	७	६	६७	॥ भाः उः मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	९	५३	१४	पुनर्वसु	५६	२८			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			३१	३३	८	७	६८	मिथुनेंदु । २ पग ६ श्रंः छाः पो
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१०	५२	१६	पुष्य	५६	२८			विणिज	२२	४६	घृष्टि			३१	२९	९	८	६९	१६ भाः उः कर्केंदु । चन्द्रायन ५
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	११	५१	१८	ऽश्लेषा	२६	२८			वव	२१	४८	घालव			३१	२५	१०	९	७०	कर्केंदु
बु	श	मं	शु	चं	वृ	र	१२	५०	२०	मघा	२६	२८			कोलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			३१	२१	११	१०	७१	३७॥ भाः उः सिंघेंदु
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१३	४९	२२	पुः फाः	२६	२८			गर	१९	५२	विणिज			३१	१७	१२	११	७२	सिंघेंदु
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१४	४८	२४	उः फाः	५६	२८			वृष्टि	१८	५४	शुकन			३१	१३	१३	१२	७३	५६ भाः उः कन्येंदु
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	१५	४७	२६	हस्त	५६	२८			चतुष्पद	१७	५६	नाग			३१	९	१४	१३	७४	कन्येंदु । पक्षी ५

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४१ । जुगनोमास ३ । पहला चन्द्र सम्वत्सरकोमास ३ । आसोजशुदि । लोकोत्तर मास नामविजय । रवि दक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	सूर्य साथ नक्षत्र
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	४६	२८	चित्रा	५६	२८			किंस्तुघन	१६	५८	बव			३१	५	१५	१४	७५	कन्येंदु । उत्रा भाद्रपद रात्री का समाप्त
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	२	४५	३०	स्वाति	२६	२८			बालव	१५	६०	कोलव			३१	१	१६	१५	७६	७॥भाःउःतुलेंदु।२पग१०श्रःछाःपोःहस्तर्के४८घ.उ चित्रार्के१३दिन२४घ.चंद्रदर्शनं
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	३	४४	३२	विशाखा	५६	२८			स्त्रीलोचन	१५	०	गर			३०	५८	१७	१६	७७	तुलेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	४	४३	३४	ऽनुराधा	५६	२८			विणिज	१४	२	वृष्टि			३०	५४	१८	१७	७८	२६ भाःउः वृश्चकेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	५	४२	३६	ज्येष्ठा	२६	२८			बव	१३	४	बालव			३०	५०	१९	१८	७९	वृश्चकेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	६	४१	३८	मुला	२६	२८			कोलव	१२	६	स्त्रीलोचन			३०	४६	२०	१९	८०	४४॥ भाः उः धनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	७	४०	४०	पुः षाः	२६	२८			गर	११	८	विणिज			३०	४२	२१	२०	८१	धनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	८	३९	४२	उः षाः	५६	२८			वृष्टि	१०	१०	बव			३०	३८	२२	२१	८२	६३ भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन ६ । नक्षत्र मास ३
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	९	३८	४४	ऽभिज	१५	१५			बालव	९	१२	कोलव			३०	३४	२३	२२	८३	मकरेंदु ॥ २ पग ११ श्रः छाः पो०
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१०	३७	४६	श्रवण	१५	१५			स्त्री लोचन	८	१४	गर			३०	३०	२४	२३	८४	मकरेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	११	३६	४८	धनेष्टा	१५	१५	गत	३०	विणिज	७	१६	वृष्टि			३०	२६	२५	२४	८५	१४॥ भाः उः कुम्भेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१२	३५	५०	पुः भा०	४५	१५			बव	६	१८	बालव			३०	२२	२६	२५	८६	कुम्भेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१३	३४	५२	उः भा०	६०	०			कोलव	५	२०	स्त्रीलोचन			३०	१८	२७	२६	८७	३३ भाः उः मीनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१४	३३	५४	उः भा०	१५	१५			गर	४	२२	विणिज			३०	१४	२८	२७	८८	मीनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	३२	५६	रेवती	१५	१५			वृष्टि	३	२४	बव			३०	१०	२९	२८	८९	५१॥ भाः उः मेखेंदु । ५खी ६

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४१ । युगमास ४ पहला चन्द्रसम्वत्सरकामास चौथाकार्तिकवदीलोकोत्तरमासनामप्रीतिवर्धन । रविदक्षिणायनो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र घड़ी के साथ	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणप्रारंभिका	घड़ी	भाग ६०	करणसमाप्तिका	घड़ी	भाग ६०	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन साढ़े १८भाग फर्से । नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन २ पखी ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	३१	५८	ऽश्विनी	१५	१५	भरणी	३०	बालव	२	२६	कोलव			३०	६	३०	२९	९०	मेषंदु।रितुमास३चित्रार्के१२घः७ स्वातीऽर्के६दिन४२घःरेवतीरात्रीका समास
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	२	३०	६०	कृतिका	४५	१५			स्त्रीलोचन	१	२८	गर	६०	वि	३०	२	१	३०	९१	मेषेंदु । अश्विनी१रात्रीका । सूर्यमास ३ । ३पगःछा पोः
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	३	३०	०	रोहिणी	६०	०			बृष्टि	३०	०	बव			२९	५९	२	१	९२	३भाः वृषेंदु । रात दिनसम । तुलाऽर्के शंक्रांती
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	४	२९	२	रोहिणी	१५	१५			बालव	२९	२	कोलव			२९	५५	३	२	९३	वृषेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	५	२८	४	मृगसरा	१५	१५	ऽाद्रा	३०	स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२९	५१	४	३	९४	२१॥भाः मिथुनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	६	२७	६	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	२७	६	बृष्टि			२९	४७	५	४	९५	मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	७	२६	८	पुनर्वसु	१५	१५			बव	२६	८	बालव			२९	४३	६	५	९६	५०भाःकर्केंदु।स्वातिऽर्के५४घःउः विशाखाऽर्के २०दिन ६घड़ी
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	८	२५	१०	पुष्य	१५	१५	ऽश्लेष	३०	कोलव	२५	१०	स्त्रीलोचन			२९	३९	७	६	९७	कर्केंदु । चन्द्रायन ७
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	९	२४	१२	मघा	४५	१५			गर	२४	१२	विणिज			२९	३५	८	७	९८	५८॥भाः सिंघेंदु । ३पः१अं छाःपोरसी
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१०	२३	१४	पु.फाः	४५	१५			बृष्टि	२३	१४	बव			२९	३१	९	८	९९	सिंघेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	११	२२	१६	उ.फाः	६०	०			बालव	२२	१६	कोलव			२९	२७	१०	९	१००	सिंघेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१२	२१	१८	उ.फाः	१५	१५			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२९	२३	११	१०	१०१	१०भाः कन्येंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१३	२०	२०	हस्त	१५	१५			विणिज	२०	२०	बृष्टि			२९	१९	१२	११	१०२	कन्येंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१४	१९	२२	चित्रा	१५	१५	स्वा	३०	शकुन	१९	२२	चतुष्पद			२९	१५	१३	१२	१०३	२८॥भाःतुलेंदु । पखी ७
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	१८	२४	विशाखा	६०	०			नाग	१८	२४	किंस्तुघ्न			२९	११	१४	१३	१०४	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४१ । जुगनोमास ३ । पहला चन्द्र सम्वत्सरकोमास ३ । आसौजशुदि । लोकोत्तर मास नामविजय । रवि दक्षिणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	सूर्य साथ नक्षत्र
र	घु	श	मं	शु	चं	बृ	१	४६	२८	चित्रा	५६	२८			किस्तुघन	१६	५८	बव			३१	५	१५	१४	७५	कन्यैंदु । उत्रा भाद्रपद रात्री का समाप्त
चं	बृ	र	घु	श	मं	शु	२	४५	३०	स्वाति	२६	२८			वालव	१५	६०	कौलव			३१	१	१६	१५	७६	७॥भा उःतुलेंदु।२पग१०श्रःछाःपोःहस्तऽर्के४८घ.उ चित्रार्के१३दिन२४घ चंद्रदर्शनं
मं	शु	चं	बृ	र	घु	श	३	४४	३२	विशाखा	५६	२८			स्त्रीलोचन	१५	०	गर			३०	५८	१७	१६	७७	तुलेंदु
घु	श	मं	शु	चं	बृ	र	४	४३	३४	ऽनुराधा	५६	२८			विणिज	१४	२	वृष्टि			३०	५४	१८	१७	७८	२६ भाःउः वृश्चकेंदु
बृ	र	घु	श	मं	शु	चं	५	४२	३६	ज्येष्ठा	२६	२८			बव	१३	४	वालव			३०	५०	१९	१८	७९	वृश्चकेंदु
शु	चं	बृ	र	घु	श	मं	६	४१	३८	मुला	२६	२८			कौलव	१२	६	स्त्रीलोचन			३०	४६	२०	१९	८०	४४॥ भाः उः धनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	घु	७	४०	४०	पुः षा.	२६	२८			गर	११	८	विणिज			३०	४२	२१	२०	८१	धनेंदु
र	घु	श	मं	शु	चं	बृ	८	३९	४२	उः षाः	५६	२८			वृष्टि	१०	१०	बव			३०	३८	२२	२१	८२	६३ भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन ६ । नक्षत्र मास ३
चं	बृ	र	घु	श	मं	शु	९	३८	४४	ऽभिज	१५	१५			वालव	९	१२	कौलव			३०	३४	२३	२२	८३	मकरेंदु ॥ २ पग ११ श्रः छाः पो०
मं	शु	चं	बृ	र	घु	श	१०	३७	४६	श्रवण	१५	१५			स्त्री लोचन	८	१४	गर			३०	३०	२४	२३	८४	मकरेंदु
घु	श	मं	शु	चं	बृ	र	११	३६	४८	धनेष्टा	१५	१५	शत	३०	विणिज	७	१६	वृष्टि			३०	२६	२५	२४	८५	१४॥ भाः उः कुम्भेंदु
बृ	र	घु	श	मं	शु	चं	१२	३५	५०	पुः भा०	४५	१५			बव	६	१८	वालव			३०	२२	२६	२५	८६	कुम्भेंदु
शु	चं	बृ	र	घु	श	मं	१३	३४	५२	उः भा०	६०	०			कौलव	५	२०	स्त्रीलोचन			३०	१८	२७	२६	८७	३३ भाः उः मीनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	घु	१४	३३	५४	उः भा०	१५	१५			गर	४	२२	विणिज			३०	१४	२८	२७	८८	मीनेंदु
र	घु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	३२	५६	रेवती	१५	१५			वृष्टि	३	२४	बव			३०	१०	२९	२८	८९	५१॥ भाः उः मेखेंदु । ५खी ६

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीरसम्वत् २४४२ । जुगनोमास । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास पांच मृगसरवदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांश । रविदक्षणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्रि	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फरसे सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन परिमान २ पक्षीपरिमाण ३ पोरसी छाया परिणाम ४
गु	श	मं	शु	च	बु	र	१	२	५६	रोहिणी	३४	२			कोलव	१	५६	स्त्रीलोचन			२८	८	३०	२९	१२०	वृषेंदु ॥ ऋतुमास ४
						च	२	१	५८	मृगसरा	३४	२			गर	२	५८	विणिज			२८	४	१	३०	१२१	४२॥भा मिथनेंदु । भरनीसमाप्ता राशी नक्षत्र ।
						मं	३	०	६०	आर्द्रा	४	२			धृष्टि ६०	भा	वव	२६घ३२बाल	२६	३२	२८	०	२	३१	१२२	मिथुनेंदु । सूर्यमास ४+३५४ अंः कृतकारात्रा
०	०	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० पोः
						बु	५	५६	२	पुनर्वसु	३४	२			कोलव	२९	३२	स्त्रीलोचन			२७	५७	३	१	१२३	६१भा कर्केंदु पृथ्वकेभानुशंक्रांतिचन्द्रायनदगरजनेकीअसभाइजगीसरदऋतु
						बृ	६	५८	४	पुष्य	३४	२			गर	२८	३४	विणिज			२७	५३	४	२	१२४	कर्केंदु
						शु	७	५७	६	अश्लेषा	४	२			धृष्टि	२७	३६	वव			२७	४९	५	३	१२५	कर्केंदु
						श	८	५६	८	मघा	४	२			बालव	२६	३८	कोलव			२७	४५	६	४	१२६	१२॥भा सिंघेंदु
						र	९	५५	१०	पु.फा०	४	२			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			२७	४१	७	५	१२७	सिंघेंदु
						चं	१०	५४	१२	उः फा०	३४	२			विणिज	२४	४२	धृष्टि			२७	३७	८	६	१२८	३१भा कन्येंदु
						मं	११	५३	१४	हस्त	३४	२			वव	२३	४४	बालव			२७	३३	९	७	१२९	कन्येंदु
						बु	१२	५२	१६	चित्र	३४	२			कोलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			२७	२९	१०	८	१३०	४६॥भा तुलेंदु । ३पग,अ०ग ऽनुराधाऽर्केश्वघ.३ जेष्टार्केदिन४२घः
						बृ	१३	५१	१८	स्वाति	४	२			गर	२१	४८	विणिज			२७	२५	११	९	१३१	तुलेंदु
						शु	१४	५०	२०	विशाखा	३४	२			धृष्टि	२०	५०	शुकुन			२७	२१	१२	१०	१३२	तुलेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	४९	२२	ऽनुराधा	३४	२			चतुष्पद	१९	५२	नाग			२७	१७	१३	११	१३३	१भाःउ.वृश्चिंदु । पक्षी ६

विक्रम सम्यत् १९७२ जोकीक । वीर सम्यत् २४४२ । जुगकामास ४ पहिला चन्द्रसम्वत्सरकामास चौथा । कार्तिक । शुदि । लोकोत्तर मास नाम । प्रीतिवर्धन । रविदत्तिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६४	दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	छाया प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्ले । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	१७	२६	विशाखा	१५	१५			वव	१७	२६	वालव			२६	७	१५	१४	१०५	४७ भाः वृश्चकेंदु । चन्द्र दर्शनम्
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	२	१६	२८	ऽनुराधा	१५	१५	ज्ये	३०	कोलव	१६	२८	स्त्री लोचन			२६	३	१६	१५	१०६	वृश्चकेंदु । ३ पग २ अः छाः ऽश्विनी रात्रीका
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	३	१५	३०	मुला	३५	१५			गर	१५	३०	विणिज			२८	६०	१७	१६	१०७	६४॥ भाः धनेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	४	१४	३२	पु षाढ़ा	३५	१५			वृष्ठि	१४	३२	वव			२८	५६	१८	१७	१०८	धनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	५	१३	३४	उ षाढ़ा	६०	०	०		वालव	१३	३४	कोलव			२८	५२	१९	१८	१०९	धनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	६	१२	३६	उ.षाढ़ा	१५	१५	ऽभि	१५/५४	स्त्री लोचन	१२	३६	गर			२८	४८	२०	१९	११०	१७ भाः मकरेंदु । नक्षत्र मास ४ चन्द्रायन ८
चं	बृ		बु	श	मं	शु	७	११	३८	श्रवन	३४	२			विणिज	११	३८	वृष्टि			२८	४४	२१	२०	१११	मकरेंदु
मं	शु		बृ	र	बु	श	८	१०	४०	धनेश	३४	२			वव	१०	४०	वालव			२८	४०	२२	२१	११२	३५॥ भाः कुम्भेंदु
	श	मं	शु	चं	बृ	र	९	९	४२	सतभिषा	४	२			कोलव	९	४२	स्त्री लोचन			२८	३६	२३	२२	११३	कुम्भेंदु
	र	बु	श	मं	शु	चं	१०	८	४४	पुः भाद्रप.	४	२			गर	८	४४	विणिज			२८	३२	२४	२३	११४	५४ भाः मीनेंदु । १ पग ३ अंगुल छाः पोरसी
	चं	बृ	र	बु	श	मं	११	७	४६	उः भाः	३४	२			वृष्टि	७	४६	वव			२८	२८	२५	२४	११५	मीनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१२	६	४८	रेवती	३४	२			वालव	६	४८	कोलव			२८	२४	२६	२५	११६	मीनेंदु । विशाषाऽर्के १० घड़ीपुर्ण
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१३	५	५०	ऽश्वनी	३४	२			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			२८	२०	२७	२६	११७	५॥ भाः मेखेंदु । ऽनुराधाऽर्के १३ दि २४ घड़ी
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१४	४	५२	भरणी	४	२			विणिज	४	५२	वृष्टि			२८	१६	२८	२७	११८	मेखेंदु । पखी कार्तिक चौमासा
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	३	५४	कृतिका	४	२			वव	३	५४	वालव			२८	१२	२९	२८	११९	२५ भाः वृषेंदु

गहिलाचन्द्रसम्वत्सरत्नोमास ६ । पौषवदी । लोकोत्तरमासकानामशिव । रविदत्तणायणे ।

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक । वीर सम्वत २४४२ । जुगकामास ६ ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र के वार	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ीमाग ६०	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायण २ । पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
पृ	र		श	मं	शु	चं	१	३३	४५	आद्रा	२२	५६			वालव	४	२२	कोलव			२६	१४	२६	२७	१४६	मिथुनेंदु ।
						मं	२	३२	४६	पुनर्वसु	५२	५६			स्त्रीलोचन	३	२५	गर			२६	१०	३०	२८	१५०	नियुनेंदु । ऋतुमास ५ चन्द्रायण ११ मुलाऽर्के ३० घःउःपुःपाःऽर्के १३दिन २४ घड़ी
						बु	३	३१	५८	पुष्प	५२	५६			विणिज	२	२६	वृष्टि			२६	६	१	२९	१५१	१५ भाः कर्केंदु+रोहनी राशीका
						बृ	४	३०	६०	ऽश्लेषा	२२	५६			वव	१	२८	वालव	२६	३२	२६	२	२	३०	१५२	कर्केंदु । ३ पगः ८ अंःछाः पौः सूर्य मास ५ः मृगसिर राशिका
						शु	५	३०	०	मघा	२२	५६			कोलव	०	३०	स्त्री ३६/३६	गर	३६/३६	२५	५६	३	१	१५३	३३ ॥ भाः सिंघेंदु । धनेंभानु । शंक्रांति ।
						श	६	२९	२	पू फाः	२२	५६			विणिज	२९	२	वृष्टि			३०	५५	४	२	१५४	सिंघेंदु
						र	७	२८	४	उत्राफाः	५२	५६			वव	२८	४	वालव			२५	५१	५	३	१५५	५२ भाः कन्येंदु
						चं	८	२७	६	हस्त	५२	५६			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			२५	४७	६	४	१५६	कन्यंदु
						मं	९	२६	८	चित्रा	५२	५६			गर	२६	८	विणिज			२५	४३	७	५	१५७	कन्येंदु
						बु	१०	२५	१०	स्वाति	२२	५६			वृष्टि	२५	१०	वव			२५	३९	८	६	१५८	३॥भाःतुलेंदु । ३ पग ९ अंःछाःपोरसी
						बृ	११	२४	१२	विशाषा	५२	५५			वालव	२४	१२	कोलव			२५	३५	९	७	१५९	तुलेंदु
						शु	१२	२३	१४	ऽनूराधा	५२	५६			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			२५	३१	१०	८	१६०	२२भाःउःवृश्चिकेंदु
						श	१३	२२	१६	ज्येष्ठा	२२	५६			विणिज	२२	१६	वृष्टि			२५	२७	११	९	१६१	वृश्चिकेंदु
						र	१४	२१	१८	मुला	२२	५६			शुकन	२१	१८	चतुष्पद			२५	२३	१२	१०	१६२	४०॥भाः धनेंदु ॥ पखी ११
पृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२०	२०	पुरषाषा	२२	५६			नाग	२०	२०	किस्तुघन			२५	१९	१३	११	१६३	धनेंदु । पुःषाः ५४ घः उः उत्राषाडाऽर्के २० दिन ६ घः

विक्रम सम्वत् १९७२लोकीक। वीर सम्वत् २४४२जुगनोमास ५। मृगसर सुदी। लोकोत्तरमासफातामश्रेयांश रविदत्तणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमा:भाग६७	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग। सूर्य के साथ,नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ३। पखी प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	४८	२४	ज्येष्ठा	४	२			किस्तुघन	१८	५४	चव			२७	१३	१४	१२	१३४	वृश्चकेंदु
						चं	२	४७	२६	मुला	४	२			बालव	१७	५६	कोलव			२७	९	१५	१३	१३५	१९॥भाः धनेंदु। चंद्रदर्शनम्
						मं	३	४६	२८	पुर्वाषाढ़ा	४	२			स्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२७	५	१६	१४	१३६	धनेंदु।
						बु	४	४५	३०	उत्राषाढा	३४	२	ऽभी	१८ ५४	विणिज	१५	६०	वृष्टि			२७	१	१७	१५	१३७	३८भाःमकरेंदु। ज्येष्ठा ६ घड़ी उः मुला ११ दिन २४ घः कृतिकारात्रीका। चन्द्रायन१०नक्षत्रमास ५।२ पईअं०छा०पोरसी
						बृ	५	४४	३२	श्रवण	५२	५६			चव	१५	०	बालव			२६	५८	१८	१६	१३८	मकरेंदु
						शु	६	४३	३४	धनेष्टा	५२	५६			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२६	५४	१९	१७	१३९	५६॥भा कुंभेंदु
						श	७	४२	३६	सतभि०	२२	५६			गर	१३	४	विणिज			२६	५०	२०	१८	१४०	कुंभेंदु
						र	८	४१	३८	पुःभा०	२२	५६			वृष्टि	१२	६	चव			२६	४६	२१	१९	१४१	कुंभेंदु
						चं	९	४०	४०	उ भा०	५२	५६			बालव	११	८	कोलव			२६	४२	२२	२०	१४२	८भा मीनेंदु
						मं	१०	३९	४२	रेवती	५२	५६			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२६	३८	२३	२१	१४३	मीनेंदु
						बु	११	३८	४४	ऽश्विनी	५२	५६			विणिज	९	१२	वृष्टि			२६	३४	२४	२२	१४४	२६॥भाःमेखेंदु। ३पग७अंःछाया पोरसी
						बृ	१२	३७	४६	भरणी	२२	५६			चव	८	१४	बालव			२६	३०	२५	२३	१४५	मेखेंदु
						शु	१३	३६	४८	कृतिका	२२	५६			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२६	२६	२६	२४	१४६	४५वृखेंदु
						श	१४	३५	५०	रोहिणी	५२	५६			गर	६	१८	विणिज			२६	२२	२७	२५	१४७	वृखेंदु
[illegible]	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	३४	५२	मृगसरा	५२	५६			वृष्टि	५	२०	चव			२६	१८	२८	२६	१४८	६३॥भाःमिथुनेंदु। पखी १०

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास ७ । पहला चन्द्र सम्वत्सरनामास ७ । माघवदी । लोकोत्तर मास नामशि.सर । रवि दक्षिणायणे से । रवि उत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमानघ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	[illegible]	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से सूर्य साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३॥ पोरसी छायाप्रमाण ४।
श	र	शु	चं	बृ	र	बु	१	४	५२	पुष्य	११	४३	ऽश्ले	३०	कोलव	४	५२	स्त्रीलोचन			२४	१६	२९	२७	१७९	कर्केंदु
						बृ	२	३	५४	मघा	४१	४३			गर	३	५४	विणिज			२४	१२	३०	२८	१८०	५४॥भाः सिंहेंदु ॥ ऋतुमास ६
						शु	३	२	५६	पुः फाः	४१	४३			बृष्टि	२	५६	बव			२४	८	१	२९	१८१	सिंघेंदु ॥ पुनर्वसुसमाप्ता रात्रीका
						श	४	१	५८	उः फाः	६०	०			वालव	१	५८	कोलव	२६	३२	२४	४	२	३०	१८२	सिंहेंदु
						र	५	०	६०	उः फः	११	४३			स्त्री लोचन	०	६०	गर	३५	वि	२४	०	३	३१	१८३	६ माःकन्येंदु । सूर्यमास ६। सूर्ययेन १३.पाःऽर्के ६० घड़ी ॥ पुष्परात्रीका ४ पग छाया पोरसी
०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
						चं	७	५६	२	हस्त	११	४३			बृष्टि	२६	३२	बव			२४	४	४	१	१८४	कन्येंदु।मकरेभानु । शंक्रांति । अभीचार्के४ दि०१२घ० हेमंत ऋतु रविउत्रायने
						मं	८	५८	४	चित्रा	११	४३	स्वी	३०	वालव	२८	३४	कोलव			२४	८	५	२	१८५	२४॥ भागः उः तुलेंदु
						बु	९	५७	६	विशाषा	६०	०			स्त्री लोचन	२७	३६	गर			२४	१२	६	३	१८६	तुलेंदु
						गु	१०	५६	८	विशाषा	११	४३			विणिज	२६	३८	बृष्टि			२४	१६	७	४	१८७	४३ भाः वृश्चकेंदु
						शु	११	५५	१०	ऽनुराध	११	४३	ज्ये	३०	बव	२५	४०	वालव			२४	२०	८	५	१८८	वृश्चकेंदु । ऽभीचार्के १२ घःउः श्रवनार्के १३दिः २४ घड़ी
						श	१२	५४	१२	मुला	४१	४३			कोलव	२४	४२	स्त्रीलोचन			२४	२४	९	६	१८९	६१॥भा धनेंदु
						र	१३	५३	१४	पुःपाडा	४१	४३			गर	२३	४४	विणिज			२४	२८	१०	७	१९०	धनेंदु
						चं	१४	५२	१६	उःपाडा	६०	०			बृष्टि	२२	४६	शुकुन			२४	३२	११	८	१९१	धनेंदु । ३ पग ११ अंः छाया पोरसी।
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	५१	१८	उः षाः	११	४३	ऽभी	५५	चतुष्पद	२१	४८	नाग			२४	३६	१२	९	१९२	१३ भाः मकरेंदु । नक्षत्र मास ७ । चन्द्रायन १४। पक्षी १३

विक्रम सम्वत् १९७२ लोगीक । वीर सम्वत् २४४२ । ज्ञुगनोमास ६ पहिला चद्र सम्वत्सरनोमास ६ । पौषशुद्री लाकोत्तरमासको नाम शिव । रवीदक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचक्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६०	दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायण २ पर्वप्रमाण ३ । पोरक्षः प्रमाण ४
श	च	बृ	र	बु	श	मं	१	१६	२२	उत्राषाडा	५२	५६			घव	१६	२२	बालव			२५	१५	१४	१२	१६४	५६ भा मकरेंदुनक्षत्रमास ६ चन्द्रमायन १२
						बु	२	१८	२४	अभीच	११	४३			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			२५	११	१५	१३	१६५	मकरेंदु । चंद्रदर्शनम्
						बृ	३	१७	२६	श्रावण	११	४३			गर	१७	२६	विणिज			२५	७	१६	१४	१६६	मकेंदु
						शु	४	१६	२८	धनेष्ठा	११	४३	सत	३०	वृष्टि	१६	२८	घव			२५	३	१७	१५	१६७	१०॥ भा कुभेंदु । ३ पग १०अंक्षापो । मृगशिर नक्षत्र रात्रीकाविता
						श	५	१५	३०	पू भा	४१	४३			वालव	१५	३०	कोलव			२४	६०	१८	१६	१६८	कुभेंदु ।
						र	६	१४	३२	उ भा	६०	०			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			२४	५६	१९	१७	१६९	२६ भा.उ मीनेंदु
						च	७	१३	३४	उ भा	११	४३			विणिज	१३	३४	वृष्टि			२४	५२	२०	१८	१७०	मीनेंदु
						मं	८	१२	३६	रेवती	११	४३			घव	१२	३६	वालव			२४	४८	२१	१९	१७१	४७॥ भा उ मेखेंदु
						बु	९	११	३८	अश्वनी	११	४३	भर	३०	कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			२४	४४	२२	२०	१७२	मेखेंदु
						बृ	१०	१०	४०	कृतिका	४१	४३			गर	१०	४०	विणिज			२४	४०	२३	२१	१७३	६६ भा उ वृखेंदु
						शु	११	९	४२	रोहेणी	६०	०			वृष्टि	९	४२	घव			२४	३६	२४	२२	१७४	वृखेंदु । ३ पग ११ अक्षापो । आद्रा समाप्ता रात्रीका
						श	१२	८	४४	रोहेणी	११	४३			वालव	८	४४	कोलव			२४	३२	२५	२३	१७५	वृखेंदु
						र	१३	७	४६	मृगसरा	११	४३	आद्रा	३०	स्त्रीलोचन	७	४६	गर			२४	२८	२६	२४	१७६	१७॥भा उ मिथुनेंदु
						च	१४	६	४८	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	६	४८	वृष्टि			२४	२४	२७	२५	१७७	मिथुनेंदु । पत्री १२
शु	बु	बृ	र	बु	श	मं	१५	५	५०	पुनर्वसु	११	४३			घव	५	५०	वालव			२४	२०	२८	२६	१७८	२६ भा उ कर्केंदु । चद्रायन १३

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगनोमास ८। पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुनवदी। लोकोत्तरमासको नाम। हेमते। रविउत्रायणे॥																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	सूर्य मास	चंद्र मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साड़े१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
१	शु	श	मं	शु	चं	बृ	१	३५	५०	मघा	०	३०			वालव	६	१८	कोलव			२५	३९	२८	२५	२०८	८॥ भाः उः सिंघेंदु
						शु	२	३४	५२	पुः फा	०	३०			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			२५	४३	२९	२६	२०९	सिंघेंदु
						श	३	३३	५४	उ फाः	३०	३०			विणिज	४	२२	वृष्टि			२५	४७	३०	२७	२१०	२७ भाः उ. कन्येंदु। ऋतुमास ७।
						र	४	३२	५६	हस्त	३०	३०			धव	३	२४	वालव			२५	५१	१	२८	२११	कन्येंदु।
						चं	५	३१	५८	चित्रा	३०	३०			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			२५	५५	२	२९	२१२	४५॥ भा. तुलेंदु, अश्लेषां समाप्ता रात्री का।
						मं	६	३०	६०	स्वाति	०	३०			गर	१	२८	विणिज	२९	३२	२५	५९	३	३०	२१३	तुलेंदु। सूर्यमास ७। ३ पग ८ आं छाःपोः मघारात्रीका।
						बु	७	३०	०	विशा	३०	३०			वृष्टि	०	३०	धव	३६ ३२	बाल	२६	२	४	१	२१४	६४ भा उःवृश्चकेंदु। धनार्के ६० घः कुंभेभानुशंक्रांति।
						बृ	८	२९	२	ऽनुराः	३०	३०			कोलव	२९	२	स्त्रीलोचन			२६	६	५	२	२१५	वृश्चकेंदु। मतभिषाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी।
						शु	९	२८	४	ज्येष्ठा	०	३०			गर	२८	४	विणिज			२६	१०	६	३	२१६	वृश्चकेंदु।
						श	१०	२७	६	मुला	०	३०			वृष्टि	२७	६	धव			२६	१४	७	४	२१७	१५॥ भा. उः धनेंदु।
						र	११	२६	८	पु षाढ़ा	०	३०			वालव	२६	८	कोलव			२६	१८	८	५	२१८	धनेंदु।
						चं	१२	२५	१०	उःषाढ़ा	३०	३०	ऽभी	१५ ४	स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			२६	२२	९	६	२१९	३४ भा. उ. मकरेंदु। नक्षत्रमास ८। चन्द्रायन १६।
						मं	१३	२४	१२	श्रवण	४१	१७			विणिज	२४	१२	वृष्टि			२६	२६	१०	७	२२०	मकरेंदु। ३ पग ७ अ छा.।
						बु	१४	२३	१४	धनेष्ठा	४६	१७			शकुन	२३	१४	चतुष्पद			२६	३०	११	८	२२१	५२॥ भाःउ कुंभेंदु पखी १५। सतःऽर्कःः४२घःउःपूर्वाभाःऽर्के। १२दिः२४घ
२	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	२२	१६	शतभि	१६	१७			नाग	२२	१६	किंस्तुघन			२६	३४	१२	९	२२२	कुंभेंदु।

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास ७ । पहिलाच द्रसभ्य सरनोमास ७ । माघसुदी । लोकोत्तरमासकानामशिसिर । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६७	दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २ । पोरसीका प्रमाण ४ ।
ग	म	शु	च	वृ	र	उ	१	५०	२०	श्रवन	३०	३०			किस्तु	२०	५०	वव			२,	४०	१३	१०	१९३	मकरेंदु ।
						वृ	२	४१	२२	धनेष्टा	३०	३०			वालव	१९	५२	कोलव			२४	३४	१४	११	१९४	३१॥ भा उ कुमेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	४८	२४	शतभि		०	३०		स्त्रीलोचन	१८	५४	गर			२	४८	१५	१२	१९५	कुंभेंदु
						श	४	४७	२६	पुरवाभा		०	३०		विणिज	१७	५६	वृष्टि			२४	५२	१६	१३	१९६	५० भा उ मीनेंदु
						र	५	४५	२८	उभाभा	३०	३०			वव	१५	५८	वालव			२४	५६	१७	१४	१९७	मीनेंदु । पुष्प समाप्तारात्रीका
						च	६	४५	३०	रवती	३०	३०			कालव	१५	६०	स्त्रीलोचन			२४	६०	१८	१५	१९८	मानेंदु । ३ पग १० अः छा पोरसी
						म	७	४४	३२	ऽश्विनी	३०	३०			गर	१५	०	विणिज			२५	३	१९	१६	१९९	१॥ भा उः मखेंदु
						उ	८	४३	३४	भरणी	०	३०			वृष्टि	१४	२	वव			२५	७	२०	१७	२००	मेखदु
						बु	९	४२	३६	कृतका	०	३०			वालव	१३	४	कोलव			२५	११	२१	१८	२०१	२०भा उ वृखदु । श्रवण ३६घ उः धनष्टाकें १३दिन२४घ
						शु	१०	४१	३८	रोहिनी	३०	३०			स्त्रीलोचन	१२	६	गर			२५	१५	२२	१९	२०२	वृखेंदु
						श	११	४०	४०	मृगसरा	३०	३०			विणिज	११	८	वृष्टि			२५	१९	२३	२०	२०३	३८॥ भा उ मिथनेंदु ।
						र	१२	३९	४२	आद्रा		३०			वव	१०	१०	वालव			२५	२३	२४	२१	२०४	मिथुनेंदु
						चं	१३	३८	४४	पुनवसु	३०	३०			कालव	९	१२	स्त्रीलोचन			२५	२	२५	२२	२०५	५७ भा उ कर्केंदु । ३१ ६छ्रा । चन्द्रायन १५
						म	१४	३७	४६	पुष्प	३०	३०			गर	८	१४	विणिज			२५	३१	२६	२३	२०६	कर्केंदु
श	म	शु	च	वृ	र	शु	१५	३६	४८	ऽश्लेषा	०	२०			वृष्टि	७	१६	वव			२५	३५	२७	२४	२०७	कर्केंदु । पखी १५

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीरसम्वत् २४४२ । जुगनोमास ६ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास ६ चैत्रवदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रविउत्रायणो

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रमहूर्त	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भा. ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसे सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन परिमान २ पखीपरिमाण ३ पोरसी छाया परिणाम ४
																					२७	३७	२८	२५	२३८	कर्य्येंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	६	४८	हस्त	४६	१७	\		कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			२७	४१	२९	२६	२३९	६६॥ भाः उः तुलेंदु । ऋतुमास ८
						र	२	५	५०	चित्रा	४६	१७			गर	५	५०	विणिज			२७	४५	३०	२७	२४०	तुलेंदु
						चं	३	४	५२	स्वाति	१६	१७			वृष्टि	४	५२	चव			२७	४६	१	२८	२४१	तुलेंदु
						मं	४	३	५४	विशाषा	४६	१७			बालव	३	५४	कोलव			२७	५३	२	२९	२४२	१८ भाः उःवृश्चकेंदु
						बु	५	२	५६	ऽनुराधा	४६	१७			स्त्रीलोचन	२	५६	गर	२६	४३	२७	५७	३	३०	२४३	वृश्चकेंदु॥ पूर्वाफाल्गुणी समाप्ता रात्रीका
						बृ	६	१	५८	ज्येष्टा	१६	१७			विणिज	१	५८	वृष्टि	३६	को	२८	०	४	३१	२४४	३६॥भाःउः धनेंदु। सुर्य्यमास ८ ३पग४ अंः पोः उत्रा फाःरात्रीका
						शु	७	०	६०	मूला	१६	१७			वव	०	६०	बालव								
०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						श	९	५६	२	पुःषा०	१६	१७			स्त्रीलोचन	२६	३२	गर			२८	४	५	१	२४५	धनेंदु । मीनेंभानु शंक्रान्ति । वसंतऋतु
						र	१०	५८	४	उः पा०	४६	१७			विणिज	२८	३४	वृष्टि			२८	८	६	२	२४६	५५ भा.उः मकरेंदु । नक्षत्र मास १ चन्द्रायन १८
						चं	११	५७	६	ऽभिच	८	४			वव	२७	३६	बालव			२८	१२	७	३	२४७	मकरेंदु
						मं	१२	५६	८	श्रवण	८	४			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			२८	१६	८	४	२४८	मकरेंदु
						बु	१३	५५	१०	धनष्टा	८	४	शत	३०	गर	२५	४०	विणिज			२८	२०	९	५	२४९	६॥भाःउः कुंभेंदु
						बृ	१४	५४	१२	पुः भाः	३८	४			वृष्टि	२५	४२	शुकुन			२८	२४	१०	६	२५०	कुंभेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	५३	१४	उ भाः	६०	०			चतुष्पद	२३	४४	नाग			२८	२८	११	७	२५१	२५भाःउः मीनेंदु ३ पग ३ अं छाः पोरसी+पखो१७

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक । वीर सम्वत् २४४२ । युगनोमास ८ पहिला चंद्र सम्वत्सरनोमास ८ । फाल्गुण शुदी लोकोत्तरमासको नाम हेमंत । रविउत्रायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्राङ्क	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग६७	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमानघड़ी	भाग ६२	नक्षत्रमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा दां दिन ६७साढे १८ भागफर्स ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
चं	वृ	र	गु	श	मं	शु	१	२१	१८	पु भा	४६	१७			वव	२१	१८	वालव			२६	३८	१३	१०	२२३	कुंभेंदु ।
						श	२	२०	२०	उ.भा	४६	१७			कोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन			२६	४२	१४	११	२२४	४भाः उः मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	१९	२२	रवती	४६	१७			गर	१९	२२	विणिज			२६	४६	१५	१२	२२५	मीनेंदु
						चं	४	१८	२४	अश्वनी	४६	१७			वृष्टि	१८	२४	वव			२६	५०	१६	१३	२२६	२२ ॥ भा उ मेखदु
						मं	५	१७	२६	भरणी	४६	१७			वालव	१७	२६	कोलव			२६	५४	१७	१४	२२७	मेखदु
						बु	६	१६	२८	कृतिका	४६	१७			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर			२६	५८	१८	१५	२२८	४१ भा उ वृखेंदु । ३ पग ६ आंः छाः पोः मघासमातरात्रीका
						वृ	७	१५	३०	रोहिणी	४६	१७			विणिज	१५	३०	वृष्टि			२७	१	१९	१६	२२९	वृखेंदु
						शु	८	१४	३२	मृगसरा	४६	१७			वव	१४	३२	वालव			२७	५	२०	१७	२३०	५८॥भा उः मिथुनेंदु
						श	९	१३	३४	आद्रा	४६	१७			कोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन			२७	९	२१	१८	२३१	मिथुनेंदु
						र	१०	१२	३६	पुनवसु	४६	१७			गर	१२	३६	विणिज			२७	१३	२२	१९	२३२	मिथुनेंदु । चन्द्रायन १७
						च	११	११	३८	पुस्य	४६	१७			वृष्टि	११	३८	वव			२७	१७	२३	२०	२३३	११भा कर्केंदु
						म	१२	१०	४०	ऽश्लेषा	४६	१७			वालव	१०	४०	कोलव			२७	२१	२४	२१	२३४	कर्केंदु
						बु	१३	९	४२	मघा	४६	१७			स्त्रीलोचन	९	४२	गर			२७	२५	२५	२२	२३५	२९॥भा उ सिंघेंदु।२पग५आ।पुर्वाःभाःऽर्केद्दघ उ उत्राभाद्रःऽर्केर२०दिः ६घड़ी
						वृ	१४	८	४४	पु.फा	४६	१७			विणिज	८	४४	वृष्टि			२७	२९	२६	२३	२३६	सिंघेंदु । पखी १६
चं	च	र	च	श	मं	श	१५	७	४६	उ.फा	४६	१७			वव	७	४६	वालव			२७	३३	२७	२४	२३७	४८ भाः उ. कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ जोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १० । पहिला चन्द्रसम्वत्सरका मास १० । वैसाखवदी । लोकोत्तरमासनाम । कुसमसंभव । रविउत्रायणे ।

चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान घड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	३७	४६	चित्रा	८	४	स्वाः	३०	घालव	८	१४	कोलव			२९	३१	२७	२३	२६७	२०॥ भाःउः तुलेंदु
						चं	२	३६	४८	विशाखा	६०	०			स्त्री लोचन	७	१६	गर			२९	३५	२८	२४	२६८	तुलेंदु । रेवतीऽर्के२९घःउःऽश्विनीऽर्के१३दिन२४घड़ी
						मं	३	३५	५०	विशाखा	८	४			विणिज	६	१८	वृष्टि			२९	३९	२९	२५	२६९	३९ भाःउ वृश्चकेंदु -
						बु	४	३४	५२	ऽनुराधा	८	४	ज्ये०	३०	बव	५	२०	बालव			२९	४३	३०	२६	२७०	वृश्चकेंदु । ऋतुमास ९
						बृ	५	३३	५४	मुला	३८	४			कोलव	४	२२	स्त्री लोचन			२९	४७	१	२७	२७१	५७॥ भाःउः धनेंदु
						शु	६	३२	५६	पु खाड़ा	३८	४			गर	३	२४	विणिज			२९	५१	२	२८	२७२	धनेंदु
						श	७	३१	५८	उ षाड़ा	६०	०			वृष्टि	२	२६	बव			२९	५५	३	२९	२७३	धनेंदु । हस्तसमानरात्रीका
						र	८	३०	६०	उःषाड़ा	८	४	ऽभि	१५	घालव	१	२८	कोलव	२९	३२	२९	५९	४	३०	२७४	९ भाः मकरेंदु।नक्षत्रमास१०।चन्द्रायन२०।सूर्यमास९।चित्राराज्ञी३पगःछाःपो
						चं	९	३०	०	श्रवण	२९	५८			स्त्रीलोचन	०	३०	गर२९।३२	०	वि.	३०	२	५	१	२७५	मकरेंदु । मेखभानुशंक्रांति
						मं	१०	२९	२	धनेष्ठा	२९	५८	शत	३०	वृष्टि	२९	२	बव			३०	६	६	२	२७६	२७॥भाःउःकुम्भेंदु
						बु	११	२८	४	पूःभा०	५९	५८			घालव	२८	४	कोलव			३०	१०	७	३	२७७	कुम्भेंदु
						बृ	१२	२७	६	पुःभाद्रपः	६०	०			स्त्रीलोचन	२७	६	गर			३०	१४	८	४	२७८	४९ भाः मीनेंदु
						शु	१३	२६	८	उः भाः	२९	५८			विणिज	२६	८	वृष्टि			३०	१८	९	५	२७९	मीनेंदु
						श	१४	२५	१०	रेवती	२९	५८			सुकन	२५	१०	चतुष्पद			३०	२२	१०	६	२८०	९४॥ भाःउः मेखेंदु पखी १९ ।
															नाग	२४	१२	किस्तघन			३०	२६	११	७	२८१	मेखेंदु ऽश्विनिऽर्के ६० घड़ी २ पः ११ प्रः छाः पोः

विक्रम सम्वत् १९७२लोकीका वीर सम्वत् २४४२जुगनोमास ६। पहिला चन्द्रमा मम्वत सरकामास ६। चैत्र सुदी। लोकोत्तरमासकानाम वसंत। रविउत्रायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र वंद ५ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	५२	१३	उःभा०	८	४			किस्तुघन	२२	४६	वव			२८	३२	१२	८	२५२	मीनेंदु
						र	२	५१	१८	रेवती	८	४			वालव	२१	४८	कोलव			२८	३६	१३	९	२५३	४३॥भाः मेखेंदु। चंद्रदर्शनम्
						चं	३	५०	२०	ऽश्विनी	८	४	भर	३०	स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			२८	४०	१४	१०	२५४	मेखेंदु
						मं	४	४९	२२	कृतिका	३८	४			विणिज	१९	५२	बृष्टि			२८	४४	१५	११	२५५	६२भाःउ. बृखेंदु। उ भाः ऽर्के १२घ.उः रेवती ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						बु	५	४८	२४	रोहिणी	६०	०			वव	१८	५४	वालव			२८	४८	१६	१२	२५६	बृखेंदु
						बृ	६	४७	२६	रोहिणी	८	४			कोलव	१७	५६	स्त्रीलोचन			२८	५२	१७	१३	२५७	बृखेंदु
						शु	७	४६	२८	मृगसर	८	४	ऽाद्रा	३०	गर	१६	५८	विणिज			२८	५६	१८	१४	२५८	१३॥भा उः मिथुनेंदु।उत्रा फाल्गुणी समासा रात्रीका २ पग २र्था :त्वाः पोः
						श	८	४५	३०	पुनर्वसु	६०	०			बृष्टि	१५	६०	वव			२८	६०	१९	१५	२५९	मिथुनेंदु
						र	९	४४	३२	पुनर्वसु	८	४			वालव	१५	०	कोलव			२९	३	२०	१६	२६०	३२भाःउ. कर्केंदु। चन्द्रायन १९
						चं	१०	४३	३४	पुख	८	४	ऽश्ले	३०	स्त्रीलोचन	१४	२	गर			२९	७	२१	१७	२६१	कर्केंदु
						मं	११	४२	३६	मघा	३८	४			विणिज	१३	४	बृष्टि			२९	११	२२	१८	२६२	५०॥भाः सिंघेंदु
						बु	१२	४१	३८	पु फा	३८	४			वव	१२	६	वालव			२९	१५	२३	१९	२६३	सिंघेंदु
						बृ	१३	४०	४०	उःफाः	६०	०			कोलव	११	८	स्त्रीलोचन			२९	१९	२४	२०	२६४	सिंघेंदु
						शु	१४	३९	४२	उ फाः	८	४			गर	१०	१०	विणिज			२९	२३	२५	२१	२६५	२भाःउः कन्येंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	३८	४४	हस्त	८	४			बृष्टि	९	१२	वव			२९	२७	२६	२२	२६६	कन्येंदु पखी १८

विक्रम सम्वत् १६७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास ११ पहला चन्द्रसम्वत्सरकामास ११ ज्येष्ठ वदी लोकोत्तरमासनाम निदाह । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६०	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६०	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७सादे १८भाग फर्से। नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ नक्षत्रप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	वृ	र	बु	श	मं	१	८	४४	ऽनुराधा	२६	४८	ज्ये	३०	कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			३१	२६	२७	२३	२६७	वृश्चकेंदु
					बु	२	७	४६	मुला	५६	४८			गर	७	४६	विणिज			३१	३३	२८	२४	२६८	वृश्चकेंदु
					वृ	३	६	४८	पुर्वाषाढ़ा	५६	४८			वृष्टि	६	४८	वव			३१	३७	२९	२५	२९९	११॥ भा॰उः धनेंदु
					शु	४	५	५०	उत्राषाढ़ा	६०	०			बालव	५	५०	कोलव			३१	४१	३०	२६	३००	धनेंदु ऋतुमास १०
					श	५	४	५२	उत्राषाढ़ा	२६	५८	ऽभी	१८/५४	स्त्रीलोचन	४	५२	गर			३१	४५	१	२७	३०१	३०भाःउ. मकरेंदु नक्षत्रमास ११ । चन्द्रायन २२
					र	६	३	५४	श्रवण	४५	४५			विणिज	३	५४	वृष्टि			३१	४९	२	२८	३०२	मकरेंदु ऋतः ऽर्केदु घःउः रोहिणी ऽर्के २० दिर्ह घडी
					चं	७	२	५६	धनिष्ठा	४५	४५			चव	२	५६	बालव			३१	५३	३	२९	३०३	४८॥भा.उः कुंभेंदु
					मं	८	१	५८	शतभिषा	१५	४५			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	३६ ३२	०	३१	५७	४	३०	३०४	कुंभेंदु स्वाति समाप्ता रात्रीका
					बु	९	०	६०	पुर्वाभा०	१५	४५			गर	०	६०	विणिज		३०	३२	०	५	३१	३०५	कुंभेंदु सूर्यमास १० । २ पग ८ अंः छाः विशाषा रात्री का
०	०	०	०	०	०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
					वृ	११	५९	२	उत्राभा०	४५	४५			वव	२६	३२	बालव			३२	४	६	१	३०६	मीनेंदु । वृखभानुसंक्रांति । ग्रिषमऋतु
					शु	१२	५८	४	रेवती	४५	४५			कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			३२	८	७	२	३०७	मीनदु
					श	१३	५७	६	ऽश्विनि	४५	४५			गर	२७	३६	विणिज			३२	१२	८	३	३०८	१८॥भाःउः मेखेंदु
					र	१४	५६	८	भरणी	१५	४५			वृष्टि	२६	३८	शुकन			३२	१६	९	४	३०९	मेखेंदु
र	श	श	मं	श	चं	१५	५५	१०	‑तका	१५	४५			चतुष्पद	२५	४०	नाग			३२	२०	१०	५	३१०	३७ भागः उः वृखेंदु पखी २१

१० विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४२ । जुगनोमास १० । पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास १० । वगाखसुदी ; लोकोत्तरमासको नाम । कुमभसंभ्व । रविउत्रायण ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साङ्इ१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीक्षयाप्रमाण४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	२३	१४	कृतिका	५६	५८			वव	२३	१४	वालव			३०	३०	१२	८	२८२	मेखेंदु । भरणी ऽर्के ६ दि: ४२ घड़ी
						मं	२	२२	१६	रोहिणी	६०	०			कोलव	२२	१६	स्त्रीलोचन			३०	३४	१३	९	२८३	१६ भा. उ: वृखवु चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	२१	१८	रोहिणी	२६	५८			गर	२१	१८	विणिज			३०	३८	१४	१०	२८४	वृखेंदु
						बृ	४	२०	२०	मृगसरा	२६	५८	आद्रा	३०	वृष्टि	२०	२०	वव			३०	४२	१५	११	२८५	३४॥भा: उ: मिथुनेंदु
						शु	५	१९	२२	पुनर्वसु	६०	०			वालव	१९	२२	कोलव			३०	४६	१६	१२	२८६	मिथुनेंदु
						श	६	१८	२४	पुनर्वसु	२६	५८			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर			३०	५०	१७	१३	२८७	५३ भा: कर्केंदु
						र	७	१७	२६	पुष्य	२६	५८	अश्ले	३०	विणिज	१७	२६	वृष्टि			३०	५४	१८	१४	२८८	कर्केंदु चन्द्रायन २१। भरणी ऽर्के ४२ घ: उ: कृतिका ऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						चं	८	१६	२८	मघा	५६	५८			वव	१६	२८	वालव			३०	५८	१९	१५	२८९	कर्केंदु । २ पग १० अं: छापो । चित्रा ममासारात्रीका ।
						मं	९	१५	३०	पु: फा	५६	५८			कोलव	१५	३०	स्त्रीलोचन			३१	१	२०	१६	२९०	४॥भा: उ: सिंघेंदु
						बु	१०	१४	३२	उ. फा:	६०	०			गर	१४	३२	विणिज			३१	५	२१	१७	२९१	सिंघेदु
						बृ	११	१३	३४	उ: फा	२६	५८			वृष्टि	१३	३४	वव			३१	९	२२	१८	२९२	२३ भा:उ: कन्येंदु
						शु	१२	१२	३६	हस्त	२६	५८			वालव	१२	३६	कोलव			३१	१३	२३	१९	२९३	कन्येंदु
						श	१३	११	३८	चित्रा	२६	५८	स्वा	३०	स्त्रीलोचन	११	३८	गर			३१	१७	२४	२०	२९४	४१ ॥भा: उ: तुलेंदु
						र	१४	१०	४०	विशाषा	६०	०			विणिज	१०	४०	वृष्टि			३१	२१	२५	२१	२९५	तुलेंदु । पखी २०
	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	९	४२	विशाषा	२६	५८			वव	९	४२	वालव			३१	२५	२६	२२	२९६	६० भा: वृश्चि…

विक्रम संवत् १९७३ लौकीक। वीरसम्वत् २४४२। जुगकामास १२। पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास १२। आषाढवदी।.लोकोत्तरमासनाम। यमविरोध। रविश्रावयो

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाः ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसैं। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
७	मं	शु	नं	पू	र	गु	१	३६	४२	मूला	१५	४५			बालव	१०	१०	कौलव			३३	२३	२६	२१	३२६	३२॥भाःउः धनेंदु। अनुराधासमाप्तरात्रीका
						वृ	२	३८	४४	पु:षा०	१५	४५			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३३	२७	२७	२२	३२७	धनेंदु। २घा४अं:छा:पोरसी
						शु	३	३७	४६	उ: षा०	४५	४५			विणिज	८	१४	वृष्टि			३३	३१	२८	२३	३२८	५५ भा.उः मकरेंदु। नक्षत्र मास १२। चन्द्रायन २४
						श	४	३६	४८	ऽभिज	४	३२			बव	७	१६	बालव			३३	३५	२९	२४	३२९	मकरेंदु
						र	५	३५	५०	श्रवण	४	३२			कौलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३३	३९	३०	२५	३३०	मकरेंदु। ऋतुमास ११
						नं	६	३४	५२	धनेष्ठा	४	३२	शतः	३०	गर	५	२०	विणिज			३३	४३	१	२६	३३१	२॥भाःउः कुंभेंदु
						मं	७	३३	५४	पुः भाः	३४	३२			वृष्टि	४	२२	बव			३३	४७	२	२७	३३२	कुंभेंदु
						बु	८	३२	५६	उः भाः	६०	०			बालव	३	२४	कौलव			३३	५१	३	२८	३३३	२१भा.उः मीनेंदु
						वृ	९	३१	५८	उ०भा०	४	३२			स्त्रीलोचन	२	२६	गर	२९	‹३	३३	५५	४	२९	३३४	मीनेंदु। ज्येष्ठासमाप्तरात्रीका [श्रावाऽकैः दिन४२घः
						शु	१०	३०	६०	रेवती	४	३२			विणिज	१	२८	वृष्टि	२९ ३२		३३	५९	५	३०	३३५	३१॥ भाःउ.मेखेंदु। सूर्यमास११।२गग४अं-छाः।मूजांरात्रीका।मृगसरऽकें३६घं:उः
						श	११	३०	०	ऽश्विनी	४	३२	भर०	३०	बव	०	३०	बालव	क्रां		३४	२	६	१	३३६	मेखेंदु। मिथुनभानुशक्रांति
						र	१२	२९	२	कृतका	३४	३२			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			३४	६	७	२	३३७	५८भाःउः वृखेंदु
						नं	१३	२८	४	रोहिणी	६०	०			विणिज	२८	४	वृष्टि			३४	१०	८	३	३३८	वृखेंदु
						मं	१४	२७	६	रोहिणी	४	३२			शुकन	२७	६	चतुष्पद			३४	१४	९	४	३३९	वृखेंदु। पक्षी २३
७	मं	शु	नं	पू	र	गु	१५	२६	८	मृगसिर	४	३२	ऽद्रा	३०	नाग	२६	८	किंस्तुघ्न			३४	१८	१०	५	३४०	६॥भाःउःमिथुनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । युगनोमास ११ पहिला चंद्र सम्वत्सरनोमास ११ ज्येष्ठ शुदी लोकोत्तरमासको नाम निदाहे । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रचंद्रे	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफर्स ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	५४	१२	रोहिणी	४५	४५			किस्तुघन	२४	४२	वव			१२	२४	११	६	३११	वृखेंदु
						बु	२	५३	१५	मृगसरा	४५	४५			बालव	२३	४४	कोलव			३२	२८	१२	७	३१२	५५॥ भाः उः मिथनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	५२	१६	आर्द्रा	१५	४५			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३२	३२	१३	८	३१३	मिथुनेंदु । २ पग ७ आंः छाः पोरसी
						शु	४	५१	१८	पुनर्वसु	४५	४५			विणिज	२१	४८	वृष्टि			३२	३६	१४	९	३१४	मिथुनेंदु । चन्द्रायन २३
						श	५	५०	२०	पुष्य	४५	४५			वव	२०	५०	बालव			३२	४०	१५	१०	३१५	७ भाः उः कर्केंदु
						र	६	४९	२२	अश्लेषा	१५	४५			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३२	४४	१६	११	३१६	कर्केंदु
						चं	७	४८	२४	मघा	१५	४५			गर	१८	५४	विणिज			३२	४८	१७	१२	३१७	२५॥भाःउः सिंघेंदु ।
						मं	८	४७	२६	पुःफा	१५	४५			वृष्टि	१७	५६	वव			३२	५२	१८	१३	३१८	सिंघेंदु ।
						बु	९	४६	२८	उ.फा.	४५	४५			बालव	१६	५८	कोलव			३२	५६	१९	१४	३१९	४५ भाःउः कन्येंदु । विशाषा समाता रात्रीका
						बृ	१०	४५	३०	हस्त	४५	४५			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३२	६०	२०	१५	३२०	कन्येंदु । २ पग ६ आंः छाः पोरसी
						शु	११	४४	३२	चित्रा	४५	४५			विणिज	१५	०	वृष्टि			३३	३	२१	१६	३२१	६२॥भाः तुलेंदु
						श	१२	४३	३४	स्वाति	१५	४५			वव	१४	२	बालव			३३	७	२२	१७	३२२	तुलेंदु । रोहिणी ऽकें १२घःउःमृगसरा ऽकें१३दिन २३ घड़ी
						र	१३	४२	३६	विशाषा	४५	४५			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३३	११	२३	१८	३२३	तुलेंदु
						चं	१४	४१	३८	अनुराधा	४५	४५			गर	१२	६	विणिज			३३	१५	२४	१९	३२४	१४ भाः उः वृश्चकेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	४०	४०	ज्येष्ठा	१५	४५			वृष्टि	११	८	वव			३३	१९	२५	२०	३२५	वृश्चकेंदु । पक्षी २२

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत २४४२ । आषाढवदी १ । जुगनोमास १३ । दूसरा चन्द्र सम्वत सरकामास १ । श्रावण वदी । लोकोत्तरमासकानाम अभिनंद । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पर्वी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	१०	४०	उत्राषाढ़ा	४	३२	ऽगी	१८ ५४	कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			३५	२१	२६	२१	३५६	५भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन २६ । नक्षत्रमास १३
						श	२	९	४२	श्रवण	२३	१६			गर	९	४२	विणिज			३५	२५	२७	२२	३५७	मकरेंदु । २ पग १ अंः छा पोरसी
						र	३	८	४४	धनेष्ठा	२३	१६	सत	३०	वृष्टि	८	४४	बव			३५	२९	२८	२३	३५८	२३॥भाग उः कुंभेंदु
						चं	४	७	४६	पु.फा	५३	१६			बालव	७	४६	कोलव			३५	३३	२९	२४	३५९	कुंभेंदु
						मं	५	६	४८	उःफाः	६०	०			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			३५	३७	३०	२५	३६०	४२ भाःउ. मीनेंदु ऋतुमास १२
						बु	६	५	५०	उ फाः	२३	१६			विणिज	५	५०	वृष्टि			३५	४१	१	२६	३६१	मीनेंदु
						बृ	७	४	५२	रेवती	२३	१६			बव	४	५२	बालव			३५	४५	२	२७	३६२	६०॥भाःउ मेषेंदु । पुनर्वसुऽर्के २४ घःउः पुषार्के १३ दिः २४ घः
						शु	८	३	५४	ऽश्विनी	२३	१६	भर	३०	कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			३५	४९	३	२८	३६३	मेषेंदु
						श	९	२	५६	कृतिका	५३	१६			गर	२	५६	विणिज			३५	५३	४	२९	३६४	मेषेंदु
						र	१०	१	५८	रोहिणी	६०	०			घृष्टि	१	५८	बव			३५	५७	५	३०	३६५	१२ भा.उः वृषेंदु । पुर्वाषाढ़ा समाप्त रात्रीका
						चं	११	०	६०	रोहिणी	२३	१६			बालव कोलव	२६	३२	स्त्रीलोचन	२९	३२	३६	०	६	३१	३६६	वृषेंदु २पग छाः पोः । सुर्यमास १२ । उत्राषाढ़ा रात्री
०	०	०	०	०	०	०	१२	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						मं	१३	५९	२	मृगसरा	२३	१६	ऽआर्द्रा	३०	गर	२९	३२	विणिज			३५	५७	७	१	३६७	३०॥भाःउः मिथुनेंदु फर्कभानु शंक्रांति रवीदक्षणायणो। पावसऋतु विजली
						बु	१४	५८	४	पुनर्वसु	६०	०			घृष्टि	२८	३४	शुकन			३५	५३	८	२	३६८	मिथुनेंदु [चमकने आदि असभा इनहीं
र	बु	श	म	शु	चं	बृ	१५	५७	६	पुनर्वसु	२३	१६			चतुष्पद	२७	३६	नाग			३५	४९	९	३	३६९	४९ भाःउः फर्केंदु । पर्वी २५ । चन्द्रायण २७ दक्षणायणो ।

१२ विक्रम सम्वत् १६७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १२ । पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास १२ । आषाढ़सुदी । लोकोत्तर मास नाम वनविरोध रविउत्राणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	छायामाण	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छायाप्रमाण ४
र	शु	श	मं	शु	चं	बृ	१	२५	१०	पुनर्वसु	६०	०			वव	२५	१०	बालव			३४	२२	११	६	३४१	मिथुनेंदु [पुनरवसुऽर्क्के २० दिन ६ घड़ी चन्द्रायन २५
						शु	२	२४	१२	पुनर्वसु	४	३२			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			३४	२६	१२	७	३४२	२८ भाःउः कर्केंदु।२पग ३ श्रंःत्राःपोरसी । चन्द्रदर्शनम् आद्राऽर्क्के १८ घःउः
						श	३	२३	१४	पुष्प	४	३२	ऽश्ले	३०	गर	२३	१४	विणिज			३४	३०	१३	८	३४३	कर्केंदु ।
						र	४	२२	१६	मघा	३४	३२			वृष्टि	२२	१६	वव			३४	३४	१४	६	३४४	४६॥ भाः उः सिंघेंदु
						चं	५	२१	१८	पूः फाः	३४	३२			बालव	२१	१८	कोलव			३४	३८	१५	१०	३४५	सिंघेंदु
						मं	६	२०	२०	उत्रा फाः	६०	०			स्त्री लोचन	२०	२०	गर			३४	४२	१६	११	३४६	६५ भाःउः कन्येंदु
						बु	७	१६	२२	उः फः	४	३२			विणिज	१६	२२	वृष्टि			३४	४६	१७	१२	३४७	कन्येंदु
						बृ	८	१८	२४	हस्त	४	३२			वव	१८	२४	बालव			३४	५०	१८	१३	३४८	कन्येंदु
						शु	९	१७	२६	चित्रा	४	३२	स्वा	३०	कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			३४	५४	१६	१४	३४६	१६॥ भाःउः तुलेंदु
						श	१०	१६	२८	विशाखा	६०	०			गर	१६	२८	विणिज			३४	५८	२०	१५	३५०	तुलेंदु । २ पग २ श्रंः छायापोरसी । मूला समाप्तरात्री का
						र	११	१५	३०	विशाखा	४	३२			वृष्टि	१५	३०	वव			३५	१	२१	१६	३५१	३५ भाःउः वृश्चकेंदु
						चं	१२	१४	३२	ऽनुराध	४	३२	ज्ये	३०	बालव	१४	३२	कोलव			३५	५	२२	१७	३५२	वृश्चकेंदु
						मं	१३	१३	३४	मुला	३४	३२			स्त्री लोचन	१३	३४	गर			३५	६	२३	१८	३५३	५३॥ भाःउः धनेंदु
						बु	१४	१२	३६	पुःषाढा	३४	३२			विणिज	१२	३६	वृष्टि			३५	१३	२४	१६	३५४	धनेंदु । पखी २४
र	शु	श	मं	शु	च	बृ	१५	११	३८	उःषाढा	६०	०			वव	११	३८	बालव			३५	१७	२५	२०	३५५	धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगनोमास १४। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका माग २। भादूवा वदी। लोकोत्तरमासको नाम। सुप्रतिष्टित। रविदत्तिणायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दुनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से | सूर्यके साथ नक्षत्र१, पखीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण२
मं	श	च	बृ	र	बु	ट	१	५१	२८	धनेष्टा	४२	६			वालव	१२	६	कोलव			३४	४६	२५	१९	३८५	४४॥भाःउः कुंभेंदु
						र	२	४०	४०	शतभि०	१२	६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			३४	४२	२६	२०	३८६	कुंभेंदु
						चं	३	३९	४२	पुः भा	१२	६			विणिज	१०	१०	वृष्टि			३४	३८	२७	२१	३८७	६३भाःउःमीनेंदु।अभीच नक्षत्ररात्रीका
						मं	४	३८	४४	उ भाः	४२	६			वव	९	१२	वालव'			३४	३४	२८	२२	३८८	मीनेंदु।२पः३प्रा छा पोः
						बु	५	३७	४६	रेवती	४२	६			कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			३४	३०	२९	२३	३८९	मीनेंदु
						बृ	६	३६	४८	ऽश्विनी	४२	६			गर	७	१६	विणिज			३४	२६	३०	२४	३९०	१४॥भाःउःमेखेंदु। ऋतुमास १२
						शु	७	३५	५०	भरणी	१२	६			वृष्टि	६	१८	वव			३४	२२	१	२५	३९१	मेखेंदु
						श	८	३४	५२	कृतिका	१२	६			वालव	५	२०	कोलव			३४	१८	२	२६	३९२	३३ भाः उः वृखेंदु
						र	९	३३	५४	रोहिणी	४२	६			स्त्रीलोचन	४	२२	गर			३४	१४	३	२७	३९३	वृखेंदु
						चं	१०	३२	५६	मृगसरा	४२	६			विणिज	३	२४	वृष्टि			३४	१०	४	२८	३९४	५१॥भाः उः मिथुनेंदु
						मं	११	३१	५८	आद्रा	१२	६			वव	२	२६	वालव			३४	६	५	२९	३९५	मिथुनेंदु।मघार्के५४घःउःपुष्याऽर्के१३दिन२४घड़ी।श्रवणसमाप्तरात्रीका
						बु	१२	३०	६०	पुनर्वसु	४२	६			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन			३४	२	६	३०	३९६	मिथुनेंदु।सूर्यमास१३।२पग४अंःछाःपोःचंद्रायन२१धनेष्टरात्रीका
						बृ	१३	३०	०	पुष्य	४२	६			गर	३० भग	वि	वृष्टि			३३	५९	७	१	३९७	३भाःउ. कर्केंदु
						शु	१४	२९	२	ऽश्लेषा	१२	६			शुकन	२९	२	चतुष्पद			३३	५५	८	२	३९८	कर्केंदु।सिंघभानुशंक्रांति।पग्नी२७
म	श	चं	बृ	र	बु	श	१५	२८	४	मघा	१२	६			नाग	२८	४	किस्तुघन			३३	५१	९	३	३९९	२१॥भाः उ' सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १३ । कूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास १ । श्रावणसुदी । लोकोत्तरमासकानाम अभिनंद । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पक्षी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २ । पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	५६	८	पुष्य	२३	१६	ऽश्ले	३०	किस्तुघ्न	२६	३८	बव			३५	४५	१०	४	३७०	कर्केंदु
						श	२	५५	१०	मघा	५३	१६			बालव	२५	४०	कौलव			३५	४१	११	५	३७१	कर्केंदु । चंद्रदर्शनम्
						र	३	५४	१२	पुःफाः	५३	१६			स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			३५	३७	१२	६	३७२	॥ भा॰उः सिंघेंदु
						चं	४	५३	१४	उ फाः	६०	०			विणिज	२३	४४	वृष्टि			३५	३३	१३	७	३७३	सिंघेंदु २ पग १ प्रं॰ छाः पोरसी
						मं	५	५२	१६	उ फाः	२३	१६			बव	२२	४६	बालव			३५	२९	१४	८	३७४	१६भाः उः कन्येंदु
						बु	६	५१	१८	हस्त	२३	१६			कौलव	२१	४८	स्त्रीलोचन			३५	२५	१५	९	३७५	कन्येंदु । पुष्यार्के १८ घ॰उः श्लेषार्के ६ दिन ५२ घड़ी
						बृ	७	५०	२०	चित्रा	२३	१६	स्वा०	३०	गर	२०	५०	विणिज			३५	२१	१६	१०	३७६	३७॥भाः उः तुलेंदु
						शु	८	४९	२२	विशाखा	६०	०			वृष्टि	१९	५२	बव			३५	१७	१७	११	३७७	तुलेंदु
						श	९	४८	२४	विशाखा	२३	१६			बालव	१८	५४	कौलव			३५	१३	१८	१२	३७८	५६भाःउः वृश्चकेंदु
						र	१०	४७	२६	अनुराध	२३	१६	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			३५	९	१९	१३	३७९	वृश्चकेंदु
						चं	११	४६	२८	मुला	५३	१६			विणिज	१६	५८	वृष्टि			३५	५	२०	१४	३८०	वृश्चकेंदु । उत्रापाढा समाप्त रात्रीका
						मं	१२	४५	३०	पुर्वाषाढा	५३	१६			बव	१५	६०	बालव			३५	१	२१	१५	३८१	७ ॥ भाःउः धनेंदु
						बु	१३	४४	३२	उत्रापा०	६०	०			कौलव	१५	०	स्त्रीलोचन			३४	५८	२२	१६	३८२	धनेंदु॥ऽश्लेषा ऽर्के ३० घ उः मघा ऽर्के १३ दि २५ घः
						बृ	१४	४३	३४	उत्रापा०	२३	१६	ऽभी	१८ ५४	गर	१४	२	विणिज			३४	५४	२३	१७	३८३	२६ भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास १४ । चन्द्रायन २८ उत्रायणे
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	४२	३६	श्रवण	५२	६			वृष्टि	१३	४	बव			३४	५०	२४	१८	३८४	मकरेंदु । पक्षी २६

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगनोमास १५। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास २। भाद्रवावदी। लोकोत्तरमासको नाम। सुप्रतिष्टित। रविदक्षिणायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण२
मं	श	र	गृ	र	बु	श	१	५१	३८	धनेष्टा	१२	६			बालव	१२	६	कोलव			३४	४६	२५	१९	३८५	४४॥भा.उ. कुंभेंदु
						र	२	४०	४०	शतभि०	१२	६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			३४	४२	२६	२०	३८६	कुंभेंदु
						चं	३	३६	४२	पुः भा	१२	६			विणिज	१०	१०	वृष्टि			३४	३८	२७	२१	३८७	६३भाःउःमीनेंदु।अभीचनमाप्तरात्रीका
						मं	४	३८	४४	उ भाः	४२	६			बव	९	१२	बालव			३४	३४	२८	२२	३८८	मीनेंदु।२१.३भा क्षा पोः
						बु	५	३७	४६	रेवती	४२	६			कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			३४	३०	२९	२३	३८९	मीनेंदु
						बृ	६	३६	४८	ऽश्विनी	४२	६			गर	७	१६	विणिज			३४	२६	३०	२४	३९०	१४॥भा उःमेषेंदु। ऋतुमास १३
						शु	७	३५	५०	भरणी	१२	६			वृष्टि	६	१८	बव			३४	२२	१	२५	३९१	मेषेंदु
						श	८	३४	५२	कृतिका	१२	६			बालव	५	२०	कोलव			३४	१८	२	२६	३९२	३३ भाः उः वृषेंदु
						र	९	३३	५४	रोहिणी	४२	६			स्त्रीलोचन	४	२२	गर			३४	१४	३	२७	३९३	वृषेंदु
						चं	१०	३२	५६	मृगसर	४२	६			विणिज	३	२४	वृष्टि			३४	१०	४	२८	३९४	५१॥भाः उः मिथुनेंदु
						मं	११	३१	५८	आर्द्रा	१२	६			बव	२	२६	बालव			३४	६	५	२९	३९५	मिथुनेंदु।मघार्के५४घ'उ.पुफाऽर्के१३दिन२४घड़ी।अवमसमाप्तरात्री का.
						बु	१२	३०	६०	पुनर्वसु	४२	६			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन			३४	२	६	३०	३९६	मिथुनेंदु।सूर्यमास१३।२५ग४भ'क्षा पोःचंद्रायन२६धनेष्टारात्रीका
						बृ	१३	३०	०	पुष्य	४२	६			गर	३० भाग	ति	वृष्टि			३३	५६	७	१	३९७	३भा उ कर्केंदु
						शु	१४	२९	२	ऽश्लेषा	१२	६			शकुन	२९	२	चतुष्पद			३३	५५	८	२	३९८	कर्केंदु।सिंघभानुसंक्रांति।रात्री२७
म	श	चं	गृ	र	बु	श	१५	२८	४	मघा	१२	६			नाग	२८	४	किंस्तुघ्न			३३	५१	९	३	३९९	२१॥भाः उ' सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १६७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । युगकामास १३ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास १ । श्रावणसुदी । लोकोत्तरमासकानाम अभिनंद । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमासा	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछा: प्रमाण ४।
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	५६	८	पुष्य	२३	१६	ऽश्ले	३०	किस्तुनघ	२६	३८	वव			३५	४५	१०	४	३७०	कर्कॅंदु
						श	२	५५	१०	मघा	५३	१६			बालव	२५	४०	कौलव			३५	४१	११	५	३७१	कर्कॅंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	५४	१२	पु.फा.	५३	१६			स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			३५	३७	१२	६	३७२	॥ भा उः सिंघेंदु
						चं	४	५३	१४	उ.फा	६०	०			विणिज	२३	४४	वृष्टि			३५	३३	१३	७	३७३	सिंघेंदु २ पग १ श्रं: छा: पोरसी
						मं	५	५२	१६	उ.फा.	२३	१६			वव	२२	४६	बालव			३५	२९	१४	८	३७४	१६भा: उः कन्येंदु
						बु	६	५१	१८	हस्त	२३	१६			कौलव	२१	४८	स्त्रीलोचन			३५	२५	१५	९	३७५	कन्येंदु । पुष्पार्के १८ घ उः श्लेषार्के ६ दिन ४२ घड़ी
						बृ	७	५०	२०	चित्रा	२३	१६	स्वा०	३०	गर	२०	५०	विणिज			३५	२१	१६	१०	३७६	३७॥भा० उः तुलेंदु
						शु	८	४९	२२	विशाखा	६०	०			वृष्टि	१९	५२	वव			३५	१७	१७	११	३७७	तुलेंदु
						श	९	४८	२४	विशाखा	२३	१६			बालव	१८	५४	कौलव			३५	१३	१८	१२	३७८	५६भा:उ. वृश्चकेंदु
						र	१०	४७	२६	अनुराध	२३	१६	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			३५	९	१९	१३	३७९	वृश्चकेंदु
						चं	११	४६	२८	मूला	५३	१६			विणिज	१६	५८	वृष्टि			३५	५	२०	१४	३८०	वृश्चकेंदु । उत्रापाढा समाप्त रात्रीका
						मं	१२	४५	३०	पूर्वापाढ़ा	५३	१६			वव	१५	६०	बालव			३५	१	२१	१५	३८१	७ ॥ भा.उ. धनेंदु
						बु	१३	४४	३२	उत्रापा०	६०	०			कौलव	१५	०	स्त्रीलोचन			३४	५८	२२	१६	३८२	धनेंदु॥ऽश्लेषा ऽर्के ३० घ उः मघा ऽर्के १३ दि २४ घ
						बृ	१४	४३	३४	उत्रापा०	२३	१६	ऽभी	१९ ५४	गर	१४	२	विणिज			३४	५४	२३	१७	३८३	२६ भा: उ. मकरेंदु । नक्षत्रमास १४ । चन्द्रायन २८ उत्रायणे
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१५	४२	३६	श्रवण	५२	६			वृष्टि	१३	४	वव			३५	५०	२४	१८	३८४	मकरेंदु । पखी २६

विक्रम सम्वत् १६७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १५ । दुसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ३ । आसौज वदी । लोकोत्तर मास नाम विजय रविदत्तणायवो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिवसे	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छायाप्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	१२	३६	उः भाः	६०	०			कोलव	१२	३६	स्त्रीलोचन			३२	४८	२५	१६	४१५	१७ भा:उ: मीनेंदु
						मं	२	११	३८	उत्राभाः	०	६०			गर	११	३८	विणिज			३२	४४	२६	२०	४१६	मीनेंदु
						बु	३	१०	४०	रेवती	०	६०			बृष्टि	१०	४०	वव			३२	४०	२७	२१	४१७	३५॥भा:उ: मखेंदु
						बृ	४	६	४२	ऽश्वना	०	६०	भर	३०	वालव	६	४२	कोलव			३२	३६	२८	२२	४१८	मेखेंदु २ पग ७ अंः छ्राः । सतभिषा समाप्तरात्री का
						शु	५	८	४४	कृतका	३०	६०			स्त्री लोचन	८	४४	गर			३२	३२	२६	२३	४१६	५४ भा: बृखेंदु
						श	६	७	४६	रोहिणी	६०	०			विणिज	७	४६	बृष्टि			३२	२८	३०	२४	४२०	बृखेंदु ऋतुमास १४
						र	७	६	४८	रोहिणी	०	६०			वव	६	४८	वालव			३२	२४	१	२५	४२१	बृखेंदु
						चं	८	५	५०	मृगसरा	०	६०	ऽनूः	३०	कोलव	५	५०	स्त्रीलोचन			३२	२०	२	२६	४२२	५॥भा:उ: मिथुनेंदु
						मं	६	४	५२	पुनर्वसु	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३२	१६	३	२७	४२३	मिथुनेंदु
						बु	१०	३	५४	पुनर्वसु	०	६०			बृष्टि	३	५४	वव			३२	१२	४	२८	४२४	२४भा: उः ककेंदु । चन्द्रायन ३१
						बृ	११	२	५६	पुष्य	०	६०	ऽश्ले	३०	वालव	२	५६	कोलव			३२	८	५	२६	४२५	ककेंदु
						शु	१२	१	५८	मघा	३०	६०			स्त्री लोचन	१	५८	गर	२६	३२	३२	४	६	३०	४२६	४२॥भा:उ: सिंघेंदु । पूर्वाभाद्रापद समाप्तरात्री का
						श	१३		६०	पुः फाः	३०	६०			विणिजवृधी	० २६	६० ३२	सकुन			३२	०	७	३१	४२७	सिंघेंदु । सूर्यमास १४ । २ पग ८ छ्राः । उत्राभाद्रपद रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	५१	२	उत्राफा०	६०	०			चतुष्पद	२६	३२	नाग			३१	५७	८	१	४२८	६१ भा:उ: कन्येंदु । कन्याऽर्के । शंक्रांति । पखी २६ । वर्षाऋतु

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगकामास १४ दूसराचंद्र मम्वत्सरनोमास२। भादुवा शुदी लोकोत्तरमासको नाम। सुप्रष्ठित। रविदक्षिणायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७माढे १८ भागफर्से॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३। पोरसीः छाया प्रमाण ४
शु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	२७	६	पु.फा	१२	६			बव	२७	६	बालव			३३	४७	१०	४	४००	सिंघेंदु।
						चं	२	२६	८	उ.फा.	४२	६			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			३३	४३	११	५	४०१	५० भाः उः कन्येंदु चन्द्रदर्शनम्।
						मं	३	२५	१०	हस्त	४२	६			गर	२५	१०	विणिज			३३	३९	१२	६	४०२	कन्येंदु
						बु	४	२४	१२	चित्रा	४२	६			वृष्टि	२४	१२	बव			३३	३५	१३	७	४०३	५८॥भा उ तुलेंदु। २ पग ५ आंः छाः या पोरसी
						बृ	५	२३	१४	स्वाति	१२	६			बालव	२३	१४	बव			३३	३१	१४	८	४०४	तुलेंदु
						शु	६	२२	१६	विशाखा	४२	६			स्त्रीलोचन	२२	१६	कोलव			३३	२७	१५	९	४०५	तुलेंदु
						श	७	२१	१८	ऽनुराधा	४२	६			विणिज	२१	१८	गर			३३	२३	१६	१०	४०६	१० भा उ वृश्चिकेंदु
						र	८	२०	२०	ज्येष्ठा	१२	६			बव	२०	२०	वृष्टि			३३	१९	१७	११	४०७	वृश्चिकेंदु
						चं	९	१९	२२	मुला	१२	६			कोलव	१९	२२	बालव			३३	१५	१८	१२	४०८	२८॥ भा. उ धनेंदु
						मं	१०	१८	२४	पूर्वाषा०	१२	६			गर	१८	२४	स्त्रीलोचन			३३	११	१९	१३	४०९	धनेंदु। पु फाः ऽर्के १८ घःउः उ फाः ऽर्के२० दिन ६ घड़ी
						बु	११	१७	२६	उत्राषा	४२	६०	ऽभि	१७	वृष्टि	१७	२६	विणिज			३३	७	२०	१४	४१०	४७भाःउःमकरेंदु। नक्षत्र मास १५। चंद्रायन ३०
						बृ	१२	१६	२८	ऽभिजि	०	६०			बालव	१६	२८	बव			३३	३	२१	१५	४११	मकरेंदु। २ पग ६ आं छाः पोरसी धनेष्टा राशीश
						शु	१३	१५	३०	श्रवण		६०			स्त्रीलोचन	१५	३०	कोलव			३२	६०	२२	१६	४१२	६५॥भा उ. कुंभेंदु
						श	१४	१४	३२	धनेष्टा	०	६०	शत	३०	विणिज	१४	३२	गर			३२	५६	२३	१७	४१३	कुंभेंदु पखी२८
शु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	१३	३४	पुर्वाभाः	३०	६०			बव	१३	३४	वृष्टि			३२	५२	२४	१८	४१४	कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक। वीरसम्वत् २४४२। युगकामास १६। दूसराचन्द्रसम्वत्सरकामास ४। कार्तिकवदी। लोकोत्तरमासनाम। प्रीतिवर्धन। रविदृसमायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घडी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्र	घडी	भाग ६७	नक्षत्र	घडी भाग	करण दिन	घडी	भाग ६२	करणरात्री	घडी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पर्वप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	४२	३४	रेवती	११	४७			बालव	१४	२	कोलव			३०	५४	२४	१७	४४४	५६॥भाःउः मेखेंदु
						बु	२	४२	३६	अश्विनी	११	४७	भर०	३०	स्त्रीलोचन	१३	४	गर			३०	५०	२५	१८	४४५	मेखेंदु
						बृ	३	४१	३८	कृत्तका	४६	४७			विणिज	१२	६	वृष्टि			३०	४६	२६	१९	४४६	मेषेंदु
						शु	४	४०	४०	रोहिणी	६०	०			वव	११	८	बालव			३०	४२	२७	२०	४४७	८भा उः वृखेंदु
						श	५	३९	४२	रोहिणी	११	४७			कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			३०	३८	२८	२१	४४८	वृखेंदु
						र	६	३८	४४	मृगसरा	११	४७	आर्द्रा	३०	गर	९	१२	विणिज			३०	३४	२९	२२	४४९	२९॥भा उः मिथुनेंदु २ पग ११ अः छाः पोरसी
						चं	७	३७	४६	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	८	१४	वव			३०	३०	३०	२३	४५०	मिथुनेंदु ऋतुमास १५
						म	८	३६	४८	पुनर्वसु	११	४७			बालव	७	१६	कोलव			३०	२६	१	२४	४५१	४५भाःउः कर्केंदु। चन्द्रायन २३
						बु	९	३५	५०	पुष्य	११	४७	आश्ले	३०	स्त्रीलोचन	६	१८	गर			३०	२२	२	२५	४५२	कर्केंदु
						बृ	१०	३४	५२	मघा	४६	४७			विणिज	५	२०	वृष्टि			३०	१८	३	२६	४५३	६३॥भा.उ सिंघेंदु
						शु	११	३३	५४	पु: फा:	४६	४७			वव	४	२२	बालव			३०	१४	४	२७	४५४	सिंघेंदु
						श	१२	३२	५६	उ॰ फा॰	६०	०			कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			३०	१०	५	२८	४५५	सिंघेंदु
						र	१३	३१	५८	उ॰फा॰	११	४७			गर	२	२६	विणिज			३०	६	६	२९	४५६	१५भा उः कन्येंदु। चित्राके १२ घःउः स्वातिर्कि ६ घि.४२घः रेवती
						चं	१४	३०	६०	हस्त	११	४७			वृष्टि	१	२८	शकुन	२९	३२	३०	२	७	३०	४५७	कन्येंदु। सूर्यमास १५। पक्षी३१।३प छाःपोःअश्विनीरात्रीक। [समासरात्रीक]
गु	चं	१	र	बृ	श	म	१५	३०	०	चित्रा	११	४७	स्वा	३०	चतुष्पद नाग	० २९	३० ३२	किंस्तुघ्न			२९	५९	८	१	४५८	३३।भाःउः तुलेंदु। तुलाऽर्के शमांति

विक्रम सम्वत् १९७३ लोरीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १५ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ३ । आसौज सुदी । लोकोत्तरमासनाम । विजय । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	जुग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	म	शु	च	१	५८	४	उत्राफा	०	६०			किस्तुगन	२८	३४	बव			३१	५३	९	२	४२९	कन्येंदु । उ फाः ऽर्के २४ घःउः । हस्तार्के १३ दि० २४ घड़ी
						मं	२	५७	६	हस्त	०	६०			बालव	२७	३६	कोलव			३१	४९	१०	३	४३०	कन्येंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	५६	८	चित्रा	०	६०	स्वाः	३०	स्त्री लोचन	२६	३८	गर			३१	४५	११	४	४३१	१२॥भा.उ तुलेंदु
						बृ	४	५५	१०	विशाखा	६०	०			विणिज	२५	४०	वृष्टि			३१	४१	१२	५	४३२	तुलेंदु
						शु	५	५४	१२	विशाखा	०	६०			बव	२४	४२	बालव			३१	३७	१३	६	४३३	३१ भागउः वृश्चकेंदु
						श	६	५३	१४	अनुराधा	०	६०	ज्ये०	३०	कोलव	२३	४४	स्त्री लोचन			३१	३३	१४	७	४३४	वृश्चकेंदु । २ गप ९ अंः छायापोरसी
						र	७	५२	१६	मुला	३०	६०			गर	२२	४६	विणिज			३१	२९	१५	८	४३५	४६॥ भा.उः धनेंदु
						चं	८	५१	१८	पुखाड़ा	३०	६०			वृष्टि	२१	४८	बव			३१	२५	१६	९	४३६	धनेंदु
						मं	९	५०	२०	उपाड़ा	६०	०			बालव	२०	५०	कोलव			३१	२१	१७	१०	४३७	धनेंदु
						बु	१०	४९	२२	उ:पाड़ा	०	६०	ऽभि	१५	स्त्रीलोचन	१९	५२	गर			३१	१७	१८	११	४३८	१ भा॰उ मकरेंदु नक्षत्रमास १६ । चद्रायन ३२
						बृ	११	४८	२४	श्रवण	११	४७			विणिज	१८	५४	वृष्टि			३१	१३	१९	१२	४३९	मकरेंदु
						शु	१२	४७	२६	धनेष्ठा	११	४७	शत	३०	बव	१७	५६	बालव			३१	९	२०	१३	४४०	१९॥ भाःउः कुंभेंदु
						श	१३	४६	२८	पु:भा०	४१	४७			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			३१	५	२१	१४	४४१	कुंभेंदु । उत्राभाद्रपदा समाप्तरात्रिका
						र	१४	४५	३०	उभाद्रप०	६०	०			गर	१५	६०	विणिज			३१	१	२२	१५	४४२	३८ भाःउः मीनेंदु। हस्तर्के ४८ घःउः चित्राऽर्के १३ दि २४॥ २ पग १०अंः
बृ	र	बु	श	मं	शु	च	१५	४४	३२	उत्राभाः	११	४७			वृष्टि	१५	०	बव			३०	५८	२३	१६	४४३	मीनेंदु । पखी ३० छा: पोरसी

२५ २४४२ जुगमास ७ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सकामास ५ । मृगसर वदी लोकोत्रमास नाम । श्रेयांसे । रविदक्षणायणे ।

वार	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	'चचन्द्रमा २ दिन ६७ सांढ़ २८ भाग फर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
र	शु	श	मे	शु	च	वृ	१	१४	३२	कृतका	८	३४			कोलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			२८	५६	२४	१७	४७४	२९ भा ३ वृखेंदु
						शु	२	१३	३४	रोहिणी	३८	३४			गर	१३	३४	विणिज			२८	५२	२५	१८	४७०	वृखेंदु
						श	३	१२	३६	मृगसर	३८	३४			वृष्टी	१२	३६	वव			२८	४८	२६	१९	४७६	४७॥ भा: उ. मिथुनेंदु
						र	४	११	३८	आद्रा	८	३४			वालव	११	३८	कोलव			२८	४४	२७	२०	४७७	मिथुनेंदु
						सं	५	१०	४०	पुनर्वसु	३८	३४			स्त्री लोचन	१०	४०	गर			२८	४०	२८	२१	४७८	६६ भा:उ: कर्केंदु । चन्द्रायन ३५
						मं	६	९	४२	पुष्य	३८	३४			विणिज	९	४२	वृष्टि			२८	३६	२९	२२	४७९	कर्केंदु । ३ पग ३ अं॰छा॰ओः
						बु	७	८	४४	ऽश्लेषा	८	३४			वव	८	४४	वालव			२८	३२	३०	२३	४८०	कर्केंदु । ऋतु मास १६
						वृ	८	७	४६	मघा	८	३४			कोलव	७	४६	स्त्रीलोचन			२८	२८	१	२४	४८१	१७॥ भा:उः सिंघेंदु
						शु	९	६	४८	पूर्वा फा०	८	३४			गर	६	४८	विणिज			२८	२४	२	२५	४८२	सिंघेंदु । विशाखाऽर्के ६७ घः
						श	१०	५	५०	उत्रा फा०	३८	३४			वृष्टी	५	५०	वव			२८	२०	३	२६	४८३	३६ भा:उः कन्येंदु । अनुराधाऽर्के १३ दिन २४ घ
						र	११	४	५२	हस्त	३८	३४			वालव	४	५२	कोलव			२८	१६	४	२७	४८४	कन्येंदु
						चं	१२	३	५४	चित्रा	३८	३४			स्त्री लोचन	३	५४	गर			२८	१२	५	२८	४८५	५४॥ भा उः तुलेंदु
						मं	१३	२	५६	स्वाति	८	३४			विणिज	२	५६	वृष्टी			२८	८	६	२९	४८६	तुलेंदु
						बु	१४	१	५८	विशाखा	३८	३४			शुकन	१	५८	चतुष्पद	२६	३२	२८	४	७	३०	४८७	तुलेंदु । पखी ३३ । भरनी समास रात्री का
र	शु	श	मे	शु	चं	वृ	१५	०	६०	ऽनुराधा	३८	३४			नाग विस्तुघन	० २६	६० ३२	वव			२८	०	८	३१	४८८	६ भाः उ॰ वृश्चकेंदु । सूर्यमास १६ । ३ पग ४ अं॰छा॰ कृतका रात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास १६ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास ४ कार्तिक शुदी । लोकोत्तरमासनाम । प्रतिवर्धन रवि दक्षणायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सुर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	२९	२	विशा:	६०	०			वव	२९	२	वालव			२९	५५	९	२	४५९	तुलेंदु
						बृ	२	२८	४	विशा:	१९	६७			कोलव	२८	४	स्त्रीलोचन			२९	५१	१०	३	४६०	५२ भाःउः वृश्चकेदु । चन्द्र दर्शनम्
						शु	३	२७	६	ऽनुराधा	१९	४७	ऽय	२०	गर	२७	६	विणिज			२९	४७	११	४	४६१	वृश्चकेदु
						श	४	२६	८	मुला	४१	४७			वृष्टि	२६	८	वव			२९	४३	१२	५	४६२	वृश्चकेंदु स्वातिऽर्कं ५४घःउः विशाषाऽर्के२० दि० ६ घड़ी
						र	५	२५	१०	पुर्वाषाड़ा	४१	४७			वालव	२५	१०	कोलव			२०	३९	१३	६	४६३	३॥ भ'उः धनेंदु
						चं	६	२४	१२	उत्राषाड़ा	६०	०			स्त्रीलोचन	२४	१२	गर			२९	३५	१४	७	४६४	धनेंदु । ३ पग १ अ' छाः पोरसी
						मं	७	२३	१४	उत्राषाड़ा	१९	६७	ऽभी	१५ ५४	विणिज	२३	१४	वृष्टि			२९	३१	१५	८	४६५	२२ भाःउ. मकरेंदु । नक्षत्रमास १७ । चन्द्रायन ३४
						बु	८	२२	१६	श्रवण	३८	३४			वव	२२	१६	वालव			२९	२७	१६	९	४६६	मकरेंदु
						बृ	९	२१	१८	धनिष्ठा	३८	३४			कोलव	२१	१८	स्त्रीलोचन			२९	२३	१७	१०	४६७	४०॥ भा'उ' कुंभेंदु
						शु	१०	२०	२०	शतभिषा	८	३४	०	०	गर	२०	२०	विणिज			२९	१९	१८	११	४६८	कुंभेंदु
						श	११	१९	२२	पुर्वाभा०	८	३४			वृष्टि	१९	२२	वव			२९	१५	१९	१२	४६९	५९ भाः उः मीनेंदु
						र	१२	१८	२४	उत्राभा०	३८	३४			वालव	१८	२४	कोलव			२९	११	२०	१३	४७०	मीनेंदु
						चं	१३	१७	२६	रेवती	३८	३४			स्त्रीलोचन	१७	२६	गर			२९	७	२१	१४	४७१	मीनेंदु
						मं	१४	१६	२८	ऽश्विनि	३८	३४			विणिज	१६	२८	वृष्टि			२९	३	२२	१५	४७२	१०॥भाःउःमेखेंदु।३प' २ अंःछाःपोः अश्विनी समाप्तरात्री।पखी१२चौमास।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	१५	३०	भरणी	८	३४			वव	१५	३०	वालव			२८	६०	२३	१६	४७३	मेखेंद

विक्रम सम्वत् १६७३ । लौकीक । वीरसम्वत् २४४३ । युगकामास १८ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास ६ । पोषवदी । लोकोत्तमासनाम । शिवं । रविदक्षिणायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिक	घड़ी	भाग	करणादिक		दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	युगमास	युगकमासांश	चन्द्रमा ८ दिन ६७ मांढे १८ भाग फर्से । सूर्य के माथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	४५	३	मृगसरा	५७	२१			बालव	१५	६०	कोलव		२७	१	२३	१५	५०३	वृषेंदु । ज्येष्ठाऽर्केदघः३ मूलाऽर्के१३दि २४घ । ३ पग ६ अं०छ०पो०
						श	२	४४	३६	आद्रा	२७	२१			स्त्रीलोचन	१५	०	गर		२६	५८	२४	१६	५०४	१॥भा उः मिथुनेंदु
						र	३	४३	३४	पुनर्वसु	५७	२१			विणिज	१४	२	वृष्टि		२६	५४	२५	१७	५०५	मिथुनेंदु । चंद्रायन २७
						चं	४	४२	३६	पुष्य	५७	२१			बव	१३	४	बालव		२६	५०	२६	१८	५०६	२०भा उः ककेंदु
						मं	५	४१	३८	ऽश्लेषा	२७	२१			कोलव	१२	६	स्त्रीलोचन		२६	४६	२७	१९	५०७	ककेंदु
						बु	६	४०	४०	मघा	२७	२१			गर	११	८	विणिज		२६	४२	२८	२०	५०८	३८॥भाःउः सिंघेंदु
						बृ	७	३६	४२	पूर्वाफा०	२७	२१			वृष्टि	१०	१०	बव		२६	३८	२९	२१	५०९	सिंघेंदु
						शु	८	३८	४४	उत्राफा०	५७	२१			बालव	९	१२	कोलव		२६	३४	३०	२२	५१०	५७भागःउः कन्येंदु । ३पग७अं छाः । ऋतुमास १७
						श	९	३५	४६	हस्त	५७	२१			स्त्रीलोचन	८	१४	गर		२६	३०	१	२३	५११	कन्येंदु
						र	१०	३६	४८	चित्रा	५७	२१			विणिज	७	१६	वृष्टि		२६	२६	२	२४	५१२	कन्येंदु
						चं	११	३५	५०	स्वाति	२७	२१			बव	६	१८	बालव		२६	२२	३	२५	५१३	८॥भाःउ तुलेंदु
						मं	१२	३४	५२	विशाखा	५७	२१			कोलव	५	२०	स्त्रीलोचन		२६	१८	४	२६	५१४	तुलेंदु
						बु	१३	३३	५४	अनुराधा	५७	२१			गर	४	२२	विणिज		२६	१४	५	२७	५१५	२७भाःउःवृश्चकेंदु
						बृ	१४	३२	५६	ज्येष्ठा	२७	२१			वृष्टि	३	२४	शकुन		२६	१०	६	२८	५१६	वृश्चकेंदु । मूलाऽर्के३०घःउः पूर्वाषाडाऽर्के१३दि.२४ घः । पक्षी३५
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३१	५८	मूला	२७	२१			चतुष्पद	२	२६	नाग		२६	६	७	२९	५१७	४५॥भाःउःधनेंदुरोहिणी समासराषी

विक्रम सम्वत् १९७३ लो० वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास १७ । दूसरा चन्द्र समवत्कामान ५ मृगसर शुदी । लोकोत्रमास नाम श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

चन्द्रमा २ दिन ६७ सार्द्ध १८ भागफलें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६७	सूर्यमास	सूर्य भाग		
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	• • ०
रा	घृ	र	शु	ग	मं	गु	२	५९	२	ज्येष्ठा	८	३४			बालव	२९	३२	कालव			२७	५७	९	१	४८९	वृश्चकेंदु । वृश्चकेभानु सक्रांति । गजनेर्कोऽसभा शुलगी । शरदऋतु [चन्द्र दर्शनम् ।
						श	३	५८	४	मूला०	८	३४			स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			२७	५३	१०	२	४९०	२४॥ भा:उः धनेंदु
						र	४	५७	६	पुर्वाषाढ़ा	८	३४			विणिज	२७	३६	वृष्टि			२७	४९	११	३	४९१	धनेंदु
						चं	५	५६	८	उत्रा षा०	२८	३४	ऽभि	१५ ५४	बव	२६	३८	बालव			२७	४५	१२	४	४९२	४३ भा:उः मकरेंदु । नक्षत्रमास १८) चन्द्रायन ३६
						मं	६	५५	१०	श्रवण	५७	२१			कौलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			२७	४१	१३	५	४९३	मकरेंदु
						बु	७	५४	१२	धनिष्ठा	५७	२१			गर	२४	४२	विणिज			२७	३७	१४	६	४९४	६१॥ भा:उः कुंभेंदु
						बृ	८	५३	१४	शतभिषा	२७	२१			वृष्टि	२३	४४	बव			२७	३३	१५	७	४९५	कुंभेंदु । ३ पग ५ अंगुल छाया पोरसी
						शु	९	५२	१६	पूर्वाभाद्र	२७	२१			बालव	२२	४६	कौलव			२७	२९	१६	८	४९६	कुंभेंदु । अनुराधाऽर्के २४ घ:उः ज्येष्ठाऽर्के ६ दि ४२ घड़ी
						श	१०	५१	१८	उत्राभाद्र	५७	२१			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			२७	२५	१७	९	४९७	१३ भा:उः मीनेंदु
						र	११	५०	२०	रेवती	५७	२१			विणिज	२०	५०	वृष्टी			२७	२१	१८	१०	४९८	मीनेंदु
						चं	१२	४९	२२	अश्विनी	५७	२१	–		बव	१९	५२	बालव			२७	१७	१९	११	४९९	३१॥ भाग उ मेषेंदु
						मं	१३	४८	२४	भरणी	२७	२१			कौलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			२७	१३	२०	१२	५००	मेषेंदु
						बु	१४	४७	२६	कृत्तिका	२७	२१			गर	१७	५६	विणिज			२७	९	२१	१३	५०१	५० भा:उः वृषेंदु
र	बु	ग	मं	शु	चं	बृ	१५	४६	२८	रोहिणी	५७	२१	–		वृष्टि	१६	५८	बव			२७	५	२२	१४	५०२	वृषेंदु । पखी ३४ । कृतिका समाप्त रात्री का

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत २४४३ । जुगनोमास ११ । दूसरा चन्द्र सम्वत सरकामास ७ । माघ वदी । लोकोत्तरमासकानाम शिसिर । रविदत्तायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	सूर्यमास	चन्द्रमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	१६	२८	पुनर्वसु	१६	८			कोलव	१६	२८	स्त्रीलोचन			२५	३	२३	१५	५३३	४१भाः फर्केतु । ३ पः १० श्रीः । मृगसिर समाप्तरात्रीका चन्द्रायण ३१
						मं	२	१५	३०	पुष्क	१६	८	ऽश्रे	३०	गर	१५	३०	विणिज			२५	०	२४	१६	५३४	फर्केतु
						बु	३	१४	३२	मघा	४६	८			बृष्टि	१४	३२	बव			२४	५६	२५	१७	५३५	५६॥भा उः सिंघेतु
						बृ	४	१३	३४	पूर्वा फाः	४६	८			बालव	१३	३४	कोलव			२४	५२	२६	१८	५३६	सिंघेतु
						शु	५	१२	३६	उःफाः	६०	०			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर			२४	४८	२७	१९	५३७	सिंघेतु
						श	६	११	३८	उ फाः	१६	८			विणिज	११	३८	बृष्टि			२४	४४	२८	२०	५३८	११भाः उः कर्न्येतु
						र	७	१०	४०	हस्त	१६	८			बव	१०	४०	बालव			२४	४०	२९	२१	५३९	कर्न्येतु
						चं	८	९	४२	चित्रा	१६	८	स्वा	३०	कोलव	९	४२	स्त्रीलोचन			२४	३६	३०	२२	५४०	२६॥भा. उः तुलेतु । ३ पः ११ श्रीः छाःमृतुमास १८आद्रा समाप्त रात्रीका
						मं	९	८	४४	विशाषा	६०	०			गर	८	४४	विणिज			२४	३२	१	२३	५४१	तुलेतु
						बु	१०	७	४६	विशाषा	१६	८			बृष्टि	७	४६	बव			२४	२८	२	२४	५४२	४८भाःउ बृश्चकेतु
						बृ	११	६	४८	अनुराधा	१६	८	ज्ये	३०	बालव	६	४८	कोलव			२४	२४	३	२५	५४३	बृश्चकेतु
						शु	१२	५	५०	मूला	४६	८			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			२४	२०	४	२६	५४४	६६ ॥ भाःउः धर्नेतु
						श	१३	४	५२	पु षा०	४६	८			विणिज	४	५२	बृष्टि			२४	१६	५	२७	५४५	धर्नेतु
						र	१४	३	५४	उत्राषाढ़ा	६०	०			शुकुन	३	५४	चतुष्पद			२४	१२	६	२८	५४६	धर्नेतु । पक्षी ३७
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२	५६	उत्राषाढ़ा	१६	८	ऽभी	५५	नाग	२	५६	किस्तुघन			२४	८	७	२९	५४७	१८ भाः उ मकरेतु । नक्षत्रमास २० । चन्द्रायन ४०

९ विक्रम सम्वत् १९७३ लो० वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास १८ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ९ पोष सुदी लोकोत्रमासनाम सिवे । रविदत्तणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधननक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	३०	६०	पूर्वाषाढ़	२७	२१			किस्तुघन	१	२८	बव	२१	३२	२६	२	८	३०	५१८	धनेंदु । सूर्यमास १७ । ३ पग ८ अं: छा: । मृगसिर रात्रीका
						र	२	३०	०	उत्राषाडा	५७	२१			वालव	०	३०	कोल स्त्रीलोचन	२१	३२	२५	५६	९	१	५१९	६४भा:उ: मकरेंदु । धना ऽर्के शंक्रांति नक्षत्रमास १९ । चन्द्रायन ३८
						चं	३	२९	२	ऽभीच	१६	८			गर	२९	२	विणिज			२५	५५	१०	२	५२०	मकरेंदु [चन्द्रदर्शनम्
						मं	४	२८	४	श्रवण	१६	८			वृष्टि	२८	४	बव			२५	५१	११	३	५२१	मकरेंदु
						बु	५	२७	६	धनेष्ठा	१६	८	शत	३०	वालव	२७	६	कोलव			२५	४७	१२	४	५२२	१५॥भा:उ: कुंभेंदु
						बृ	६	२६	८	पू: भा:	५६	८			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			२५	४३	१३	५	५२३	कुंभेंदु
						शु	७	२५	१०	उ: भा:	६०	०			विणिज	२५	१०	वृष्टि			२५	३९	१४	६	५२४	३४भा: मीनेंदु
						श	८	२४	१२	उ: भा:	१६	८			बव	२४	१२	वालव			२५	३५	१५	७	५२५	मीनेंदु । ३ पग ९ अं: छा: पां ।
						र	९	२३	१४	रेवती	१६	८			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			२५	३१	१६	८	५२६	५२॥भा:उ मेखेंदु
						चं	१०	२२	१६	ऽश्विनी	१६	८	भर	३०	गर	२२	१६	विणिज			२५	२७	१७	९	५२७	मेखेंदु
						मं	११	२१	१८	कृतका	३६	८			वृष्टि	२१	१८	बव			२५	२३	१८	१०	५२८	मेखेंदु
						बु	१२	२०	२०	रोहिणी	६०	०			वालव	२०	२०	कोलव			२५	१९	१९	११	५२९	४भा: उ: वृखेंदु । पु:पाऽर्के ५४ घ:उ: उत्तापा ऽर्के २० दि६घड़ी
						बृ	१३	१९	२२	रोहिणी	१६	८			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			२५	१५	२०	१२	५३०	वृखेंदु
						शु	१४	१८	२४	मृगसरा	१६	८	ऽद्रा	३०	विणिज	१८	२४	वृष्टि			२५	११	२१	१३	५३१	२२॥भा.उ: मिथुनेंदु
						श	१५	१७	२६	पुनर्वसु	६०	०			बव	१७	२६	वालव			२५	७	२२	१४	५३२	मिथुनेंदु॥पक्षी ३६
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र																				

एक दिन घटया गया क्योंकि अनुमान पिछले के ९ वर्षों में । १ भाग ॥ ६१ या रोज का बढ़ता मालूम देता है क्योंकि । ३६ योजन ।

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगनोमास २०। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुणवादी। लोकोत्तरमास नाम। हेमते। रविउत्तरायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पर्वीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
गु	ध	शु	र	बु	श	मं	१	४७	२६	ऽश्लेषा	४	६२			वालव	१७	५६	कोलव			२४	५२	२२	१३	५६२	कर्केंदु
						बु	२	४६	२८	मघा	४	६२			ऽस्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२४	५६	२३	१४	५६३	१३॥ भाः उः सिंघेंदु। पुष्प रात्री का समास
						वृ	३	४५	३०	पु.फाड़ा	४	६२			विणिज	१५	६०	वृष्टि			२४	६०	२४	१५	५६४	सिंघेंदु। ३ पग १० छाया पोरसी
						शु	४	४४	३२	उ फाड़ा	३४	६२			बव	१५	०	वालव			२५	३	२५	१६	५६५	३२ भाःउः कन्येंदु
						श	५	४३	३४	हस्त	३४	६२			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२५	७	२६	१७	५६६	कन्येंदु
						र	६	४२	३६	चित्रा	३४	६२			गर	१३	४	विणिज			२५	११	२७	१८	५६७	५०॥ भाःउः तुलेंदु। श्रवणार्के ३६ घः उः धनेष्ठाऽर्के १३ दिः २४ घः
						सो	७	४१	३८	स्वाति	४	६२			वृष्टि	१२	६	बव			२५	१५	२८	१९	५६८	तुलेंदु
						मं	८	४०	४०	विशाखा	३४	६२			वालव	११	८	कोलव			२५	१९	२९	२०	५६९	तुलेंदु
						बु	९	३९	४२	ऽनुराधा	३४	६२			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२५	२३	३०	२१	५७०	२ भाः उः वृश्चकेंदु। ऋतुमास ११
						वृ	१०	३८	४४	ज्येष्ठा	४	६२			विणिज	९	१२	वृष्टि			२५	२७	१	२२	५७१	वृश्चकेंदु।३ पग ४ पैः छा
						शु	११	३७	४६	मूला	४	६२			बव	८	१४	वालव			२५	३१	२	२३	५७२	२०॥ भाःउः धनेंदु
						श	१२	३६	४८	पुर्वा षाड़ा	४	६२			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२५	३५	३	२४	५७३	धनेंदु
						र	१३	३५	५०	उत्रा षाड़ा	३४	६२	ऽभी	१५/५४	गर	६	१८	विणिज			२५	३९	४	२५	५७४	३९ भाःउः मकरेंदु। नक्षत्रमास २१। चन्द्रायन ४२
						सो	१४	३४	५२	श्रवण	५३	४१			वृष्टि	५	२०	शुकुन			२५	४३	५	२६	५७५	मकरेंदु। पर्वी ३१
गु	सो	शु	र	बु	श	मं	१५	३३	५४	धनेष्टा	५३	४१			चतुष्पद	४	२२	नाग			२५	४७	६	२७	५७६	५७॥ भाःउः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास ११। दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास ७। माघसुदी। लोकोत्तरमासकानाम शिशिर रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवार ४ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से। | सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण २ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	१	५८	श्रवण	३४	६२			बव	१	५८	बालव	२१	३२	२४	४	८	३०	५४८	मकरेंदु।पुनर्वसुमासरात्रीका।चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	०	६०	धनिष्ठा	३४	६२			कौलव स्त्रीलोचन	० २६	६० ३२	गर			२४	०	९	३१	५४९	३६॥भाः३ कुंभेंदु।सूर्यमास१८।४७ छाःपोः ३ःपाःऽकैं६०घ० पुष्यरात्री
०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						बृ	४	५६	२	शतभिषा	४	६२			विणिज	२९	३२	वृष्टि			२४	४	१०	१	५५०	कुंभेंदु।मकरेभानुशक्रांति।अभिचऽकैं४दिन१२घड़ी।हिमंतऋतु।रविउत्तरायणे
						शु	५	५८	४	पूर्वा भा०	४	६२			बव	२८	३४	बालव			२४	८	११	२	५५१	५५ःउः मीनेंदु
						श	६	५७	६	उत्रा भा०	३४	६२			कौलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			२४	१२	१२	३	५५२	मीनेंदु
						र	७	५६	८	रेवती	३४	६२			गर	२६	३८	विणिज			२४	१६	१३	४	५५३	मीनेंदु
						चं	८	५५	१०	अश्विनी	३४	६२			वृष्टि	२५	४०	बव			२४	२०	१४	५	५५४	६॥भा उःमेषेंदु।मिचऽकैं१२घःउ श्रवणाऽकै१३दिन२४घड़ी
						मं	९	५४	१२	भरणी	४	६२			बालव	२४	४२	कौलव			२४	२४	१५	६	५५५	मेषेंदु
						बु	१०	५३	१४	कृतका	४	६२			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२४	२८	१६	७	५५६	२५ भा उः वृषेंदु। ३ पः ११ अंः छा॰ पोरसी
						बृ	११	५२	१६	रोहिणी	३४	६२			विणिज	२२	४६	वृष्टि			२४	३२	१७	८	५५७	वृषेंदु
						शु	१२	५१	१८	मृगसरा	३४	६२			बव	२१	४८	बालव			२४	३६	१८	९	५५८	४३॥भाःउः मिथुनेंदु
						श	१३	५०	२०	आर्द्रा	४	३२			कौलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२४	४०	१९	१०	५५९	मिथुनेंदु
						र	१४	४९	२२	पुनर्वसु	३४	६२			गर	१९	५२	विणिज			२४	४४	२०	११	५६०	६२ भाग उः कर्केंदु। चन्द्रायन ४१
बृ	र	बु	न	मं	शु	चं	१५	४८	२४	पुष्य	३४	६२			वृष्टि	१८	५४	बव			२४	४८	२१	१२	५६१	कर्केंदु। पखी ३८

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगनोमास २०। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुणवदी। लोकोत्तरमास नाम। हेमते। रविउत्रायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१	४७	२६	ऽश्लेषा	४	६२			बालव	१७	५६	कोलव			२४	५२	२२	१३	५६२	कर्केंदु
						बु	२	४६	२८	मघा	४	६२			स्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२४	५६	२३	१४	५६३	१३॥ भाः ड सिंघेंदु। पुष्प रात्री का समाप्त
						वृ	३	४५	३०	पु खाड़ा	४	६२			विणिज	१५	६०	वृष्टि			२४	६०	२४	१५	५६४	सिंघेंदु। ३ पग १० छाया पोरसी
						शु	४	४४	३२	उ षाड़ा	३४	६२			बव	१५	०	बालव			२५	३	२५	१६	५६५	३२ भा उः कन्येंदु
						श	५	४३	३४	हस्त	३४	६२			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२५	७	२६	१७	५६६	कन्येंदु
						र	६	४२	३६	चित्रा	३४	६२			गर	१३	४	विणिज			२५	११	२७	१८	५६७	५०॥ भाःउः तुलेंदु। श्रवणार्के ३६ घःउः धनेष्टाऽर्के १२ दि. २४ घः
						चं	७	४१	३८	स्वाति	४	६२			वृष्टि	१२	६	बव			२५	१५	२८	१९	५६८	तुलेंदु
						मं	८	४०	४०	विशाखा	३४	६२			बालव	११	८	कोलव			२५	१९	२९	२०	५६९	तुलेंदु
						बु	९	३९	४२	ऽनुराधा	३४	६२			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२५	२३	३०	२१	५७०	२ भा. उः वृश्चकेंदु। ऋतुमास १९
						वृ	१०	३८	४४	ज्येष्टा	४	६२			विणिज	९	१२	वृष्टि			२५	२७	१	२२	५७१	वृश्चकेंदु।३ पग ६ धेः छा
						शु	११	३७	४६	मूला	४	६२			बव	८	१४	बालव			२५	३१	२	२३	५७२	२०॥ भाःउः धनेंदु
						श	१२	३६	४८	पुर्वा षाड़ा	४	६२			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२५	३५	३	२४	५७३	धनेंदु
						र	१३	३५	५०	उत्रा षाड़ा	३४	६२	ऽभी	१५	गर	६	१८	विणिज			२५	३९	४	२५	५७४	३९ भाःउः मकरेंदु' नक्षत्रमास २१। चन्द्रायन ५२
						चं	१४	३४	५२	श्रवण	५३	४१			वृष्टि	५	२०	शकुन			२५	४३	५	२६	५७५	मकरेंदु। पखी ३१
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१५	३३	५४	धनेष्टा	५३	४६			चतुष्पद	४	२२	नाग			२५	४७	६	२७	५७६	५७॥ भाःउः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास १६ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास ७ । माघसुदी । लोकोत्तरमासकानाम शिशिर रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवर्ष ५ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २ । पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
शु	मं	बृ	र	शु	श	मं	१	१	५८	श्रवण	३४	६२			वव	१	५८	बालव	२१	३२	२४	४	८	३०	५४८	मकरेंदु।पुनर्वसुमासरात्रीका।चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	०	६०	धनेष्ठा	३४	६२			कोलव स्त्रीलोचन	२६	३२	गर			२४	०	६	३१	५४९	३६॥भाः३ कुंभेंदु।सूर्यमास१८।४प छाःपोः३ःपाःऽकें६०घ० पुष्परात्री
०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						बृ	४	५९	२	शतभिषां	४	६२			विणिज	२९	३२	वृष्टि			२४	४	१०	१	५५०	कुंभेंदु।मकरेभानुशक्रांति।अभिचऽकें४दिन१२घड़ी।हेमंतऋतु।रविउत्रायणे
						शु	५	५८	४	पूर्वा भा०	४	६२			वव	२८	३४	बालव			२४	८	११	२	५५१	५५ःउः मीनेंदु
						श	६	५७	६	उत्रा भा०	३४	६२			कोलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			२४	१२	१२	३	५५२	मीनेंदु
						र	७	५६	८	रेवती	३४	६२			गर	२६	३८	विणिज			२४	१६	१३	४	५५३	मीनेंदु
						चं	८	५५	१०	अश्विनी	३४	६२			वृष्टि	२५	४०	वव			२४	२०	१४	५	५५४	६॥भा·उःमेषेंदु।भिचऽकें१२घःउ श्रवणऽकें१३दिन२४घड़ी
						मं	९	५४	१२	भरणी	४	६२			बालव	२४	४२	कोलव			२४	२४	१५	६	५५५	मेषेंदु
						बु	१०	५३	१४	कृतका	४	६२			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२४	२८	१६	७	५५६	२५ भा·उः वृषेंदु । ३ पः ११ घंः छाः पोरसी
						बृ	११	५२	१६	रोहिणी	३४	६२			विणिज	२२	४६	वृष्टि			२४	३२	१७	८	५५७	वृषेंदु
						शु	१२	५१	१८	मृगसरा	३४	६२			वव	२१	४८	बालव			२४	३६	१८	९	५५८	४३॥भाःउः मिथुनेंदु
						श	१३	५०	२०	आर्द्रा	४	३२			कोलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२४	४०	१९	१०	५५९	मिथुनेंदु
						र	१४	४९	२२	पुनर्वसु	३४	६२			गर	१९	५२	विणिज			२४	४४	२०	११	५६०	६२ भाग उः कर्केंदु । चन्द्रायन ४१
बृ	र	शु	श	मं	शु	चं	१५	४८	२४	पुष्य	३४	६२			वृष्टि	१८	५४	वव			२४	४८	२१	१२	५६१	कर्केंदु । पखी ३८

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगनोमास २०। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फालगुणवदी। लोकोत्तरमास नाम। हेमते। रविउत्रायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
ग्रु	थ	बृ	र	बु	श	मं	१	४७	२६	ऽश्लेषा	४	६२			वालव	१७	५६	कोलव			२४	५२	२२	१३	५६२	फर्केंदु
						बु	२	४६	२८	मघा	४	६२			ऽस्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२४	५६	२३	१४	५६३	१३॥ भाः उ' सिंघेंदु। पुष्प रात्री का समास
						बृ	३	४५	३०	पु षाड़ा	४	६२			विणिज	१५	६०	वृष्टि			२४	६०	२४	१५	५६४	सिंघेंदु । ३ पग १० छाया पोरसी
						शु	४	४४	३२	उ षाड़ा	३५	६२			वव	१५	०	वालव			२५	३	२५	१६	५६५	३२ भा उः कन्येंदु
						श	५	४३	३४	हस्त	३४	६२			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२५	७	२६	१७	५६६	कन्येंदु
						र	६	४२	३६	चित्रा	३४	६२			गर	१३	४	विणिज			२५	११	२७	१८	५६७	५०॥ भा:उ: तुलेंदु । श्रवणार्के ३६ घःउः धनेष्टाऽर्के १३ दिः २४ घः
						थ	७	४१	३८	स्वाति	४	६२			वृष्टि	१२	६	वव			२५	१५	२८	१९	५६८	तुलेंदु
						मं	८	४०	४०	विशाखा	३४	६२			वालव	११	८	कोलव			२५	१९	२९	२०	५६९	तुलेंदु
						बु	९	३९	४२	ऽनुराधा	३४	६२			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२५	२३	३०	२१	५७०	२ भा. उः वृश्चकेंदु । ऋतुमास १९
						बृ	१०	३८	४४	ज्येष्ठा	४	६२			विणिज	९	१२	वृष्टि			२५	२७	१	२२	५७१	वृश्चकेंदु।३ पग ४ अं छा
						शु	११	३७	४६	मूला	४	६२			वव	८	१४	वालव			२५	३१	२	२३	५७२	२०॥ भा:उः धनेंदु
						श	१२	३६	४८	पुर्वा षाड़ा	४	६२			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२५	३५	३	२४	५७३	धनेंदु
						र	१३	३५	५०	उत्तरा षाड़ा	३४	६२	ऽभी	१६ ५४	गर	६	१८	विणिज			२५	३९	४	२५	५७४	३१ भा:उ' मकरेंदु ' नक्षत्रमास २१। चन्द्रायन ५२
						थं	१४	३४	५२	श्रवण	५३	४१			वृष्टि	५	२०	शुकुन			२५	४३	५	२६	५७५	मकरेंदु। पखी ३१
ग्रु	थ	बृ	र	बु	श	मं	१५	३३	५४	धनेष्टा	५३	४१			चतुष्पद	४	२२	नाग			२५	४७	६	२७	५७६	५७॥ भा:उः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास १९ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास ७ । माघसुदी । लोकोत्तरमासकानाम शिशिर रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से। | सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
शु	चं	बृ	र	शु	श	मं	१	१	५८	श्रवण	३४	६२			बव	१	५८	बालव	२१	३२	२४	४	८	३०	५४८	मकरेंदु।पुनर्वसुमासरात्रीका।चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	०	६०	धनेष्ठा	३४	६२			कौलव स्त्रीलोचन	० २६	६० ३२	गर			२४	०	९	३१	५४९	३९॥भाः३ कुंभेंदु।सूर्यमास१८।४प·छाःपोः३ःपाःऽर्के९०घ० पुष्परात्री
•	•	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	•	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						बु	४	५९	२	शतभिषा	४	६२			विणिज	२६	१२	बृष्टि			२४	४	१०	१	५५०	कुंभेंदु।मकरेभानुशक्रांति।अभित्रऽर्के४दिन१२घड़ी।हेमंतऋतु।रविउत्तरायणे
						शु	५	५८	४	पूर्वा भा०	४	६२			बव	२८	३४	बालव			२४	८	११	२	५५१	५५:३: मीनेंदु
						श	६	५७	६	उत्रा भा०	३५	६२			कौलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			२४	१२	१२	३	५५२	मीनेंदु
						र	७	५६	८	रेवती	३४	६२			गर	२६	३८	विणिज			२४	१६	१३	४	५५३	मीनेंदु
						चं	८	५५	१०	अश्विनी	३४	६२			बृष्टि	२५	४०	बव			२४	२०	१४	५	५५४	६॥भा·३ःमेषेंदु।मित्रऽर्के१२घः३ श्रवणाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						मं	९	५४	१२	भरणी	४	६२			बालव	२४	४२	कौलव			२४	२४	१५	६	५५५	मेषेंदु
						बु	१०	५३	१४	कृत्तका	४	६२			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२४	२८	१६	७	५५६	२५ भा·३ः वृषेंदु । ३ पः ११ घं: छाः पोरसी
						बृ	११	५२	१६	रोहिणी	३४	६२			विणिज	२२	४६	बृष्टि			२४	३२	१७	८	५५७	वृषेंदु
						शु	१२	५१	१८	मृगसरा	३४	६२			बव	२१	४८	बालव			२४	३६	१८	९	५५८	४३॥भाः३ः मिथुनेंदु
						श	१३	५०	२०	आर्द्रा	४	३२			कौलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२४	४०	१९	१०	५५९	मिथुनेंदु
						र	१४	४९	२२	पुनर्वसु	३४	६२			गर	१९	५२	विणिज			२४	४४	२०	११	५६०	६२ भाग ३ः कर्केंदु । चन्द्रायन ४१
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	४८	२४	पुष्य	३४	६२			बृष्टि	१८	५४	बव			२४	४८	२१	१२	५६१	कर्केंदु । पखी ३८

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २१ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ६ । चैत्र वदी । लोकोत्तर मास नाम । वंसत। रवि उत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनमें	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
१	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१८	२४	उत्राफा०	५३	४६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			२६	५०	२२	१३	५६२	५३भाःउःकन्येंदु
						शु	२	१७	२६	हस्त	५३	४६		०	गर	१७	२६	विशिज			२६	५४	२३	१४	५६३	कन्येंदु
						श	३	१६	२८	चित्रा	५३	४६			वृष्टि	१६	२८	बव			२६	५८	२४	१५	५६४	कन्येंदु।३पग६अंगुल छाया पोरसी । मघासमाप्त रात्रीका
						र	४	१५	३०	स्वाति	२३	४६			बालव	१५	३०	कोलव			२७	१	२५	१६	५६५	४॥भाःउःतुलेंदु
						चं	५	१४	३२	विशाषा	५३	४६			स्त्री लोचन	१४	३२	गर			२७	५	२६	१७	५६६	तुलेंदु
						मं	६	१३	३४	अनुराधा	५३	४६		०	विशिज	१३	३४	वृष्टि			२७	९	२७	१८	५६७	२३भा. उः वृश्चकेंदु
						बु	७	१२	३६	ज्येष्ठा	२३	४६			बव	१२	३६	बालव			२७	१३	२८	१९	५६८	वृश्चकेंदु
						बृ	८	११	३८	मूला	२३	४६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			२७	१७	२९	२०	५६९	४१॥ भाः उः धनेंदु
						शु	९	१०	४०	पूर्वाषा०	२३	४६			गर	१०	४०	विशिज			२७	२१	३०	२१	६००	धनेंदु । ऋतुमास २०
						श	१०	९	४२	उत्र.षाढ़ा	५३	४६			वृष्टि	९	४२	बव			२७	२५	१	२२	६०१	६०भाःउःमकरेंदु।पुःभ.६घ३ उःभा ऽकें२०दिः६घः।नक्षत्रमास२२।चन्द्रायन४४
						र	११	८	४४	ऽभीच	१२	२६			बालव	८	४४	कोलव			२७	२९	२	२३	६०२	मकरेंदु।३पगः५अंःछायापोरसी
						चं	१२	७	४६	श्रवण	१२	२६			स्त्री लोचन	७	४६	गर			२७	३३	३	२४	६०३	मकरेंदु
						मं	१३	६	४८	धनेष्ठा	१२	२६	शत	३०	विशिज	६	४८	वृष्टि			२७	३७	४	२५	६०४	११॥भागःउःकुंभेंदु
						बु	१४	५	५०	पूर्वाभा०	४२	२६			शुकन	५	५०	चतुष्पद			२७	४१	५	२६	६०५	कुंभेंदु।पक्षी ४१
१	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	४	५२	उत्रभाद्र	६०	०			नाग	४	५२	किस्तुघन			२७	४५	६	२७	६०६	३०भाःउःमीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकिक । वीर सम्वत् २४४३ । युगकामास २० । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमासनाम । हेमंते । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	छाया प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	शु	चं	बृ	र	गु	१	३२	५६	शतभि०	२३	४६			किंस्तुघन	३	२४	बव			२५	५१	७	२८	५७७	कुंभेंदु
					बृ	२	३१	५८	पुः भा	२३	४६			बालव	२	२६	कोलव			२५	५५	८	२९	५७८	कुंभेंदु । अश्लेषा समाप्त रात्री का । चन्द्रदर्शनम
					शु	३	३०	६०	उ भा	२३	४६			स्त्री लोचन	१	२८	गर	२१	३२	२५	५९	९	३०	५७९	९ भाःउः मीनेंदु । ३ प० ८ श्रं छः । सूर्यमास १६ । मघा रात्रीका
					श	४	३०	०	रेवती	२३	४६			विणिज वृष्टि	०/२९	३/३१	बव			२६	२	१०	१	५८०	मीनेंदु । कुंभेऽर्के शंक्रांति । धनेष्टाऽर्के ६० घः
					र	५	२९	२	ऽश्विनी	२३	४६			बालव	२९	२	कोलव			२६	६	११	२	५८१	२७॥ भा उः मेषेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
					च	६	२८	४	भरणी	२३	४६			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२६	१०	१२	३	५८२	मेषेंदु
					मं	७	२७	६	कृतिका	२३	४६			विणिज	२७	६	वृष्टि			२६	१४	१३	४	५८३	४६ भा. उः वृखेंदु
					बु	८	२६	८	रोहिणी	२३	४६			बव	२६	८	बालव			२६	१८	१४	५	५८४	वृखेंदु
					बृ	९	२५	१०	मृगसर	२३	४६			कोलव	२५	१०	स्त्री लोचन			२६	२२	१५	६	५८५	६४॥भाः उः मिथुनेंदु
					शु	१०	२४	१२	आर्द्रा	२३	४६			गर	२४	१२	विणिज			२६	२६	१६	७	५८६	मिथुनेंदु । ३ पग ७ अं छायापोरसी
					श	११	२३	१४	पुनर्वसु	२३	४६			वृष्टि	२३	१४	बव			२६	३०	१७	८	५८७	मिथुनेंदु । सतऽर्के४२घःउःपूर्वाभाऽर्के१३दिन२४घड़ी । चन्द्रायन ४३ ।
					र	१२	२२	१६	पुष्य	२३	४६			बालव	२२	१६	कोलव			२६	३४	१८	९	५८८	१६ भाःउः कर्केंदु
					च	१३	२१	१८	ऽश्लेषा	२३	४६			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२६	३८	१९	१०	५८९	कर्केंदु
					मं	१४	२०	२०	मघा	२३	४६			विणिज	२०	२०	वृष्टि			२६	४२	२०	११	५९०	३४॥ भाःउः सिंघेंदु । पखी ४०
मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	१९	२२	पूर्वा फा०	२३	४६			बव	१९	२२	बालव			२६	४६	२१	१२	५९१	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । युगकामास २१ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ६ । चैत्र वदी । लोकोत्तर मास नाम । वंसत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिवसे	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
१	गु	ग	मं	गु	चं	पृ	१	१८	२४	उत्रा फा०	५३	४६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			२६	५०	२२	१३	५६२	५३भाःउःकन्येंदु
						शु	२	१७	२६	हस्त	५३	४६		०	गर	१७	२६	विणिज			२६	५४	२३	१४	५६३	कन्येंदु
						श	३	१६	२८	चित्रा	५३	४६			वृष्टि	१६	२८	बव			२६	५८	२४	१५	५६४	कन्येंदु।३पग६अंगुल छाया पोरसी । मघासमास रात्रीका
						र	४	१५	३०	स्वाति	२३	४६			बालव	१५	३०	कोलव			२७	१	२५	१६	५६५	४॥भाःउःतुलेंदु
						चं	५	१४	३२	विशाखा	५३	४६			स्त्री लोचन	१४	३२	गर			२७	५	२६	१७	५६६	तुलेंदु
						मं	६	१३	३४	अनुराधा	५३	४६		०	विणिज	१३	३४	वृष्टि			२७	९	२७	१८	५६७	२३भाः उः वृश्चकेंदु
						बु	७	१२	३६	ज्येष्ठा	२३	४६			बव	१२	३६	बालव			२७	१३	२८	१९	५६८	वृश्चकेंदु
						बृ	८	११	३८	मूल	२३	४६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			२७	१७	२९	२०	५६९	४१॥ भाः उः धनेंदु
						शु	९	१०	४०	पूर्वाषा०	२३	४६			गर	१०	४०	विणिज			२७	२१	३०	२१	६००	धनेंदु । ऋतुमास २०
						श	१०	९	४२	उत्राषाढ़ा	५३	४६			वृष्टि	९	४२	बव			२७	२५	१	२२	६०१	६०भाःउःमकरेंदु।पुःम.६घा३.उःभा ऽकें२०दि.६घः।नक्षत्रमास२२।चन्द्रायन४४
						र	११	८	४४	अभीच	१२	३६			बालव	८	४४	कोलव			२७	२९	२	२३	६०२	मकरेंदु।२पगः५अंःछायापोरसी
						चं	१२	७	४६	श्रवण	१२	३६			स्त्री लोचन	७	४६	गर			२७	३३	३	२४	६०३	मकरेंदु
						मं	१३	६	४८	धनेष्ठा	१२	३६	गत	३०	विणिज	६	४८	वृष्टि			२७	३७	४	२५	६०४	११॥भागःउःकुंभेंदु
						बु	१४	५	५०	पूर्वाभा०	४२	३६			शकुन	५	५०	चतुष्पद			२७	४१	५	२६	६०५	कुंभेंदु।पक्षी ४१
१	गु	ग	मं	शु	चं	बृ	१५	४	५२	उत्राभाद्र	६०	०			नाग	४	५२	किंस्तुघ्न			२७	४५	६	२७	६०६	३०भाःउःमीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ जोर्तिष । वीर सम्वत् २४४२ । युगमास २० । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमासनाम । हेमंते । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र जोर्तिष के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६७	करण रात्रिका			दिनमान घड़ी	भाग ६७	सूर्यमास	सूर्य माल	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्स । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
ग	मं	बु	चं	बृ	र	बु	१	१२	५६	शतभि०	२३	४६			किस्तुघन	३	२४	बव			२५	४१	७	२८	५७७	कुंभेंदु
						बृ	२	३१	५८	पु: भा	२३	४६			बालव	२	२६	कौलव			२५	४५	८	२९	५७८	कुंभेंदु । अश्लेषा समाप्त रात्री का । चन्द्रदर्शनम
						शु	३	३०	६०	उ भा	२३	४६			स्त्री लोचन	१	२८	गर	२१	३२	२५	४६	९	३०	५७९	१ भा:उः मीनेंदु । ३ पः ८ श्रे क्षः । सूर्यमास १९ । मघा रात्रीका
						श	४	३०	०	रेवती	२३	४६			विष्टिज वृष्टि	० १६	३० ३१	बव			२६	२	१०	१	५८०	मीनेंदु । कुंभेऽर्के शंक्रांति । धनेष्टाऽर्के ६० घ.
						र	५	२९	२	ऽश्विनी	२३	४६			बालव	२९	२	कौलव			२६	६	११	२	५८१	२७॥ भा उः मेषेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						च	६	२८	४	भरणी	२३	४६			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२६	१०	१२	३	५८२	मेषेंदु
						मं	७	२७	६	कृतिका	२३	४६			विष्टिज	२७	६	वृष्टि			२६	१४	१३	४	५८३	४६ भा. उः वृषेंदु
						बु	८	२६	८	रोहिणी	२३	४६			बव	२६	८	बालव			२६	१८	१४	५	५८४	वृषेंदु
						बृ	९	२५	१०	मृगसर	२३	४६			कौलव	२५	१०	स्त्री लोचन			२६	२२	१५	६	५८५	६४॥भा: उः मिथुनेंदु
						शु	१०	२४	१२	आर्द्रा	२३	४६			गर	२४	१२	विष्टिज			२६	२६	१६	७	५८६	मिथुनेंदु । ३ पण ७ श्रं: छायापोरसी
						श	११	२३	१४	पुनर्वसु	२३	४६			वृष्टि	२३	१४	बव			२६	३०	१७	८	५८७	मिथुनेंदु । सतऽर्के४२घःउःपूर्वाभाऽर्के१३दिन२४घड़ी । चन्द्रायन ४३ ।
						र	१२	२२	१६	पुष्य	२३	४६			बालव	२२	१६	कौलव			२६	३४	१८	९	५८८	१६ भा:उ. कर्केंदु
						च	१३	२१	१८	ऽश्लेषा	२३	४६			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२६	३८	१९	१०	५८९	कर्केंदु
						मं	१४	२०	२०	मघा	२३	४६			विष्टिज	२०	२०	वृष्टि			२६	४२	२०	११	५९०	३४॥ भा:उः सिंघेंदु । पखी ४०
ग	मं	बु	चं	बृ	र	बु	१५	१९	२२	पूर्वा फा०	२३	४६			बव	१९	२२	बालव			२६	४६	२१	१२	५९१	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २१ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ६ । चैत्र वदी । लोकोत्तर मास नाम । वंसत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ५४	करण रात्री	दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१८	२४	उत्राफा०	५३	४६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन	२६	५०	२२	१३	५९२	५३भाःउःकर्न्येंदु
						शु	२	१७	२६	हस्त	५३	४६		०	गर	१७	२६	विणिज	२६	५४	२३	१४	५९३	कन्येंदु
						श	३	१६	२८	चित्रा	५३	४६			बृष्टि	१६	२८	बव	२६	५८	२४	१५	५९४	कन्येंदु।३पग६अंगुल छाया पोरसी । मघासमास रात्रीका
						र	४	१५	३०	स्वाति	२३	४६			बालव	१५	३०	कोलव	२७	१	२५	१६	५९५	४॥भा.उ.तुलेंदु
						चं	५	१४	३२	विशाषा	५३	४६			स्त्री लोचन	१४	३२	गर	२७	५	२६	१७	५९६	तुलेंदु
						मं	६	१३	३४	अनुराधा	५३	४६		०	विणिज	१३	३४	बृष्टि	२७	९	२७	१८	५९७	२३भाः उः वृश्चकेंदु
						बु	७	१२	३६	ज्येष्ठा	२३	४६			बव	१२	३६	बालव	२७	१३	२८	१९	५९८	वृश्चकेंदु
						बृ	८	११	३८	मूला	२३	४६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन	२७	१७	२९	२०	५९९	४१॥ भाः उः धनेंदु
						शु	९	१०	४०	पूर्वाषा०	२३	४६			गर	१०	४०	विणिज	२७	२१	३०	२१	६००	धनेंदु । ऋतुमास २०
						श	१०	९	४२	उत्र.षाढ़ा	५३	४६			बृष्टि	९	४२	बव	२७	२५	१	२२	६०१	६०भाःउःमकरेंदु।पुःम.६घ.३.उःभाःऽफें२०दि.६घः।नक्षत्रमास२१।चन्द्रायन४४
						र	११	८	४४	ऽभीच	१२	३६			बालव	८	४४	कोलव	२७	२९	२	२३	६०२	मकरेंदु।३पगः५अंःछायापोरसी
						चं	१२	७	४६	श्रवण	१२	३६			स्त्री लोचन	७	४६	गर	२७	३३	३	२४	६०३	मकरेंदु
						मं	१३	६	४८	धनेष्टा	१२	३६	शत	३०	विणिज	६	४८	बृष्टि	२७	३७	४	२५	६०४	११॥भागःउःकुंभेंदु
						बु	१४	५	५०	पूर्वाभा०	४२	३६			शकुन	५	५०	चतुष्पद	२७	४१	५	२६	६०५	कुंभेंदु।पक्षी ४१
र	शु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	४	५२	उत्रभाद्र	६०	०			नाग	४	५२	किंस्तुघ्न	२७	४५	६	२७	६०६	३०भाःउःमीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । युगमास २० । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमासनाम । हेमंते । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका			दिनमान घड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
ग	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	३२	५६	शतभि०	२३	४१			किस्तुघन	३	२४	वघ			२५	५१	७	२८	५७७	कुंभेंदु
						बृ	२	३१	५८	पु: भा:	२३	४१			बालव	२	२६	कोलव			२५	५५	८	२९	५७८	कुंभेंदु । अश्लेषा समाप्त रात्री का । चन्द्रदर्शनम
						शु	३	३०	६०	उ: भा:	५३	४१			स्त्री लोचन	१	२८	गर	२९	३२	२५	५९	९	३०	५७९	९ भा:उ: मीनेंदु । ३ प: ८ श्र छः । सूर्यमास ११ । मघा रात्रीका
						श	४	३०	०	रेवती	५३	४१			विणिज वृष्टि	० ५९	३० ३२	वघ			२६	२	१०	१	५८०	मीनेंदु । कुंभेऽर्के शंक्रांति । धनेष्टाऽर्के ६० घः
						र	५	२९	२	ऽश्विनी	५३	४१			बालव	५९	२	कोलव			२६	६	११	२	५८१	२७॥ भा:उः मेषेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन ५२ घड़ी
						ध	६	२८	४	भरणी	२३	४१			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२६	१०	१२	३	५८२	मेषेंदु
						मं	७	२७	६	कृतिका	२३	४१			विणिज	२७	६	वृष्टि			२६	१४	१३	४	५८३	४६ भा: उः वृषेंदु
						बु	८	२६	८	रोहिणी	५३	४१			वघ	२६	८	बालव			२६	१८	१४	५	५८४	वृषेंदु
						बृ	९	२५	१०	मृगसर	५३	४१			कोलव	२५	१०	स्त्री लोचन			२६	२२	१५	६	५८५	६४॥भा: उः मिथुनेंदु
						शु	१०	२४	१२	आर्द्रा	२३	४१			गर	२४	१२	विणिज			२६	२६	१६	७	५८६	मिथुनेंदु । ३ पग ७ अं: छायापोरसी
						श	११	२३	१४	पुनर्वसु	५३	४१			वृष्टि	२३	१४	वघ			२६	३०	१७	८	५८७	मिथुनेंदु । सतऽर्के४२घःउःपूर्वाभाऽर्के१३दिन२४घड़ी । चन्द्रायन ४२ ।
						र	१२	२२	१६	पुष्य	५३	४१			बालव	२२	१६	कोलव			२६	३४	१८	९	५८८	१६ भा:उः कर्केंदु
						चं	१३	२१	१८	ऽश्लेषा	२३	४१			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२६	३८	१९	१०	५८९	कर्केंदु
						मं	१४	२०	२०	मघा	२३	४१			विणिज	२०	२०	वृष्टि			२६	४२	२०	११	५९०	३४॥ भा:उः सिंघेंदु । पखी ४०
ग	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	१९	२२	पूर्वा फा०	२३	४१			वघ	१९	२२	बालव			२६	४६	२१	१२	५९१	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीरसम्वत् २४४३ युगमास २२ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सर का माग १० । वैशाख वदी लोकोत्तमास नाम । कुसम संभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ५ ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	५१	२२	हस्त	१२	३६			बालव	१९	५२	कोलव			२८	४४	२१	११	६२१	कन्येंदु । उ भा: १२ घ: उ: रेवती ऽर्के १२ दिन २४ घड़ी
						श	२	४८	२४	चित्रा	१२	३६	स्वा	३०	स्त्री लोचन	१८	५४	गर			२८	४८	२२	१२	६२२	२५॥भा॰उ: तुलेंदु
						र	३	५७	२६	विशाखा	६०	०			विणिज	१७	५६	वृष्टि			२८	५२	२३	१३	६२३	तुलेंदु
						चं	४	४६	२८	विशाखा	१२	३६			बव	१६	५८	बालव			२८	५६	२४	१४	६२४	४४भा: उ: वृश्चकेंदु । उत्रा फाल्गुणी समाप्त रात्री का
						मं	५	५५	३०	अनुराधा	१२	३६	ज्ये	३०	कोलव	१५	६०	स्त्रीलोचन			२८	६०	२५	१५	६२५	वृश्चकेंदु । ३ पग २ अं:छा: पोरसी
						बु	६	४४	३२	मूला	४२	३६			गर	१५	०	विणिज			२९	३	२६	१६	६२६	६२॥भा:उ: धनेंदु
						बृ	७	४३	३४	पूर्वा षा०	४२	३६			वृष्टी	१४	२	बव			२९	७	२७	१७	६२७	धनेंदु
						शु	८	४२	३६	उत्रा षा०	६०	०			बालव	१३	४	कोलव			२९	११	२८	१८	६२८	धनेंदु
						श	९	४१	३८	उ॰ षा.	१२	३६	ऽभि	१५/४	स्त्री लोचन	१२	६	गर			२९	१५	२९	१९	६२९	१४ भा:उ: मकरेंदु । नक्षत्रमास २३ । चन्द्रायन ४६
						र	१०	४०	४०	श्रवण	३१	२३			विणिज	११	८	वृष्टी			२९	१९	३०	२०	६३०	मकरेंदु । ऋतुमास २१
						चं	११	३९	४२	धनेष्ठा	३१	२३			बव	१०	१०	बालव			२९	२३	१	२१	६३१	३२॥भा:उ: कुंभेंदु
						मं	१२	३८	४४	शतभि	१	२३			कोलव	९	१२	स्त्रीलोचन			२९	२७	२	२२	६३२	कुंभेंदु । ३ पग १ अं: छाया पोरसी
						बु	१३	३७	४६	पूः भा०	१	२३			गर	८	१४	विणिज			२९	३१	३	२३	६३३	५१ भा: उ: मीनेंदु
						बृ	१४	३६	४८	उ० भा०	३१	२३			वृष्टी	७	१६	शुकन			२९	३५	४	२४	६३४	मीनेंदु । रेवती ऽर्के ३६ घ: उ: ऽश्विनी ऽर्के १२ दि २४ घड़ी पक्षी ४३
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३५	५०	रेवती	३१	२३			चतुष्पद	६	१८	नाग			२९	३९	५	२५	६३५	मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २१ दूसराचंद्र सम्वत्सरनोमास ६ । चैत्र शुदी लोकोत्तरमासको नाम । वंसत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रघड़ी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
मं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	३	५४	उत्राभाः	१२	३६			वव	३	५४	वालव	२७	४६	७	२८	६०७	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम
						श	२	२	५६	रेवती	१२	३६			कोलव	२	५६	स्त्रीलोचन	२७	५३	८	२९	६०८	४८॥भाःउःमेखेंदु
						र	३	१	५८	ऽश्विना	१२	३६	भर	३०	गर	१	५८	विणिज	२७	५७	९	३०	६०९	मेखेंदु।पूर्वाफाल्गुणीममातरात्रीका
						चं	४	०	६०	कृतका	४२	३६			घृष्ट / वव	० / २६	६० / ३२	वालव	२८	०	१०	३१	६१०	मेखेंदु।सूर्यमास२०।३पगध४अंःछाः।उत्र।फाल्गुणीरात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
						मं	६	५९	२	रोहिणी	६०	०			कोलव	२९	३२	स्त्रीलोचन	२८	४	११	१	६११	वृखेंदु।मीनेभानुशंक्रांति।वसंतऋतु
						बु	७	५८	४	रोहिणी	१२	३६			गर	२८	३४	विणिज	२८	८	१२	२	६१२	वृखेंदु
						बृ	८	५७	६	मृगसरा	१२	३६	ऽद्राः	३०	घृष्टि	२७	३६	वव	२८	१२	१३	३	६१३	१८॥भाःउः मिथुनेंदु
						शु	९	५६	८	पुनर्वसु	६०	०			वालव	२६	३८	कोलव	२८	१६	१४	४	६१४	मिथुनेंदु
						श	१०	५५	१०	पुनर्वसु	१२	३६			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर	२८	२०	१५	५	६१५	३७भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायने ४५
						र	११	५४	१२	पुष्प	१२	३६	अ३	३०	विणिज	२४	४२	घृष्टि	२८	२४	१६	६	६१६	कर्केंदु
						चं	१२	५३	१४	मघा	४२	३६			वव	२३	४४	वालव	२८	२८	१७	७	६१७	५५॥भाःउः सिंधेंदु
						मं	१३	५२	१६	पूः फाः	४२	३६			कोलव	२२	४६	स्त्रीलोचन	२८	३२	१८	८	६१८	सिंधेंदु । ३पः२अं छा.पोः
						बु	१४	५१	१८	उ.फाः	६०	०			गर	२१	४८	विणिज	२८	३६	१९	९	६१९	सिंधेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	५०	२०	उःफाः	१२	३६			घृष्टि	२०	५०	वव	२८	४०	२०	१०	६२०	७ भाः उः कन्येंदु । पक्षी ४२

विक्रम सम्वत् १९७४ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४३ । जुगकामास २३ । दुसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास ११ । ज्येष्टवदी । लोकोत्रमासनाम । निदाह । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पलो प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	२०	२०	विशाषा	३१	२३			कोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन			३०	४२	२१	११	६५१	६५भाःउःवृश्चकेंदु
						चं	२	१९	२२	अनुराधा	३१	२३			गर	१९	२२	विणिज			३०	४६	२२	१२	६५२	वृश्चकेंदु
						मं	३	१८	२४	ज्येष्टा	१	२३			वृष्टि	१८	२४	वव			३०	५०	२३	१३	६५३	वृश्चकेंदु
						बु	४	१७	२६	मूला	१	२३			वालव	१७	२६	कोलव			३०	५४	२४	१४	६५४	१६॥भाःउःधनेंदु।भरणीऽर्कं।४२घःउःकृतकाऽर्के१३दिन२४घः
						बृ	५	१६	२८	पूर्वाषाड़ा	१	२३			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर			३०	५८	२५	१५	६५५	धनेंदु।२पगः१०अं छा.चित्रासमामरात्री का
						शु	६	१५	३०	उत्राषाड़ा	३१	२३	ऽभी	३८ ५४	विणिज	१५	३०	वृष्टि			३१	१	२६	१६	६५६	३१भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२४।चन्द्रायन ४८
						श	७	१४	३२	श्रवण	५०	१०			वव	१४	३२	वालव			३१	५	२७	१७	६५७	मकरेंदु
						र	८	१३	३४	धनेष्टा	५०	१०			कोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन			३१	९	२८	१८	६५८	५३भाःउ.कुंभेंदु
						चं	९	१२	३६	शतभिषा	२०	१०			गर	१२	३६	विणिज			३१	१३	२९	१९	६५९	कुंभेंदु
						मं	१०	११	३८	पूर्वाभा०	२०	१०			वृष्टि	११	३८	वव			३१	१७	३०	२०	६६०	कुंभेंदु।ऋतुमास २२।
						बु	११	१०	४०	उत्राभा०	५०	१०			वालव	१०	४०	कोलव			३१	२१	१	२१	६६१	५भाःउःमीनेंदु
						बृ	१२	९	४२	रेवती	५०	१०			स्त्रीलोचन	९	४२	गर			३१	२५	२	२२	६६२	मीनेंदु।२पः६अं छायापोरसी
						शु	१३	८	४४	ऽश्विनी	५०	१०			विणिज	८	४४	वृष्टि			३१	२९	३	२३	६६३	२३॥भाःउःमेखेंदु
						श	१४	७	४६	भरणी	२०	१०			शुकन	७	४६	चतुष्पद			३१	३३	४	२४	६६४	मेखेंदु पक्ष४५
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	६	४८	कृतका	२०	१०			नाग	६	४८	किंस्तुघन			३१	३७	५	२५	६६५	४२भाःउःवृषेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो॰ वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २२ । दूसरा चन्द्र सम्स्सरकामास १० वैशाप शुदी । लोकोत्तमास नाम कुसमसंभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र कुण्डमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	१	३४	५२	ऽश्विनी	३१	२३			किंस्तुघन	५	२०	बव			२९	४३	६	२६	६३६	२॥भाः उ॰ मेखेंदु
						र	२	३३	५४	भरणी	१	२३			बालव	४	२२	कोलव			२९	४७	७	२७	६३७	मेखेंदु । चन्द्र दर्शनम्
						चं	३	३२	५६	कृतका	१	२३			स्त्रीलोचन	३	२४	गर			२९	५१	८	२८	६३८	२१ भः उः वृखेंदु
						मं	४	३१	५८	रोहिणी	३१	२३			विणिज	२	२६	वृष्टि			२९	५५	९	२९	६३९	वृखेंदु । हस्त समाप्त रात्रीका
						बु	५	३०	६०	मृगसरा	३१	२३			बव	१	२८	बालव	२९	३२	२९	५९	१०	३०	६४०	३४॥भाः उ. मिथुनेंदु । सुर्यमास २१ । ३ पग छाः । चित्रारात्री
						वृ	६	३०	०	आद्रा	१	२३			कोलव स्त्री॰	०/२९	३०/३२	गर	२९	३२	३०	२	११	१	६४१	मिथुनेंदु । मेखेभानु शंक्रांति
						शु	७	२९	२	पुनर्वसु	३१	२३			विणिज	२९	२	वृष्टी			३०	६	१२	२	६४२	५८ भाःउः ककेंदु
						श	८	२८	४	पुष्य	३१	२३			बव	२८	४	बालव			३०	१०	१३	३	६४३	ककेंदु
						र	९	२७	६	ऽश्लेषा	१	२३			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			३०	१४	१४	४	६४४	ककेंदु
						चं	१०	२६	८	मघा	१	२३			गर	२६	८	विणिज			३०	१८	१५	५	६४५	४॥भाः सिंघेंदु
						मं	११	२५	१०	पू॰ फा॰	१	२३			वृष्टि	२५	१०	बव			३०	२२	१६	६	६४६	सिंघेंदु
						बु	१२	२४	१२	उत्रा फा॰	३१	२३			बालव	२४	१२	कोलव			३०	२६	१७	७	६४७	२८ भाःउः कन्येंदु । ऽश्विनी ऽर्के ६० घः । २ पग ११ अंःछाया
						वृ	१३	२३	१४	हस्त	३१	२३			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			३०	३०	१८	८	६४८	कन्येंदु । भरणी ऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						शु	१४	२२	१६	चित्रा	३१	२३			विणिज	२२	१६	वृष्टि			३०	३४	१९	९	६४९	४६॥भा.उः तुलेंदु । पखी ४४
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	१५	२१	१८	स्वाति	१	२३			बव	२१	१८	बालव			३०	३८	२०	१०	६५०	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकिक । वीर सम्वत् २४४३ । युगकामास २४ । सूत्र चन्द्रायणगरकामास १२ आषाढ़ गरी । लोकोत्तरमासनाम । धनविरोध रवि उत्तरायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र ६७ मुहूर्त	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण	घड़ी	भाग ६२	करण	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	सूर्यमास	चन्द्रमास	ऋतुमास	चन्द्रमा २ दिन ६७मादे १८भाग फर्से। नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
पृ	र	गु	श	मं	शु	सं	१	५१	१८	ज्येष्ठा	२०	१०			बालव	२१	५८	कोलव			३२	३६	२०	९	६८०	वृश्चकेंतु
						मं	२	५०	२०	मूला	२०	१०			स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			३२	४०	२१	१०	६८१	३७॥ भा:उ: धनेंतु
						बु	३	४९	२२	पूर्वाषाढ़ा	२०	१०			विणिज	१९	५२	वृष्टि			३२	४४	२२	११	६८२	धनेंतु
						बृ	४	४८	२४	उत्तराषाढ़ा	५०	१०			बव	१८	५४	बालव			३२	४८	२३	१२	६८३	५६ भा:उ: मकरेंतु । चन्द्रायन ५० । नक्षत्रमास २५
						शु	५	४७	२६	अभिच	८	६४			कोलव	१७	५६	स्त्रीलोचन			३२	५२	२४	१३	६८४	मकरेंतु
						श	६	४६	२८	श्रवण	८	६४			गर	१६	५८	विणिज			३२	५६	२५	१४	६८५	मकरेंतु । विशाषा समाप्त रात्री का
						र	७	४५	३०	धनिष्टा	८	६४	शत	३०	वृष्टि	१५	६०	बव			३२	६०	२६	१५	६८६	७॥ भा:उ: कुंभेंतु । २ पग ६ अं: छा: पोरसी
						सं	८	४४	३२	पूर्वभा०	३८	६४			बालव	१५	०	कोलव			३३	३	२७	१६	६८७	कुंभेंतु
						मं	९	४३	३४	उत्तराभा०	६०	०			स्त्रीलोचन	१४	२	गर			३३	७	२८	१७	६८८	२९ भा: उ: मीनेंतु । रोहिणी १२ घ: उ: मृगसरार्क १३ दिन २४ घ:
						बु	१०	४२	३६	उत्तराभा०	८	६४			विणिज	१३	४	वृष्टि			३३	११	२९	१८	६८९	मीनेंतु
						बृ	११	४१	३८	रेवती	८	६४			बव	१२	६	बालव			३३	१५	३०	१९	६९०	४४॥ भा:उ: मेषेंतु । ऋतु मास २३
						शु	१२	४०	४०	अश्विनि	८	६४	भर	३०	कोलव	११	८	स्त्रीलोचन			३३	१९	१	२०	६९१	मेषेंतु
						श	१३	३९	४२	कृतका	३८	६४			गर	१०	१०	विणिज			३३	२३	२	२१	६९२	६३ भा:उ: वृषेंतु
						र	१४	३८	४४	रोहिणी	६०	०			वृष्टि	९	१२	शुकन			३३	२७	३	२२	६९३	वृषेंतु । २ पग ५ अं:छा:पो: । पक्षी ५७
पृ	र	गु	श	मं	शु	सं	१५	३७	४६	रोहिणी	८	६४			चतुष्पद	८	१४	नाग			३३	३१	४	२३	६९४	वृषेंतु

विक्रम सम्वत् १९७४ लौ० वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामान २३ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ११। ज्येष्ठ सुदी । लोकोत्तमासनाम । निदाह । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फसें । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	५	५०	रोहिणी	५०	१०			वव	५	५०	वालव			३१	४१	६	२६	६६६	वृषेंदु।चन्द्रदर्शनम्
						मं	२	४	५२	मृगसरा	५०	१०			कोलव	४	५२	स्त्रीलोचन			३१	४५	७	२७	६६७	६०॥भा०उः मिथुनेंदु
						बु	३	३	५४	आर्द्रा	२०	१०			गर	३	५४	विणिज			३१	४९	८	२८	६६८	मिथुनेंदु।ज्ञनकाऽर्कं९घ०उ०रोहणीऽर्के२०दिन९घड़ी
						बृ	४	२	५६	पुनर्वसु	५०	१०			वृष्टि	२	५६	वव			३१	५३	९	२९	६६९	मिथुनेंदु।चन्द्रायण४१॥दक्षणायणो
						शु	५	१	५८	पुष्य	५०	१०			वालव	१	५८	कोलव	२१	३२	३१	५७	१०	३०	६७०	१२भा०उःकर्केंदु।स्वातीसमाप्तरात्रीकानक्षत्र
						श	६	०	६०	अश्लेषा	२०	१०			स्त्रीलोचन गर	० २१	६० ३२	विणिज			३२	०	११	३१	६७१	कर्केंदु।सूर्यमास२२।विशाखानक्षत्ररात्रीका२पग८अंगुल छायापो०
०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
						र	८	५१	२	मघा	२०	१०			वृष्टि	२९	३२	वव			३२	४	१२	१	६७२	३०॥भा०उःसिंघेंदु।वृषेभानु।शंक्रांती।ग्रीष्मऋतु १२
						चं	९	५८	४	पूः फाः	२०	१०			वालव	२८	३४	कोलव			३२	८	१३	२	६७३	सिंघेंदु
						मं	१०	५७	६	उः फाः	५०	१०			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			३२	१२	१४	३	६७४	४१भा०उ०कन्येंदु
						बु	११	५६	८	हस्त	५०	१०			विणिज	२६	३८	वृष्टि			३२	१६	१५	४	६७५	कन्येंदु
						बृ	१२	५५	१०	चित्रा	५०	१०			वव	२५	४०	वालव			३२	२०	१६	५	६७६	कन्येंदु
						शु	१३	५४	१२	स्वाति	२०	१०			कोलव	२४	४२	स्त्रीलोचन			३२	२४	१७	६	६७७	॥भा०उः तुलेंदु
						श	१४	५३	१४	विशाखा	५०	१०			गर	२३	४४	विणिज			३२	२८	१८	७	६७८	तुलेंदु।दोपग७अंगुलछायापो०
बु	श	मं	शु	बृ	चं	र	१५	५२	१६	अनुराधा	५०	१०			वृष्टि	२२	४६	वव			३२	३२	१९	८	६७९	१९भा०उ०वृश्चकेंदु।पखी४६

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २४ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास १२ आषाढ़ वदी । लोकोत्तरमासनाम । वनविरोध रवि उत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	५१	१८	ज्येष्ठा	२०	१०			बालव	२१	४८	कोलव			३२	३६	२०	९	६८०	बृश्चकेंदु
						मं	२	५०	२०	मुला	२०	१०			स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			३२	४०	२१	१०	६८१	३७॥ भा:उः धर्नेंदु
						बु	३	४९	२२	पुर्वाषाढ़ा	२०	१०			विणिज	१९	५२	वृष्टि			३२	४४	२२	११	६८२	धर्नेंदु
						बृ	४	४८	२४	उत्राषाढ़ा	५०	१०			बव	१८	५४	बालव			३२	४८	२३	१२	६८३	५६ भा:उः मकरेंदु । चन्द्रायन ५० । नक्षत्रमास २५
						शु	५	४७	२६	अभिच	८	६४			कोलव	१७	५६	स्त्रीलोचन			३२	५२	२४	१३	६८४	मकरेंदु
						श	६	४६	२८	श्रवण	८	६४			गर	१६	५८	विणिज			३२	५६	२५	१४	६८५	मकरेंदु । विशाषां समास रात्री का
						र	७	४५	३०	धनिष्ठा	८	६४	शत	३०	वृष्टि	१५	६०	बव			३२	६०	२६	१५	६८६	७॥ भा:उः कुंभेंदु । २ पग ६ अः छा: पोरसी
						चं	८	४४	३२	पुर्वाभा०	३८	६४			बालव	१५	०	कोलव			३३	३	२७	१६	६८७	कुंभेंदु
						मं	९	४३	३४	उत्राभा०	६०	०			स्त्रीलोचन	१४	२	गर			३३	७	२८	१७	६८८	२६ भाः उः मीनेंदु । रोहिणी १२ घः उः मृगमरार्के १३ दिन २४ घः
						बु	१०	४२	३६	उत्राभा०	८	६४			विणिज	१३	४	वृष्टि			३३	११	२९	१८	६८९	मीनेंदु
						बृ	११	४१	३८	रेवती	८	६४			बव	१२	६	बालव			३३	१५	३०	१९	६९०	४४॥ भा:उः मेखेंदु । ऋतु मास २३
						शु	१२	४०	४०	अश्विनि	८	६४	भर	३०	कोलव	११	८	स्त्रीलोचन			३३	१९	१	२०	६९१	मेखेंदु
						श	१३	३९	४२	कृतका	३८	६४			गर	१०	१०	विणिज			३३	२३	२	२१	६९२	६३ भा:उः वृषेंदु
						र	१४	३८	४४	रोहिणी	६०	०			वृष्टि	९	१२	शुकन			३३	१७	३	२२	६९३	वृषेंदु । २ पग ५ अं:छा.पो: । पक्षी ४७
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	३७	४६	रोहिणी	८	६४			चतुष्पद	८	१४	नाग			३३	३१	४	२३	६९४	वृषेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४३ । जुगकामास २४ । दुसराचन्द्रसम्वत्सरकामास १२ । आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमासनाम । वनविरोध । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवृद्धि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसे। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	मं	बृ	र	बु	श	मं	१	३६	४८	मृगसरा	८	६४	ऽद्रा	३०	किंस्तुघ्न	७	१६	बव			३३	३५	५	२४	६९५	१४॥ भा:उ: मिथुनेंदु
						बु	२	३५	५०	पुनर्वसु	६०	०			वालव	६	१८	कोलव			३३	३९	६	२५	६९६	मिथुनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	३४	५२	पुनर्वसु	८	६४			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			३३	४३	७	२६	६९७	३३ भा:उ: कर्केंदु। चन्द्रायन ५१
						शु	४	३३	५४	पुष्य	८	६४	ऽश्ले	३०	विणिज	४	२२	वृष्टि			३३	४७	८	२७	६९८	कर्केंदु
						श	५	३२	५६	मघा	३८	६४			बव	३	२४	वालव			३३	५१	९	२८	६९९	५१॥ भा:उ: सिंघेंदु
						र	६	३१	५८	पु: फा:	३८	६४			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			३३	५५	१०	२९	७००	सिंघेंदु । २ पग ३ अं: छाया । ज्येष्ठां फमात राश्री का
						चं	७	३०	६०	उ: फा:	६०	०			गर	१	२८	विणिज	२९	३२	३३	५९	११	३०	७०१	सिंघेंदु।सूर्यमास२३।मृगसरार्के३६घ:उ:आर्द्राऽर्के६दिन२४घ: । मुलां।राश्रीका
						मं	८	३०	०	उ०फा०	८	६४			वृष्टि बव	२९	३२	वालव ३६ ३२			३४	२	१२	१	७०२	३ भा:उ: कन्येंदु । मिथुने भानु संक्रांति
						बु	९	२९	२	हस्त	८	६४			कोलव	२९	२	स्त्रीलोचन			३४	६	१३	२	७०३	कन्येंदु
						बृ	१०	२८	४	चित्रा	८	६४	स्वा	३०	गर	२८	४	विणिज			३४	१०	१४	३	७०४	२१॥ भा:उ: तुलेंदु
						शु	११	२७	६	विशाखा	६०	०			वृष्टि	२७	६	बव			३४	१४	१५	४	७०५	तुलेंदु
						श	१२	२६	८	विशाखा	८	६४			वालव	२६	८	कोलव			३४	१८	१६	५	७०६	४० भा:उ: वृश्केंदु
						र	१३	२५	१०	अनुराधा	८	६४	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			३४	२२	१७	६	७०७	वृश्चकेंदु
						चं	१४	२४	१२	मूला	३८	६४			विणिज	२४	१२	वृष्टि			३४	२६	१८	७	७०८	५८॥ भा:उ: धनेंदुपक्षी ४८ । २पग२अं:छा: ।आर्द्राऽर्के१८ घ:उ: पुनर्वसुऽर्के
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	२३	१४	पूर्वाषा	३८	६४			बव	२३	१४	वालव			३४	३०	१९	८	७०९	धनेंदु [२० दिन ६ घड़ी

विक्रम सम्वत् १६७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २५ । तीसरा ऽभीवर्धन सम्वत्सरका मास १ । श्रावण पद्दो । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंद । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	जुग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	२२	१६	उत्राषाढ़ा	६०	०			कोलव	२२	१६	स्त्री लोचन	३४	३४	२०	६	७१०	घनेंदु
						बृ	२	२१	१८	उत्राषाढ़ा	८	६४	ऽभी	१५ ५४	गर	२१	१८	विणिज	३४	३८	२१	१०	७११	१०भाः उः मकरेंदु । नक्षत्र मास २६ । चन्द्रायन ५२ उत्रायणे
						शु	३	२०	२०	श्रवण	२७	५१			बृष्टि	२०	२०	बव	३४	४२	२२	११	७१२	मकरेंदु
						श	४	१६	२२	धनेष्ठा	२७	५१	शत	३०	बालव	१६	२२	कोलव	३४	४६	२३	१२	७१३	२८॥भाः उः कुंभेंदु
						र	५	१८	२४	पूर्वाभा०	५७	५१			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर	३४	५०	२४	१३	७१४	कुंभेंदु
						चं	६	१७	२६	उत्राभाद्र	६०	०			विणिज	१७	२६	बृष्टि	३४	५४	२५	१४	७१५	४७ भाः उः मीनेंदु
						मं	७	१६	२८	उ. भाः	२७	५१			बव	१६	२८	बालव	३४	५८	२६	१५	७१६	मीनेंदु । मूला समाप्त रात्री का
						बु	८	१५	३०	रेवती	२७	५१			कोलव	१५	३०	स्त्री लोचन	३५	१	२७	१६	७१७	६५॥भाः उः मेषेंदु । २ पग २ अंः छायापोरसी
						बृ	९	१४	३२	ऽश्विनी	२७	५१	भर	३०	गर	१४	३२	विणिज	३५	५	२८	१७	७१८	मेषेंदु
						शु	१०	१३	३४	कृतिका	५७	५१			वृष्टि	१३	३४	बव	३५	९	२९	१८	७१९	मेषेंदु
						श	११	१२	३६	रोहिणी	६०	०			बालव	१२	३६	कोलव	३५	१३	३०	१९	७२०	१७भाः उः वृषेंदु । ऋतुमास २४
						र	१२	११	३८	रोहिणी	२७	५१			स्त्रीलोचन	११	३८	गर	३५	१७	१	२०	७२१	वृषेंदु
						चं	१३	१०	४०	मृगसरा	२७	५१	ऽद्रा	३०	विणिज	१०	४०	वृष्टि	३५	२१	२	२१	७२२	३५॥भाः उः मिथुनेंदु
						मं	१४	९	४२	पुनर्वसु	६०	०			शुकन	९	४२	चतुष्पद	३५	२५	३	२२	७२३	मिथुनेंदु पक्षी ४६
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	८	४४	पुनर्वसु	२७	५१			नाग	८	४४	किंस्तुघन	३५	२९	४	२३	७२४	५४भाः उः कर्केंदु । चन्द्रायन दक्षणायणे ५३ । पग २ अंः १छाः पोरसी

विक्रम सम्वत् १६७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४३ । जुगकामास २४ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरकामास १२ । आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमासनाम । वनविशेध । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रके	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फरसे। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	मं	बृ	र	बु	श	मं	१	३६	४८	मृगसरा	८	६४	ऽद्रा	३०	किंस्तुघन	७	१६	वव			३३	३५	५	२४	६६५	१४॥ भा.उः मिथुनेंदु
						बु	२	३५	५०	पुनर्वसु	६०	०			वालव	६	१८	कोलव			३३	३६	६	२५	६६६	मिथुनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	३४	५२	पुनर्वसु	८	६४			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			३३	४३	७	२६	६६७	३३ भाःउः कर्केंदु। चन्द्रायन ५१
						शु	४	३३	५४	पुष्य	८	६४	ऽश्लें	३०	विणिज	४	२२	वृष्टि			३३	४७	८	२७	६६८	कर्केंदु
						श	५	३२	५६	मघा	३८	६४			वव	३	२४	वालव			३३	५१	६	२८	६६६	५१॥ भाःउः सिंघेंदु
						र	६	३१	५८	पुः फाः	३८	६४			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			३३	५५	१०	२६	७००	सिंघेंदु । २ पग ३ अंः छाया । ज्येष्ठां फमास रात्री का
						चं	७	३०	६०	उ: फा.	६०	०			गर	१	२८	विणिज	२१	३२	३३	५६	११	३०	७०१	सिंघेंदु।सूर्यमास२३।मृगसराकें३६घःउःआर्द्राऽकेंदिनर४घः । मुलां।रात्रीका
						मं	८	३०	०	उ०फा०	८	६४			वृष्टि वव	२६ ०	३१ ३	वालव ३६ ३२			३४	२	१२	१	७०२	३ भा.उः कन्येंदु । मिथुने भानु शंक्रांति
						बु	६	२६	२	हस्त	८	६४			कोलव	२६	२	स्त्रीलोचन			३४	६	१३	२	७०३	कन्येंदु
						बृ	१०	२८	४	चित्रा	८	६४	रवा	३०	गर	२८	४	विणिज			३४	१०	१४	३	७०४	२१॥ भाःउः तुलेंदु-
						शु	११	२७	६	विशाखा	६०	०			वृष्टि	२७	६	वव			३४	१४	१५	४	७०५	तुलेंदु
						श	१२	२६	८	विशाखा	८	६४			वालव	२६	८	कोलव			३४	१८	१६	५	७०६	४० भाःउः वृश्चकेंदु
						र	१३	२५	१०	अनुराधा	८	६४	ज्यें	३०	स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			३४	२२	१७	६	७०७	वृश्चकेंदु
						चं	१४	२४	१२	मूला	३८	६४			विणिज	२४	१२	वृष्टि			३४	२६	१८	७	७०८	५८॥ भा.उः धनेंदुपखी ४८ । २पग२अंःछाः ।आर्द्राऽकें१८ घःउः पुनर्वसुऽकें
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	२३	१४	पूर्वाषा	३८	६४			वव	२३	१४	वालव			३४	३०	१६	८	७०६	धनेंदु [३० दिन ६ घड़ी

। विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीका वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास २ । भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनाम सुप्रतिष्ठीत । रविदक्षिणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रसूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १. पक्षी प्रमाण २ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
र	गु	श	मं	शु	चं	बु	१	५३	१४	श्रवण	४६	३८			बालव	२३	४४	कोलव			३५	३३	१९	७	७३९	मकरेंदु । २पग १अंः छाया की पोरसी
						शु	२	५२	१६	धनेष्ठा	४६	३८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३५	२९	२०	८	७४०	४९॥भाः३ कुंभेंदु
						श	३	५१	१८	शतभिषा	४६	३८			विणिज	२१	४८	वृष्टि			३५	२५	२१	९	७४१	कुंभेंदुपुष्यार्केंष्८घः३ःऽश्लेषाऽर्केंद्दिन४२घड़ी
						र	४	५०	२०	पूर्वा भा०	४६	३८			बव	२०	५०	बालव			३५	२१	२२	१०	७४२	कुंभेंदु
						चं	५	४९	२२	उत्रा भा०	४६	३८			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३५	१७	२३	११	७४३	१भाः३ मीनेंदु
						मं	६	४८	२४	रेवती	४६	३८			गर	१८	५४	विणिज			३५	१३	२४	१२	७४४	मीनेंदु
						बु	७	४७	२६	अश्विनी	४६	३८			वृष्टि	१७	५६	बव			३५	९	२५	१३	७४५	१९॥भा.३ःमेखेंदु
						गु	८	४६	२८	भरणी	४६	३८			बालव	१६	५८	कोलव			३५	५	२६	१४	७४६	मेखेंदु । उत्राषाडासमाप्तरात्रीका
						शु	९	४५	३०	कृतका	४६	३८			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३५	१	२७	१५	७४७	३८ भा.३ः वृखेंदु । २ पः २ अंः छाः पोरसी
						श	१०	४४	३२	रोहिणी	४६	३८			विणिज	१५	०	वृष्टि			३४	५८	२८	१६	७४८	वृखेंदु।ऽश्लेषाऽर्कें३०घः३ मघाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						र	११	४३	३४	मृगसरा	४६	३८			बव	१४	२	बालव			३४	५४	२९	१७	७४९	५६॥भाः३ः मिथुनेंदु
						चं	१२	४२	३६	आर्द्रा	४६	३८			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१८	७५०	मिथुनेंदु । ऋतुमास २५ । पहलापर्युषन
						मं	१३	४१	३८	पुनर्वसु	४६	३८			गर	१२	६	विणिज			३४	४६	१	१९	७५१	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ५५ दक्षिणायणो
						बु	१४	४०	४०	पुष्य	४६	३८			वृष्टि	११	८	शकुन			३४	४२	२	२०	७५२	८भाः३ःकर्केंदु । पक्षी ५१
र	गु	श	मं	शु	चं	गु	१५	३९	४२	अश्लेषा	४६	३८			चतुष्पद	१०	१०	नाग			३४	३८	३	२१	७५३	कर्केंदु । अभिचसमाप्तरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २५ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सरका मास ? । श्रावण शुद्दी । लोकोत्तर मास नाम । अभिनंद । रविदत्तणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफरसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्खी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	बु	ग	मं	शु	चं	बृ	१	७	४६	पुष्य	२७	५१	ऽश्ले	३०	बव	७	४६	बालव			३५	३३	५	२४	७२५	कर्केंदु । चन्द्रदर्शनम
						शु	२	६	४८	मघा	५७	५१			कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			३५	३७	६	२५	७२६	कर्केंदु
						ग	३	५	५०	पूर्वा फा०	५७	५१			गर	५	५०	विणिज			३५	४१	७	२६	७२७	५॥भाः सिंघद
						र	४	४	५२	उत्रा फा०	६०	०			बृष्टि	४	५२	बव			३५	४५	८	२७	७२८	सिंघेदु । पुनर्वसुः ऽर्के २४ घः उः पुष्पाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						चं	५	३	५४	उत्रा फा०	२७	५१			बालव	३	५४	कोलव			३५	४९	९	२८	७२९	२४भाःउः कन्येंदु
						मं	६	२	५६	हस्त	२७	५१			स्त्री लोचन	२	५६	गर			३५	५३	१०	२९	७३०	कन्येंदु
						बु	७	१	५८	चित्रा	२७	५१	स्वा	३०	विणिज	१	५८	बृष्टि	२९	३२	३५	५७	११	३०	७३१	४२॥भा उ तुलेंदु । पूर्वाषाड़ा समास रात्रीका
						बृ	८	०	६०	विशाषा	६०	०			बव बालव	० २९	० ३२	कोलव	२९	३२	३६	०	१२	३१	७३२	तुलेंदु । २ पग छायापोरसी । सूर्यमास २४ । उत्रापाड़ा रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						शु	१०	५९	२	विशाषा	२७	५१			स्त्री लोचन	२९	३२	गर			३५	५७	१३	१	७३३	६१ भा उः वृश्चकेंदु । कर्कभानु शंक्रांति । रविदत्तणायणे । पावस ऋतु [गरजनेकी असझाइनहीं
						ग	११	५८	४	अनुराधा	२७	५१	ज्ये	३०	विणिज	२८	३४	बृष्टि			३५	५३	१४	२	७३४	वृश्चकेंदु
						र	१२	५७	६	मुला	५७	५१			बव	२७	३६	बालव			३५	४९	१५	३	७३५	वृश्चकेंदु
						चं	१३	५६	८	पूर्वापा०	५७	५१			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			३५	४५	१६	४	७३६	१२॥भाःउ.धनेंदु
						मं	१४	५५	१०	उत्रापाड़ा	६०	०			गर	२५	४०	विणिज			३५	४१	१७	५	७३७	धनेंदु
ग	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	५४	१२	उत्रापड़	२७	५१	ऽभी	१६	बृष्टि	२४	४२	बव			३५	३७	१८	६	७३८	३१भा उ मकरेंदु । पक्खी ४० । नक्षत्रमास २७ । चन्द्रायन ५४ उत्रायणो

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीका वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास २ । भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनाम सुमतिष्टीत । रविदक्षिणायणे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १० पखो प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछा: प्रमाण ४।
र	गु	श	मं	शु	चं	बु	१	५३	१४	श्रवण	४६	३८			वालव	२३	४४	कोलव			३५	३३	१९	७	७३९	मकरेंदु । २पग १श्रं: छाया की पोरसी
						गु	२	५२	१६	धनेष्ठा	४६	३८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३५	२९	२०	८	७४०	४१॥भा:उ कुंभेंदु
						श	३	५१	१८	शतभिषा	१६	३८			विणिज	२१	४८	वृष्टि			३५	२५	२१	९	७४१	कुंभेंदुपूखार्कें४८घः उःऽश्लेषाऽर्के६दिन४२घड़ी
						र	४	५०	२०	पूर्वा भा०	१६	३८			वव	२०	५०	वालव			३५	२१	२२	१०	७४२	कुंभेंदु
						चं	५	४९	२२	उत्रा भा०	४६	३८			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३५	१७	२३	११	७४३	१भा:उ. मीनेंदु
						मं	६	४८	२४	रेवती	४६	३८			गर	१८	५४	विणिज			३५	१३	२४	१२	७४४	मीनेंदु
						बु	७	४७	२६	ऽश्विनी	४६	३८			वृष्टि	१७	५६	वव			३५	९	२५	१३	७४५	१९॥भा उःमेखेंदु
						बृ	८	४६	२८	भरणी	१६	३८			वालव	१६	५८	कोलव			३५	५	२६	१४	७४६	मेखेंदु । उत्राषाढासमाप्तरात्रीका
						शु	९	४५	३०	कृतका	१६	३८			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३५	१	२७	१५	७४७	३८ भा उः बृखेंदु । २ प' २ श्रं: छा. पोरसी
						श	१०	४४	३२	रोहिणी	४६	३८			विणिज	१५	०	वृष्टि			३४	५८	२८	१६	७४८	बृखेंदुऽश्लेषाऽर्के३०घःउ मघाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						र	११	४३	३४	मृगशरा	४६	३८			वव	१४	२	वालव			३४	५४	२९	१७	७४९	५६॥भा:उः मिथुनेंदु
						चं	१२	४२	३६	आद्रा	१६	३८			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१८	७५०	मिथुनेंदु । ऋतुमास २५ । पहलापर्युषन
						मं	१३	४१	३८	पुनर्वसु	४६	३८			गर	१२	६	विणिज			३४	४६	१	१९	७५१	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ५५ दक्षिणायणे
						बु	१४	४०	४०	पुष्य	४६	३८			वृष्टि	११	८	शुकन			३४	४२	२	२०	७५२	८भा:उ.कर्केंदु । पखी ५१
र	शु	ग	मं	शु	चं	बृ	१५	३९	४२	ऽश्लेषा	१६	३८			चतुष्पद	१०	१०	नाग			३४	३८	३	२१	७५३	कर्केंदु । अभिचसमाप्तरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २५ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सरका मास १ । श्रावण शुदी । लोकोत्तर मास नाम । अभिनंद । रविदत्तणायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र केई के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगप्रमाण	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	बु	श	मं	गु	चं	बृ	१	७	४६	पुष्य	२७	५१	ऽश्ले	३०	वव	७	४६	वालव			३५	३३	५	२४	७२५	कर्केंदु । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	६	४८	मघा	५७	५१			कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			३५	३७	६	२५	७२६	कर्केंदु
						श	३	५	५०	पूर्वा फा०	५७	५१			गर	५	५०	विणिज			३५	४१	७	२६	७२७	५॥भाः सिंघेदु
						र	४	४	५२	उत्रा फा०	६०	०			वृष्टि	४	५२	वव			३५	४५	८	२७	७२८	सिंघेदु । पुनर्वसुः ऽर्के २४ घः उः पूष्पाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						चं	५	३	५४	उत्रा फा०	२७	५१			वालव	३	५४	कोलव			३५	४९	९	२८	७२९	२४भाःउः कन्येंदु
						मं	६	२	५६	हस्त	२७	५१			स्त्री लोचन	२	५६	गर			३५	५३	१०	२९	७३०	कन्येंदु
						बु	७	१	५८	चित्रा	२७	५१	स्वा	३०	विणिज	१	५८	वृष्टि	२९	३२	३५	५७	११	३०	७३१	४२॥भा.उ:तुलेंदु । पूर्वाषाडा समाप्त रात्रीका
						बृ	८	०	६०	विशाषा	६०	०			वव वालव	० २९	६० ३२	कोलव	२९	३२	३६	०	१२	३१	७३२	तुलेंदु । २ पगःछायापोरसी । सूर्यमास २४ । उत्राषाड़ा रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						शु	१०	५९	२	विशाषा	२७	५१			स्त्री लोचन	२९	३२	गर			३५	५७	१३	१	७३३	६१ भाः उः वृश्चकेंदु । कर्कभानु शंक्रांति । रविदत्तणायणो । पावस ऋतु
						श	११	५८	४	अनुराधा	२७	५१	ज्ये	३०	विणिज	२८	३४	वृष्टि			३५	५३	१४	२	७३४	वृश्चकेंदु [गरजनेकी असभाइनहीं
						र	१२	५७	६	मूला	५७	५१			वव	२७	३६	वालव			३५	४९	१५	३	७३५	वृश्चकेंदु
						चं	१३	५६	८	पूर्वाषा०	५७	५१			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			३५	४५	१६	४	७३६	१२॥भाःउःधनेंदु
						मं	१४	५५	१०	उत्राषाड़ा	६०	०			गर	२५	४०	विणिज			३५	४१	१७	५	७३७	धनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	५४	१२	उत्राषड़	२७	५१	ऽभी	१५	वृष्टि	२४	४२	वव			३५	३७	१८	६	७३८	३१भाः उ. मकरेंदु । पखी ५० । नक्षत्रमास २७ । चन्द्रायन ५४ उत्रायणो

। विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीका वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास २ । भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनाम सुप्रतिष्ठीत । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फसें। | सूर्य के साथ नक्षत्र १० पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
१	बु	श	मं	शु	चं	बु	१	५३	१४	श्रवण	४६	३८			बालव	२३	४५	कोलव			३५	३३	१६	७	७३९	मकरेंदु । २पग १अंः छाया की पोरसी
						शु	२	५२	१६	धनेष्ठा	४६	३८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३५	२९	२०	८	७४०	४१॥भाः३ कुंभेंदु
						श	३	५१	१८	शतभिषां	१६	३८			विणिज	२१	४८	बृष्टि			३५	२५	२१	९	७४१	कुंभेंदुापूखाकें४८घःउःऽश्लेषाऽकेंर्६दिन४२घड़ी
						र	४	५०	२०	पूर्वा भा०	१६	३८			बव	२०	५०	बालव			३५	२१	२२	१०	७४२	कुंभेंदु
						चं	५	४९	२२	उत्रा भा०	४६	३८			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३५	१७	२३	११	७४३	१भाःउः मीनेंदु
						मं	६	४८	२४	रेवती	४६	३८			गर	१८	५४	विणिज			३५	१३	२४	१२	७४४	मीनेंदु
						बु	७	४७	२६	ऽश्विनी	४६	३८			बृष्टि	१७	५६	बव			३५	९	२५	१३	७४५	१९॥भा.उःमेखेंदु
						बृ	८	४६	२८	भरणी	१६	३८			बालव	१६	५८	कोलव			३५	५	२६	१४	७४६	मेखेंदु । उत्रापाडासमाप्तरात्रीका
						शु	९	४५	३०	कृतका	१६	३८			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३५	१	२७	१५	७४७	३८ भा.उः बृखेंदु । २ पः २ अंः छाः पोरसी
						श	१०	४४	३२	रोहिणी	४६	३८			विणिज	१५	०	बृष्टि			३४	५८	२८	१६	७४८	बृखेंदुाऽश्लेषाऽकें३०घःउ मघाऽकें१३दिन२४घड़ी
						र	११	४३	३४	मृगशरा	४६	३८			बव	१४	२	बालव			३४	५४	२९	१७	७४९	५६॥भाःउः मिथुनेंदु
						चं	१२	४२	३६	आर्द्रा	१६	३८			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१८	७५०	मिथुनेंदु । ऋतुमास २५ । पहलापर्युशन
						मं	१३	४१	३८	पुनर्वसु	४६	३८			गर	१२	६	विणिज			३४	४६	१	१९	७५१	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ५५ दक्षिणायणे
						बु	१४	४०	४०	पुष्य	४६	३८			बृष्टि	११	८	शुकुन			३४	४२	२	२०	७५२	८भाःउःकर्केंदु । पखी ५१
१	बु	त	मं	शु	चं	बृ	१५	३९	४२	ऽश्लेषा	१६	३८			चतुष्पद	१०	१०	नाग			३४	३८	३	२१	७५३	कर्केंदु । अभिचसमाप्तरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगनोमास २६ । तीसरा अभिवर्धनसम्वतसरकामास २ । भाद्रवासुदी । लोकोत्तरमासकानाम । सुप्रतिष्टीत । रविदत्तणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६४	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६४	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६४	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	बु	र	गु	श	मं	शु	१	३८	४४	मघा	१६	३८			किस्तुघन	९	१२	वव			३४	३४	४	२२	७५४	२६॥भा उः सिंघेंदु।२पग२अंःछाया पोः
						श	२	३७	४६	पुर्वा फाः	१६	३८			वालव	८	१४	कोलव			३४	३०	५	२३	७५५	सिंघेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	३६	४८	उःफाः	४६	३८			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			३४	२६	६	२४	७५६	४५भाः उः कन्येंदु
						चं	४	३५	५०	हस्त	४६	३८			विणिज	६	१८	वृष्टि			३४	२२	७	२५	७५७	कन्येंदु । क्षमक्री
						मं	५	३४	५२	चित्रा	४६	३८			वव	५	२०	वालव			३४	१८	८	२६	७५८	६३॥भाः उःतुलदु
						बु	६	३३	५४	स्वाति	१६	३८			कोलव	४	२२	स्त्रीलोचन			३४	१४	९	२७	७५९	तुलेंदु
						बृ	७	३२	५६	विशाषा	४६	३८			गर	३	२४	विणिज			३४	१०	१०	२८	७६०	तुलेंदु [रात्रीका
						शु	८	३१	५८	अनुराधा	४६	३८			वृष्टि	२	२६	वव			३४	६	११	२९	७६१	१५भाःउ वृश्चकेंदु।मघाऽकें५४घः३ःपु.फाःऽकें१३दिन२४घड़ी।श्रवणसमाप्त
						श	९	३०	६०	ज्येष्ठा	१६	३८			वालव	१	२८	कोलव			३४	२	१२	३०	७६२	वृश्चकेंदु । सुर्यमास २५ धनेष्टारात्री । २पग४अंःछाया पोः
						र	१०	३०	०	मुला	१६	३८			स्त्रीलो०गर	०/२९	३०/३२	विणिज	२९	३२	३३	५९	१३	१	७६३	३३ ॥ भा.उः धनेंदु । सिंहश्राद्धसंक्रांति
						चं	११	२९	२	पुः षा०	१६	३८			वृष्टि	२९	२	वव			३३	५५	१४	२	७६४	धनेंदु
						मं	१२	२८	४	उत्राषाढ़ा	४६	३८			वालव	२८	४	कोलव			३३	५१	१५	३	७६५	५२भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास २८ । चन्द्रायन ५६ उत्रायणो
						बु	१३	२७	६	ऽभीच	५	२५			स्त्रीलोचन	२७	६	गर			३३	४७	१६	४	७६६	मकरेंदु
						बृ	१४	२६	८	श्रवण	५	२५			विणिज	२६	८	वृष्टि			३३	४३	१७	५	७६७	मकरेंदु । पखी ५२
चं	बु	र	गु	श	मं	शु	१५	२५	१०	धनेष्टा	५	२५	शत	३०	वव	२५	१०	वालव			३३	३९	१८	६	७६८	३॥भाःउ.कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास २७। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ३। असौजवदी। लोकोत्तरमास नाम। विजय। रविदक्षणायये॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साडे१८ भाग फर्मे । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण २ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	२४	१२	पूर्वाभा०	३५	२५			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			३३	२५	१९	७	७६९	कुंभेंदु । २ पग ५ छाया पोरसी
						र	२	२३	१४	उत्राभाः	६०	०			गर	२३	१४	विणिज			३३	३१	२०	८	७७०	२२ भाःउ मीनेंदु
						चं	३	२२	१६	उत्रा भाः	५	२५			बृष्टि	२२	१६	वव			३३	२७	२१	९	७७१	मीनेंदु
						मं	४	२१	१८	रेवती	५	२५			बालव	२१	१८	कोलव			३३	२३	२२	१०	७७२	४०॥ भाःउः मेखेंदु
						बु	५	२०	२०	ऽश्विना	५	२५	भर	३०	स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			३३	१९	२३	११	७७३	मेखेंदु
						बृ	६	१९	२२	कृतका	३५	२५			विणिज	१९	२२	बृष्टि			३३	१५	२४	१२	७७४	५६ भाःउः वृखेंदु
						शु	७	१८	२४	रोहिणी	६०	०			बव	१८	२४	बालव			३३	११	२५	१३	७७५	वृखेंदु । पू फाऽर्के १८ घ उः उत्राफा.ऽर्के २० दिन ६ घड़ी
						श	८	१७	२६	रोहिणी	५	२५			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			३३	७	२६	१४	७७६	वृखेंदु
						र	९	१६	२८	मृगसरा	५	२५	ऽाद्रा	३०	गर	१६	२८	विणिज			३३	३	२७	१५	७७७	१०॥ भाःउः मिथुनेंदु । २ पग ६ अःछाया । धनेष्टा समातरात्रीका
						चं	१०	१५	३०	पुनर्वसु	६०	०			बृष्टि	१५	३०	वव			३२	६०	२८	१६	७७८	मिथुनेंदु
						मं	११	१४	३२	पुनर्वसु	५	२५			बालव	१४	३२	कोलव			३२	५६	२९	१७	७७९	२६भाःउः ककेंदु । चन्द्रायने ५७ दक्षणायये
						बु	१२	१३	३४	पुष्य	५	२५	ऽश्रेषा	३०	स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			३२	५२	३०	१८	७८०	ककेंदु । ऋतुमास २९
						बृ	१३	१२	३६	मघा	३५	२५			विणिज	१२	३६	बृष्टि			३२	४८	१	१९	७८१	४७॥ भाःउः सिंघेंदु
						शु	१४	११	३८	पूर्वा फाः	३५	२५			शुकन	११	३८	चतुष्पद			३२	४४	२	२०	७८२	सिंघेंदु । पखी ५३
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	१०	४०	उत्रा फाः	६०	०			नाग	१०	४०	किस्तुघन			३२	४०	३	२१	७८३	६६ भाः उः कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास २७। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरनोमास ३। आसौज शुदी। लोकोत्तरमास नाम। विजय। रविदक्षिणायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७साढे १८ भागफलं॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३। पारसीः क्षया प्रमाण ४
गु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	६	४२	उत्रा फा	५	२५			बव	६	४२	बालव			३२	३६	४	२२	७८४	कन्येंदु २ पग ७अंशः। शतभिषा समाप्त रात्री का चन्द्रदर्शनम्
						चं	२	८	४४	हस्त	५	२५			कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			३२	३२	५	२३	७८५	कन्येंदु
						मं	३	७	४६	चित्रा	५	२५	स्वा	३०	गर	७	४६	विणिज			३२	२८	६	२४	७८६	१७॥ भाः उ तुलेंदु
						बु	४	६	४८	विशाखा	६०	०			वृष्ट	६	४८	बव			३२	२४	७	२५	७८७	तुलेंदु
						बृ	५	५	५०	विशाखा	५	२५			बालव	५	५०	कोलव			३२	२०	८	२६	७८८	३६ भा· उः वृश्चकेंदु
						शु	६	४	५२	अनुराधा	५	२५	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	४	५२	गर			३२	१६	९	२७	७८९	वृश्चकेंदु
						श	७	३	५४	मुला	३५	२५			विणिज	३	५४	वृष्टि			३२	१२	१०	२८	७९०	५४॥ भाःउः धनेंदु
						र	८	२	५६	पूर्वा षाढ़ा	३५	२५			बव	२	५६	बालव			३२	८	११	२९	७९१	धनेंदु
						चं	९	१	५८	उत्रा षाढ़ा	६०	०			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	२९	३२	३२	४	१२	३०	७९२	धनेंदु। पूर्वाभाद्रपदा समाप्त रात्री का [क्षया। उत्राभाद्र रात्री का
						मं	१०	०	६०	उत्रा षाढ़ा	५	२५	ऽभी	१५/२४	गर विणिज	२९	[illegible]	वृष्टि	२९	३२	३२	०	१३	३१	७९३	६भाःउ मकरेंदु। सूर्यमास२६ नक्षत्रमास२९ चंद्रायन१८ उत्रायणे२ पग ८अंशः
०	०	०	०	०	०	०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०
						बु	१२	५९	२	श्रवण	२४	१२			बव	२९	३२	बालव			३१	५७	१४	१	७९४	मकरेंदु। कन्यार्के संक्रांति। वर्षाऋतु २
						बृ	१३	५८	४	धनेष्ठा	२५	१२	शत	३०	कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			३१	५३	१५	२	७९५	२४॥भाःउः कुंभेंदु। उत्राफा ऽर्के २४घः उः हस्तार्के १३ दिन २४ घड़ी
						शु	१४	५७	६	पूर्वा भा०	५४	१२			गर	२७	३६	विणिज			३१	४९	१६	३	७९६	कुंभेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	५६	८	उत्राः भाः	६०	०			वृष्टि	२६	३८	बव			३१	४५	१७	४	७९७	४३ भा.उ. मीनेंदु। पखी ५४

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २८ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ४ कार्त्तिकवदी । लोकोत्तरमासनाम । प्रतिवर्धन । रवि दक्षणायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घडी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घडी	भाग ६७	नक्षत्र	घडी भाग	करणदिनका	घडी	भाग ६२	करणरात्रीका	घडी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	सूर्यमास	चन्द्रमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढे १८भाग फर्से। नक्षत्र सुर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	५५	१०	उत्राभा०	२४	१२			वालव	२१	४०	कोलव			३१	४१	१८	५	७१८	मीनेंदु
						चं	२	५४	१२	रेवती	२४	१२			स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			३१	३७	१९	६	७९९	६१॥ भा.उः मेखेंदु
						मं	३	५३	१४	अश्विनी	२४	१२	भर	३०	विणिज	२३	४४	वृष्टि			३१	३३	२०	७	८००	मेखेंदु । २ पग ६ अंःछाया पोरसी
						बु	४	५२	१६	कृतका	५४	१२			बव	२२	४६	वालव			३१	२९	२१	८	८०१	मेखेंदु
						बृ	५	५१	१८	रोहिणी	६०	०			कोलव	२१	४८	स्त्रीलोचन			३१	२५	२२	९	८०२	१३ भाःउः वृखेंदु
						शु	६	५०	२०	रोहिणी	२४	१२			गर	२०	५०	विणिज			३१	२१	२३	१०	८०३	वृखेंदु
						श	७	४९	२२	मृगसरा	२४	१२	ऽद्रा	३०	वृष्टि	१९	५२	बव			३१	१७	२४	११	८०४	३१॥भाःउ. मिथुनेंदु
						र	८	४८	२४	पुनर्वसु	६०	०			वालव	१८	५४	कोलव			३१	१३	२५	१२	८०५	मिथुनेंदु
						चं	९	४७	२६	पुनर्वसु	२४	१२			स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			३१	९	२६	१३	८०६	५० भाःउः कर्केंदु चन्द्रायन ५६ दक्षणायणे
						मं	१०	४६	२८	पुष्प	२४	१२	ऽश्ले	३०	विणिज	१६	५८	वृष्टि			३१	५	२७	१४	८०७	कर्केंदु । उत्रा भाद्रपदा समाप्त रात्री का
						बु	११	४५	३०	मघा	५४	१२			बव	१५	६०	वालव			३१	१	२८	१५	८०८	कर्केंदु । हस्त ४८ घः उः चित्राऽर्के १३ दिन २४ घः । २ पग १० अंछाः
						बृ	१२	४४	३२	पू. फा०	५४	१२			कोलव	१५	०	स्त्रीलोचन			३०	५८	२९	१६	८०९	१॥ भाःउः सिंघेंदु
						शु	१३	४३	३४	उत्रा फा०	६०	०			गर	१४	२	विणिज			३०	५४	३०	१७	८१०	सिंघेंदु । ऋतु मास २७
						श	१४	४२	३६	उत्रा फा०	२४	१२			वृष्टि	१३	४	शुकन			३०	५०	१	१८	८११	२० भाःउः कन्येंदु । पक्षी ५५
शु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	४१	३८	हस्त	२४	१२			चतुष्पद	१२	६	नाग			३०	४६	२	१९	८१२	कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास २८। तीसरा अभिवर्धन सम्वतरकामास ४। कार्त्तिक शुदी। लोकोत्रमाम नाम प्रतिवर्धन। रविदत्तणायगे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रि			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	घन्द्रमा २ दिन ६७ भाड़े १८ भागकर्वे। सूर्य के साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४।
	र	बु	श	मं	शु	र	१	४	४०	त्रिया	२४	१२	स्वा	३०	किंस्तुघन	११	८	वव			३०	४२	३	२०	८१३	३८॥भा उः तुलेंदु
						मं	२	३१	४२	विशाखा	६०	०			वालव	१०	१०	कोलव			३०	३८	४	२१	८१४	तुलेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	३८	४४	विशाखा	२४	१२			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३०	३४	५	२२	८१५	५७ भाःउः वृश्चकेंदु। २ पग ११ अं.छायापोरसी
						वृ	४	३७	४६	अनुराधा	२४	१२	ज्ये	३०	विविज	८	१४	वृष्टि			३०	३०	६	२३	८१६	वृश्चकेंदु
						शु	५	३६	४८	मूला	५४	१२			वव	७	१६	वालव			३०	२६	७	२४	८१७	वृश्चकेंदु
						श	६	३५	५०	पूर्वाषाढ़ा	५४	१२			कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३०	२२	८	२५	८१८	८॥ भा उः धनेंदु
						र	७	३४	५२	उत्तराषाढ़ा	६०	०			गर	५	२०	विविज			३०	१८	९	२६	८१९	धनेंदु
						चं	८	३३	५४	उत्तराषाढ़ा	२४	१२	ऽभी	६ ६४	वृष्टि	४	२२	वव			३०	१४	१०	२७	८२०	२७ भाःउः मकरेंदु। नक्षत्रमास ३०। चन्द्रायन ६० उत्तरायणे
						मं	९	३२	५६	श्रवण	४२	६६			वालव	३	२४	कोलव			३०	१०	११	२८	८२१	मकरेंदु [समाप्त रात्रीका
						बु	१०	३१	५८	धनेष्टा	४२	६६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			३०	६	१२	२९	८२२	४५॥ भा उः कुंभेंदु। चित्राऽर्के १२ घः उ स्वातिऽर्के ६ दिन ४२घः रेवती
						वृ	११	३०	६०	शत भि०	१२	६६			विविज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	३०	२	१३	३०	८२३	कुंभेंदु। सूर्यमास २७। ३ पग छायाः। अश्विनी रात्री का
						शु	१२	३०	०	पूर्वाभाद्र	१२	६६			वव वालव	२९ ६०	३० ३२	कोलव	२९	३२	२९	५९	१४	१	८२४	६४ भाः उः मीनेंदु। तुलाऽर्के शंक्रांति
						श	१३	२९	२	उत्तराभा०	४२	६६			कोलव स्त्री०	२९	२	गर			२९	५५	१५	२	८२५	मीनेंदु
						र	१४	२८	४	रेवती	४२	६६			विविज	२८	४	वृष्टी			२९	५१	१६	३	८२६	मीनेंदु। पक्षी ५६
	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२७	६	ऽश्विनि	४२	६६			वव	२७	६	वालव			२९	४७	१७	४	८२७	१५॥भाःउः मेषेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास २९ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास ५ । मृगलरवदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांस । दक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रदिन	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	२६	८	भरणी	१२	६६			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			२९	४३	१८	५	८२८	मेखेंदु।स्वाती।ऽकें५४भाःउःविशाखाऽकें२०दिन६घड़ी
						बु	२	२५	१०	कृतका	१२	६६			गर	२५	१०	विणिज			२९	३९	१९	६	८२९	३४भाःउ.वृखेंदु
						बृ	३	२४	१२	रोहिणी	४२	६६			वृष्टि	२४	१२	बव			२९	३५	२०	७	८३०	वृखेंदु।२पग१छाया पोरसी
						शु	४	२३	१४	मृगसरा	४२	६६			बालव	२३	१४	कोलव			२९	३१	२१	८	८३१	५२॥ भाःउः मिथुनेंदु
						श	५	२२	१६	आद्रा	१२	६६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२९	२७	२२	९	८३२	मिथुनेंदु
						र	६	२१	१८	पुनर्वसु	४२	६६			विणिज	२१	१८	वृष्टि			२९	२३	२३	१०	८३३	मिथुनेंदु।चन्द्रायन ६१ दक्षिणायणे
						चं	७	२०	२०	पुष्य	४२	६६			बव	२०	२०	बालव			२९	१९	२४	११	८३४	४ भाःउः कर्केंदु
						मं	८	१९	२२	ऽश्लेषा	१२	६६			कोलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			२९	१५	२५	१२	८३५	कर्केंदु
						बु	९	१८	२४	मघा	१२	६६			गर	१८	२४	विणिज			२९	११	२६	१३	८३६	२२॥ भाःउः सिंघेंदु
						बृ	१०	१७	२६	पु: फा:	१२	६६			वृष्टि	१७	२६	बव			२९	७	२७	१४	८३७	सिंघेंदु
						शु	११	१६	२८	उ: फा:	४२	६६			बालव	१६	२८	कोलव			२९	३	२८	१५	८३८	४१ भाःउः कन्येंदु । ३ पग २ अं: छाया । अश्विनीसमास रात्री का
						श	१२	१५	३०	हस्त	४२	६६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२८	६०	२९	१६	८३९	कन्येंदु
						र	१३	१४	३२	चित्रा	४२	६६			विणिज	१४	३२	वृष्टि			२८	५६	३०	१७	८४०	५६॥ भाःउः तुलेंदु । ऋतुमास २८
						चं	१४	१३	३४	स्वाति	१२	६६			शुकन	१३	३४	चतुष्पद			२८	५२	१	१८	८४१	तुलेंदु । पक्षी ५७
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१२	३६	विशाखा	४२	६६			नाग	१२	३६	किंस्तुघन			२८	४८	२	१९	८४२	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास २८। तीसरा अभिवर्धन सम्त्सरकामास ४। कार्त्तिक शुदी। लोकोत्रमास नाम प्रतिवर्धन। रविदक्षणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६४	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ माढे १८ भागरूपे। सूर्य के साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४।
शु	र	बु	श	मं	गु	चं	१	४	४०	त्रिया	२४	१२	स्वा	३०	किस्तुघन	११	८	वव			३०	४२	३	२०	८१३	३८॥भा॰उ: तुलेंदु
						मं	२	३१	४२	विशाखा	६०	०			बालव	१०	१०	कोलव			३०	३८	४	२१	८१४	तुलेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	३८	४४	विशाखा	२४	१२			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३०	३४	५	२२	८१५	५७ भा॰उ: वृश्चकेंदु। २ पग ११ अंःछायापोरसी
						बृ	४	३७	४६	अनुराधा	२४	१२	ज्ये	३०	विणिज	८	१४	वृष्टि			३०	३०	६	२३	८१६	वृश्चकेंदु
						शु	५	३६	४८	मूला	५४	१२			वव	७	१६	बालव			३०	२६	७	२४	८१७	वृश्चकेंदु
						श	६	३५	५०	पूर्वाषाढ़ा	५४	१२			कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३०	२२	८	२५	८१८	८॥ भा॰उ: धनेंदु
						र	७	३४	५२	उत्राषाढ़ा	६०	०			गर	५	२०	विणिज			३०	१८	९	२६	८१९	धनेंदु
						चं	८	३३	५४	उत्राषाढ़ा	२४	१२	ऽमी	१५/१४	वृष्टि	४	२२	वव			३०	१४	१०	२७	८२०	२७ भा॰उ॰ मकरेंदु। नक्षत्रमास ३०। चन्द्रायन ६० उत्रायाणे
						मं	९	३२	५६	श्रवण	४२	६६			बालव	३	२४	कोलव			३०	१०	११	२८	८२१	मकरेंदु [समास रात्रीका
						बु	१०	३१	५८	धनेष्टा	४२	६६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			३०	६	१२	२९	८२२	५५॥ भा॰उ: कुमेंदु। चित्राऽर्के १२ घ: उ: स्वातिऽर्के ६ दिन ४२घ: रेवती
						बृ	११	३०	६०	शत भि॰	१२	६६			विणिज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	३०	२	१३	३०	८२३	कुमेंदु। सुर्यमास २७। ३ पग छा:। अश्विनी रात्री का
						शु	१२	३०	०	पुर्वभाद्र	१२	६६			वव बालव	२०/२६	३०/३२	कोलव	२९	३२	२९	५९	१४	१	८२४	६४ भा: उ: मीनेंदु। तुलाऽर्के शंक्रांति
						श	१३	२९	२	उत्राभा०	४२	६६			कोलव स्त्री०	२९	२	गर			२९	५५	१५	२	८२५	मीनेंदु
						र	१४	२८	४	रेवती	४२	६६			विणिज	२८	४	वृष्टी			२९	५१	१६	३	८२६	मीनेंदु। पखी ५६
शु	र	बु	श	मं	गु	चं	१५	२७	६	ऽश्विनि	४२	६६			वव	२७	६	बालव			२९	४७	१७	४	८२७	१५॥भा॰उ: मेखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक। वीरसम्वत् २४४४। जुगमास २६। तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास ५। मृगसरवदी। लोकोत्तरमासनाम। श्रेयांस। दक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
श	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	२६	८	भरणी	१२	६६			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			२९	४३	१८	५	८२८	मेखेंदु।स्वातीऽकें५४धःउःविशाखाऽकें२०दिन६घड़ी
						बु	२	२५	१०	कृतका	१२	६६			गर	२५	१०	विणिज			२९	३९	१९	६	८२९	३४भाःउ.वृखेंदु
						बृ	३	२४	१२	रोहिणी	४२	६६			वृष्टि	२४	१२	बव			२९	३५	२०	७	८३०	वृखेंदु।३पग१छाया पोरसी
						शु	४	२३	१४	मृगसरा	४२	६६			बालव	२३	१४	कोलव			२९	३१	२१	८	८३१	५२॥ भा उः मिथुनेंदु
						श	५	२२	१६	आर्द्रा	१२	६६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२९	२७	२२	९	८३२	मिथुनेंदु
						र	६	२१	१८	पुनर्वसु	४२	६६			विणिज	२१	१८	वृष्टि			२९	२३	२३	१०	८३३	मिथुनेंदु।चन्द्रायन ६१ दक्षिणायणे
						चं	७	२०	२०	पुष्य	४२	६६			बव	२०	२०	बालव			२९	१९	२४	११	८३४	४ भाःउः कर्केंदु
						मं	८	१९	२२	ऽश्लेषा	१२	६६			कोलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			२९	१५	२५	१२	८३५	कर्केंदु
						बु	९	१८	२४	मघा	१२	६६			गर	१८	२४	विणिज			२९	११	२६	१३	८३६	२२॥ भाःउ. सिंघेंदु
						बृ	१०	१७	२६	पुःफाः	१२	६६			वृष्टि	१७	२६	बव			२९	७	२७	१४	८३७	सिंघेंदु
						शु	११	१६	२८	उःफा	४२	६६			बालव	१६	२८	कोलव			२९	३	२८	१५	८३८	४१ भा.उः कन्येंदु। ३ पग २ अः छाया। अश्विनीसमास रात्री का
						श	१२	१५	३०	हस्त	४२	६६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२८	६०	२९	१६	८३९	कन्येंदु
						र	१३	१४	३२	चित्रा	४२	६६			विणिज	१४	३२	वृष्टि			२८	५६	३०	१७	८४०	५९॥ भाःउः तुलेंदु। ऋतुमास २८
						चं	१४	१३	३४	स्वाति	१२	६६			शुकन	१३	३४	चतुष्पद			२८	५२	१	१८	८४१	तुलेंदु। पक्षी ५७
श	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१२	३६	विशाखा	४२	६६			नाग	१२	३६	किंस्तुघन			२८	४८	२	१९	८४२	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४३। जुगमास २८। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ४। कार्त्तिक शुदी। लोकोत्रमास नाम प्रतिवर्धन। रविदत्तगायगो।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ भाग के १८ भाग करैं। सूर्य के साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	४	४०	चित्रा	२४	१२	स्वा	३०	किंस्तुघ्न	११	८	बव			३०	४२	३	२०	८१३	३८॥भा उ॰ तुलेंदु
						मं	२	३१	४२	विशाखा	६०	०			बालव	१०	१०	कोलव			३०	३८	४	२१	८१४	तुलेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	३८	४४	विशाखा	२४	१२			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३०	३४	५	२२	८१५	५७ भाःउः वृश्चकेंदु। २ पग ११ अंःछायापोरसी
						बृ	४	३७	४६	अनुराधा	२४	१२	ज्ये	३०	विणिज	८	१४	विष्टि			३०	३०	६	२३	८१६	वृश्चकेंदु
						शु	५	३६	४८	मूला	५४	१२			बव	७	१६	बालव			३०	२६	७	२४	८१७	वृश्चकेंदु
						श	६	३५	५०	पूर्वाषाढ़ा	५४	१२			कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३०	२२	८	२५	८१८	८॥ भा उः धनेंदु
						र	७	३४	५२	उत्तराषाढ़ा	६०	०			गर	५	२०	विणिज			३०	१८	९	२६	८१९	धनेंदु
						चं	८	३३	५४	उत्तराषाढ़ा	२४	१२	ऽभी	६६	विष्टि	४	२२	बव			३०	१४	१०	२७	८२०	२७ भाःउ. मकरेंदु। नक्षत्रमास ३०। चन्द्रायन ६० उत्रायणो
						मं	९	३२	५६	श्रवण	४२	६६			बालव	३	२४	कोलव			३०	१०	११	२८	८२१	मकरेंदु [समाप्त रात्रीका
						बु	१०	३१	५८	धनेष्ठा	४२	६६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			३०	६	१२	२९	८२२	४५॥ भा उः कुंभेंदु। चित्राऽर्के १२ घ॰ उ॰ स्वातिऽर्के ६ दिन ४२घ॰। रेवती
						बृ	११	३०	६०	शत भि०	१२	६६			विणिज	१	२८	विष्टि	२१	३२	३०	२	१३	३०	८२३	कुंभेंदु। सूर्यमास २७। ३ पग छाः। अश्विनी रात्री का
						शु	१२	३०	०	पूर्वाभाद्र	१२	६६			बव बालव	०/२९	३०/३२	कोलव	२१	३२	२९	५९	१४	१	८२४	६४ भाः उः मीनेंदु। तुलाऽर्के संक्रांति
						श	१३	२९	२	उत्तराभा०	४२	६६			कोलव स्त्री०	२९	२	गर			२९	५५	१५	२	८२५	मीनेंदु
						र	१४	२८	४	रेवती	४२	६६			विणिज	२८	४	विष्टी			२९	५१	१६	३	८२६	मीनेंदु। पक्षी ५६
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२७	६	ऽश्विनि	४२	६६			बव	२७	६	बालव			२९	४७	१७	४	८२७	१५॥भा॰उः मेषेंदु

विक्रम सम्वत् १६७४ लौकीक । वीरसम्वत् २४४४ । युगकामास २६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास ५ । मृगसरचंदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांस । दक्षिणायणे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसें। सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	२६	८	भरणी	१२	६६			फोजव	२६	८	स्त्रीलोचन			२६	४३	१८	५	८२८	मेखेंदुस्वातीऽर्के५४घःउ.विशापाऽर्के२०दिन६घड़ी
						बु	२	२५	१०	कृतका	१२	६६			गर	२५	१०	विणिज			२६	३६	१६	६	८२६	३४भाःउ वृखेंदु
						बृ	३	२४	१२	रोहिणी	४२	६६			वृष्टि	२४	१२	चव			२६	३५	२०	७	८३०	वृखेंदु।३पग१छाया पोरसी
						शु	४	२३	१४	मृगसरा	४२	६६			वाजव	२३	१४	फोजव			२६	३१	२१	८	८३१	५२॥ भा उः मिथुनेंदु
						श	५	२२	१६	आद्रा	१२	६६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२६	२७	२२	६	८३२	मिथुनेंदु
						र	६	२१	१८	पुनर्वसु	४२	६६			विणिज	२१	१८	वृष्टि			२६	२३	२३	१०	८३३	मिथुनेंदु।चन्द्रायन ६१ दक्षिणायणे
						चं	७	२०	२०	पुष्य	४२	६६			चव	२०	२०	वाजव			२६	१६	२४	११	८३४	४ भाःउः कर्कें‍दु
						मं	८	१६	२२	ऽश्लेषा	१२	६६			फोजव	१६	२२	स्त्रीलोचन			२६	१५	२५	१२	८३५	कर्केंदु
						बु	६	१८	२४	मघा	१२	६६			गर	१८	२४	विणिज			२६	११	२६	१३	८३६	२२॥ भाःउ. सिंघेंदु
						बृ	१०	१७	२६	पुः फाः	१२	६६			वृष्टि	१७	२६	चव			२६	७	२७	१४	८३७	सिंघेंदु
						शु	११	१६	२८	उ फा	४२	६६			वाजव	१६	२८	कोलव			२६	३	२८	१५	८३८	४१ भा उः फन्येंदु । ३ पग २ अंः छाया । अश्विनीसमास रात्री का
						श	१२	१५	३०	हस्त	४२	६६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२८	६०	२६	१६	८३६	फन्येंदु
						र	१३	१४	३२	चित्रा	४२	६६			विणिज	१४	३२	वृष्टि			२८	५६	३०	१७	८४०	५६॥ भाःउः तुलेंदु । ऋतुमास २८
						चं	१४	१३	३४	स्वाति	१२	६६			शुकन	१३	३४	चतुष्पद			२८	५२	१	१८	८४१	तुलेंदु । पक्षी ५७
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१२	३६	विशाखा	४२	६६			नाग	१२	३६	किंस्तुघन			२८	४८	२	१६	८४२	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास २१। तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसराशुदी । लोकोत्रमासनाम। श्रेयांस । रविदसिणायणो।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६२	नक्षत्रमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
		शु	चं	बु	र	गु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			बव	११	३८	बालव			२८	४४	३	२०	८४३	११ भा:उ: वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	१०	४०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	वृश्चकेंदु
						शु	३	९	४२	मूला	१२	६६			गर	९	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२९॥ भा उ: धनेंदु । ३पग३अ ङाः
						श	४	८	४४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	बव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	४६	उत्रा षा०	४२	६६			बालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भा.उ:मकरेंदु।नक्षत्रमास३१।चन्द्रायन६२उत्रायणो
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽर्क ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६॥भा उ: कुंभेंदु।अनुराधाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	बव	४	५२	बालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा उ:मीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्र	१	५३			वृष्टि	१	५८	बव	२९	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनी।समासरात्रीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			बालवकोलव	० २९	६१ ३२	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६॥भा:उ: मेखेंदु । सूर्यमास २८ । ३प ४अं ङा:कृतकारात्रीका
•	•	•	•	•	•	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१४	५९	२	ऽश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२९	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेखेंदु । वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसज्झाइलगी
शु	चं	बु	र	गु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३४	बव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उ.वृखेंदु । पक्षी ५८

विक्रम सम्वत् १६७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३० । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सकामास ६ । पोष वदी । लोकोत्रमास नाम । शिव । प्रथम । रविदत्तायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के	दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य भाग	युगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से। सुर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	५७	६	रोहिणी	६०	०			वालव	२७	३६	कोलव	२७	४६	१७	३	८५७	घुर्वेंदु
						बृ	२	५६	८	रोहिणी	१	५३			स्त्री लोचन	२६	३८	गर	२७	४५	१८	४	८५८	वृखेंदु
						शु	३	५५	१०	मृगसरा	१	५३	ऽाद्रा	३०	विणिज	२५	४०	वृष्टि	२७	४१	१६	५	८५६	६॥भाःउः मिथुनेंदु
						श	४	५४	१२	पुनर्वसु	६०	०			वव	२४	४२	वालव	२७	३७	२०	६	८६०	मिथुनेंदु
						र	५	५३	१४	पुनर्वसु	१	५३			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन	२७	३३	२१	७	८६१	२५भा.उः कर्केंदु । चंद्रायन ६३ दत्तायणो ३ पः ५अंः छायाः
						चं	६	५२	१६	पुष्य	१	५३	ऽस्रेस	३०	गर.	२२	४६	विणिज	२७	२९	२२	८	८६२	कर्केंदु । ऽनुराधा २४ घः उः ज्येष्ठा ऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						मं	७	५१	१८	मघा	३१	५३			वृष्टी	२१	४८	घव	२७	२५	२३	६	८६३	४३॥भाः उ सिंघेदु
						बु	८	५०	२०	पूः फा०	३१	५३			वालव	२०	५०	कोलव	२७	२१	२४	१०	८६४	सिंघेदु
						बृ	६	४६	२२	उत्रा फा०	६०	०			स्त्री लोचन	१६	५२	गर	२७	१७	२५	११	८६५	६२भाः उः कन्येंदु
						शु	१०	४८	२४	उत्रा फा०	१	५३			विणिज	१८	५४	वृष्टी	२७	१३	२६	१२	८६६	कन्येंदु
						श	११	४७	२६	हस्त	१	५३			वव	१७	५६	वालव	२७	६	२७	१३	८६७	कन्येंदु
						र	१२	४६	२८	चित्रा	१	५३	स्वा	३०	कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन	२७	५	२८	१४	८६८	१३॥भः उः तुलेंदु । छतका समास रात्री का
						चं	१३	४५	३०	विशाषा	६०	०			गर	१५	६०	विणिज	२७	१	२६	१५	८६६	तुलेंदु । ३ पः ६ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घः उः मूलाऽर्के १२ दिः २४ घः
						मं	१४	४४	३२	विशाषा	१	५३			वृष्टी	१५	०	शुकन	२६	५८	३०	१६	८७०	३२भाः उः वृश्चकेंदु । ऋतुमास २६ । पखी ५६
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	४३	३४	ऽनुराधा	१	५३	ज्ये	३०	चतुष्पद	१४	२	नाग	२६	५४	१	१७	८७१	वृश्चकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ सो० वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास २१। तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसराशुदी। लोकोत्रमासनाम। श्रेयांस। रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्यके साधनत्तत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४।
र	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			बव	११	३८	बालव			२८	४४	३	२०	८४३	११ भाःउः वृश्चकेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	१०	४०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	वृश्चकेंदु
						शु	३	६	४२	मूला	१२	६६			गर	६	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२६॥ भा उः धनेंदु। ३पग३अ छाः
						श	४	८	४४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	बव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	४६	उत्रा षा०	४२	६६			बालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भा.उःमकरेंदु।नक्षत्रमास३१।चन्द्रायन६२उत्रायणे
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽकें ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६॥भा उः कुंभेंदु।अनुराधाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	बव	४	५२	बालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा उःमीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्र	१	५३			वृष्टि	१	५८	बव	२६	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनीसमासरात्रीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			बालवकोलव	० २६	६ ३२	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६॥भाःउः मेखेंदु। सूर्यमास २८। ३प ४अं.छाःकृतकारात्रीका
•	•	•	•	•	•	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१४	५१	२	ऽश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२६	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेखेंदु। वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसज्झाइलगी
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३४	बव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उ वृखेंदु। पक्षी ५८

विक्रम सम्वत् १९७४ जोफीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३० । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सकामास ६ । पोष वदी । लोकोत्तमास नाम । शिव । प्रथम । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घं०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य भाग	जुगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	५७	६	रोहिणी	६०	०			वालव	२७	३६	कोलव			२७	४१	१७	३	८५७	वृखेंदु
						बृ	२	५६	८	रोहिणी	१	५३			स्त्री लोचन	२६	३८	गर			२७	४५	१८	४	८५८	वृखेंदु
						शु	३	५५	१०	मृगसरा	१	५३	ऽाद्रा	३०	विविज	२५	५०	वृष्टं			२७	४१	१९	५	८५९	६॥भा:उः मिथुनेंदु
						श	४	५४	१२	पुनर्वसु	६०	०			वव	२४	३२	वालव			२७	३७	२०	६	८६०	मिथुनेंदु
						र	५	५३	१४	पुनर्वसु	१	५३			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२७	३३	२१	७	८६१	२५भा:उः फर्केंदु । चंद्रायन ६२ दक्षणायणे ३ पः ५अंः छायाः
						चं	६	५२	१६	पुष्य	१	५३	ऽश्लेष	३०	गर	२२	४६	विविज			२७	२९	२२	८	८६२	फर्केंदु । ऽनुराधा २४ घ: उः ज्येष्ठाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						मं	७	५१	१८	मघा	३१	५३			वृष्टी	२१	४८	वव			२७	२५	२३	९	८६३	४३॥भा: उः सिंघेंदु
						बु	८	५०	२०	पूः फा०	३१	५३			वालव	२०	५०	कोलव			२७	२१	२४	१०	८६४	सिंघेंदु
						बृ	९	४९	२२	उत्रा फा०	६०	०			स्त्री लोचन	१९	५२	गर			२७	१७	२५	११	८६५	६२भा: उः कन्येंदु
						शु	१०	४८	२४	उत्रा फा०	१	५३			विविज	१८	५४	वृष्टी			२७	१३	२६	१२	८६६	कन्येंदु
						श	११	४७	२६	हस्त	१	५३			वव	१७	५६	वालव			२७	९	२७	१३	८६७	कन्येंदु
						र	१२	४६	२८	चित्रा	१	५३	स्वा	३०	कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२७	५	२८	१४	८६८	१३॥भः उः तुलेंदु । कृतका समास रात्री का
						चं	१३	४५	३०	विशाखा	६०	०			गर	१५	६०	विविज			२७	१	२९	१५	८६९	तुलेंदु । ३ पः ९ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घः उः मूलाऽर्के १३ दिः २४ घः
						मं	१४	४४	३२	विशाखा	१	५३			वृष्टी	१५	०	शुकन			२६	५८	३०	१६	८७०	३२भा: उः वृश्चिकेंदु । ऋतुमास २९ । पखी ५९
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	४३	३४	ऽनुराधा	१	५३	ज्ये	३०	चतुष्पद	१४	२	नाग			२६	५४	१	१७	८७१	वृश्चिकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगमास २१ । तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसराशुदी । लोकोत्रमासनाम। श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसे । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
ग	मे	शु	चं	बु	र	गु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			बव	११	३८	बालव			२८	४४	३	२०	८४३	११ भाःउः वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	१०	४०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	वृश्चकेंदु
						शु	३	१	४२	मूला	१२	६६			गर	६	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२९॥ भा उः धनेंदु । ३पग३अं छाः
						श	४	८	४४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	बव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	४६	उत्रा षा०	४२	६६			बालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२१।चन्द्रायन६२उत्रायणे
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽर्के ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६॥भा उः कुंभेंदु।अनुराधाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	बव	४	५२	बालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा उःमीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्रा	१	५३			वृष्टि	१	५८	बव	२९	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनीसमासरात्रीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			बालवकोलव	० ६०	६० २	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६॥भाःउः मेषेंदु । सूर्यमास २८ । ३प ४अं.छाःकृतकारात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१४	५१	२	ऽश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२९	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेषेंदु । वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसझाइलगी
शु	चं	बु	र	बु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३४	बव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उःवृषेंदु । पक्षी ५८

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३० । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सकामास ६ । पोष वदी । लोकोत्रमास नाम । शिव । प्रथम । रविदत्तणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६२	सतुमास	सूर्य भाग	जुगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	१	५७	६	रोहिणी	६०	०			वालव	२७	३६	कोलव			२७	४६	१७	३	८५७	वृखेंदु
						वृ	२	५६	८	रोहिणी	१	५३			स्त्री लोचन	२६	३८	गर			२७	४५	१८	४	८५८	वृखेंदु
						शु	३	५५	१०	मृगसरा	१	५३	ऽाद्रा	३०	विणिज	२५	५०	वृष्टि			२७	४१	१६	५	८५६	६॥भाःउः मिथुनेंदु
						श	४	५४	१२	पुनर्वसु	६०	०			वव	२४	३२	वालव			२७	३७	२०	६	८६०	मिथुनेंदु
						र	५	५३	१४	पुनर्वसु	१	५३			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२७	३३	२१	७	८६१	२५मा.उः फर्केंदु । चंद्रायन ६३ दत्तणायणे ३ पः ५अंः छायाः
						चं	६	५२	१६	पुष्प	१	५३	ऽश्लेः	३०	गर.	२२	४६	विणिज			२७	२६	२२	८	८६२	फर्केंदु । ऽनुराधा २४ घः उः ज्येष्ठा ऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						मं	७	५१	१८	मघा	३१	५३			वृष्टी	२१	४८	वव			२७	२५	२३	६	८६३	४३॥भाः उः सिंघेदु
						बु	८	५०	२०	पूः फा०	३१	५३			वालव	२०	५०	कोलव			२७	२१	२४	१०	८६४	सिंघेदु
						वृ	६	४६	२२	उत्रा फा०	६०	०			स्त्री लोचन	१६	५२	गर			२७	१७	२५	११	८६५	६२भाः उः कन्येंदु
						शु	१०	४८	२४	उत्रा फा०	१	५३			विणिज	१८	५४	वृष्टी			२७	१३	२६	१२	८६६	कन्येंदु
						श	११	४७	२६	हस्त	१	५३			वव	१७	५६	वालव			२७	६	२७	१३	८६७	कन्येंदु
						र	१२	४६	२८	चित्रा	१	५३	स्वा	३०	कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२७	५	२८	१४	८६८	१३॥भः उः तुलेंदु । क्रतका समाप्त रात्री का
						चं	१३	४५	३०	विशाषा	६०	०			गर	१५	६०	विणिज			२७	१	२६	१५	८६६	तुलेंदु । ३ पः ६ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घः उः मूलाऽर्के १३ दिः २४ घः
						मं	१४	४४	३२	विशाषा	१	५३			वृष्टी	१५	०	शुकन			२६	५८	३०	१६	८७०	३२भाः उः वृश्चकेंदु । सतुमास २६ । पखी ५६
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	१५	४३	३४	ऽनुराधा	१	५३	ज्ये	३०	चतुष्पद	१४	२	नाग			२६	५४	१	१७	८७१	वृश्चकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास २१ । तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसराशुदी । लोकोत्रमासनाम। श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
ग	मं	शु	बं	बृ	र	बु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			वव	११	३८	वालव			२८	४४	३	२०	८४२	११ भाःउः वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	१०	५०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	वृश्चकेंदु
						शु	३	९	५२	मूला	१२	६६			गर	९	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२९॥ भा उः धनेंदु । ३पग३अंःछाः
						श	४	८	५४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	वव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	५६	उत्रा षा०	४२	६६			वालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२१।चन्द्रायन६२उत्रायणे
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽकें ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६॥भा उः कुंभेंदु।अनुराधाऽकें१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	वव	४	५२	वालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा.उःमीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्र	१	५३			वृष्टि	१	५८	वव	२६	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनीसमाप्तरात्रीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			वालवकोलव	०/२९	६/४२	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६॥भाःउः मेषेंदु । सूर्यमास २८ । ३प.४अंःछाःकृतकारात्रीका
•	•	•	•	•	•	०	१३	•	•	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० • ० •
						चं	१४	५१	२	अश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२९	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेषेंदु । वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसज्झाइलगी
शु	बं	बृ	रे	बु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३५	वव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उःवृषेंदु । पक्षी ५८

· विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४४ । युगमासाम ३१ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सरका मास ७ । अधिकमास पौष वदी । लोकोत्तर मास नाम । शिव । रविदत्तायाया ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	छुड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	२८	४	पुनर्वसु	६०	०			कोलव	२८	४	स्त्रीलोचन			२५	५१	१७	३	८८७	मिथुनेंदु
						श	२	२७	६	पुनर्वसु	२०	४०			गर	२७	६	विणिज			२५	४७	१८	४	८८८	४६ भा.उ: कर्केंदु । चन्द्रायन ६४ वृत्तायायंगो
						र	३	२६	८	पुष्य	२०	४०	ऽश्ले	३०	वृष्टि	२६	८	बव			२५	४३	१९	५	८८९	कर्केंदु
						चं	४	२५	१०	मघा	५०	४०			वालव	२५	१०	कोलव			२५	३९	२०	६	८९०	६४॥भा:उः सिंघेंदु
						मं	५	२४	१२	पूर्वा फा०	५०	४०			स्त्री लोचन	२४	१२	गर			२५	३५	२१	७	८९१	सिंघेंदु । ३ पग ३ अंःछायापोरसी
						बु	६	२३	१४	उत्रा फा०	६०	०			विणिज	२३	१४	वृष्टि			२५	३१	२२	८	८९२	सिंघेंदु
						वृ	७	२२	१६	उत्रा फा०	२०	४०			बव	२२	१६	वालव			२५	२७	२३	९	८९३	१६ भा:उः कन्येंदु
						शु	८	२१	१८	हस्त	२०	४०			कोलव	२१	१८	स्त्रीलोचन			२५	२३	२४	१०	८९४	कन्येंदु
						श	९	२०	२०	चित्रा	२०	४०	स्वा	३०	गर	२०	२०	विणिज			२५	१९	२५	११	८९५	३४॥ भा:उः तुलेंदु । पूर्वाषाढा ५४ घः उः उत्राषाढाऽर्के २० दिन ६ घड़ी
						र	१०	१९	२२	विशाखा	६०	०			वृष्टि	१९	२२	बव			२५	१५	२६	१२	८९६	तुलेंदु
						चं	११	१८	२४	विशाखा	२०	४०			वालव	१८	२४	कोलव			२५	११	२७	१३	८९७	५३ भाः उः वृश्चकेंदु
						मं	१२	१७	२६	अनुराधा	२०	४०	ज्ये	३०	स्त्री लोचन	१७	२६	गर			२५	७	२८	१४	८९८	वृश्चकेंदु
						बु	१३	१६	२८	मूला	५०	४०			विणिज	१६	२८	वृष्टि			२५	३	२९	१५	८९९	वृश्चकेंदु । ३ पग १०अंःछाः मृगसरा समास रात्रीका
						वृ	१४	१५	३०	पूर्वाषा०	५०	४०			शुकन	१५	३०	चतुष्पद			२४	६०	३०	१६	९००	४॥ भा:उः धनेंदु । ऋतुमास ३० । पक्षी ६२
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१५	१४	३२	उत्राषाढा	६०	०			नाग	१४	३२	किस्तुघन			२४	५६	१	१७	९०१	धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३० । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । प्रथम पोषशुदी । लोकोत्तरमासनाम । शिव । प्रथम । रविदक्षणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
१	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१	४२	३६	मूला	२१	५३			फिरतुघन	१३	४	वव			२६	५०	२	१८	८७२	५०॥भाः उः धनेंदु ।
						शु	२	४१	३८	पूर्वाषाढ़ा	२१	५३			बालव	१२	६	कोलव			२६	४६	३	१९	८७३	धनेंदु । चन्द्रदर्शनम
						श	३	४०	४०	उत्राषाढ़ा	६०	०			स्त्रीलोचन	११	८	गर			२६	४२	४	२०	८७४	धनेंदु
						र	४	३९	४२	उत्र.षाढ़ा	१	५३	ऽभी	१५	विणिज	१०	१०	वृष्टि			२६	३८	५	२१	८७५	२भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३२ । चन्द्रायन ६४ उत्रायणे
						चं	५	३८	४४	श्रवण	२०	४०			वव	९	१२	बालव			२६	३४	६	२२	८७६	मकरेंदु । ३ पग ७ अंगुल छाया पोरसी
						मं	६	३७	४६	धनेष्ठा	२०	४०	तरा	३०	कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			२६	३०	७	२३	८७७	२०॥भाः उः कुंभेंदु
						बु	७	३६	४८	पूर्वभा०	५०	४०			गर	७	१६	विणिज			२६	२६	८	२४	८७८	कुंभेंदु
						वृ	८	३५	५०	उत्राभा०	६०	०			वृष्टि	६	१८	वव			२६	२२	९	२५	८७९	३९ भाः उः मीनेंदु
						शु	९	३४	५२	उत्राभा०	२०	४०			बालव	५	२०	कोलव			२६	१८	१०	२६	८८०	मीनेंदु
						श	१०	३३	५४	रेवती	२०	४०			स्त्रीलोचन	४	२२	गर			२६	१४	११	२७	८८१	५७॥भाःउः मेखेंदु
						र	११	३२	५६	ऽश्विनी	२०	४०	भर	३०	विणिज	३	२४	वृष्टि			२६	१०	१२	२८	८८२	मेखेंदु । मूला ३० घः उः पूर्वा पाः ऽर्के १२ दिन २४ घड़ी
						चं	१२	३१	५८	कृतका	५०	४०			वव	२	२६	बालव			२६	६	१३	२९	८८३	मेखेंदु । रोहिनी समासरात्रीका
						मं	१३	३०	६०	रोहिणी	६०	०			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन	२९	३२	२६	२	१४	३०	८८४	९ भाः उः वृखेंदु । सूर्यमास २९ । ३ पग ८अंः छाः मृगसिरा रात्रीका
						बु	१४	३०	०	रोहिणी	२०	४०			गर विनिज	२६	३२	वृष्टि	२९	३२	२५	५६	१५	१	८८५	वृखेंदु । धनार्के शंक्रांति । पक्षी ६०
१	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१५	२९	२	मृगसरा	२०	४०	ऽद्रा	३०	वव	२९	२	बालव			२५	५५	१६	२	८८६	२७॥भाः उ॰ मिथुनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक। वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ८ । माघवदी । लोकोत्तरमास नाम । सिसिर । रविउत्रायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	छुग मास	जुगमासा	चन्द्रमार दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	५९	२	पुष्य	३९	२७			बालव	२९	३२	कोलव			२४	४	१६	१	९१६	कर्केंदु । मकरेभानुशंक्राति । हेमंतऋतु४।ऽभीच । ४दिन१२घड़ी
						र	२	५८	४	ऽश्लेषा	९	२७			स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			२४	८	१७	२	९१७	कर्केंदु
						चं	३	५७	६	मघा	९	२७			विणिज	२७	३६	वृष्टि			२४	१२	१८	३	९१८	१८॥भा उः सिंघेदु
						मं	४	५६	८	पूर्वा फाः	९	२७			वव	२६	३८	बालव			२४	१६	१९	४	९१९	सिंघेंदु
						बु	५	५५	१०	उत्रा फाः	३९	२७			कोलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			२४	२०	२०	५	९२०	३७भाःउः कन्येदु । ऽभीचऽर्के१२ घ उः श्रवणाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						बृ	६	५४	१२	हस्त	३९	२७			गर	२४	४२	विणिज			२४	२४	२१	६	९२१	कन्येंदु
						शु	७	५३	१४	चित्रा	३९	२७			वृष्टि	२३	४४	वव			२४	२८	२२	७	९२२	५५॥भा उःतुलेदु । ३पग ११ अंःछाया पोरसी
						श	८	५२	१६	स्वाति	९	२७			बालव	२२	४६	कोलव			२४	३२	२३	८	९२३	तुलेंदु
						र	९	५१	१८	विशाषा	३९	२७			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			२४	३६	२४	९	९२४	तुलेंदु
						चं	१०	५०	२०	अनुराधा	३९	२७			विणिज	२०	५०	वृष्टि			२४	४०	२५	१०	९२५	७ भाःउ वृश्चकेतु
						मं	११	४९	२२	ज्येष्ठा	९	२७			वव	१९	५२	बालव			२४	४४	२६	११	९२६	वृश्चकेतु
						बु	१२	४८	२४	मुला	९	२७			कोलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			२४	४८	२७	१२	९२७	२५॥भाःउः धनेंदु
						बृ	१३	४७	२६	पूर्षाषा०	९	२७			गर	१७	५६	विणिज			२४	५२	२८	१३	९२८	धनेंदु
						शु	१४	४६	२८	उत्राषाः	३९	२७	ऽभी	६५	वृष्टि	१६	५८	शुकन			२४	५६	२९	१४	९२९	४४भाःउ मकरेंदु । नक्षत्रमास२४।चन्द्रायन६८उत्रायणो । पुष्यसमाप्तराशीका
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	४५	३०	श्रवण	५८	१४			चतुष्पद	१५	६०	नाग			२४	६०	३०	१५	९३०	मकरेंदु । पक्षी ६३ । ऋतुमास ३१ । ३पग१०अंःछाया पोरसी

विक्रम सम्वत् १६७४ जोगीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगमास ३१ । तीसरा ऽभीवर्धन सम्वत्सरका अधिकमास ७ । पौष शुदी । लोकोत्तरमासनाम । शिव । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रम के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिक			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण २ पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	गु	चं	बृ	र	गु	श	१	१३	३४	उत्तराषाढ़ा	२०	४०	ऽभी	१९/१४	वव	१३	३४	बालव			२४	५२	२	१८	१०२	२३ भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३३ । चन्द्रायन ६६ उत्तरायणे
						र	२	१२	३६	श्रवण	३६	२७			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			२४	४८	३	१९	१०३	मकरेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						चं	३	११	३८	धनेष्ठा	३६	२७			गर	११	३८	विणिज			२४	४४	४	२०	१०४	४१॥ भाः उः कुंभेंदु
						मं	४	१०	४०	शतभि	६	२७			वृष्टि	१०	४०	वव			२४	४०	५	२१	१०५	कुंभेंदु
						बु	५	९	४२	पूर्वाभा०	६	२७			बालव	९	४२	कोलव			२४	३६	६	२२	१०६	६० भाः उः मीनेंदु । ३ पः ११ मं छाः आर्द्रा समाप्त रात्री के
						बृ	६	८	४४	उत्तराभाद्र	३६	२७			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			२४	३२	७	२३	१०७	मीनेंदु
						शु	७	७	४६	रेवती	३६	२७			विणिज	७	४६	वृष्टि			२४	२८	८	२४	१०८	मीनेंदु
						श	८	६	४८	ऽश्विनी	३६	२७			वव	६	४८	बालव			२४	२४	९	२५	१०९	११॥ भाः उः मेखेंदु
						र	९	५	५०	भरणी	६	२७			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			२४	२०	१०	२६	११०	मेखेंदु
						चं	१०	४	५२	कृतिका	६	२७			गर	४	५२	विणिज			२४	१६	११	२७	१११	३० भाः उः वृखेंदु
						मं	११	३	५४	रोहिणी	३६	२३			वृष्टि	३	५४	वव			२४	१२	१२	२८	११२	वृखेंदु
						बु	१२	२	५६	मृगसरा	३६	२७			बालव	२	५६	कोलव			२४	८	१३	२९	११३	४८॥ भाः उः मिथुनेंदु
						बृ	१३	१	५८	आर्द्रा	६	२७			स्त्रीलोचन	१	५८	गर	२६	३२	२४	४	१४	३०	११४	मिथुनेंदु । पुनर्वसु समाप्त रात्री का [पखी ६२ । ४ पण छायापोरसी
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१४	०	६०	पुनर्वसु	३६	२७			विणिजवृष्टि	०/२६	६०/३२	वव	२६	३२	२४	०	१५	३१	११५	मिथुनेंदु । सूर्य मास ३० । उ:पा:६० घः।चन्द्रायन ६७ दक्षणायणे पुष्परात्री
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०

विक्रम सम्वत् १६७४ लोकीका वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३३ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास ६ । फाल्गुणवदी । लोकोत्तरमासनाम हेमंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवर्ग के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ साढे१८ भाग फर्से । चन्द्रायणप्रमाण २ । पोरसीछा: प्रमाण ४ ।
बु	र	बु	श	मं	शु	चं	१	३०	०	पूर्वा फा०	२८	१४			बा० को०	२६	३१	स्त्रीलोचन			२६	२	१६	१	६४६	सिंघेंदु । धनेऽर्के ६० घः । कुंभेऽर्के । शंक्रांति
						मं	०	२६	२	उत्रा फा०	५८	१४			गर	२६	२	विणिज			२६	६	१७	२	६४७	५८ भाः उ० कन्येंदु । सतभिगाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						बु	३	२८	४	हस्त	५८	१४			बृष्टि	२८	४	वव			२६	१०	१८	३	६४८	कन्येंदु
						बृ	४	२७	६	चित्रा	५८	१४			बालव	२७	६	कोलव			२६	१४	१६	४	६४६	कन्येंदु
						शु	५	२०	८	स्वाती	२८	१४			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			२६	१८	२०	५	६५०	६॥भाःउः तुलेंदु
						श	६	२५	०	विशाषा	५८	१४			विणिज	२५	१०	बृष्टि			२६	२२	२१	६	६५१	तुलेंदु
						र	७	२४	१२	अनुराधा	५८	१४			वव	२४	१२	बालव			२६	२६	२२	७	६५२	२८भाःउः बृश्चकेंदु
						चं	८	२३	१४	ज्येष्ठा	२८	१४			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			२६	३०	२३	८	६५३	बृश्चकेंदु । सतभिषाऽर्के ४२ घःउः पुःभाःऽर्के१३दिः २४ घःउगण ७अंः छाः
						मं	६	२२	१६	मूला	२८	१४			गर	२२	१६	विणिज			२६	३४	२४	६	६५४	४६॥भाःउः धनेंदु
						बु	१०	२१	१८	पूर्वा षा०	२८	१४			बृष्टि	२१	१८	वव			२६	३८	२५	१०	६५५	धनेंदु
						बृ	११	२०	२०	उत्रा. षा०	५८	१४			बालव	२०	२०	कोलव			२६	४२	२६	११	६५६	६५ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३५ । चन्द्रायन ७० उत्रायणे
						शु	१२	१६	२२	अभीच	१७	१			स्त्रीलोचन	१६	२२	गर			२६	४६	२७	१२	६५७	मकरेंदु
						श	१३	१८	२४	श्रवण	१७	१			विणिज	१८	२४	बृष्टि			२६	५०	२८	१३	६५८	मकरेंदु
						र	१४	१७	२६	धनेष्टा	१७	१	नत	३०	शुकन	१७	२६	चतुष्पद			२६	५४	२६	१४	६५६	१६॥भा उः कुंभेंदु । पखी ६५
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	१६	२८	पूर्वा भा०	४७	१			नाग	१६	२८	किस्तुघन			२६	५८	३०	१५	६६०	कुंभेंदु । ३ पग ६ अंः थाः । ऋतुमास ३२ मघा समासराशीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगमेमास ३२ । तीसरा अभिवर्धनसम्बतसरकामास ८ । माघसुदी । लोकोत्तरमासकानाम । सिसिर । रविउत्रायणे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
बु	श	मं	गु	चं	शु	र	१	५४	३२	धनेष्टा	५८	१४			क्रिस्तुघन	१५	०	बव			२५	३	१	१६	६३१	६२॥भाःउ कुंभेंदु
						चं	२	४३	१४	सतभिषा	२८	१४			बालव	१४	२	कोलव			२५	७	२	१७	६३२	कुंभेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	३२	३६	पुः षा०	२८	१४			स्त्रीलोचन	१३	४	गर			२५	११	३	१८	६३३	कुंभेंदु । श्रवणऽक३६घ उःधनेणऽर्के १३दिन२४घड़ी
						बु	४	४१	३८	उत्राषाढ़ा	५८	१४			विणिज	१२	६	वृष्टि			२५	१५	४	१९	६३४	१४ भाःउ. मीनेंदु
						वृ	५	५०	४०	रेवती	५८	१४			बव	११	८	बालव			२५	१९	५	२०	६३५	मीनेंदु
						शु	६	३१	४२	ऽश्विनी	५८	१४			कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			२५	२३	६	२१	६३६	३२॥ भा उः मेखेंदु
						श	७	२८	४४	भरणी	२८	१४			गर	९	१२	विणिज			२५	२७	७	२२	६३७	मेखेंदु । ३ पग ४ अः छाया पोरसी
						र	८	३७	४६	कृतका-	२८	१४			वृष्टि	८	१४	बव			२५	३१	८	२३	६३८	५१ भाःउः वृखेंदु
						चं	९	२६	४८	रोहिणी	५८	१४			बालव	७	१६	कोलव			२५	३५	९	२४	६३९	वृखेंदु
						मं	१०	१५	५०	मृगसि ।	५८	१४			स्त्रीलोचन	६	१८	गर			२५	३९	१०	२५	६४०	वृखेंदु
						बु	११	३४	५२	आद्रा	२८	१४			विणिज	५	२०	वृष्टि			२५	४३	११	२६	६४१	२॥ भाःउः मिथुनेंदु
						वृ	१२	३३	५४	पुनर्वसु	५८	१४			बव	४	२२	बालव			२५	४७	१२	२७	६४२	मिथुनेंदु ।.चन्द्रायन ६६ दक्षिणायणे
						शु	१३	३२	५६	पुष्य	५८	१४			कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			२५	५१	१३	२८	६४३	२१माःउः कर्केंदु
						श	१४	३०	५८	ऽश्लेषा	२८	१४			गर	२	२६	विणिज			२५	५५	१४	२९	६४४	कर्केंदु । अश्लेषा समाप्तरात्रीका
बु	श	मं	गु	चं	शु	र	१५	३०	६०	मघा	२८	१४			वृष्टि	१	२८	बव	२६	३२	२५	५९	१५	३०	६४५	३६॥ भाःउः सिंहेंदु । सूर्यमास३१पक्षी६४३पगऽर्क क्षा मघारात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लौ० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३४ । तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास १० । चैत्रवदी । लोकोत्तमासनाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६७	करणरात्रि			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फसे । सूर्यके साधनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
न	मं	शु	चं	वृ	र	गु	१	०	६०	हस्त	१७	१			कौलव स्त्री०	०/२६	६०/३२	गर	२६	३२	२८	०	१६	२१	९७६	कन्येंदु । सूर्यमास ३२ । ३ पः ४अं: छाया: उत्राफाल्गुणीरात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						बु	३	५१	२	चित्रा	१७	१	स्वाती	३०	वणिज	२६	३२	वृष्टि			२८	४	१७	१	९७७	३०॥भः उः तुलेंदु । मीनार्के शंकांती । वसंतऋतु २
						शु	४	५८	४	विशाखा०	६०	०			वव	२८	३४	वालव			२८	८	१८	२	९७८	तुलेंदु
						श	५	५७	६	विशाखा०	१७	१			कौलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			२८	१२	१९	३	९७९	४१भाः उः वृश्चकेंदु
						र	६	५६	८	अनुराधा	१७	१	ज्ये	३०	गर	२६	३८	वणिज			२८	१६	२०	४	९८०	वृश्चकेंदु
						चं	७	५५	१०	मूला	४७	१			वृष्टि	२५	४०	वव			२८	२०	२१	५	९८१	वृश्चकेंदु
						मं	८	५४	१२	पूर्वाषा०	४७	१			वालव	२४	४२	कौलव			२८	२४	२२	६	९८२	॥ भाःउः धनेंदु
						बु	९	५३	१४	उत्रा षा०	६०	०			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२८	२८	२३	७	९८३	धनेंदु । ३पग३अं:छा:
						बृ	१०	५२	१६	उत्रा षा०	१७	१	ऽभी	१५/१४	वणिज	२२	४६	वृष्टि			२८	३२	२४	८	९८४	१६भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२६।चन्द्रायन७२उत्रायणे
						शु	११	५१	१८	श्रवण	३५	५५			वव	२१	४८	वालव			२८	३६	२५	९	९८५	मकरेंदु
						श	१२	५०	२०	धनेष्ठा	३५	५५			कौलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२८	४०	२६	१०	९८६	३७॥भाःउः कुंभेंदु
						र	१३	४९	२२	शतभीषा	५	५५			गर	१९	५२	वणिज			२८	४४	२७	११	९८७	कुंभेंदु । उत्राभाद्रऽर्के १२ घड़ी उः रेवतीऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						चं	१४	४८	२४	पूर्वा भा०	५	५५			वृष्टि	१८	५४	सुकन			२८	४८	२८	१२	९८८	५६ भाःउःमीनेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	४७	२६	उत्राभाद्र	५	५५			चतुस्पद	१७	५६	नाग			२८	५२	२९	१३	९८९	मीनेंदु । पक्षी ६७

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४४ । युगमास ३१ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमास नाम । हेमंत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा दो दिन ६७ साढे १८ भागफसं ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
गु	मं	गृ	र	गु	श	मं	१	१५	३०	उत्रा· भाः	६०	०			यव	१५	३०	बालव			२७	१	१	१६	६६१	३५भाःउः मीनेंदु
						बु	२	१४	३२	उत्रा भा	१७	१			कोलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			२७	५	२	१७	६६२	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	१३	३४	रेवती	१७	१			गर	१३	३४	विणिज			२७	९	३	१८	६६३	५३ ॥ भाः उ· मेखेंदु
						शु	४	१२	३६	अश्विनी	१७	१	भर	३०	वृष्टि	१२	३६	यव			२७	१३	४	१९	६६४	मेखेंदु
						श	५	११	३८	कृत्तका	४७	१			बालव	११	३८	कोलव			२७	१७	५	२०	६६५	मेखेंदु
						र	६	१०	४०	रोहिणी	६०	०			स्त्रीलोचन	१०	४०	गर			२७	२१	६	२१	६६६	५॥ भा. उः वृखेंदु
						सं	७	९	४२	रोहिणी	१७	१			विणिज	९	४२	वृष्टि			२७	२५	७	२२	६६७	वृखेंदु । पूर्वा भा· ६ घः उः उत्रा. भा. ऽर्के २० दि ६ घः । ३ पःश्मंः छाः
						मं	८	८	४४	मृगसरा	१७	१	आर्द्रा	३०	बव	८	४४	बालव			२७	२९	८	२३	६६८	२३॥भाःउ· मिथुनेंदु
						बु	९	७	४६	पुनर्वसु	६०	०			कोलव	७	४६	स्त्रीलोचन			२७	३३	९	२४	६६९	मिथुनेंदु
						बृ	१०	६	४८	पुनर्वसु	१७	१			गर	६	४८	विणिज			२७	३७	१०	२५	६७०	५२भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ७१ दक्षिणायणे
						शु	११	५	५०	पुष्य	१७	१	अश्ले	३०	वृष्टि	५	५०	बव			२७	४१	११	२६	६७१	कर्केंदु
						श	१२	४	५२	मघा	४७	१			बालव	४	५२	कोलव			२७	४५	१२	२७	६७२	६०॥भा·उः सिंघेंदु
						र	१३	३	५४	पूर्वा फा०	४७	१	..		स्त्रीलोचन	३	५४	गर			२७	४९	१३	२८	६७३	सिंघेंदु
						सं	१४	२	५६	उत्रा फा०	६०	०			विणिज	२	५६	वृष्टि			२७	५३	१४	२९	६७४	सिंघेंदु । पर्वा ६६
गु	मं	गृ	र	बु	श	मं	१५	१	५८	उत्रा फा०	१७	१			यव	१	५८	बालव	२९	३२	२७	५७	१५	३०	६७५	१२ भाःउ कन्येदु । पूर्वाफाल्गुणी समाप्त रात्री का

विक्रम सम्वत् १९७४ ली० वीर सम्वत् २४४४ । युगकामास ३५ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ११ । वैशाखवदी । लोकोत्तमास नाम । कुसमसंभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान	भाग ६१	सूर्यमास	सूर्य भाग	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	३१	५८	स्वाती	५	५५			वालव	२	२६	कोलव			२९	५५	१५	२९	१००५	तुलेंदु । हस्त समास रात्रीका
						शु	२	३०	६०	विशाखा	३५	५५			स्त्रीलोचन	१	२८	गर	२१	३२	२९	५६	१६	३०	१००६	तुलेंदु । सुर्यमास ३१ । ३ पग छाया पोः । चित्रारात्रीका
						श	३	३०	०	अनुराधा	३५	५५			विणिज वृष्टि	०/२१	३०/३२	वय			३०	२	१७	१	१००७	३ भाःउः वृश्चकेंदु । मेखभानुशंक्रांती
						र	४	२९	२	ज्येष्ठा	५	५५			वालव	२९	२	कोलव			३०	६	१८	२	१००८	वृश्चकेंदु
						चं	५	२८	४	मूला	५	५५			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			३०	१०	१९	३	१००९	२१॥ भाःउः धनेंदु
						मं	६	२७	६	पुर्वाषाड़ा	५	५५			विणिज	२७	६	वृष्टि			३०	१४	२०	४	१०१०	धनेंदु
						बु	७	२६	८	उत्राषाड़ा	३५	५५	ऽभी	६५/६४	वव	२६	८	वालव			३०	१८	२१	५	१०११	४० भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३७ । चन्द्रायन ७४ । उत्रायाणे
						बृ	८	२५	१०	श्रवण	५४	४२			कोलव	२५	१०	स्त्रीलोचन			३०	२२	२२	६	१०१२	मकरेंदु
						शु	९	२४	१२	धनेष्ठा	५४	४२			गर	२४	१२	विणिज			३०	२६	२३	७	१०१३	५८॥ भाःउः कुंभेंदु । ऽश्विनीऽर्के ६०घः । २ पग ११ अंःछायापोरसी
						श	१०	२३	१४	शत भि०	२४	४२			वृष्टि	२३	१४	वव			३०	३०	२४	८	१०१४	कुंभेंदु । भरनीऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						र	११	२२	१६	पुर्वाभाद्र	२४	४२			वालव	२२	१६	कोलव			३०	३४	२५	९	१०१५	कुंभेंदु
						चं	१२	२१	१८	उत्राभा०	५४	४२			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			३०	३८	२६	१०	१०१६	१० भाः उः मीनेंदु
						मं	१३	२०	२०	रेवती	५४	४२			विणिज	२०	२०	वृष्टी			३०	४२	२७	११	१०१७	मीनेंदु
						बु	१४	१९	२२	ऽश्विनि	५४	४२			शुकन	१९	२२	चतुष्पद			३०	४६	२८	१२	१०१८	२८॥ भाःउः मेखेंदु । पखी ६१
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१८	२४	भरणी	२५	४२			नाग	१८	२४	किंस्तुघन			३०	५०	३०	१३	१०१९	मेखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३४ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सकामास १० । चैत्रशुदी । लोकोत्रमास नाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	बृ	र	शु	१	४६	२८	रेवती	३५	५५			किंस्तुघन	१६	५८	वव			२८	५६	३०	१४	९९०	मीनेंदु । ऋतुमास ३३ । उत्राफाल्गुणीसमासरात्रीका
						बृ	२	४५	३०	ऽश्विनी	३५	५५			बालव	१५	६०	कोलव			२८	६०	१	१५	९९१	७॥भाःउः मेखेंदु । ३प २श्रं छाःपोरसी चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	४४	३२	भरणी	५	५५			स्त्रीलोचन	१५	०	गर			२९	३	२	१६	९९२	मेखेंदु
						श	४	४३	३४	कृत्तका	५	५५			विणिज	१४	२	वृष्टी			२९	७	३	१७	९९३	२६ भाःउःवृखेंदु
						र	५	४२	३६	रोहिणी	३५	५५			वव	१३	४	बालव			२९	११	४	१८	९९४	वृखेंदु
						चं	६	४१	३८	मृगसरा	३५	५५			कोलव	१२	६	स्त्रीलोचन			२९	१५	५	१९	९९५	४४॥भाःउः मिथुनेंदु
						मं	७	४०	४०	आद्रा	५	५५			गर	११	८	विणिज			२९	१९	६	२०	९९६	मिथुनेंदु
						बु	८	३९	४२	पुनर्वसु	३५	५५			वृष्टी	१०	१०	वव			२९	२३	७	२१	९९७	६३भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ७३
						बृ	९	३८	४४	पुष्य	३५	५५			बालव	९	१२	कोलव			२९	२७	८	२२	९९८	कर्केंदु । ३ पः १ श्रंः छाः
						शु	१०	३७	४६	अश्लेषा	५	५५			स्त्रीलोचन	८	१४	गर			२९	३१	९	२३	९९९	कर्केंदु
						श	११	३६	४८	मघाः	५	५५			विणिज	७	१६	वृष्टि			२९	३५	१०	२४	१०००	१४॥भाः उः सिंघेंदु । रेवती ३६ घः उःऽश्विनीऽर्के १३दिन२४घड़ी
						र	१२	३५	५०	पूर्वा फाः	५	५५			वव	६	१८	बालव			२९	३९	११	२५	१००१	सिंघेंदु
						चं	१३	३४	५२	उत्रा फा०	३५	५५			कोलव	५	२०	स्त्रीलोचन			२९	४३	१२	२६	१००२	३३भाः उः कन्येंदु
						मं	१४	३३	५४	हस्त	३५	५५			गर	४	२२	विणिज			२९	४७	१३	२७	१००३	कन्येंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	शु	१५	३२	५६	चित्रा	३५	५५			वृष्टी	३	२४	वव			२९	५१	१४	२८	१००४	५१॥भाःउः तुलेंदु । ६८

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३९ । नीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास १२ । ज्येष्ठवदी । लोकोत्तरमासनाम । निदाद । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रि	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग करसै। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पर्वप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मे	शु	चं	पू	र	बु	श	१	२	६	ज्येष्टा	२४	४२			कौलव	२	५६	स्त्रीलोचन			३१	५१	१५	२९	१०३५	पृश्चकेंदु
						र	२	१	८	मूला	२४	४२			गर	१	५८	विणिज	२६	३२	३१	५७	१६	३०	१०३६	४२॥ भाःउः धनेंदु । स्वाती समाप्त रात्रीका
						चं	३	०	६०	पूर्वाषाढ़ा	२४	४२			वृष्टि बव	[illegible]	[illegible]	बालव			३२	०	१७	३१	१०३७	धनेंदु । सुर्यमास ३४ । २ पा ८ अं: छाः विशाषा रात्री का
०	०	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						मं	५	५६	२	उत्राषाढ़ा	५४	४२			कौलव	२६	३२	स्त्रीलोचन			३२	४	१८	१	१०३८	६१ भाः उः मकरेंदु । पृथ्वेभानु शंक्रांति । ग्रीषमऋतु
						बु	६	५८	४	ऽभीच	१३	२६			गर	२८	३४	विणिज			३२	८	१६	२	१०३६	मकरदुं । नंक्षत्रमास ३८ । चन्द्रायने ७६ उत्रायणो
						बृ	७	५७	६	श्रवण	१३	२६			वृष्टि	२७	३६	बव			३२	१२	२०	३	१०४०	मकरेंदु
						शु	८	५६	८	धनेष्टा	१३	२६	सत	३०	बालव	२६	३८	कौलव			३२	१६	२१	४	१०४१	१२॥ भाः उः कुंभेंदु
						श	९	५५	१०	पुर्वाभा०	४३	२६			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			३२	२०	२२	५	१०४२	कुंभेंदु
						र	१०	५४	१२	उत्राभा०	६०	०			विणिज	२४	४२	वृष्टि			३२	२४	२३	६	१०४३	३१ भाः उः मीनेंदु
						चं	११	५३	१४	उत्राभा०	१३	२६			बव	२३	४४	बालव			३२	२८	२४	७	१०४४	मीनेंदु । २ पग ७ अं: छाः
						मं	१२	५२	१६	रेवती	१३	२६			कौलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			३२	३२	२५	८	१०४५	४६॥ भाःउः मेषेंदु
						बु	१३	५१	१८	ऽश्विनी	१३	२६	भर	३०	गर	२१	४८	विणिज			३२	३६	२६	९	१०४६	मेषेंदु
						बृ	१४	५०	२०	कृतका	४३	२६			वृष्टि	२०	५०	शुकन			३२	४०	२७	१०	१०४७	मेषेंदु ।
चै	पू	र	बु	श	मं	शु	१५	४९	२२	रोहिणी	६०	०			चतुष्पद	१९	५२	नाग			३२	४४	२८	११	१०४८	१ भाः उः वृषेंदु । पक्षी ७१

विक्रम सम्वत् ११७५ लौकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३५ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ११ । वैशाखशुदी । लोकोत्तरमासनाम । कुसुमसंभव । रविउत्तरायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र वर्ग ६ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
ने	पृ	र	गु	श	मं	गु	१	१७	२६	कृत्तका	२४	४२			वव	१७	२६	बालव			३०	५४	३०	१४	१०२०	५७भाःउः वृषेंदु। ऋतुमास१४ । भरणीऽर्कें ४२घःउःकृतकाऽर्कें१३दिः२४घः
						श	२	१६	२८	रोहिणी	५४	४२			कोलव	१६	२८	स्त्रीलोचन			३०	५८	१	१५	१०२१	वृषेंदु । २पग१०अंःछाःचित्रासमाप्तरात्रीका । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	१५	३०	मृगसरा	५४	४२			गर	१५	३०	विणिज			३१	१	२	१६	१०२२	६५॥भाःउ मिथुनेंदु
						चं	४	१४	३२	आर्द्रा	२४	४२			वृष्टि	१४	३२	वव			३१	५	३	१७	१०२३	मिथुनेंदु
						मं	५	१३	३४	पुनर्वसु	५४	४२			बालव	१३	३४	कोलव			३१	९	४	१८	१०२४	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ७५
						गु	६	१२	३६	पुष्प	५४	४२			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर			३१	१३	५	१९	१०२५	१७ भाःउः कर्केंदु
						पृ	७	११	३८	अश्लेषा	२४	४२			विणिज	११	३८	वृष्टि			३१	१७	६	२०	१०२६	कर्केंदु
						गु	८	१०	४०	मघा	२४	४२			वव	१०	४०	बालव			३१	२१	७	२१	१०२७	३५॥ भाःउः सिंहेंदु
						श	९	९	४२	पूः फा०	२४	४२			कोलव	९	४२	स्त्रीलोचन			३१	२५	८	२२	१०२८	सिंहेंदु । २ पग ९ अंः छाः
						र	१०	८	४४	उत्ता फा०	५४	४२			गर	८	४४	विणिज			३१	२९	९	२३	१०२९	५४ भाःउः कन्येंदु
						चं	११	७	४६	हस्त	५४	४२			वृष्टि	७	४६	वव			३१	३३	१०	२४	१०३०	कन्येंदु
						मं	१२	६	४८	चित्रा	५४	४२			बालव	६	४८	कोलव			३१	३७	११	२५	१०३१	कन्येंदु
						गु	१३	५	५०	स्वाती	२४	४२			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			३१	४१	१२	२६	१०३२	५॥भःउः तुलेंदु
						पृ	१४	४	५२	विशाखा	५४	४२			विणिज	४	५२	वृष्टि			३१	४५	१३	२७	१०३३	तुलेंदु । पक्षी ७०
ने	पृ	र	गु	श	मं	गु	१५	३	५४	अनुराधा	५४	४२			वव	३	५४	बालव			३१	४९	१४	२८	१०३४	२४भाःउः वृश्चकेंदु।कृतकाऽर्कें६घःउःरोहिणीऽर्कें२०दिन६घड़ी

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास १२ । ज्येष्टवदी । लोकोत्तरमासनाम । निदाह । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवृद्धि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसे। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मे	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	२	६	ज्येष्टा	२४	४२			कोजव	२	५६	स्त्रीलोचन			३१	५३	१५	२९	१०३५	वृश्चकेंदु
						र	२	१	८	मूला	२४	४२			गर	१	५८	विणिज	२९	३२	३१	५७	१६	३०	१०३६	४२॥ भाःउः धनेंदु । स्वाती समाप्त रात्रीका
						चं	३	०	६०	पूर्वाषाड़ा	२४	४२			बृष्टि वव	२९	३१	वालव			३२	०	१७	३१	१०३७	धनेंदु । सुर्यमास ३४ । २ पः ८ अंः छाः विशाषा रात्री का
०	०	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						मं	५	५९	२	उत्राषाड़ा	४४	४२			कोलव	२९	३२	स्त्रीलोचन			३२	४	१८	१	१०३८	६१ भाः उः मकरेंदु । बृखेभानु शंक्रांति । ग्रीषमऋतु
						बु	६	५८	४	ऽभीच	१३	२९			गर	२८	३४	विणिज			३२	८	१९	२	१०३९	मकरेंदु । नक्षत्रमास ३८ । चन्द्रायने ७६ उत्रायणो
						बृ	७	५७	६	श्रवण	१३	२९			वृष्टि	२७	३६	वव			३२	१२	२०	३	१०४०	मकरेंदु
						शु	८	५६	८	धनेष्ठा	१३	२९	सत	३०	वालव	२६	३८	कोलव			३२	१६	२१	४	१०४१	१२॥ भाः उः कुंभेंदु
						श	९	५५	१०	पूर्वाभा०	४३	२९			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			३२	२०	२२	५	१०४२	कुंभेंदु
						र	१०	५४	१२	उत्राभा०	६०	०			विणिज	२४	४२	वृष्टि			३२	२४	२३	६	१०४३	३१ भाः उः मीनेंदु
						चं	११	५३	१४	उत्राभा०	१३	२९			वव	२३	४४	वालव			३२	२८	२४	७	१०४४	मीनेंदु । २ पग ७ अंः छाः
						मं	१२	५२	१६	रेवती	१३	२९			कोलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			३२	३२	२५	८	१०४५	४६॥ भाःउः मेखेंदु
						बु	१३	५१	१८	ऽश्विनी	१३	२९	भर	३०	गर	२१	४८	विणिज			३२	३६	२६	९	१०४६	मेखेंदु
						बृ	१४	५०	२०	कृतका	४३	२९			वृष्टि	२०	५०	शुकन			३२	४०	२७	१०	१०४७	मेखेंदु ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	४९	२२	रोहिणी	६०	०			चतुष्पद	१९	५२	नाग			३२	४४	२८	११	१०४८	१ भाः उः बृखेंदु । पखी ७१

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक। वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास ३५। तीसरा अभिवर्धन सम्वतसरकामास ११। वैशाषशुदी। लोकोत्तरमासनाम। कुसुमसंभव। रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सुर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
शे	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	१७	२६	कृतका	२४	४२			वव	१७	२६	बालव			३०	५४	३०	१४	१०२०	४७भाःउः वृखेंदु। ऋतुमास३४। भरणीऽर्के ४२घःउःकृतकाऽर्के१३दिः२४घः
						श	२	१६	२८	रोहिणी	५४	४२			कौलव	१६	२८	स्त्रीलोचन			३०	५८	१	१५	१०२१	वृखेंदु। २पग१०अंःछाःचित्रासमाप्तरात्रीका। चन्द्रदर्शनम्
						र	३	१५	३०	मृगसर	५४	४२			गर	१५	३०	विणिज			३१	१	२	१६	१०२२	६५॥भाःउ मिथुनेंदु
						चं	४	१४	३२	आद्रा	२४	४२			वृष्टि	१४	३२	वव			३१	५	३	१७	१०२३	मिथुनेंदु
						मं	५	१३	३४	पुनर्वसु	५४	४२			बालव	१३	३४	कौलव			३१	९	४	१८	१०२४	मिथुनेंदु। चन्द्रायन ७५
						बु	६	१२	३६	पुष्प	५४	४२			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर			३१	१३	५	१९	१०२५	१७ भाःउ कर्केंदु
						बृ	७	११	३८	असलेषा	२४	४२			विणिज	११	३८	वृष्टि			३१	१७	६	२०	१०२६	कर्केंदु
						शु	८	१०	४०	मघा	२४	४२			वव	१०	४०	बालव			३१	२१	७	२१	१०२७	३५॥ भाःउः सिंघेंदु
						श	९	९	४२	पू फा०	२४	४२			कौलव	९	४२	स्त्रीलोचन			३१	२५	८	२२	१०२८	सिंघेंदु। २ पग ९ अः छाः
						र	१०	८	४४	उत्रा फा०	५४	४२			गर	८	४४	विणिज			३१	२९	९	२३	१०२९	५४ भाःउः कन्येंदु
						चं	११	७	४६	हस्त	५४	४२			वृष्टि	७	४६	वव			३१	३३	१०	२४	१०३०	कन्येंदु
						मं	१२	६	४८	चित्रा	५४	४२			बालव	६	४८	कौलव			३१	३७	११	२५	१०३१	कन्येंदु
						बु	१३	५	५०	स्वाती	२४	४२			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			३१	४१	१२	२६	१०३२	५॥भःउः तुलेंदु
						बृ	१४	४	५२	विशाषा	५४	४२			विणिज	४	५२	वृष्टि			३१	४५	१३	२७	१०३३	तुलेंदु। पखी ७०
शे	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३	५४	अनुराधा	५४	४२			वव	३	५४	बालव			३१	४९	१४	२८	१०३४	२४भा उः वृश्चकेंदु।कृतकाऽर्के६घःउःरोहिणीऽर्के२०दिन६घड़ी

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत २४४४ । जुगमास ३७ । तीसरा अभिवर्धनसम्वतसरकामास १३ । अषाढ़वदी । लोकोत्तरमासकानाम । घनविरोध । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६०	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६०	सूर्यमास	चन्द्रमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	३३	५४	पु: पा०	४३	२९			वालव	४	२२	कोलव			३३	५६	१४	२७	१०६४	धनेंदु
						चं	२	३२	५६	उत्राषाढ़ा	६०	०			स्त्रीलोचन	३	२४	गर			३३	५१	१५	२८	१०६५	धनेदु
						मं	३	३१	५८	उत्राषाढ़ा	१३	२९	ऽभी	१८/५४	विणिज	२	२६	वृष्टि			३३	५५	१६	२९	१०६६	१५भा:उ: मकरेंदु।नक्षत्रमास३६।चन्द्रायन७८उत्रायणो।जेष्टासमासरात्रीका
						बु	४	३०	६०	श्रवण	३२	१६			वव	१	२८	वालव	२९	३२	३३	५९	१७	३०	१०६७	मकरेंदु।सूर्यमास३५।२पग:४अं.मृग३६घ:उ:आद्राऽर्के६दि:४२घ:।मूलारात्रीका
						बृ	५	३०	०	धनेष्ठा	३२	१६			कोलव स्त्रीलो०	०/२९	३०/३२	गर			३४	२	१८	१	१०६८	२३॥भा.उ: कुंभेंदु । मिथुनें भानुशंक्रांती
						शु	६	२९	२	सतभिषा	२	१६			विणिज	२९	२	वृष्टि			३४	६	१९	२	१०६९	कुंभेंदु
						श	७	२८	४	पूर्वाभाद्र	२	१६			वव	२८	४	वालव			३४	१०	२०	३	१०७०	५२भा:उ: मीनेंदु
						र	८	२७	६	उत्राभाद्र	३२	१६			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			३४	१४	२१	४	१०७१	मीनेंदु
						चं	९	२६	८	रेवती	३२	१६			गर	२६	८	विणिज			३४	१८	२२	५	१०७२	मीनेंदु
						मं	१०	२५	१०	ऽश्विनी	३२	१६			वृष्टि	२५	१०	वव			३४	२२	२३	६	१०७३	३॥ भा.उ: मेखेंदु
						बु	११	२४	१२	भरणी	२	१६			वालव	२४	१२	कोलव			३४	२६	२४	७	१०७४	मेखेंदु। आद्रा१८घ:उ: पुनर्वसुऽर्के २०दि:६घ।२पग३अं:क्षा:।
						बृ	१२	२३	१४	कृतका	२	१६			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			३४	३०	२५	८	१०७५	२२ भा:उ: वृखेंदु
						शु	१३	२२	१६	रोहिनी	३२	१६			विणिज	२२	१६	वृष्टि			३४	३४	२६	९	१०७६	वृखेंदु
						श	१४	२१	१८	मृगसिरा	३२	१६			शुकन	२१	१८	चतुष्पद			३४	३८	२७	१०	१०७७	४०॥ भा:उ: मिथुनेंदु पखी ७३
	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	२०	२०	आद्रा	२	१६			नाग	२०	२०	किस्तुघन			३४	४२	२८	११	१०७८	मिथुनेंदु

विक्रम सम्वत् ११७५ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३६ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास १२ । ज्येष्ठ शुदी । लोकोत्रमासनाम । निदाह । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामासप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
मं	गु	चं	बृ	र	गु	श	१	४८	२४	रोहिणी	१३	२१			किस्तुघन	१८	४४	बव			३२	४८	२९	१२	१०४९	वृखेंदु
						र	२	४३	२६	मृगसिर	१३	२१	ऽआ	३०	बालव	१७	४६	कोलव			३२	५२	३०	१३	१०५०	१६॥ भा उः मिथुनेंदु । ऋतुमास ३५ चन्द्रदर्शनम्
						च	३	४६	२८	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	१६	४८	गर			३२	५६	१	१४	१०५१	मिथुनेंदु । विशाषा समास रात्री का
						म	४	४५	३०	पुनर्वसु	१३	२१			विणिज	१५	६०	वृष्टि			३२	६०	२	१५	१०५२	३८ भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ७७ दक्षिणायणे । २ पग ६ अंः
						बु	५	४४	३२	पुष्प	१३	२१	ऽअ	३०	बव	१५	०	बालव			३३	३	३	१६	१०५३	कर्केंदु
						बृ	६	४३	३४	मघा	४३	२१			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			३३	७	४	१७	१०५४	५६॥ भा.उ सिंघेंदु । रोहिणी १२ घ ३. मृगसराऽर्के १३ दिः २४ घड़ी
						शु	७	४२	३६	पु॰फाः	४३	२१			गर	१३	४	विणिज			३३	११	५	१८	१०५५	सिंघेंदु
						श	८	४१	३८	उ फा	६०	०			वृष्टि	१२	६	बव			३३	१५	६	१९	१०५६	सिंघेंदु
						र	९	४०	४०	उ॰फा॰	१३	२१			बालव	११	८	कोलव			३३	१९	७	२०	१०५७	८ भा उः कन्येंदु
						चं	१०	३९	४२	हस्त	१३	२१			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			३३	२३	८	२१	१०५८	कन्येंदु । अनुराधा समास रात्री का
						मं	११	३८	४४	चित्रा	१३	२१	स्वा	३०	विणिज	९	१२	वृष्टि			३३	२७	९	२२	१०५९	२६॥ भा उः तुलेंदु । २ पग ५ अः छां
						बु	१२	३७	४६	विशाषा	६०	०			बव	८	१४	बालव			३३	३१	१०	२३	१०६०	तुलेंदु
						बृ	१३	३६	४८	विशाषा	१३	२१			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			३३	३५	११	२४	१०६१	४५ भा.उः वृश्चकेंदु
						शु	१४	३५	५०	अनुराधा	१३	२१	ज्य	३०	गर	६	१८	विणिज			३३	३९	१२	२५	१०६२	वश्चकेंदु
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	श	१५	३४	५२	[illegible]	४३	२१			[illegible]	५	२०	बव			३३	४३	१३	२६	१०६३	६३॥भा॰ उ धनेंदु । पखी ७२

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरका मास १ । श्रावण वदी । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंदे । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	जुग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पली प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१	४	५२	श्रवण	५१	३			कोलव	४	५२	स्त्री लोचन			३५	४५	१४	२७	१०९४	मकरेंदु । पुनर्वसु ऽर्के २५ घः पुरक ऽर्के १३ दिः २४ घड़ी
						बु	२	३	५४	धनेष्टा	५१	३			गर	३	५४	विणिज			३५	४९	१५	२८	१०९५	५४॥भाः उः कुंभेंदु
						वृ	३	२	५६	शतभि	२१	३			घृष्टि	२	५६	बव			३५	५३	१६	२९	१०९६	कुंभेंदु
						शु	४	१	५८	पूर्वाभा०	२१	३			वालव	१	५८	कोलव	२९	२९	३५	५७	१७	३०	१०९७	कुंभेंदु । पूर्वाषाढा समाप्त रात्रीका
						श	५	०	६०	उत्राभाद्र	५१	३			स्त्रीलो० गर	० २९	६० ३२	विणिज	३२	३२	३६	०	१८	३१	१०९८	६ भाः उः मीनेंदु । २ पगः जाः सूर्यमास ३६ । उत्राषाढा रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						र	७	५९	२	रेवती	५१	३			घृष्टि	२९	३२	बव			३५	५७	१९	१	१०९९	मीनेंदु।कर्के भानुशंक्राती रविदक्षणायणे । पावसऋतु । गर्जनेकी ऽसभझइनही
						चं	८	५८	४	ऽश्विनी	५१	३			वालव	२८	३४	कोलव			३५	५३	२०	२	११००	२४॥भाः उः मेखेंदु
						मं	९	५७	६	भरणी	२१	३			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			३५	४९	२१	३	११०१	मेखेंदु
						बु	१०	५६	८	कृतिका	२१	३			विणिज	२६	३८	घृष्टि			३५	४५	२२	४	११०२	४३ भाः उः वृखेंदु
						वृ	११	५५	१०	रोहिणी	५१	३			बव	२५	४०	वालव			३५	४१	२३	५	११०३	वृखेंदु
						शु	१२	५४	१२	मृगसरा	५१	३			कोलव	२४	४२	स्त्री लोचन			३५	३७	२४	६	११०४	६१॥ भाः उः मिथुनेंदु
						श	१३	५३	१४	आद्रा	२१	३			गर	२३	४४	विणिज			३५	३३	२५	७	११०५	मिथुनेंदु २ पग १ अंः छाः
						र	१४	५२	१६	पुनर्वसु	५१	३			घृष्टि	२२	४६	शकुन			३५	२९	२६	८	११०६	मिथुनेंदु चन्द्रायन ८१ दक्षणायणे
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	५१	१८	पुष्प	५१	३			चतुष्पद	२१	४८	नाग			३५	२५	२७	९	११०७	१३ भाः कर्केंदु । पुष्पऽर्के ४८ घःउः ऽश्लेषा ऽर्के ६ दिः ४२घःपली ७५

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक। वीर सम्वत् २४४४। युगमास ३७। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३। आषाढ़ शुदि। लोकोत्तरमास नाम। वनविरोध। रविउआयणो ॥

	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पर्वीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
१	र	बु	श	मं	गु	चं	१	१९	२२	पुनर्वसु	३२	१६			पव	१९	२२	पालव			३४	४६	२९	१२	१०७९	४१भाःउः कर्केंदु चन्द्रायन ७९
						मं	२	१८	२४	पुष्य	३२	१६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१३	१०८०	कर्केंदु ऋतुमास३६। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	१७	२६	ऽश्लेषा	२	१६			गर	१७	२६	विणिज			३४	५४	१	१४	१०८१	कर्केंदु
						बृ	४	१६	२८	मघा	२	१६			पृष्टि	१६	२८	पव			३४	५८	२	१५	१०८२	१०॥भा.उः सिंगेंदु। २घगः२भां। मुला समात्तरात्रीका
						शु	५	१५	३०	पूर्वा फाः	२	१६			पालव	१५	३०	कोलव			३५	१	३	१६	१०८३	सिंगेंदु
						श	६	१४	३२	उत्रा फा	३२	१६			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			३५	५	४	१७	१०८४	३१भाःउः कन्येंदु
						र	७	१३	३४	हस्त	३२	१६			विणिज	१३	३४	पृष्टि			३५	६	५	१८	१०८५	कन्येंदु
						चं	८	१२	३६	चित्रा	३२	१६			पव	१२	३६	पालव			३५	१३	६	१९	१०८६	४७॥भाः उःतुलेंदु।
						मं	९	११	३८	स्वाति	२	१६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			३५	१७	७	२०	१०८७	तुलेंदु
						बु	१०	१०	४०	विशाखा	३२	१६			गर	१०	४०	विणिज			३५	२१	८	२१	१०८८	६६ भाःउ वृश्चकेंदु
						बृ	११	९	४२	अनुराधा	३२	१६			पृष्टि	९	४२	पव			३५	२५	९	२२	१०८९	वृश्चकेंदु। २ग१भं छायाः
						शु	१२	८	४४	ज्येष्ठा	२	१६			पालव	८	४४	कोलव			३५	२९	१०	२३	१०९०	वृश्चकेंदु
						श	१३	७	४६	मूला	२	१६			स्त्रीलोचन	७	४६	गर			३५	३३	११	२४	१०९१	१७॥भाःउः धनेंदु
						र	१४	६	४८	पूर्वाषा०	२	१६			विणिज	६	४८	पृष्टि			३५	३७	१२	२५	१०९२	धनेंदु। पर्वी ७४
१	र	बु	श	मं	गु	चं	१५	५	५०	उत्राषा०	३२	१६	भो	१६	पव	५	५०	पालव			३५	४१	१३	२६	१०९३	३६भाःउः मकरेंदु। मलमास५०।चन्द्रायन८०उआयणो

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरका मास १ । श्रावण वद्री । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंदे । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	जुग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पत्नी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१	४	५२	श्रवण	५१	३			कोलव	४	५२	स्त्री लोचन			३५	४५	१४	२७	१०९४	मकरेंदु । पुनर्वसु ऽर्के २४ घः पुरक ऽर्के १३ दिः २४ घड़ी,
						बु	२	३	५४	धनेष्टा	५१	३			गर	३	५४	विणिज			३५	४९	१५	२८	१०९५	५४॥भाः उः कुंभेंदु
						वृ	३	२	५६	शतभि	२१	३			वृष्टि	२	५६	वव			३५	५३	१६	२९	१०९६	कुंभेंदु
						शु	४	१	५८	पूर्वाभा०	२१	३			वालव	१	५८	कोलव	२९	२९	३५	५७	१७	३०	१०९७	कुंभेंदु । पूर्वाषाडा समाप्त रात्रीका
						श	५	०	६०	उत्राभाद्र	५१	३			स्त्रीलो० गर	० २९	६० ३१	विणिज	३२	३२	३६	०	१८	३१	१०९८	६ भाः उ. मीनेंदु । २ पगः जाः सूर्यमास ३६ । उत्राषाड़ा रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						र	७	५९	२	रेवती	५१	३			वृष्टि	२९	३२	वव			३५	५७	१९	१	१०९९	मीनेंदु कर्के भानुशंक्राती रविदत्तणायणे । पावसऋतु । गर्जनेकी ऽसभ्भइनही
						चं	८	५८	४	ऽश्विनी	५१	३			वालव	२८	३४	कोलव			३५	५३	२०	२	११००	२४॥भाः उ॰ मेखेंदु
						मं	९	५७	६	भरणी	२१	३			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			३५	४९	२१	३	११०१	मेखेंदु
						बु	१०	५६	८	कृतिका	२१	३			विणिज	२६	३८	वृष्टि			३५	४५	२२	४	११०२	४३ भाः उः वृखेंदु
						वृ	११	५५	१०	रोहिणी	५१	३			वव	२५	४०	वालव			३५	४१	२३	५	११०३	वृखेदु
						शु	१२	५४	१२	मृगसरा	५१	३			कोलव	२४	४२	स्त्री लोचन			३५	३७	२४	६	११०४	६१॥ भा. उः मिथुनेंदु
						श	१३	५३	१४	आर्द्रा	२१	३			गर	२३	४४	विणिज			३५	३३	२५	७	११०५	मिथुनेंदु २ पग १ अंः छाः
						र	१४	५२	१६	पुनर्वसु	५१	३			वृष्टि	२२	४६	शुकन			३५	२९	२६	८	११०६	मिथुनेंदु चन्द्रायन ८१ दत्तणायणे
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	५१	१८	पुष्प	५१	३			चतुष्पद	२१	४८	नाग			३५	२५	२७	९	११०७	१३ भाः कर्केंदु । पुष्पऽर्के ४८ घःउः ऽश्लेषा ऽर्के ६ दिः ४२घ.पत्नी ७५

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक। वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास ३७। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३। आषाढ़ शुदि। लोकोत्तरमास नाम। घनविरोध। रविउभायणो॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्यके साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
बु	र	गु	श	मं	शु	चं	१	१९	२२	पुनर्वसु	३२	१६			बव	१९	२२	बालव			३४	४६	२९	१२	१०७९	४६भाःउः कर्केंदु चन्द्रायन ७६
						मं	२	१८	२४	पुष्प	३२	१६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१३	१०८०	कर्केंदु ऋतुमास२६। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	१७	२६	अश्लेषा	२	१६			गर	१७	२६	विणिज			३४	५४	१	१४	१०८१	कर्केंदु
						बृ	४	१६	२८	मघा	२	१६			वृष्टि	१६	२८	बव			३४	५८	२	१५	१०८२	१०॥भा उः सिंघेंदु। २पगः२अंः। मुला समामरात्रीका
						शु	५	१५	३०	पूर्वा फाः	२	१६			बालव	१५	३०	कोलव			३५	१	३	१६	१०८३	सिंघेंदु
						श	६	१४	३२	उत्रा फाः	३२	१६			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			३५	५	४	१७	१०८४	३१भाःउः कन्येंदु
						र	७	१३	३४	हस्त	३२	१६			विणिज	१३	३४	वृष्टि			३५	९	५	१८	१०८५	कन्येंदु
						चं	८	१२	३६	चित्रा	३२	१६			बव	१२	३६	बालव			३५	१३	६	१९	१०८६	४७॥भाः उःतुलेंदु।
						मं	९	११	३८	स्वाति	२	१६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			३५	१७	७	२०	१०८७	तुलेंदु
						बु	१०	१०	४०	विशाखा	३२	१६			गर	१०	४०	विणिज			३५	२१	८	२१	१०८८	६६ भाःउ.वृश्चकेंदु
						बृ	११	९	४२	अनुराधा	३२	१६			वृष्टि	९	४२	बव			३५	२५	९	२२	१०८९	वृश्चकेंदु। २प१अंछायाः
						शु	१२	८	४४	ज्येष्ठा	२	१६			बालव	८	४४	कोलव			३५	२९	१०	२३	१०९०	वृश्चकेंदु
						श	१३	७	४६	मुला	२	१६			स्त्रीलोचन	७	४६	गर			३५	३३	११	२४	१०९१	१७॥भाःउः धनेंदु
						र	१४	६	४८	पूर्वाषा०	२	१६			विणिज	६	४८	वृष्टि			३५	३७	१२	२५	१०९२	धनेंदु। पक्षी ७४
बु	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	५	५०	उषाषाः	३२	१६	अभी	६६	बव	५	५०	बालव			३५	४२	१३	२६	१०९३	३६भाःउः मकरेंदु। नक्षत्रमास४०।चन्द्रायन८०उभायणो

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीका वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास ३९। चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास २। भाद्रवा वदी। लोकोत्तरमासनाम प्रतिष्टत। रविदक्षिणायणे। चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फसे। सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछाः प्रमाण ४।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	३५	५०	धनेष्टा	९	५७	मत	३०	वालव	६	१८	कोलव			३४	२२	१३	२५	११२३	८॥भा.उः कुंभेंदु
						बृ	२	३४	५२	पूर्वा भा०	३९	५७			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			३४	१८	१४	२६	११२४	कुंभेंदु
						शु	३	३३	५४	उत्रा भा०	६०	०			विणिज	४	२२	वृष्टि			३४	१४	१५	२७	११२५	२७ भा: उः मीनेंदु
						श	४	३२	५६	उत्रा भा०	९	५७			वव	३	२४	वालव			३४	१०	१६	२८	११२६	मीनेंदु
						र	५	३१	५८	रेवती	९	५७			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			३४	६	१७	२९	११२७	४५॥भा उःमेषेंदु।मघा५४घःउः पू.फा ऽकैं१३दि २४घः श्रवण समाप्तरात्रीका
						चं	६	३०	६०	ऽश्विनी	९	५७	भर	३०	गर	१	२८	विणिज	२९	३२	३४	२	१८	३०	११२८	मेषेंदु। सुर्यमास ३७। २ पः ४ अंः छाया पोः धनेष्टा रात्रीका
						मं	७	३०	०	कृतका	३१	५७			घृष्टि वव	२९ ३१		वालव			३३	५९	१९	१	११२९	६४ भा:उः वृखेंदु। सिंघेभानु शंक्राती
						बु	८	२९	२	रोहिणी	६०	०			कोलव	२९	२	स्त्रीलोचन			३३	५५	२०	२	११३०	वृखेंदु
						बृ	९	२८	४	रोहिणी	९	५७			गर	२८	४	विणिज			३३	५१	२१	३	११३१	वृगेंदु
						शु	१०	२७	६	मृगसरा	९	५७	ऽद्रा	३०	घृष्टि	२७	६	वव			३३	४७	२२	४	११३२	१५॥भा·उ मिथुनेंदु
						श	११	२६	८	पुनर्वसु	६०	०			वालव	२६	८	कोलव			३३	४३	२३	५	११३३	मिथुनेंदु
						र	१२	२५	१०	पुनर्वसु	९	५७			स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			३३	३९	२४	६	११३४	३४ भा:उ कर्केंदु। चन्द्रायन ८३। दक्षिणायणे पयोसन १
						चं	१३	२४	१२	पुष्य	९	५७	ऽश्ले	३०	विणिज	२४	१२	वृष्टि			३३	३५	२५	७	११३५	कर्केंदु। ३ पग ५ अंः छाया पोरसी
						मं	१४	२३	१४	मघा	३१	५७			शुकन	२३	१४	चतुष्पद			३३	३१	२६	८	११३६	५२॥भा उा सिंघेंदु। पखी ७७
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	२२	१६	पुर्वा फा०	३१	५७			नाग	२२	१६	किंस्तुघन			३३	२७	२७	९	११३७	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १६५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८ । चौथा सम्वत्सरका मास १ । श्रावण शुदी । लोकोत्तरमास नाम । अभिनंद । रविदत्तणायगो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६४	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ ऽ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	५०	२०	ऽश्लेषा	२१	३			किस्तुघन	२०	५०	बव			३५	२१	२८	१०	११०८	कर्केंदु
						बु	२	४९	२२	मघा	२१	३			बालव	१९	५२	कोलव			३५	१७	२९	११	११०९	३१॥भाःउः सिंघेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	४८	२४	पूर्वा फा०	२१	३			स्त्रीलोचन	१८	५४	गर			३५	१३	३०	१२	१११०	सिंघेंदु । ऋतुमास ३७
						शु	४	४७	२६	उत्रा फा०	५१	३			विणिज	१७	५६	वृष्टि			३५	९	१	१३	११११	५० भाः उः कन्येंदु
						श	५	४६	२८	हस्त	५१	३			बव	१६	५८	बालव			३५	५	२	१४	१११२	कन्येंदु । उत्राषाड़ा समाप्त रात्रीका
						र	६	४५	३०	चित्रा	५१	३			कोलव	१५	६०	स्त्री लोचन			३५	१	३	१५	१११३	कन्येंदु २ पः २ अंः
						चं	७	४४	३२	स्वाती	२१	३			गर	१५	०	विणिज			३४	५८	४	१६	१११४	१॥भाःउः तुलेंदु श्लेषा ३० घः उः मघा ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						मं	८	४३	३४	विशाषा	५१	३			वृष्टि	१४	२	बव			३४	५४	५	१७	१११५	तुलेंदु
						बु	९	४२	३६	अनुराधा	५१	३			बालव	१३	४	कोलव			३४	५०	६	१८	१११६	२० भाःउः वृश्चकेंदु
						बृ	१०	४१	३८	ज्येष्ठा०	२१	३			स्त्रीलोचन	१२	६	गर			३४	४६	७	१९	१११७	वृश्चकेंदु
						शु	११	४०	४०	मूला	२१	३			विणिज	११	८	वृष्टि			३४	४२	८	२०	१११८	३८॥भाः उः धनेंदु
						श	१२	३९	४२	पूर्वाषा०	२१	३			बव	१०	१०	बालव			३४	३८	९	२१	१११९	धनेंदु । अभी न्न समाप्त रात्रीका
						र	१३	३८	४४	उत्राषाड़ा	५१	३			कोलव	९	१२	स्त्री लोचन			३४	३४	१०	२२	११२०	५७भःउः मकरेंदु । २ पग ३ अंः छायाः
						चं	१४	३७	४६	ऽभीच	६	५७			गर	८	१४	विणिज			३४	३०	११	२३	११२१	मकरेंदु । नक्षत्रमास ४१ । चन्द्रायन ८२ उत्रायगो
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	३६	४८	श्रवण	६	५७			वृष्टि	७	१६	बव			३४	२६	१२	२४	११२२	मकरेंदु । पखी ७६

विक्रम सम्वत् १९७५ लाकीक। वीरसम्वत् २४४४। जुगकामास ४०। चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ३। आसौजवदी। लोकोत्तरमासनाम। विजय। रविदत्तणायपो।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्रचंद्रे	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६०	करणरात्री	घड़ी	भा ६०	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रणाम ४
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	६	४८	उत्रा भा०	२८	४४			कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			३२	२४	१३	२५	११५३	मीनेंदु
						श	२	५	५०	रेवती	२८	४४			गर	५	५०	विणिज			३२	२०	१४	२६	११५४	६६॥ भाःउः मेखेंदु
						र	३	४	५२	ऽश्विनी	२८	४४	भर	३०	वृष्टि	४	५२	वव			३२	१६	१५	२७	११५५	मेखेंदु
						चं	४	३	५४	कृतका	५८	४४			वालव	३	५४	कोलव			३२	१२	१६	२८	११५६	मेखेंदु
						मं	५	२	५६	रोहिणी	६०	०			स्त्रीलोचन	२	५६	गर			३२	८	१७	२९	११५७	१८ भा उः वृखेंदु
						बु	६	१	५८	रोहिणी	२८	४४			विणिज	१	५८	वृष्टि	२९	३३	३२	४	१८	३०	११५८	वृखेंदु। पूर्वाभाद्रपदा समाप्त रात्रीका
						बृ	७	०	६०	मृगसरा	२८	४४	आ	३०	वव वालव	० २९	६० ३२	कोलव	२९	३२	३२	०	१९	३१	११५९	३६॥ भाःउ मिथुनेंदु। २ प ८ अंः छाः । सूर्यमास ३८। उत्राभाद्रपदा
०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	मिथुनेंदु ० ० ० ० ० ० [रात्रीका
						शु	९	५९	२	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	२९	३२	गर			३१	५७	२०	१	११६०	मिथुनेंदु। कन्याऽर्के शंक्रांती। वर्षा ऋतु २
						श	१०	५८	४	पुनर्वसु	२८	४४			विणिज	२८	३४	वृष्टि			३१	५३	२१	२	११६१	५५ भा उ फर्केंदु। उत्रा फाः ऽर्के २४ घः उ. हस्त ऽर्के १३ दिनः २४घड़ी
						र	११	५७	६	पुष्य	२८	४४	ऽश्ले	३०	वव	२७	३६	वालव			३१	४९	२२	३	११६२	कर्केंदु
						चं	१२	५६	८	मघा	५८	४४			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			३१	४५	२३	४	११६३	कर्केंदु
						मं	१३	५५	१०	पूर्वा फा०	५८	४४			गर	२५	४०	विणिज			३१	४१	२४	५	११६४	६॥भाःउ सिंघेंदु
						बु	१४	५४	१२	उत्रा फा०	६०	०			वृष्टि	२४	४२	शुकन			३१	३७	२५	६	११६५	सिंघेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	५३	१४	उत्रा फा०	२८	४४			चतुष्पद	२३	४४	नाग			३१	३३	२६	७	११६६	२५भा. उ कन्येंदु २ पः ६ अंः छा पदी ७६

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३१ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास २ । भाद्रवा शुदी । लोकोत्तरमास नाम । प्रतिष्ठित । रविदत्तणायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवृत्तमा ६७ भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमात्रा	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७ साढे १८ भागफसें ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१	२१	१८	उत्राः फा	६०	०			यव	२१	१८	घालय	३३	२३	२८	१०	११३८	सिंघेंदु
						शु	२	२०	२०	उत्राः फा	६	५७			फोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन	३३	१९	२९	११	११३९	४भाःउः कन्येंदु । चन्द्रदर्शनम्
						श	३	१९	२२	हस्त	६	५७			गर	१९	२२	विणिज	३३	१५	३०	१२	११४०	कन्येंदु । ऋतुमास ३८
						र	४	१८	२४	चित्रा	६	५७	स्वा.	३०	वृष्टि	१८	२४	यव	३३	११	१	१३	११४१	२२॥भा.उः तुलेंदु । पूःफाऽकें १८ घ उः उत्राफाःऽकें२०दिन६घः।सम्वत्सरी
						चं	५	१७	२६	विशाखा	६०	०			घालव	१७	२६	फोलय	३३	७	२	१४	११४२	तुलंदु
						मं	६	१६	२८	विशाखा	६	५७			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर	३३	३	३	१५	११४३	४१॥भाःउ. वृश्चिकेंदु । २ पग ६ अंः छाः । धनेष्ठा समाप्त रात्री का
						बु	७	१५	३०	अनुराधा	६	५७	ज्यै	३०	विणिज	१५	३०	वृष्टि	३२	६०	४	१६	११४४	वृश्चिकेंदु
						वृ	८	१४	३२	मूला	३१	५७			यव	१४	३२	वालव	३२	५६	५	१७	११४५	५६॥भा उः धनेंदु
						शु	९	१३	३४	पूर्वा षा०	३१	५७			फोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन	३२	५२	६	१८	११४६	धनेंदु
						श	१०	१२	३६	उत्रा षा०	६०	०			गर	१२	३६	विणिज	३२	४८	७	१९	११४७	धनेंदु
						र	११	११	३८	उत्रा षा०	६	५७	ऽभी	१९	वृष्टि	११	३८	यव	३२	४४	८	२०	११४८	११भा उ. मकरेंदु । नक्षत्रमास ४२ । चन्द्राऽयन ८४ उत्रायणो
						चं	१२	१०	४०	श्रवण	२८	४५			घालव	१०	४०	फोलव	३२	४०	९	२१	११४९	मकरेंदु
						मं	१३	९	४२	धनेष्ठा	२८	३४	गत	३०	स्त्रीलोचन	९	४२	गर	३२	३६	१०	२२	११५०	२९॥भा उः कुंभेंदु । २ पगः ७ अंः छाः सतभिषां समाप्तरात्रीका
						बु	१४	८	४४	पूर्वा भा०	५८	५४			विणिज	८	४४	वृष्टि	३२	३२	११	२३	११५१	कुंभेंदु पक्षी ७८
र	बु	श	मं	शु	च	वृ	१५	७	४६	उत्रा भा०	६०	०			यव	७	४६	घालव	३२	२८	१२	२४	११५२	४८भाः उः मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ४१ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ४ । कार्त्तकवदी । लोकोत्रमास नाम । प्रितिवर्धन । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चन्द्रमा कि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन कि	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री कि			दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	१	३७	५६	ऽश्विनी	४७	३१			वालव	८	१४	कोलव			३०	३०	१२	२३	११८२	२०॥ भा:उः मेखेंदु
						र	२	३६	४८	भरणी	१७	३१			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			३०	२६	१३	२४	११८३	मेखेंदु
						चं	३	३५	५०	कृतका	१७	३१			विणिज	६	१८	वृष्टि			३०	२२	१४	२५	११८४	३६ भा उ.वृखेंदु
						मं	४	३४	५२	रोहिणी	४७	३१			बव	५	२०	वालव			३०	१८	१५	२६	११८५	वृखेंदु
						बु	५	३३	५४	मृगसरा	४७	३१			कोलव	४	२२	स्त्रीलोचन			३०	१४	१६	२७	११८६	५७॥भा:उ मिथुनेंदु
						वृ	६	३२	५६	आद्रा	१७	३१			गर	३	२४	विणिज			३०	१०	१७	२८	११८७	मिथुनेंदु [८७ दक्षणायणे
						शु	७	३१	५८	पुनर्वसु	४७	३१			वृष्टि	२	२६	बव			३०	६	१८	२९	११८८	मिथनेंदु चित्रा १२ घ:उः स्वातीऽर्के ६दिः ४२घः रेवती रात्रीका चन्द्रायन
						श	८	३०	६०	पुष्प	४७	३१			वालव	१	२८	कोलव	२९	३२	३०	२	१९	३०	११८९	६ भा उः कर्केंदु । ७३ सूर्यमास ३१।३पगःद्वा।अश्वनी रात्रीका
						र	९	३०	०	अश्लेशा	१७	३१			स्त्रीलोचन गर	० २९	३० ३२	विणिज			२९	५९	२०	१	११९०	कर्केंदु । तुलाऽर्के शंक्रांती
						चं	१०	२९	२	मघाः	१७	३१			वृष्टि	२९	२	बव			२९	५५	२१	२	११९१	२७॥ भा:उः सिंघेंदु
						मं	११	२८	४	पूर्वा फाः	१७	३१			वालव	२८	४	कोलव			२९	५१	२२	३	११९२	सिंघेंदु
						बु	१२	२७	६	उत्रा फा०	४७	३१			स्त्रीलोचन	२७	६	गर			२९	४७	२३	४	११९३	४६भा उः कन्येंदु
						वृ	१३	२६	८	हस्त	४७	३१			विणिज	२६	८	वृष्टी			२९	४३	२४	५	११९४	कन्येंदु,स्वाती ५४ घ उः विशाषाऽर्के २० दि ६ घड़ी
						शु	१४	२५	१०	चित्रा	४७	३१			शुकन	२५	१०	चतुष्पद			२९	३९	२५	६	११९५	६४॥भा:उः तुलेंदु पखी ८१
मं	शु	च	वृ	र	बु	श	१५	२४	१२	स्वाती	१७	३१			नाग	२४	१२	किस्तुघन			२९	३५	२६	७	११९६	तुलेंदु । ३ पग १ अंः छाया पोरसी

विक्रम सम्वत् ११७५ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ४० । चौथे चन्द्र सम्वत्सकामास ३ । आसौजशुदी । लोकोत्रमास नाम । विजय । रविदत्तायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के	दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ ।। चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	५२	१६	हस्त	२८	४४			किस्तुघन	२२	३६	बव	३१	२९	२७	८	११६७	कन्येंदु
						श	२	५१	१८	चित्रा	२८	४४	स्वा	३०	बालव	२१	४८	कोलव	३१	२५	२८	९	११६८	४३॥भा उः तुलेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	५०	२०	विशाखा	६०	०			स्त्री लोचन	२०	५०	गर	३१	२१	२९	१०	११६९	तुलेंदु
						चं	४	४९	२२	विशाखा	२८	४४			विणिज	१९	५२	वृष्टी	३१	१७	३०	११	११७०	६२ भा उः वृश्चकेंदु । ऋतुमास ३९
						मं	५	४८	२४	अनुराधा	२९	४४	ज्यें	३०	बव	१८	५४	बालव	३१	१३	१	१२	११७१	वृश्चकेंदु
						बु	६	४७	२६	मूला	५८	४४			कौलव	१७	५६	स्त्रीलोचन	३१	९	२	१३	११७२	वृश्चकेंदु
						बृ	७	४६	२८	पूर्वाषाढ़ा	५८	४४			गर	१६	५८	विणिज	३१	५	३	१४	११७३	१३॥भाःउः धनेंदु। उत्राभाद्रपद। समाप्त रात्रा का
						शु	८	४५	३०	उत्राषाढ़ा	६०	०			वृष्टी	१५	६०	बव	३१	१	४	१५	११७४	धनेंदु।हस्त४८घ०उ चीत्रा।ऽर्कों१३दिन२४घड़ी।२पग १०अंःछाः
						श	९	४४	३२	उत्राषाढ़ा	२८	४८	अभी	१६	बालव	१५	०	कोलव	३०	५८	५	१६	११७५	३२ भा उः मकरेंदु नक्षत्रमास ४२ चन्द्रायन ८६ उत्रायणे
						र	१०	४३	३४	श्रवण	४७	३१			स्त्री लोचन	१४	२	गर	३०	५४	६	१७	११७६	मकरेंदु
						चं	११	४२	३६	धनेष्टा	४७	३१			विणिज	१३	४	वृष्टि	३०	५०	७	१८	११७७	५०॥ भाः उः कुंभेंदु
						मं	१२	४१	३८	शत भि०	१७	३१			बव	१२	६	बालव	३०	४६	८	१९	११७८	कुंभेंदु
						बु	१३	४०	४०	पुर्वभाद्र	१७	३१			कोलव	११	८	स्त्रीलोचन	३०	४२	९	२०	११७९	कुंभेंदु
						बृ	१४	३९	४२	उत्राभा०	४७	३१			गर	१०	१०	विणिज	३०	३८	१०	२१	११८०	२ भाः उः मीनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३८	४४	रेवती	४७	३१			वृष्टी	९	१२	बव	३०	३४	११	२२	११८१	मीनेंदु २प अंः ११छा । पखी ८०

विक्रम सम्वत् १९७५ ल्हौ० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४२ । चौथे चन्द्रसम्वत्सरका मास ५ । मृगसरवदी । लोकोत्रमासनाम । अर्यामा । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिन के	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६७	सूर्यमास	चंद्रमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फसे । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण शेपोरसीछाया प्रमाण ४ ।
गु	र	बु	श	म	शु	चं	१	८	४४	रोहिणी	६०	०			कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			२८	३२	१२	२३	१२१२	वृखेंदु
						मं	२	७	४६	रोहिणी	६	१८			गर	७	४६	विणिज			२८	२८	१३	२४	१२१३	वृखेंदु
						बु	३	६	४८	मृगसिरा	६	१८	ऽर्द्रा	३०	वृष्टि	६	४८	वव			२८	२४	१४	२५	१२१४	११॥ भा उः मिथुनेंदु । विशाखाऽर्के ६० घड़ी
						वृ	४	५	५०	पुनर्वसु	६०	०			वालव	५	५०	कोलव			२८	२०	१५	२६	१२१५	मिथुनेंदु । ऽनुराधाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						शु	५	४	५२	पुनर्वसु	६	१८			स्त्रीलोचन	४	५२	गर			२८	१६	१६	२७	१२१६	३० भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ८६
						श	६	३	५४	पुष्य	६	१८	ऽश्ले	३०	विणिज	३	५४	वृष्टि			२८	१२	१७	२८	१२१७	कर्केंदु
						र	७	२	५६	मघा	३६	१८			वव	२	५६	वालव			२८	८	१८	२९	१२१८	४८॥ भाःउ सिंघेंदु
						चं	८	१	५८	पुः फाः	३६	१८			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	२६	३२	२८	४	१९	३०	१२१९	सिंघेंदु । भरनी समाप्त रात्री का
						मं	९	०	६०	उ. फा.	६०	०			गर विणिज	० २६	६० ३२	वृष्टि	२६	३२	२८	०	२०	३१	१२२०	सिंघेंदु ; सुर्य्य मास ४० ३ पग ४ श्रंःछा । क्रुतका समाप्त रात्री का
०	०	०	०	०	०	०	१०	०	०	०	०	०			०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						बु	११	५६	२	उत्रा फा०	६	१८			वव	२६	३२	वालव			२७	५७	२१	१	१२२१	कन्येंदु । वृश्केभामु शंक्राति शरदऋतु । गर्जने की ऽशाज्जाई लगी
						वृ	१२	५८	४	हस्त	६	१८			कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			२७	५३	२२	२	१२२२	कन्येंदु
						शु	१३	५७	६	चित्रा	६	१८	स्वा	३०	गर	२७	३६	विणिज			२७	४९	२३	३	१२२३	१८॥ भा.उः तुलदु
						श	१४	५६	८	विशाखा	६०	०			वृष्टि	२६	३८	सुकन			२७	४५	२४	४	१२२४	तुलेंदु
बु	श	मं	शु	चं	वृ	र	१५	५५	१०	विशाखा	६	१८			चतुस्पद	२५	४०	नाग			२७	४१	२५	५	१२२५	३७ भाःउः वृश्चकेंदु । पखी ८३

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४१ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ४ । कार्त्तक शुदी । लोकोत्तरमासनाम । प्रितिवर्धन । रविदक्षिणायणे																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र घड़ी के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमाध्य	चन्द्रमा २ दिन ६७भाग १८भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	श	मं	बु	चं	बृ	र	१	२३	१४	विशाखा	४७	३१			बव	२३	१४	बालव			२९	३१	२७	८	११९७	तुलेंदु
						चं	२	२२	१६	अनुराधा	४७	३१			कोलव	२२	१६	स्त्रीलोचन			२९	२७	२८	९	११९८	१६भा.उः वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	२१	१८	ज्येष्ठा	१७	३१			गर	२१	१८	वणिज			२९	२३	२९	१०	११९९	वृश्चकेंदु
						बु	४	२०	२०	मूला	१७	३१			वृष्टि	२०	२०	बव			२९	१९	३०	११	१२००	३४॥ भाःउः धनेंदु।ऋतुमास ४०
						बृ	५	१९	२२	पू फा०	१७	३१			बालव	१९	२२	कोलव			२९	१५	१	१२	१२०१	धनेंदु ।
						शु	६	१८	२४	उत्रा फा०	४७	३१			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर			२९	११	२	१३	१२०२	५३ भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४४ । चन्द्रायन ८८
						श	७	१७	२६	अभीच	६	१८			वणिज	१७	२६	वृष्टि			२९	७	३	१४	१२०३	मकरेंदु
						र	८	१६	२८	श्रवण	६	१८			बव	१६	२८	बालव			२९	३	४	१५	१२०४	मकरेंदु।२पग २ अंगुलछायाः। अश्वनी समाप्त रात्रीका
						चं	९	१५	३०	धनेष्ठा	६	१८	सत	३०	कोलव	१५	३०	स्त्रीलोचन			२८	६०	५	१६	१२०५	४॥ भाः उः कुंभेंदु
						मं	१०	१४	३२	पूर्वाभा०	३६	१८			गर	१४	३२	वणिज			२८	५६	६	१७	१२०६	कुंभेंदु
						बु	११	१३	३४	उत्राभा०	६०	०			वृष्टि	१३	३४	बव			२८	५२	७	१८	१२०७	२३ भाः उः मीनेंदु
						बृ	१२	१२	३६	उत्राभा०	६	१८			बालव	१२	३६	कोलव			२८	४८	८	१९	१२०८	मीनेंदु
						शु	१३	११	३८	रेवती	६	१८			स्त्रीलोचन	११	३८	गर			२८	४४	९	२०	१२०९	४१॥ भाः उ. मेषेंदु ।
						श	१४	१०	४०	अश्विनि	६	१८	भर	३०	वणिज	१०	४०	वृष्टि			२८	४०	१०	२१	१२१०	मेषेंदु । पक्षी ८२ चौमासा
शु	श	मं	बु	चं	बृ	र	१५	९	४२	कृत्तका	३६	१८			बव	९	४२	बालव			२८	३६	११	२२	१२११	६० भाः उः वृषेंदु । ३ पग ३अंः छाया पोरसी

विक्रम सम्वत् १६७५ लौकीक । वीर सम्वत् २४४५ । युगनोमास ४३ । चौथे चन्द्रसम्वतसर कामास ६ । पोषवदी । लोकोत्तरमासकानाम शिव । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६०	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	च	बृ	र	बु	श	मं	१	३६	४२	मृगसिर	२५	५	ऽआ	३०	बालव	१०	१०	कौलव			२६	३८	११	२१	१२४१	३२॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बु	२	३८	४४	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	६	१२	गर			२६	३४	१२	२२	१२४२	मिथनेंदु। ३पाः७अं.छाः
						बृ	३	३७	४६	पुनर्वसु	२५	५			विणिज	८	१४	वृष्टि			२६	३०	१३	२३	१२४३	५१भाःउः फर्केंदु। चन्द्रायन ६१
						शु	४	३६	४८	पुरक	२५	५	ऽअ	३०	बव	७	१६	बालव			२६	२६	१४	२४	१२४४	कर्केंदु
						श	५	३५	५०	मघा	५५	५			कौलव	६	१८	स्त्रीलोचन			२६	२२	१५	२५	१२४५	कर्केंदु
						र	६	३४	५२	पूर्वा फाः	५५	५			गर	५	२०	विणिज			२६	१८	१६	२६	१२४६	२॥भाःउः सिंघेंदु
						चं	७	३३	५४	उत्रा फा	६०	०			वृष्टि	४	२२	बव			२६	१४	१७	२७	१२४७	सिंघेंदु
						मं	८	३२	५६	उत्रा फाः	२५	५			बालव	३	२४	कौलव			२६	१०	१८	२८	१२४८	२१भाःउः कन्येंदु।मूलाऽर्के२०घ.उःपूःषा ऽर्के१३दिन २४घड़ी
						बु	९	३१	५८	हस्त	२५	५			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			२६	६	१९	२९	१२४९	कन्येंदु । रोहिणी समास रात्रीका
						बृ	१०	२०	६०	चित्रा	२५	५	स्वा	३०	विणिज	१	२८	वृष्टि	२१	३२	२६	२	२०	३०	१२५०	३१॥भा उः तुलदु । ३पाः८अंः छाः सूर्यमाम४१मृगसिरा रात्रीका
						शु	११	३०	०	विशाषा	६०	०			बव बालव	० / २६	३० / ३२	कौलव			२५	५९	२१	१	१२५१	तुलेंदु । धनार्के शंक्रांती
						श	१२	२९	२	विशाषा	२५	५			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			२५	५५	२२	२	१२५२	५८ भाःउ वृश्चकेंदु
						र	१३	२८	४	अनुराधा	२५	५	ज्ये	३०	विणिज	२८	४	वृष्टि			२५	५१	२३	३	१२५३	वृश्चकेंदु
						चं	१४	२७	६	मुला	५५	५			शुकन	२७	६	चतुष्पद			२५	४७	२४	४	१२५४	वृश्चकेंदु । पखी ८५
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	२६	८	पूर्वाषा०	५५	५			नाग	२६	८	किस्तुघन			२५	४३	२५	५	१२५५	६॥भाःउः धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४२ । चौथे चन्द्र सम्वतसरकामास ५ । मृगसर शुदी । लोकोत्रमासनाम । श्रेयांस । रवि दक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के	दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
शु	र	गु	श	मं	गु	चं	१	५४	१२	अनुराधा	६	१८	ज्य	३०	किंस्तुघन	२४	४२	बव	२७	३७	२६	६	१२२६	वृश्चकेंदु
						मं	२	५३	१४	मूल	३६	१८			बालव	२३	४४	कौलव	२७	३३	२७	७	१२२७	५५॥भाः उ धनेंदु । ३ पग ५ अ छाया. चन्द्रदर्शन
						गु	३	५२	१६	पूर्वाषा०	३६	१८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर	२७	२९	२८	८	१२२८	धनेंदु । अनुराधाऽर्के २४ घः ज्येष्ठाऽर्के ६ दिः ४२ घड़ी
						बृ	४	५१	१८	उत्रा षा०	६०	०			वणिज	२१	४८	वृष्टि	२७	२५	२९	९	१२२९	धनदु
							०	२०		उत्रा षा०	६	१८	श्र्भी	१५	बव	२०	५०	बालव	२७	२१	३०	१०	१२३०	७ भा.उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४५ । चन्द्रायन १०। उत्रायणे।ऋतुमास ५१
										श्रवण	२५	५			कौलव	१९	५२	स्त्रीलोचन	२७	१७	१	११	१२३१	मकरेंदु
										धा	२५	५	शत	३०	गर	१८	५४	वणिज	२७	१३	२	१२	१२३२	२१॥ भा उः कुंभेंदु
											५५	५			वृष्टि	१७	५६	बव	२७	९	३	१३	१२३३	कुंभेंदु
											०	०			बालव	१६	५८	कौलव	२७	५	४	१४	१२३४	४४ भा उ' मीनेंदु । कृतका समाप्त रात्री का
												५			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर	२७	१	५	१५	१२३५	मीनेंदु । २ पः६ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घड़ी उ मूलाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
												५			वणिज	१५	०	वृष्टि	२६	५८	६	१६	१२३६	६२॥ भः उ मेखेंदु
												५	भर	३०	बव	१४	२	बालव	२६	५४	७	१७	१२३७	मेखेंदु
												५			कौलव	१३	४	स्त्रीलोचन	२६	५०	८	१८	१२३८	मेखेंदु
												०			गर	१२	६	वणिज	२६	४६	९	१९	१२३९	१४ भा. उ वृखेंदु
											५	५			वृष्टि	११	८	बव	२६	४२	१०	२०	१२४०	वृखेंदु । पखी ८४

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक । वीर सम्वत २४४५ । जुगनोमास ४३ । चौथे चन्द्रसम्वतसरकामास ६ । पोषवदी । लोकोत्तरमासकानाम शिव । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१	३६	४२	मृगसिरा	२५	५	ऽव्रा	३०	वालव	१०	१०	कोलव			२६	३८	११	२१	१२४१	३२॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बु	२	३८	४४	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	६	१२	गर			२६	३४	१२	२२	१२४२	मिथनंदु। ३पः७अंःक्षा:
						वृ	३	३७	४६	पुनर्वसु	२५	५			विणिज	८	१४	वृष्टि			२६	३०	१३	२३	१२४३	५१भाःउः कर्केंदु। चन्द्रायन ११
						शु	४	३६	४८	पुरक	२५	५	ऽअं	३०	वव	७	१६	वालव			२६	२६	१४	२४	१२४४	कर्केंदु
						श	५	३५	५०	मघा	५५	५			कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			२६	२२	१५	२५	१२४५	कर्केंदु
						र	६	३४	५२	पूर्वा फाः	५५	५			गर	५	२०	विणिज			२६	१८	१६	२६	१२४६	२॥भाःउः सिंघेंदु
						चं	७	३३	५४	उत्रा फाः	६०	०			वृष्टि	४	२२	वव			२६	१४	१७	२७	१२४७	सिंघेंदु
						मं	८	३२	५६	उत्रा फाः	२५	५			वालव	३	२४	कोलव			२६	१०	१८	२८	१२४८	२१भाःउः कन्येंदु।मूलाऽर्कें२०घःउःपूःपाःऽर्के१३दिन २४घड़ी
						बु	९	३१	५८	हस्त	२५	५			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			२६	६	१९	२९	१२४९	कन्येंदु । रोहिणी समास रात्रीका
						वृ	१०	२०	६०	चित्रा	२५	५	स्वा	३०	विणिज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	२६	२	२०	३०	१२५०	३६॥भाः उः तुलदु । ३पः८अंः क्षाः सूर्यमास४१मृगसिरा रात्रीका
						शु	११	३०	०	विशापा	६०	०			वव वालव	०/२९	३०/३२	कोलव			२५	५६	२१	१	१२५१	तुलेंदु । धनार्के शंक्रांती
						श	१२	२९	२	विशापा	२५	५			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			२५	५५	२२	२	१२५२	५८ भाःउ.वृश्चकेंदु
						र	१३	२८	४	अनुराधा	२५	५	ज्ये	३०	विणिज	२८	४	वृष्टि			२५	५१	२३	३	१२५३	वृश्चकेंदु
						चं	१४	२७	६	मूला	५५	५			शकुन	२७	६	चतुष्पद			२५	४७	२४	४	१२५४	वृश्चकेंदु । पखी ८५
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१५	२६	८	पूर्वापा०	५५	५			नाग	२६	८	किस्तुघन			२५	४३	२५	५	१२५५	६॥भाःउः धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७१ । लोटीक । वीरसम्वत् २४४१ । जुगकामास ४२ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ५ । मृगसर शुदी । लोकोत्तमासनाम । श्रेयांस । रवि दक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन कं	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री कं	दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
पृ	र	शु	ग	मं	गु	चं	१	५४	१२	अनुराधा	६	१८	ज्ये	३०	किस्तुघन	२४	४२	वव	२७	३७	२६	६	१२२६	वृश्चकेंदु
						मं	२	५३	१४	मूल	३६	१८			वालव	२३	४४	कोलव	२७	३३	२७	७	१२२७	५५॥भाः उः धनेंदु । ३ पग ५ अंःछायाः चन्द्रदर्शन
						बु	३	५२	१६	पूर्वाषा०	३६	१८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर	२७	२९	२८	८	१२२८	धनेंदु । अनुराधाऽकें २४ घः ज्येष्ठाऽकें ६ दिः ४२ घड़ी
						वृ	४	५१	१८	उत्रा षा०	६०	०			विणिज	२१	४८	वृष्टि	२७	२५	२९	९	१२२९	धनेंदु
						शु	५	५०	२०	उत्रा षा०	६	१८	ऽभी	१५	वव	२०	५०	वालव	२७	२१	३०	१०	१२३०	७ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४५ । चन्द्रायन १०। उत्रायणे।ऋतुमास ४१
						श	६	४९	२२	श्रवण	२५	५			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन	२७	१७	१	११	१२३१	मकरेंदु
						र	७	४८	२४	धनेष्टा	२५	५	शत	३०	गर	१८	५४	विणिज	२७	१३	२	१२	१२३२	२९॥ भा.उः कुंभेंदु
						चं	८	४७	२६	पूर्वा भा०	५५	५			वृष्टि	१७	५६	वव	२७	९	३	१३	१२३३	कुंभेंदु
						मं	९	४६	२८	उत्राभाद्र	६०	०			वालव	१६	५८	कोलव	२७	५	४	१४	१२३४	४४ भाःउः मीनेंदु । कृतका समाप्त रात्री का
						बु	१०	४५	३०	उत्रा भाद्र	२५	५			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर	२७	१	५	१५	१२३५	मीनेंदु । २ पःर्द अंः छाः ज्येष्ठाऽकें ६ घड़ी उः मूलाऽकें १२ दिन २४ घड़ी
						वृ	११	४४	३२	रेवती	२५	५			विणिज	१५	०	वृष्टि	२६	५८	६	१६	१२३६	६२॥ भः उः मेखेंदु
						शु	१२	४३	३४	ऽश्विनी	२५	५	भर	३०	वव	१४	२	वालव	२६	५४	७	१७	१२३७	मेखेंदु
						श	१३	४२	३६	कृतका	५५	५			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन	२६	५०	८	१८	१२३८	मेखेंदु
						र	१४	४१	३८	रोहणी	६०	०			गर	१२	६	विणिज	२६	४६	९	१९	१२३९	१४ भाः उः वृखेंदु
पृ	र	शु	ग	मं	गु	चं	१५	४०	४०	रोहणी	२५	५			वृष्टि	११	८	वव	२६	४२	१०	२०	१२४०	वृखेंदु । पखी ८४

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४४ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास ७ । माघवदी । लोकोत्तरमासनाम । शिसिर । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फसैं । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१०	४०	पुष्य	४३	५६			कोलव	१०	४०	स्त्री लोचन			२४	४०	११	२१	१२७१	५ भा.उः कर्केंदु
						शु	२	९	४२	ऊश्लेषा	१३	५६			गर	९	४२	विणिज			२४	३६	१२	२२	१२७२	कर्केंदु । आर्द्रा समाप्त रात्रीका
						श	३	८	४४	मघा	१३	५६			वृष्टि	८	४४	वव			२४	३२	१३	२३	१२७३	२३॥ भाःउः सिंघेंदु । ३ पग ११ अंःछा
						र	४	७	४६	पूर्वा फा०	१३	५६			वालव	७	४६	कोलव			२४	२८	१४	२४	१२७४	सिंघेंदु
						चं	५	६	४८	उत्रा फा०	४३	५६			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२४	२४	१५	२५	१२७५	४२ भाः उः कन्येंदु
						मं	६	५	५०	हस्त	४३	५६			विणिज	५	५०	वृष्टि			२४	२०	१६	२६	१२७६	कन्येंदु
						बु	७	४	५२	चित्रा	४३	५६			वव	४	५२	वालव			२४	१६	१७	२७	१२७७	६०॥ भाःउः तुलेंदु
						बृ	८	३	५४	स्वाती	१३	५६			कोलव	३	५४	स्त्री लोचन			२४	१२	१८	२८	१२७८	तुलेंदु
						शु	९	२	५६	विशाषा	४३	५६			गर	२	५६	विणिज			२४	८	१९	२९	१२७९	तुलेंदु
						श	१०	१	५८	अनुराधा	४३	५६			वृष्टि	१	५८	वव	२९	३२	२४	४	२०	३०	१२८०	१२ भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसु समाप्त रात्रीका
						र	११	०	६०	ज्येष्ठा०	१३	५६			वालव कौ०	० / २९	६० / ३२	स्त्रीलोचन	२९	३२	२४	०	२१	३१	१२८१	वृश्चकेंदु । ४ पग छा सूर्यमास ४२ । उत्रापाड़ाऽर्के ६० घः पुष्परात्री का
०	०	०	०	०	०	०	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१३	५९	२	मूला	१३	५६			गर	२९	३२	विणिज			२४	४	२२	१	१२८२	३०॥ भाः उः धनेंदु । मकरेऽर्के शंक्रांतीऽभीचऽर्के ४ दिन १२ घड़ी ।
						मं	१४	५८	४	पूर्वाषा०	१३	५६			वृष्टि	२८	३४	शुकन			२४	८	२३	२	१२८३	धनेंदु [रवि उत्रायणे । हेमन्त ऋतु
श	मं	बु	चं	बृ	र	बु	१५	५७	६	उत्राषाढ़ा	४३	५६			चतुष्पद	२७	३६	नाग			२४	१२	२४	३	१२८४	४६ भाःउः मकरेंदु । पखी ८७

विक्रम सम्वत् १९५४ लौकीक। वीर सम्वत् २४५४। युगमाम ४३। चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास ६। पोष शुदि। लोकोत्तरमास नाम। शिर। रविदक्षिणायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडि१८ भाग फर्से | सूर्य के साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रमाणा ३ चन्द्रायन प्रमाणा २ पोरसीछायाप्रमाणा४
श	मै	शु	चं	बृ	र	बु	१	२५	१०	उत्राषाढ़ा	६०	०			बव	२५	१०	बालव			२५	३९	२६	६	१२५६	धनेंदु
						बृ	२	२४	१२	उत्राषाढ़ा	२५	५	ऽभी	६६	कौलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२५	३५	२७	७	१२५७	२८भा:उ मकरेंदु। चन्द्रायन१२उत्रायणेनक्षत्रमास५६ चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	२३	१४	श्रवण	४३	५६			गर	२३	१४	विणिज			२५	३१	२८	८	१२५८	मकरेंदु। ३ पग ६ अं: छा
						श	४	२२	१६	धनेष्टा	४३	५६			वृष्टि	२२	१६	बव			२५	२७	२९	९	१२५९	४६॥भा उ: कुंभेंदु
						र	५	२१	१८	सतभिषा	१३	५६			बालव	२१	१८	कौलव			२५	२३	३०	१०	१२६०	कुंभेंदु। ऋतुमास ४२
						चं	६	२०	२०	पूर्वाभाद्र	१३	५६			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२५	१९	१	११	१२६१	६५भा उ मीनेंदु।पूर्वापा:५४व:उ:उत्रापा:ऽकें२०दिनध्घ
						मं	७	१९	२२	उत्राभाद्र	४३	५६			विणिज	१९	२२	वृष्टि			२५	१५	२	१२	१२६२	मीनेंदु
						बु	८	१८	२४	रेवती	४३	५६			बव	१८	२४	बालव			२५	११	३	१३	१२६३	मीनेंदु
						बृ	९	१७	२६	अश्विनी	४३	५६			कौलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२५	७	४	१४	१२६४	१६॥ भा उ: मेखेंदु
						शु	१०	१६	२८	भरणी	१३	५६			गर	१६	२८	विणिज			२५	३	५	१५	१२६५	मेखेंदु। मृगसिरा समाप्त रात्रीका
						श	११	१५	३०	कृतिका	१३	५६			वृष्टि	१५	३०	बव			२४	६०	६	१६	१२६६	३५ भा:उ' वृखेंदु। ३पग १०अं छा:
						र	१२	१४	३२	रोहिनी	१३	५६			बालव	१४	३२	कौलव			२४	५६	७	१७	१२६७	वृखेंदु
						चं	१३	१३	३४	मृगसिरा	४३	५६			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२४	५२	८	१८	१२६८	५३॥भा.उ: मिथुनेंदु
						मं	१४	१२	३६	आर्द्रा	१३	५६			विणिज	१२	३६	वृष्टि			२४	४८	९	१९	१२६९	मिथुनेंदु। पक्षी ८६
श	मै	शु	चं	बृ	र	बु	१५	११	३८	पुनर्वसु	४३	५६			बव	११	३८	बालव			२४	४४	१०	२०	१२७०	मिथुनेंदु। चन्द्रायन १३। दक्षिणायणे

चौथ चन्द्र सम्वत्सरका मास ७। माघवदी। लोकोत्तरमासनाम। शिशिर। रविउत्रायणे।

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक। वीर सम्वत् २४४५। जुगकामास ४४। चौथ चन्द्र सम्वत्सरका मास ७। माघवदी। लोकोत्तरमासनाम। शिशिर। रविउत्रायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ५
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१०	४०	पुष्य	४३	५६			कोलव	१०	४०	स्त्री लोचन			२४	४०	११	२१	१२७१	५ भा.उः फर्केंदु
						शु	२	९	४२	ऽश्लेषा	१३	५६			गर	९	४२	विणिज			२४	३६	१२	२२	१२७२	फर्केंदु। आद्रा समाप्त रात्रीका
						श	३	८	४४	मघा	१३	५६			वृष्टि	८	४४	वव			२४	३२	१३	२३	१२७३	२३॥ भाःउः सिंघेंदु। ३ पग ११ अंःछा
						र	४	७	४६	पूर्वा फा०	१३	५६			वालव	७	४६	कोलव			२४	२८	१४	२४	१२७४	सिंघेंदु
						चं	५	६	४८	उत्रा फा०	४३	५६			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२४	२४	१५	२५	१२७५	४२ भाः उः कन्येंदु
						मं	६	५	५०	हस्त	४३	५६			विणिज	५	५०	वृष्टि			२४	२०	१६	२६	१२७६	कन्येंदु
						बु	७	४	५२	चित्रा	४३	५६			वव	४	५२	वालव			२४	१६	१७	२७	१२७७	६०॥ भा.उः तुलेंदु
						बृ	८	३	५४	स्वाती	१३	५६			कोलव	३	५४	स्त्री लोचन			२४	१२	१८	२८	१२७८	तुलेंदु
						शु	९	२	५६	विशाखा	४३	५६			गर	२	५६	विणिज			२४	८	१९	२९	१२७९	तुलेंदु
						श	१०	१	५८	अनुराधा	४३	५६			वृष्टि	१	५८	वव	२६	३२	२४	४	२०	३०	१२८०	१२ भाःउः वृश्चकेंदु। पुनर्वसु समाप्त रात्रीका
						र	११	०	६०	ज्येष्ठा०	१३	५६			वालव कां०	०/२९	६०/३२	स्त्रीलोचन	२६	३२	२४	०	२१	३१	१२८१	वृश्चकेंदु। ४ पग छा सूर्यमास ५२। उत्राषाढ़ाऽर्के ६० घः पुष्यरात्री का
०	०	०	०	०	०	०	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						बु	१३	५९	२	मूला	१३	५६			गर	२९	३२	विणिज			२४	४	२२	१	१२८२	३०॥ भाः उः धनेंदु। मकरेऽर्कें संक्रांतीऽमीचऽर्के ४ दिन १२ घड़ी।
						मं	१४	५८	४	पूर्वाषा०	१३	५६			वृष्टि	२८	३४	शकुन			२४	८	२३	२	१२८३	धनेंदु [रवि उत्रायणे। हेमन्त ऋतु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	५७	६	उत्राषाढ़ा	४३	५६			चतुष्पद	२७	३६	नाग			२४	१२	२४	३	१२८४	४६ भाःउः मकरेंदु। पक्षी ८७

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक। वीर सम्वत् २४४५। युगमास ४३। चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास ६। पोष शुदि। लोकोत्तरमास नाम। शिव। रविदक्षिणायणो॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फलें । सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
श	मं	गु	चं	बृ	र	गु	१	२७	१०	उत्राषाढ़ा	६०	०			बव	२५	१०	बालव			२५	३६	२६	६	१२५६	ध्रनेंदु
						बृ	२	२४	१२	उत्राषाढ़ा	२५	५	ऽभी	६६	कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२५	३५	२७	७	१२५७	२८भाःउः मकरेंदु। चन्द्रायन१२उत्रायणोनक्षत्रमास४६चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	२३	१४	श्रवण	४३	५६			गर	२३	१४	वणिज			२५	३१	२८	८	१२५८	मकरेंदु। ३ पग ६ अं: छा
						श	४	२२	१६	धनेष्ठा	४३	५६			वृष्टि	२२	१६	बव			२५	२७	२९	९	१२५९	४६॥भाःउः कुंभेंदु
						र	५	२१	१८	सतभिषा	१३	५६			बालव	२१	१८	कोलव			२५	२३	३०	१०	१२६०	कुंभेंदु। ऋतुमास ४२
						चं	६	२०	२०	पूर्वाभाद्र	१३	५६			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२५	१९	१	११	१२६१	६१भाःउः मीनेंदुपूर्वाषाः५४वाःउःउत्राषाःऽर्के२०दिन६घः
						मं	७	१९	२२	उत्राभाद्र	४३	५६			वणिज	१९	२२	वृष्टि			२५	१५	२	१२	१२६२	मीनेंदु
						बु	८	१८	२४	रेवती	४३	५६			बव	१८	२४	बालव			२५	११	३	१३	१२६३	मीनेंदु
						बृ	९	१७	२६	ऽश्विनी	४३	५६			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२५	७	४	१४	१२६४	१६॥ भाःउः मेखेंदु
						शु	१०	१६	२८	भरणी	१३	५६			गर	१६	२८	वणिज			२५	३	५	१५	१२६५	मेखेंदु। मृगसिरा समाप्त रात्रीका
						श	११	१५	३०	कृतका	१३	५६			वृष्टि	१५	३०	बव			२४	६०	६	१६	१२६६	३५ भाःउः वृखेंदु। ३पगः १०अंःछाः
						र	१२	१४	३२	रोहिनी	४३	५६			बालव	१४	३२	कोलव			२४	५६	७	१७	१२६७	वृखेंदु
						चं	१३	१३	३४	मृगसिरा	४३	५६			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२४	५२	८	१८	१२६८	५३॥भाःउः मिथुनेंदु
						मं	१४	१२	३६	आद्रा	१३	५६			वणिज	१२	३६	वृष्टि			२४	४८	९	१९	१२६९	मिथुनेंदु। पखी ८६
श	मं	गु	चं	बृ	र	बु	१५	११	३८	पुनर्वसु	४३	५६			बव	११	३८	बालव			२४	४४	१०	२०	१२७०	मिथुनेंदु। चन्द्रायन १३। दक्षिणायणो

विक्रम सम्वत् १९७५ लोंकीका वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४५ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुण वदी । लोकोत्तरमासनाम हेमंत । रवि उत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण २ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
चं	घृ	र	बु	श	मं	शु	१	४१	३८	मघा	३२	४६			वालव	१२	६	कोलव			२५	१५	१०	१९	१३००	४४॥भाःउ सिंघेंदु
						श	२	४०	४०	पूर्वा फा०	३२	४६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			२५	१९	११	२०	१३०१	सिंघेंदु
						र	३	३९	४२	उत्राः फाः	६०	०			विणिज	१०	१०	वृष्टि			२५	२३	१२	२१	१३०२	६३ भाःउः कन्येंदु
						चं	४	३८	४४	उत्राः फाः	२	४६			वव	९	१२	वालव			२५	२७	१३	२२	१३०३	कन्येंदु । ३ पग ६ अंः छाया
						मं	५	३७	४६	हस्त	२	४६			कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			२५	३१	१४	२३	१३०४	कन्येंदु
						बु	६	३६	४८	चित्रा	२	४६	स्वा	३०	गर	७	१६	विणिज			२५	३५	१५	२४	१३०५	१४॥भाःउः तुलेंदु
						घृ	७	३५	५०	विशाषा	६०	०			वृष्टि	६	१८	वव			२५	३९	१६	२५	१३०६	तुलेंदु
						शु	८	३४	५२	विशाषा	२	४६			वालव	५	२०	कोलव			२५	४३	१७	२६	१३०७	३३ भाःउः वृश्चकेंदु
						श	९	३३	५४	अनुराधा	२	४६	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	४	२२	गर			२५	४७	१८	२७	१३०८	वृश्चकेंदु
						र	१०	३२	५६	मूला	३२	४६			विणिज	३	२४	वृष्टि			२५	५१	१९	२८	१३०९	५१॥भाःउः धनेंदु
						चं	११	३१	५८	पूर्वा षा०	३२	४६			वव	२	२६	वालव			२५	५५	२०	२९	१३१०	धनेंदु अश्लेषा समातरात्रीका
						मं	१२	३०	६०	उत्रा षा०	६०	०			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन			२५	५९	२१	३०	१३११	धनेंदु । सूर्यमास ४३ । ३ पग ८ अंः छाः मघां रात्रीका
						बु	१३	३०	०	उत्रा षा०	२	४६	ऽभी	१५ / १४	गर विणिज	० / २६	३० / ३२	वृष्टि			२६	२	२२	१	१३१२	३भाःउः मकरेंदु । कुंभेऽर्के शंक्रांति धनेष्ठाऽर्के ६०घड़ी पूर्ण नक्षत्र मास४८।
						घृ	१४	२९	२	श्रवण	२१	३३			शुकुन	२९	२	चतुष्पद			२६	६	२३	२	१३१३	मकरेंदु । सतभिषां ऽर्के ६ दि ४२ घड़ी । पखी ८६ [चन्द्रायन ६६
चं	घृ	र	बु	श	मं	शु	१५	२८	४	धनेष्ठा	२१	३३	सत	३०	नाग	२८	४	किस्तुघन			२६	१०	२४	३	१३१४	२१॥भाःउः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४४ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास७ । माघ शुदी । लोकोत्तरमास नाम । शिशिर । रवि उत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र कैसे के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६४	करण रात्री			दिनमानघ०	भाग ६२	सूर्य मास	चंद्र मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफसें । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	शु	ग	मं	शु	ब	बृ	१	५६	८	ऽभीच	२	४६			किस्तुघन	२६	३८	बव			२४	१६	२५	४	१२८५	मकरेंदु । नक्षत्रमास ४७ । चन्द्रायन ६४उत्रायणे
						शु	२	५५	१०	श्रवण	२	४६			बालव	२५	४०	कोलव			२४	२०	२६	५	१२८६	मकरेंदु । चन्द्रदर्शनम । ऽभी १२ घः ३ श्रवणाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						ग	३	५४	१२	धनेष्ठा	२	४६	सत	३०	स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			२४	२४	२७	६	१२८७	॥ भाः उः कुंभेंदु
						र	४	५३	१४	पूर्वाभा०	३२	४६			विणिज	२३	४४	बृष्टि			२४	२८	२८	७	१२८८	कुंभेंदु । ३ पग ११ श्रंःछाः
						चं	५	५२	१६	उत्राभाद्र	६०	०			बव	२२	४६	बालव			२४	३२	२९	८	१२८९	१९ भाः उः मीनेंदु
						मं	६	५१	१८	उत्राभाद्र	२	४६			कोलव	२१	४८	स्त्री लोचन			२४	३६	३०	९	१२९०	मीनेंदु ऋतुमास ४३
						बु	७	५०	२०	रेवती	२	४६			गर	२०	५०	विणिज			२४	४०	१	१०	१२९१	३७॥ भाः उः मेखेंदु
						बृ	८	४९	२२	ऽश्विनी	२	४६	मर	३०	बृष्टि	१९	५२	बव			०४	४४	२	११	१२९२	मेखेंदु
						शु	९	४८	२४	कृतिका	३२	४६			बालव	१८	५४	कोलव			२४	४८	३	१२	१२९३	५६ भाः उः बृखेंदु
						ग	१०	४७	२६	रोहिणी	६०	०			स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			२४	५२	४	१३	१२९४	बृखेंदु
						र	११	४६	२८	रोहिणी	२	४६			विणिज	१६	५८	बृष्टि			२४	५६	५	१४	१२९५	बृखेंदु । पुष्य समाप्त रात्रीका
						मं	१२	४५	३०	मृगसरा	२	४६	आ	३०	बव	१५	६०	बालव			२४	६०	६	१५	१२९६	७॥ भाः उः मिथुनेंदु । ३ पग १० श्रंः छाः
						मं	१३	४४	३२	पुनर्वसु	६०	०			कोलव	१५	०	स्त्री लोचन			२५	३	७	१६	१२९७	मिथुनेंदु
						बु	१४	४३	३४	पुनर्वसु	२	४६			गर	१४	२	विणिज			२५	७	८	१७	१२९८	२६ भाः कर्केंदु । चन्द्रायन६५ दक्षणायणे
र	शु	ग	मं	शु	बं	बृ	१५	४२	३६	पुष्य	२	४६	ऽश्ले	३०	बृष्टि	१३	४	बव			२५	११	९	१८	१२९९	कर्केंदु । पखी ८८ । श्रवण ३६ घःउः धनेष्टाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी

विक्रम सम्वत् १६७५ लोकीका वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४५ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुण वदी । लोकोत्तरमासनाम हेमंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढ़े१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछा: प्रमाण ४ ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	४१	३८	मघा	३२	४६			बालव	१२	६	कौलव			२५	१५	१०	१९	१३००	४४॥भाः३ा सिंघेंदु
						श	२	४०	४०	पूर्वा फा०	३२	४६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			२५	१९	११	२०	१३०१	सिंघेंदु
						र	३	३९	४२	उत्रा: फा:	६०	०			विणिज	१०	१०	वृष्टि			२५	२३	१२	२१	१३०२	६३ भाः३: कन्येंदु
						चं	४	३८	४४	उत्रा: फा:	२	४६			बव	९	१२	बालव			२५	२७	१३	२२	१३०३	कन्येंदु । ३ पग ६ अं: छाया
						मं	५	३७	४६	हस्त	२	४६			कौलव	८	१४	स्त्रीलोचन			२५	३१	१४	२३	१३०४	कन्येंदु
						बु	६	३६	४८	चित्रा	२	४६	स्वा	३०	गर	७	१६	विणिज			२५	३५	१५	२४	१३०५	१४॥भाः३: तुलेंदु
						बृ	७	३५	५०	विशाखा	६०	०			वृष्टि	६	१८	बव			२५	३९	१६	२५	१३०६	तुलेंदु
						शु	८	३४	५२	विशाखा	२	४६			बालव	५	२०	कौलव			२५	४३	१७	२६	१३०७	३३ भाः३: वृश्चकेंदु
						श	९	३३	५४	अनुराधा	२	४६	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	४	२२	गर			२५	४७	१८	२७	१३०८	वृश्चकेंदु
						र	१०	३२	५६	मूला	३२	४६			विणिज	३	२४	वृष्टि			२५	५१	१९	२८	१३०९	५१॥भाः३: धनेंदु
						चं	११	३१	५८	पूर्वा षा०	३२	४६			बव	२	२६	बालव			२५	५५	२०	२९	१३१०	धनेंदु अश्लेषा समाप्तरात्रीका
						मं	१२	३०	६०	उत्रा षा०	६०	०			कौलव	१	२८	स्त्रीलोचन			२५	५९	२१	३०	१३११	धनेंदु । सूर्यमास ४३ । ३ पग ८ अं: छा: मघां रात्रीका
						बु	१३	३०	०	उत्रा षा०	२	४६	ऽभी	१८/४	गर विणिज	०/२९	३०/१	वृष्टि			२६	२	२२	१	१३१२	३भाः३: मकरेंदु । कुंभेऽर्के शंक्रांति धनेष्टाऽर्के ६०घड़ी पूर्ण नक्षत्र मास४८।
						बृ	१४	२९	२	श्रवण	२१	३३			शकुन	२९	२	चतुष्पद			२६	६	२३	२	१३१३	मकरेंदु । सतभिषां ऽर्के ६ दि ४२ घड़ी । पखी ८६ [चन्द्रायन ६६
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	२८	४	धनेष्टा	२१	३३	सत	३०	नाग	२८	४	किंस्तुघ्न			२६	१०	२४	३	१३१४	२१॥भाः३: कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४५ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमास नाम । हेमंत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा के भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७ साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
मं	गु	शं	बृ	र	बु	श	१	२७	६	पुर्वा भा०	५१	३३			घव	२७	६	वालव			२६	१४	२५	४	१३१५	कुंभेंदु
						र	२	२६	८	उत्रा भा०	६०	०			कौलव	२६	८	स्त्रीलोचन			२६	१८	२६	५	१३१६	४०भाः उः मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						चं	३	२५	१०	उत्रा भा०	२१	३३			गर	२५	१०	विणिज			२६	२२	२७	६	१३१७	मीनेंदु
						मं	४	२४	१२	रेवती	२१	३३			घृष्टि	२४	१२	वव			२६	२६	२८	७	१३१८	५८ भाः उः मेखेंदु । ३ पग ७ अंः छाया
						बु	५	२३	१४	अश्विनी	२१	३३	भर	३०	वालव	२३	१४	कौलव			२६	३०	२९	८	१३१९	मेखेंदु । सतः ऽक ४२ घःउ. पुः भ · ऽर्क १३ दि २४ घः
						बृ	६	२२	१६	कृत्तका	५१	३३			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२६	३४	३०	९	१३२०	मेखेंदु । ऋतुमास ४४
						शु	७	२१	१८	रोहिणी	६०	०			विणिज	२१	१८	घृष्टि			२६	३८	१	१०	१३२१	१०भा उः वृखेंदु
						श	८	२०	२०	रोहिणी	२१	३३			घव	२०	२०	वालव			२६	४२	२	११	१३२२	वृखेंदु
						र	९	१९	२२	मृगसरा	२१	३३	ऽद्रा	३०	कौलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			२६	४६	३	१२	१३२३	२८॥भा.उ मिथुनेंदु
						चं	१०	१८	२४	पुनर्वसु	६०	०			गर	१८	२४	विणिज			२६	५०	४	१३	१३२४	मिथुनेंदु
						मं	११	१७	२६	पुनर्वसु	२१	३३			घृष्टि	१७	२६	वव			२६	५४	५	१४	१३२५	४७भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ६७
						बु	१२	१६	२८	पुष्य	२१	३३	ऽश्ले	३०	वालव	१६	२८	कौलव			२६	५८	६	१५	१३२६	कर्केंदु । ३ पगः ६ अंः छाया
						बृ	१३	१५	३०	मघा	५१	३३			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२७	१	७	१६	१३२७	६५॥भा उ. सिंघेंदु
						शु	१४	१४	३२	पुर्वा फा०	५१	३३			विणिज	१४	३२	घृष्टि			२७	५	८	१७	१३२८	सिंघेंदु । पक्षी ६०
मं	गु	शं	बृ	र	बु	श	१५	१३	३४	उत्रा फा०	६०	०			घव	१३	३४	वालव			२७	९	९	१८	१३२९	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ लो० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रवदी । लोकोत्रमास नाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	सूतमास	सूर्य मास	जुगमासा	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	१२	३६	उत्रा फा०	२१	३३			कोलव	१२	३६	स्त्रीलोचन			२७	१३	१०	१९	१३३०	१७भा.उः कन्यैंदु
						चं	२	११	३८	हस्त	२१	३३			गर	११	३८	विणिज			२७	१७	११	२०	१३३१	कन्यैंदु
						मं	३	१०	४०	चित्रा	२१	३३			वृष्टि	१०	४०	वव			२७	२१	१२	२१	१३३२	३५॥भाःउः तुलैंदु
						बु	४	९	४२	विशाषा	६०	०			वालव	९	४२	कोलव			२७	२५	१३	२२	१३३३	तुलैंदु । पुर्वाःभाः ६ घः उः उत्राभाद्रः ऽर्के २० दिः ६ घड़ी
						बृ	५	८	४४	विशाषा	२१	३३			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			२७	२९	१४	२३	१३३४	५४ भाःउः वृश्चकेंदु । ३ पग ५ अंः छायाः
						शु	६	७	४६	अनुराधा	२१	३३	ज्येष्ठ	२०	विणिज	७	४६	वृष्टि			२७	३३	१५	२४	१३३५	वृश्चकेंदु
						श	७	६	४८	मूला	५१	३३			वव	६	४८	वालव			२७	३७	१६	२५	१३३६	वृश्चकेंदु
						र	८	५	५०	पूर्वा षा०	५१	३३			कोलव	५	५०	स्त्रीलोचन			२७	४१	१७	२६	१३३७	५॥भाः उ धनेंदु
						चं	९	४	५२	उत्रा षा०	६०	०			गर	४	५२	विणिज			२७	४५	१८	२७	१३३८	धनेंदु
						मं	१०	३	५४	उत्रा षा०	२१	३३	ऽभी	१९	वृष्टी	३	५४	वव			२७	४९	१९	२८	१३३९	२४भा.उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४६ । चन्द्रायन ६८
						बु	११	२	५६	श्रवण	४०	२०			वालव	२	५६	कोलव			२७	५३	२०	२९	१३४०	मकरेंदु
						बृ	१२	१	५८	धनेष्टा	४०	२०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर	२९	३२	२७	५७	२१	३०	१३४१	४२॥भाःउः कुंभेंदु । पूर्वा फाल्गुणी समात रात्री का
						शु	१३	०	६०	शतभिषा	१०	२०			विणिज वृष्टि	० २९	६० ३२	शुकन			२८	०	२२	३१	१३४२	कुंभेंदु । सूर्यमास ४४ । ३पगः ४ अंः छाः । उत्राफाल्गुणी रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	५९	२	पूर्वा भा०	१०	२०			चतुष्पद	२९	३२	नाग			२८	४	२३	१	१३४३	६१ भाः उः मीनेंदु । मीनेऽर्के शंक्रांती । वसंतऋतु पखी ६१

विक्रम सम्वत् १९७५ । लौकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चोथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ६ । चैत्र शुदी । लोकोत्तमासनाम । वसंत । रवि उत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
गु	न	मं	गु	चं	बृ	र	१	५८	४	उत्रा भाद्र	४०	२०			किस्तुघन	२८	३४	बव			२८	८	२४	२	१३४४	मीनेंदु
						चं	२	५७	६	रेवती	४०	२०			बालव	२७	३६	कोलव			२८	१२	२५	३	१३४५	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	५६	८	ऽश्विनी	४०	२०			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर			२८	१६	२६	४	१३४६	१२॥भः उ॰ मेखेंदु
						बु	४	५५	१०	भरणी	१०	२०			विणिज	२५	४०	वृष्टि			२८	२०	२७	५	१३४७	मेखेंदु
						बृ	५	५४	१२	कृतका	१०	२०			बव	२४	४२	बालव			२८	२४	२८	६	१३४८	३१भा॰उः वृखेंदु
						शु	६	५३	१४	रोहणी	४०	२०			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२८	२८	२९	७	१३४९	वृखेंदु । ३ पः ३ श्रंः छाः
						श	७	५२	१६	मृगसर	४०	२०			गर	२२	४६	विणिज			२८	३२	३०	८	१३५०	४६॥भाःउ. मिथुनेंदु । ऋतुमास ४५
						र	८	५१	१८	आर्द्रा	१०	२०			वृष्टि	२१	४८	बव			२८	३६	१	९	१३५१	मिथुनेंदु
						चं	९	५०	२०	पुनर्वसु	४०	२०			बालव	२०	५०	कोलव			२८	४०	२	१०	१३५२	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ६६ दक्षणायणे
						मं	१०	४९	२२	पुष्य	४०	२०			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर			२८	४४	३	११	१३५३	१ भा उः कर्केंदु । उत्राः भाद्रः १२ घःउः रेवती ऽर्के १३ दिः ४२ घड़ी
						बु	११	४८	२४	अश्लेषा	१०	२०			विणिज	१८	५४	वृष्टि			२८	४८	४	१२	१३५४	कर्केंदु
						बृ	१२	४७	२६	मघा	१०	२०			बव	१७	५६	बालव			२८	५२	५	१३	१३५५	१६॥भा उः सिंघेंदु
						शु	१३	४६	२८	पूर्वा फा॰	१०	२०			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२८	५६	६	१४	१३५६	सिंघेंदु । उत्राफाल्गुणी समाप्तरात्रीका
						श	१४	४५	३०	उत्रा फा॰	४०	२०			गर	१५	६०	विणिज			२८	६०	७	१५	१३५७	३८ भाःउः कन्येंदु । ३ पग॰२ श्रंः छाः
बु	न	मं	गु	चं	बृ	र	१५	४४	३२	हस्त	४०	२०			वृष्टि	१५	०	बव			२९	३	८	१६	१५५८	कन्येंदु । पखी ६२

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ जुगकामास ४७ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास १० । वैशापवदी । लोकोत्रमास नाम । कुसम सभव । रविउत्रायणे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	४३	३४	चित्रा	४०	२०			वालव	४	२	कोलव			२९	७	९	१७	१३५९	५६॥ भा॰उः तुलेंदु
						मं	२	४२	३६	स्वाती	१०	२०			स्त्री लोचन	१३	४	गर			२९	११	१०	१८	१३६०	तुलेंदु
						बु	३	४१	३८	विशाषा	४०	२०			विणिज	१२	६	वृष्टी			२९	१५	११	१९	१३६१	तुलेंदु
						वृ	४	४०	४०	अनुराधा	४०	२०			वव	११	८	वालव			२९	१९	१२	२०	१३६२	८ भा॰उः वृश्चकेंदु
						शु	५	३९	४२	ज्येष्ठा	१०	२०			कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			२९	२३	१३	२१	१३६३	वृश्चकेंदु
						श	६	३८	४४	मूला	१०	२०			गर	९	१२	विणिज			२९	२७	१४	२२	१३६४	२६॥ भाःउः धनेंदु । ३ पग १ अंः छा
						र	७	३७	४६	पूर्वाषाढ़ा	१०	२०			वृष्टी	८	१४	वव			२९	३१	१५	२३	१३६५	धनेंदु
						चं	८	३६	४८	उत्राषाढ़ा	४०	२०	ऽभी	१९/५४	वालव	७	१६	कोलव			२९	३५	१६	२४	१३६६	४५ भा॰उः मकरेंदु । रेवती ऽर्के ३९ त:उ॰ अस्वनी ऽर्के १३ दिन २४ घः
						मं	९	३५	५०	श्रवण	५९	७			स्त्री लोचन	६	१८	गर			२९	३९	१७	२५	१३६७	मकरेंदु [नक्षत्रमास ५० । चन्द्रायन १००
						बु	१०	३४	५२	धनेष्ठा	५९	७			विणिज	५	२०	वृष्टि			२९	४३	१८	२६	१३६८	६३॥ भाः उः कुंभेंदु
						बृ	११	३३	५४	शत भि॰	२९	७			वव	४	२२	वालव			२९	४७	१९	२७	१३६९	कुंभेंदु
						शु	१२	३२	५६	पुर्वाभाद्र	२९	७			कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			२९	५१	२०	२८	१३७०	कुंभेंदु
						श	१३	३१	५८	उत्राभा॰	५९	७			गर	२	२६	विणिज			२९	५५	२१	२९	१३७१	१५ भाःउः मीनेंदु । हस्त समात रात्री के
						र	१४	३०	६०	रेवती	५९	७			वृष्टी	१	२८	शुकन	२९	३०	२९	५९	२२	३०	१३७२	मीनेंदु । उपगङ्गाः । सूर्यमास ४५ । चित्राः रात्री । पक्षी ६३
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	३०	०	अश्विनी	५९	७			चतुष्पद नाग	०/२९	३०/३२	किंस्तुघन	२९	३०	३०	२	२३	१	१३७३	३३॥ भाः उः मेखेंदु । मेखेऽर्के शंक्रांती

विक्रम सम्वत् १९७५ । लौकिक । वीरसम्वत् २४४५ । युगमास ४६ । सौम्य सम्वत्सर मास १ । चैत्र सुदी । लोकोत्तर मासनाम । वसंत । रवि उत्तरायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	पल	नक्षत्र	घड़ी	पल			करण	घड़ी	पल	करण			दिनमान	पल			तारीख	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ सम्प्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
गु	श	मं	गु	श	बु	र	१	५८	४	उत्तरा भाद्र	४०	२०			किंस्तुघ्न	२८	३४	बव			२८	८	२४	२	१३४४	मीनेतु
						सो	२	५७	६	रेवती	४०	२०			बालव	२७	३६	कौलव			२८	१२	२५	३	१३४५	मीनेतु । मलमासोऽयम्
						मं	३	५६	८	अश्विनी	४०	२०			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर			२८	१६	२६	४	१३४६	१२॥।ाः उः मेषेतु
						बु	४	५५	१०	भरणी	१०	२०			विणिज	२५	४०	विष्टि			२८	२०	२७	५	१३४७	मेषेतु
						बृ	५	५४	१२	कृत्तिका	१०	२०			बव	२४	४२	बालव			२८	२४	२८	६	१३४८	३१॥ाउः वृषेतु
						शु	६	५३	१४	रोहिणी	४०	२०			कौलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२८	२८	२९	७	१३४९	वृषेतु । ३ पः ३ धाः स्याः
						श	७	५२	१६	मृगशिरा	४०	२०			गर	२२	४६	विणिज			२८	३२	३०	८	१३५०	४६॥।ाउः मिथुनेतु । अनुमान ४५
						र	८	५१	१८	आर्द्रा	१०	२०			विष्टि	२१	४८	बव			२८	३६	१	९	१३५१	मिथुनेतु
						सो	९	५०	२०	पुनर्वसु	४०	२०			बालव	२०	५०	कौलव			२८	४०	२	१०	१३५२	मिथुनेतु । सम्प्रायन ११ उत्तरायणे
						मं	१०	४९	२२	पुष्य	४०	२०			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर			२८	४४	३	११	१३५३	१ आ उः कर्केतु । उत्तरा भाद्र १२ मास रेवती ऽके १३ ति० ४२ घड़ी
						बु	११	४८	२४	आश्लेषा	१०	२०			विणिज	१८	५४	विष्टि			२८	४८	४	१२	१३५४	कर्केतु
						बृ	१२	४७	२६	मघा	१०	२०			बव	१७	५६	बालव			२८	५२	५	१३	१३५५	१६॥।ाः उः सिंहेतु
						शु	१३	४६	२८	पूर्वा फा०	१०	२०			कौलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२८	५६	६	१४	१३५६	सिंहेतु । उत्तराफाल्गुनी [illegible]
						श	१४	४५	३०	उत्तरा फा०	४०	२०			गर	१५	६०	विणिज			२८	६०	७	१५	१३५७	३८ आाउः कन्येतु । ३ पा २ धाः स्याः
बु	श	मं	गु	चं	बु	र	१५	४४	३२	हस्त	४०	२०			विष्टि	१५	०	बव			२९	३	८	१६	१३५८	कन्येतु । पक्षी १२

विक्रम सम्वत् १६७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ जुगकामास ४७ । चौथे चन्द्र सम्वत्सकामास १० । वैशाषवदी । जोकोत्रमास नाम । कुलम संभव । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	४३	३४	चित्रा	४०	२०			वालव	४	२	कोलव			२६	७	६	१७	१३५६	५६॥ भा उः तुलेंदु
						मं	२	४२	३६	स्वाती	१०	२०			स्त्री लोचन	१३	४	गर			२६	११	१०	१८	१३६०	तुलेंदु
						बु	३	४१	३८	विशाषा	४०	२०			विणिज	१२	६	वृष्टी			२६	१५	११	१६	१३६१	तुलेंदु
						वृ	४	४०	४०	अनुराधा	४०	२०			वव	११	८	वालव			२६	१६	१२	२०	१३६२	८ भा.उः वृश्चकेंदु
						शु	५	३६	४२	ज्येष्ठा	१०	२०			कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			२६	२३	१३	२१	१३६३	वृश्चकेंदु
						श	६	३८	४४	मूला	१०	२०			गर	६	१२	विणिज			२६	२७	१४	२२	१३६४	२६॥ भाःउः धनेंदु । ३ पग १ अं' छा
						र	७	३७	४६	पूर्वाषाड़ा	१०	२०			वृष्टी	८	१४	वव			२६	३१	१५	२३	१३६५	धनेंदु
						चं	८	३६	४८	उत्राषाड़ा	४०	२०	श्री	१६/५४	वालव	७	१६	कोलव			२६	३५	१६	२४	१३६६	४५ भा.उः मकरेंदु । रेवती ऽर्कें ३६ घःउ' अस्वनी ऽकें १३ दिन २४ घः
						मं	९	३५	५०	श्रवण	५६	७			स्त्री लोचन	६	१८	गर			२६	३६	१७	२५	१३६७	मकरेंदु [नक्षत्रमास ५० । चन्द्रायन १००
						बु	१०	३४	५२	धनेष्ठा	५६	७			विणिज	५	२०	वृष्टि			२६	४३	१८	२६	१३६८	६३॥ भाः उः कुंभेंदु
						वृ	११	३३	५४	शत भि०	२६	७			वव	४	२२	वालव			२६	४७	१६	२७	१३६६	कुंभेंदु
						शु	१२	३२	५६	पुर्वभाद्र	२६	७			कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			२६	५१	२०	२८	१३७०	कुंभेंदु
						श	१३	३१	५८	उत्राभा०	५६	७			गर	२	२६	विणिज			२६	५५	२१	२६	१३७१	१५ भाःउः मीनेंदु । हस्त समाप्त रात्री के
						र	१४	३०	६०	रेवती	५६	७			वृष्टी	१	२८	शुकुन	२६	३०	२६	५६	२२	३०	१३७२	मीनेंदु । ३पगछाः । सूर्यमास ४५ । चित्राः रात्री । पखी ६३
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	३०	०	अश्विनी	५६	७			चतुष्पद नाग	०/२६	३०/३२	किस्तुघ्न	२६	३०	३०	२	२३	१	१३७३	३३॥ भाः उः मेखेंदु । मेखेऽर्के शंक्रांती

विक्रम सम्वत् १९७५ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चौथ चन्द्र सम्वत्सरकामास ६ । चैत्र शुदी । लोकोत्रमासनाम । वसंत । रवि उत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रि के	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकालमाष	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
शु	श	मं	गु	चं	बृ	र	१	५८	४	उत्रा भाद्र	४०	२०			किंस्तुघन	२८	३४	बव	२८	८	२४	२	१३४४	मीनेंदु
						चं	२	५७	६	रेवती	५०	२०			बालव	२७	३६	कोलव	२८	१२	२५	३	१३४५	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	५६	८	ऽश्विनी	४०	२०			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर	२८	१६	२६	४	१३४६	१२॥भः उः मेखेंदु
						बु	४	५५	१०	भरणी	१०	२०			विणिज	२५	४०	वृष्टि	२८	२०	२७	५	१३४७	मेखेंदु
						बृ	५	५४	१२	कृतका	१०	२०			बव	२४	४२	बालव	२८	२४	२८	६	१३४८	३१भा.उः वृखेंदु
						शु	६	५३	१४	रोहणी	४०	२०			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन	२८	२८	२९	७	१३४९	वृखेंदु । ३ पः ३ अंः छाः
						श	७	५२	१६	मृगसरा	४०	२०			गर	२२	४६	विणिज	२८	३२	३०	८	१३५०	४६॥भाःउः मिथुनेंदु । ऋतुमास ४५
						र	८	५१	१८	आद्रा	१०	२०			वृष्टि	२१	४८	बव	२८	३६	१	९	१३५१	मिथुनेंदु
						चं	९	५०	२०	पुनर्वसु	४०	२०			बालव	२०	५०	कोलव	२८	४०	२	१०	१३५२	मिथनेंदु । चन्द्रायन ६६ दक्षणायणे
						मं	१०	४९	२२	पुष्य	४०	२०			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर	२८	४४	३	११	१३५३	१ भाःउः फर्केंदु । उत्राः भाद्रः १२ घःउः रेवती ऽर्के १३ दिः ४२ गड़ी
						बु	११	४८	२४	अश्लेषा	१०	२०			विणिज	१८	५४	वृष्टि	२८	४८	४	१२	१३५४	फर्केंदु
						बृ	१२	४७	२६	मघा	१०	२०			बव	१७	५६	बालव	२८	५२	५	१३	१३५५	१६॥भाः उः सिंघेंदु
						शु	१३	४६	२८	पूर्वा फा०	२०	२०			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन	२८	५६	६	१४	१३५६	सिंघेंदु । उत्राफाल्गुणी समाप्तरात्रीका
						श	१४	४५	३०	उत्रा फा०	४०	२०			गर	१५	६०	विणिज	२८	६०	७	१५	१३५७	३८ भाःउः कन्येंदु । ३ पगः२ अंः छाः
शु	श	मं	गु	चं	बृ	र	१५	४४	३२	हस्त	४०	२०			वृष्टि	१५	०	बव	२९	३	८	१६	१५५८	कन्येंदु । पखी ६२

विक्रम सम्वत् १९७६ गां० वीर सम्वत् २४४५ । जुगमास ४८ । चौथे चन्द्रसम्वत्सरका मास ११ । ज्येष्ठवदी । लोकोत्तरमासनाम । निदाघ । [illegible]

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र चन्द्रमा	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिम	घड़ी	भाग ६०	करणशेष			दिनमानघड़ी	भाग ६०	चन्द्रमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण शेपोरसीछाया प्रमाण ४ ।
ग	म	शु	बु	बृ	र	गु	१	१४	३२	अनुराधा	५९	७			कौलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			३१	५	९	१७	१३८९	२९ भाः उः वृश्चकेंदु
						बृ	२	१३	३४	ज्येष्ठा	२१	७			गर	१३	३४	विणिज			३१	९	१०	१८	१३९०	वृश्चकेंदु
						शु	३	१२	३६	मूला	२१	७			वृष्टि	१२	३६	बव			३१	१३	११	१९	१३९१	४७॥ भा उः धनेंदु
						श	४	११	३८	पू षा०	२१	७			बालव	११	३८	कौलव			३१	१७	१२	२०	१३९२	धनेंदु
						र	५	१०	४०	उत्रा षा०	५९	७			स्त्रीलोचन	१०	४०	गर			३१	२१	१३	२१	१३९३	६६ भाःउः मकरेंदु
						चं	६	९	४२	ऽभीच	१७	६१			विणिज	९	४२	वृष्टि			३१	२५	१४	२२	१३९४	मकरेंदु । नक्षत्र मास ५१ । चन्द्रायन १०२ उत्रायणी । २ पः ९ अंश
						मं	७	८	४४	श्रवण	१७	६१			बव	८	४४	बालव			३१	२९	१५	२३	१३९५	मकरेंदु
						बु	८	७	४६	धनेष्ठा	१७	६१	रात	३०	कौलव	७	४६	स्त्रीलोचन			३१	३३	१६	२४	१३९६	१७॥ भाःउः कुंभेंदु
						बृ	९	६	४८	पूर्वाभा०	४७	६१			गर	६	४८	विणिज			३१	३७	१७	२५	१३९७	कुंभेंदु
						शु	१०	५	५०	उत्राभा०	६०	०			वृष्टि	५	५०	बव			३१	४१	१८	२६	१३९८	३६ भा उः मीनेंदु
						श	११	४	५२	उत्राभा०	१७	६१			बालव	४	५२	कौलव			३१	४५	१९	२७	१३९९	मीनेंदु
						र	१२	३	५४	रेवती	१७	६१			स्त्रीलोचन	३	५४	गर	२९	३२	३१	४९	२०	२८	१४००	५४॥ भाःउः मेखेंदु । कृतका ६ घ.उः रोहिणीऽके २० दिन ६ घड़ी
						चं	१३	२	५६	ऽश्विनि	१७	६१	भ	३०	विणिज	२	५६	वृष्टि	२९	३२	३१	५३	२१	२९	१४०१	मेखेंदु
						मं	१४	१	५८	कृतका	४७	६१			शकुन	१	५८	चतुस्पद			३१	५७	२२	३०	१४०२	मेखेंदु । स्वाती समाप्त रात्री का पखी १५
ग	म	शु	बु	बृ	र	गु	१५	०	६०	रोहिणी	६०	०			नाग किंस्तु०	०/२९	०/३१	बव			३२	०	२३	३१	१४०३	६ भाःउः वृखेंदु । सूर्य्य मास ४६ २ पग ८ अंश । विशाखा रात्री का

चौथे चन्द्र संवत्सरकामास १० । वैशाख शुदी । लोकोत्तरमासनाम । कुसमसंभव । रविउत्रायणो

विक्रम सम्वत् १६७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४७ ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र वर्ष के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढे १८भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
गु चं	बृ	र	शु	श	मं	१	२९	२	भरणी	२९	७			बव	२९	२	बालव			३०	६	२४	२	१३७४	मेखेंदु
					बु	२	२८	४	कृतका	२९	७			कोलव	२८	४	स्त्रीलोचन			३०	१०	२५	३	१३७५	५२ भाः उ' वृखेंदु । । चन्द्रदर्शनम्
					बृ	३	२७	६	रोहिणी	५९	७			गर	२७	६	विणिज			३०	१४	२६	४	१३७६	वृखेंदु
					शु	४	२६	८	मृगसिर	५९	७			वृष्टि	२६	८	बव			३०	१८	२७	५	१३७७	वृखेंदु
					श	५	२५	१०	आद्रा	२९	७			बालव	२५	१०	कोलव			३०	२२	२८	६	१३७८	३॥ भाःउः मिथुनेंदु
					र	६	२४	१२	पुनर्वसु	५९	७			स्त्रीलोचन	२४	१२	गर			३०	२६	२९	७	१३७९	मिथुनेंदु । अश्विनिऽर्के ६० घः पुर्णा । चन्द्रायन १०१ । २ पः ११अंगुला
					चं	७	२३	१४	पुष्य	५९	७			विणिज	२३	१४	वृष्टि			३०	३०	३०	८	१३८०	२२ भाःउ. कर्केंदु । भरणीऽर्के ६ दिन ४२ घ. ऋतुमास ४६
					मं	८	२२	१६	अश्लेषा	२९	७			बव	२२	१६	बालव			३०	३४	१	९	१३८१	कर्केंदु
					बु	९	२१	१८	मघा	२९	७			कोलव	२१	१८	स्त्रीलोचन			३०	३८	२	१०	१३८२	४०॥ भाःउः सिंघेंदु
					बृ	१०	२०	२०	पुः फाः	२९	७			गर	२०	२०	विणिज			३०	४२	३	११	१३८३	सिंघेंदु
					शु	११	१९	२२	उः फा	५९	७			वृष्टि	१९	२२	बव			३०	४६	४	१२	१३८४	५६ भाः उः कन्येंदु
					श	१२	१८	२४	हस्त	५९	७			बालव	१८	२४	कोलव			३०	५०	५	१३	१३८५	कन्येंदु
					र	१३	१७	२६	चित्रा	५९	७			स्त्रीलोचन	१७	२६	गर			३०	५४	६	१४	१३८६	कन्येंदु । भरणी ४२ घःउः कृतकाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
					चं	१४	१६	२८	स्वाती	२९	७			विणिज	१६	२८	वृष्टि			३०	५८	७	१५	१३८७	१०॥ भाःउः तुलेंदु । २ पग १० अंगुलाः । चित्रासमाप्त रात्री का । पखी १४
गु चं	बृ	र	शु	श	मं	१५	१५	३०	विशाखा	५९	७			बव	१५	३०	बालव			३१	१	८	१६	१३८८	तुलेन्दु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीका वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास४६ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास १२ । आषाढवदी । लोकोत्तरमासनाम। धंनविरोध । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण २ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	५५	३०	मूला	४७	६१			यालव	१५	६०	कोलव			३२	६०	८	१५	१४१८	वृश्चकेंदु । २पग६अंःछाः पोः
						शु	२	४४	३२	पूर्वाषाः	४७	६१			स्त्रीलोचन	१५	०	गर			३३	३	९	१६	१४१९	१॥भाःउःधनेंदु
						श	३	४३	३४	उत्रा षा०	६०	०			विणिज	१४	२	वृष्टि			३३	७	१०	१७	१४२०	धनेंदु । रोहिणी १२घःउःमृगसरऽर्के१३दिन२४घः
						र	४	४२	३६	उत्रा षा०	१७	६१	ऽभी	१६	यव	१३	४	यालव			३३	११	११	१८	१४२१	२०भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ५२ । चन्द्रायन १०४
						चं	५	४१	३८	श्रवण	३६	४८			कोलव	१२	६	स्त्रीलोचन			३३	१५	१२	१९	१४२२	मकरेंदु
						मं	६	४०	४०	धनेष्टा	३६	४८			गर	११	८	विणिज			३३	१९	१३	२०	१४२३	३८॥भाःउः कुंभेंदु
						बु	७	३९	४२	शतभिषा	६	४८			वृष्टि	१०	१०	यव			३३	२३	१४	२१	१४२४	कुंभेंदु । अनुराधा समासरात्रीका
						बृ	८	३८	४४	पूर्वा भा०	६	४८			यालव	९	१२	कोलव			३३	२७	१५	२२	१४२५	५७ भाः उः मीनेंदु । २पग५ अंः छाः पोरसी
						शु	९	३७	४६	उत्राभाद्र	३६	४८			स्त्रीलोचन	८	१४	गर			३३	३१	१६	२३	१४२६	मीनेंदु
						श	१०	३६	४८	रेवती	३६	४८			विणिज	७	१६	वृष्टि			३३	३५	१७	२४	१४२७	मीनेंदु
						र	११	३५	५०	ऽश्विनी	३६	४८			यव	६	१८	यालव			३३	३९	१८	२५	१४२८	८॥ भाः उः मेखेंदु
						चं	१२	३४	५२	भरणी	६	४८			कोलव	५	२०	स्त्रीलोचन			३३	४३	१९	२६	१४२९	मेखेंदु
						मं	१३	३३	५४	कृत्तिका	६	४८			गर	४	२२	विणिज			३३	४७	२०	२७	१४३०	२७ भाः उः वृखेंदु
						बु	१४	३२	५६	रोहिणी	३६	४८			वृष्टि	३	२४	शुकन			३३	५१	२१	२८	१४३१	वृखेंदु । पखी ६७
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	३१	५८	मृगसरा	३६	४८			चतुष्पद	२	२६	नाग			३३	५५	२२	२९	१४३२	४५॥ भाः उः मिथुनेंदु । ज्येष्टा समासरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४८ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ११ । ज्येष्ठशुदी । लोकोत्तरमासनाम । निदाह । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रकं	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा. ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्सो। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
•	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	'	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
र	शु	श	मं	शु	चं	बृ	२	५१	२	रोहिणी	१७	६१			वालव	२६	३२	कोलव			३२	४	२४	१	१४०४	वृखेंदु । वृखेभानु शैक्रांति । चन्द्रदर्शनम् । ग्रीषमऋतु
						शु	३	५८	४	मृगसरा	१७	६१	ऽद्रा	३०	स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			३२	८	२५	२	१४०५	२४॥ भाःउः मिथुनेंदु
						श	४	५७	६	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	२७	३६	वृष्टि			३२	१२	२६	३	१४०६	मिथुनेंदु
						र	५	५६	८	पुनर्वसु	१७	६१			वव	२६	३८	वालव			३२	१६	२७	४	१४०७	४३ भाःउः ककेंदु । चन्द्रायन १०३
						चं	६	५५	१०	पुष्य	१७	६१	ऽश्ले	३०	कोलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			३२	२०	२८	५	१४०८	ककेंदु
						मं	७	५४	१२	मघा	४७	६१			गर	२४	४२	विणिज			३२	२४	२९	६	१४०९	६१॥ भाःउः सिंघेंदु
						बु	८	५३	१४	पुर्वा फा०	४७	६१			वृष्टि	२३	४४	वव			३२	२८	३०	७	१४१०	सिंघेंदु । २ पः ७ श्रं छाः । ऋतुमास ४७
						बृ	९	५२	१६	उत्रा फा०	६०	०			वालव	२२	४६	कोलव			३२	३२	१	८	१४११	सिंघेंदु
						शु	१०	५१	१८	उत्रा फा०	१७	६१			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			३२	३६	२	९	१४१२	१३ भाःउः कन्येंदु
						श	११	५०	२०	हस्त	१७	६१			विणिज	२०	५०	वृष्टि			३२	४०	३	१०	१४१३	कन्येंदु
						र	१२	४९	२२	चित्रा	१७	६१	स्वा	३०	वव	१९	५२	वालव			३२	४४	४	११	१४१४	३१॥ भाःउः तुलेंदु
						चं	१३	४८	२४	विशाखा	६०	०			कोलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			३२	४८	५	१२	१४१५	तुलेंदु
						मं	१४	४७	२६	विशाखा	१७	६१			गर	१७	५६	विणिज			३२	५२	६	१३	१४१६	५० भाःउः वृश्चकेंदु
न	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	४६	२८	अनुराधा	१७	६१	ज्ये	३०	वृष्टि	१६	५८	वव			३२	५६	७	१४	१४१७	वृश्चकेंदु । विशाखां समाप्त रात्रीका । पखी ६६

विक्रम सम्वत् १९७६ लौकीक । वीर सम्वत् २४४५ । युगकामास ५० । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास १ । श्रावणवदी । लोकोत्तरमास नाम । अभिनंद । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम ६७ भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका		दिनमानघड़ी	भाग ६२	सू॰ नक्षत्र	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	१६	२८	उत्र.षाढ़ा	३६	४८	ऽभी	१९ ५४	कौलव	१६	२८	स्त्रीलोचन		३४	५८	८	१५	१४४८	४१ भ.उः मकरेंदु नक्षत्रमास ५३ । चन्द्रायन १०६ । मूला समाप्त रात्रीका
						र	२	१५	३०	श्रवण	५५	३५			गर	१५	३०	विणिज		३५	१	९	१६	१४४९	मकरेंदु । चन्द्र दर्शनम [२ पग २ अंः छाः पोः
						चं	३	१४	३२	धनेष्ठा	५५	३५			वृष्टि	१४	३२	वव		३५	५	१०	१७	१४५०	५६॥ भाःउः कुंभेंदु
						मं	४	१३	३४	शतभिषा	२५	३५			बालव	१३	३४	कौलव		३५	९	११	१८	१४५१	कुम्भेंदु
						बु	५	१२	३६	पूर्वा भा०	२५	३५			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर		३५	१३	१२	१९	१४५२	कुम्भेंदु
						बृ	६	११	३८	उत्रा भा०	५५	३५			विणिज	११	३८	वृष्टि		३५	१७	१३	२०	१४५३	११ भाः उः मीनेंदु
						शु	७	१०	४०	रेवती	५५	३५			वव	१०	४०	बालव		३५	२१	१४	२१	१४५४	मीनेंदु
						श	८	९	४२	ऽश्विनी	५५	३५			कौलव	९	४२	स्त्रीलोचन		३५	२५	१५	२२	१४५५	२६॥ भाः उः मेषेंदु । २ पग १ अंः छाः पोः
						र	९	८	४४	भरणी	२५	३५			गर	८	४४	विणिज		३५	२९	१६	२३	१४५६	मेषेंदु
						चं	१०	७	४६	कृतका	२५	३५			वृष्टि	७	४६	वव		३५	३३	१७	२४	१४५७	४८ भाःउः वृषेंदु
						मं	११	६	४८	रोहिणी	५५	३५			बालव	६	४८	कौलव		३५	३७	१८	२५	१४५८	वृषेंदु
						बु	१२	५	५०	मृगसरा	५५	३५			स्त्रीलोचन	५	५०	गर		३५	४१	१९	२६	१४५९	६६॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बृ	१३	४	५२	आर्द्रा	२५	३५			विणिज	४	५२	वृष्टि		३५	४५	२०	२७	१४६०	मिथुनेंदु । पुनर्वसु २४ घःउः पुष्यऽर्क १३ दिन २४ घड़ी
						शु	१४	३	५४	पुनर्वसु	५५	३५			शकुन	३	५४	चतुष्पद		३५	४९	२१	२८	१४६१	मिथुनेंदु । चन्द्रायन १०७ । पक्षी ११
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	२	५६	पुष्य	५५	३५			नाग	२	५६	किंस्तुघन		३५	५३	२२	२९	१४६२	१८ भाःउः कर्केंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास१२ । आषाढशुदी । लोकोत्तरमास नाम । वंनविरोध । रवि उत्रायण ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिवसे	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमानघ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ सादे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
मं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	३०	६०	आर्द्रा	६	४८			किस्तुघन	१	२९	वव	२१	२२	३३	५१	२३	३०	१४३३	मिथुनेंदु२५घ४अं छाःसुर्यमास४७मृगसर३६घःउऽद्राऽर्के६दि४२घ-मुलाराशि
						श	२	३०	०	पुनर्वसु	३६	४८			वाल्व कौ०	२९/३०	३१/३२	स्त्री लोचन			३४	२	२४	१	१४३४	६४भाःउ.कर्केंदु । मिथुनऽर्के शंक्रांति । चन्द्रदर्शनम
						र	३	२१	२	पुष्य	३६	४८			गर	२९	२	विणिज			३४	६	२५	२	१४३५	कर्केंदु । चन्द्रायन १०५ । दक्षणायणे
						चं	४	२८	४	अश्लेषा	६	४८			वृष्टि	२८	४	वव			३४	१०	२६	३	१४३६	कर्केंदु
						मं	५	२७	६	मघा	६	४८			वालव	२७	६	कौलव			३४	१४	२७	४	१४३७	१५॥भाःउः सिंघेदु
						बु	६	२६	८	पूर्वाफा०	६	४८			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			३४	१८	२८	५	१४३८	सिंघेदु
						बृ	७	२५	१०	उत्राफा०	३६	४८			विणिज	२५	१०	वृष्टि			३४	२२	२९	६	१४३९	३४भाःउः कन्येंदु
						शु	८	२४	१२	हस्त	३६	४८			वव	२४	१२	वालव			३४	२६	३०	७	१४४०	कन्येंदु।आद्राऽर्के१८घ उःपुनःऽर्के२०दि६घ २५ः३अंः ऋतुमास ४८
						श	९	२३	१४	चित्रा	३६	४८			कौलव	२३	१४	स्त्री लोचन			३४	३०	१	८	१४४१	५२॥भाःउः तुलेंदु
						र	१०	२२	१६	स्वाती	६	४८			गर	२२	१६	विणिज			३४	३४	२	९	१४४२	तुलेंदु
						चं	११	२१	१८	विशाखा	३६	४८			वृष्टि	२१	१८	वव			३४	३८	३	१०	१४४३	तुलेंदु
						मं	१२	२०	२०	अनुराधा	३६	४८			वालव	२०	२०	कौलव			३४	४२	४	११	१४४४	४ भाःउः वृश्चकंदु
						बु	१३	१९	२२	ज्येष्ठा	६	४८			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			३४	४६	५	१२	१४४५	वृश्चकेंदु
						बृ	१४	१८	२४	मूला	६	४८			विणिज	१८	२४	वृष्टि			३४	५०	६	१३	१४४६	२२॥भाःउ धनेंदु । पखी ६८
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	१७	२६	पूर्वा षा०	६	४८			वव	१७	२६	वालव			३४	५४	७	१४	१४४७	धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगलोमास ५१ । पांचमाप्रभिवर्धन चन्द्रसम्वत्सरकामास २ । भावद्रयावदी । लोकोत्तरमासकानाम । प्रति ष्ठित । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र केंद्र ६ भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	मलमास	क्षयमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	श	मं	शु	चं	पृ	र	१	५७	२६	श्रवण	१४	२२			बालव	१७	५६	कोलव			३५	६	७	१३	१४७७	मकरेंदु
						चं	२	४६	२८	धनेष्ठा	१४	२२	शत	३०	स्त्रीलोचन	१६	५८	गर			३५	५	८	१४	१४७८	१३॥ भा: उ: कुंभेंदु । उत्रापा:समाप्त रात्रीका
						मं	३	५५	३०	पूर्वाभाद्र	४४	२२			विणिज	१५	६०	वृष्टि			३५	१	९	१५	१४७९	कुंभेंदु । २ पग २ अं: छा: पो:
						बु	४	५४	३२	उत्राभाद्र	६०	०			बव	१५	०	बालव			३४	५८	१०	१६	१४८०	३२भा उ: मीनेंदु । ऽश्लेषा ३० घ:उ: मघा ऽर्के १२ दि: २४ घ:
						बृ	५	४३	३४	उत्रा भा:	१४	२२			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			३४	५४	११	१७	१४८१	मीनेंदु
						शु	६	४२	३६	रेवती	१४	२२			गर	१३	४	विणिज			३४	५०	१२	१८	१४८२	५०॥भा.उ: मेखेंदु
						श	७	४१	३८	ऽश्विनी	१४	२२	भ।	३०	वृष्टि	१२	६	बव			३४	४६	१३	१९	१४८३	मेखेंदु
						र	८	४०	४०	कृतका	४४	२२			बालव	११	८	कोलव			३४	४२	१४	२०	१४८४	मेखेंदु
						चं	९	३९	४२	रोहिनी	६०	०			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			३४	३८	१५	२१	१४८५	२भा:उ: वृखेंदु । अभिच समाप्त रात्रीका
						मं	१०	३८	४४	रोहिनी	१४	२२			विणिज	९	१२	वृष्टि			३४	३४	१६	२२	१४८६	वृखेंदु । २पग: ३अं:छा:
						बु	११	३७	४६	मृगसिरा	१४	२२	ऽद्रा	३०	बव	८	१४	बालव			३४	३०	१७	२३	१४८७	२०॥ भा:उ: मिथुनेंदु
						बृ	१२	३६	४८	पुनर्वसु	६०	०			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			३४	२६	१८	२४	१४८८	मिथुनेंदु । पजुसन १
						शु	१३	३५	५०	पुनर्वसु	१४	२२			गर	६	१८	विणिज			३४	२२	१९	२५	१४८९	३९भा:उ: कर्केंदु । चन्द्रायन १०९ दक्षिणायणे
						श	१४	३४	५२	पुष्य	१४	२२	ऽश्ले	३०	वृष्टि	५	२०	शकुन			३४	१८	२०	२६	१४९०	कर्केंदु । पक्षी १०१
बु	ग	मं	शु	चं	पृ	र	१५	३३	५४	मघा	४४	२२			चतुष्पद	४	२२	नाग			३४	१५	२१	२७	१४९१	५७॥भा:उ: सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ श्रोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ५० । पांचमाभिवर्धन सम्वत्सरका मास १ । श्रावणशुदी । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंद । रविदत्तियायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बु	र	१	१	५८	अश्लेषा	२५	३५			घव	१	५८	वालव	२९	३२	३५	५७	२३	३०	१४६३	कर्केंदु । पूर्वाषाढ़ा समाप्त रात्रीका । चन्द्रदर्शनम्
						चं	२	०	६०	मघा	२५	३५			कौलव स्त्री	० २९	६० ३१	गर	२९	३२	३६	०	२४	३१	१४६४	३६॥ भाःउः सिंघेंदु । सूर्यमास ४८ । २पग छायापोरसी । उत्राषाढ़ारात्री का
०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						मं	४	५९	२	पुर्वा फा०	२५	३५			विणिज	२९	३२	वृष्टि			३५	५७	२५	१	१४६५	सिंघेंदु कर्कऽर्के शंक्रांती । पावसऋतु । गर्जने की असभाई नहीं मुः रुद्र
						बु	५	५८	४	उत्रा फा०	५५	३५			वव	२८	३४	वालव			३५	५३	२६	२	१४६६	५५ भाः उः कन्येंदु
						बृ	६	५७	६	हस्त	५५	३५			कौलव	२७	३६	स्त्री लोचन			३५	४९	२७	३	१४६७	कन्येंदु
						शु	७	५६	८	चित्रा	५५	३५			गर	२६	३८	विणिज			३५	४५	२८	४	१४६८	कन्येंदु
						श	८	५५	१०	स्वाती	२५	३५			वृष्टि	२५	४०	वव			३५	४१	२९	५	१४६९	६॥ भाःउः तुलेंदु
						र	९	५४	१२	विशाषा	५५	३५			वालव	२४	४२	कौलव			३५	३७	३०	६	१४७०	तुलेंदु । ऋतुमास ४९
						चं	१०	५३	१४	अनुराधा	५५	३५			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			३५	३३	१	७	१४७१	२५ भाःउः वृश्चकेंदु । २ पग १ अंः छाः पोः
						मं	११	५२	१६	ज्येष्ठा०	२५	३५			विणिज	२२	४६	वृष्टि			३५	२९	२	८	१४७२	वृश्चकेंदु
						बु	१२	५१	१८	मूला	२५	३५			वव	२१	४८	वालव			३५	२५	३	९	१४७३	४३॥ भाः उः धनेंदु । पुष्पऽर्के ४८ घ उ. अश्लेषाऽर्कै ६ दिन ४२ घड़ी
						बृ	१३	५०	२०	पूर्वाषा०	२५	३५			कौलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			३५	२१	४	१०	१४७४	धनेंदु
						शु	१४	४९	२२	उत्रा षा०	५५	३५			गर	१९	५२	विणिज			३५	१७	५	११	१४७५	६२ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्र मास ५४ । चन्द्रायन १०८
मं	श	चं	बृ	र	बु	श	१५	४८	२४	ऽभीच	१५	२२			वृष्टि	१८	५४	वव			३५	१३	६	१२	१४७६	मकरेंदु । पक्षी १००

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ५२ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ३ । आसोजवदी । लोकोत्तरमासनाम । विजय । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	१८	२४	पूर्वा भा०	३	६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			३३	११	७	१३	१५०७	५३भाःउः मीनेंदु । पुः फाः १८ घः उः उत्रा फाः ऽर्के २० दिः ६ घः
						बु	२	१७	२६	उत्रा भा०	३३	६			गर	१७	२६	विणिज			३३	७	८	१४	१५०८	मीनेंदु
						बृ	३	१६	२८	रेवती	३३	६			बृष्टि	१६	२८	बव			३३	३	९	१५	१५०९	मीनेंदु । २ प ६ अंः छाः । घनेष्टसमाप्त रात्रीका
						शु	४	१५	३०	अश्विनी	३३	६			बालव	१५	३०	कोलव			३२	६०	१०	१६	१५१०	४॥ भाःउः मेखेंदु
						श	५	१४	३२	भरणी	३	६			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			३२	५६	११	१७	१५११	मेखेंदु
						र	६	१३	३४	कृतका	३	६			विणिज	१३	३४	बृष्टि			३२	५२	१२	१८	१५१२	२३भाःउः बृखेंदु
						चं	७	१२	३६	रोहिणी	३३	६			बव	१२	३६	बालव			३२	४८	१३	१९	१५१३	बृखेंदु
						मं	८	११	३८	मृगसरा	३३	६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			३२	४४	१४	२०	१५१४	४१॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बु	९	१०	४०	आद्रा	३	६			गर	१०	४०	विणिज			३२	४०	१५	२१	१५१५	मिथुनेंदु
						बृ	१०	९	४२	पुनर्वसु	३३	६			बृष्टि	९	४२	बव			३२	३६	१६	२२	१५१६	६० भाःउः कर्केंदु । सतभिषा समाप्तरात्रीका
						शु	११	८	४४	पुष्य	३३	६			बालव	८	४४	कोलव			३२	३२	१७	२३	१५१७	कर्केंदु । २ पः ७ अंः छाः । चन्द्रायन १११
						श	१२	७	४६	अश्लेषा	३	६			स्त्रीलोचन	७	४६	गर			३२	२८	१८	२४	१५१८	कर्केंदु
						र	१३	६	४८	मघा	३	६			विणिज	६	४८	बृष्टि			३२	२४	१९	२५	१५१९	११॥ भाःउः सिंघेंदु
						चं	१४	५	५०	पूर्वा फा०	३	६			शुकन	५	५०	चतुष्पद			३२	२०	२०	२६	१५२०	सिंघेदु । पखी १०३
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	४	५२	उत्रा फा०	३३	६			नाग	४	५२	किस्तुघन			३२	१६	२१	२७	१५२१	३०॥ भाःउः कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लौकीक। वीर सम्वत् २४४५ । जुगमामास ५१ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास २ । भाद्रवाशुदि । लोकोत्तरमास नाम । प्रतिष्ठित । रविदत्तणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से | सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
बृ	र	बु	श	मं	गु	चं	१	३२	५६	पुर्वा फाः	४४	२२			क्रिस्तुघन	३	२४	वव			३४	१०	२२	२८	१४९२	सिंघेदु [चन्द्रदर्शनम्
						मं	२	३१	५८	उत्रा फा	६०	०			वालव	२	२६	कोलव			३४	६	२३	२९	१४९३	सिंघेंदु । मघा ५४ घः उः पूर्वा फाः ऽर्के१३दिन२५घड़ी श्रवण रात्रीका
						बु	३	३०	६०	उत्रा फा	१४	२२			स्त्रीलोचन	१	२८	गर			३४	२	२४	३०	१४९४	९भाःउः कन्येंदु । सुर्यमास ४९ । धनेष्टा । रात्रीका २ पग ४ अंः छाः पोः
						बृ	४	३०	०	हस्त	१४	२२			विनिज वृष्टि	[illegible]	[illegible]	वव			३३	५९	२५	१	१४९५	कन्येंदु । सिंघंऽर्के शंक्रांती सम्वत्सरी
						शु	५	२९	२	चित्रा	१४	२२	स्वा	३०	वालव	२९	२	कोलव			३३	५५	२६	२	१४९६	२७॥भाःउः तुलेंदु
						श	६	२८	४	विशाखा	६०	०			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			३३	५१	२७	३	१४९७	तुलेंदु
						र	७	२७	६	विशाखा	१४	२२			विणिज	२७	६	वृष्टि			३३	४७	२८	४	१४९८	४६भाःउ वृश्चकेंदु
						चं	८	२६	८	अनुराधा	१४	२२	ज्ये	३०	वव	२६	८	वालव			३३	४३	२९	५	१४९९	वृश्चकेंदु
						मं	९	२५	१०	मूला	४४	२२			कोलव	२५	१०	स्त्रीलोचन			३३	३९	३०	६	१५००	६४॥भाःउः धनेंदु । ऋतुमास ५०
						बु	१०	२४	१२	पूर्वाषा०	४४	२२			गर	२४	१२	विणिज			३३	३५	१	७	१५०१	धनदु । २ पः ५ अंः छाया पोः
						बृ	११	२३	१४	उत्राषाढ़ा	६०	०			वृष्टि	२३	१४	वव			३३	३१	२	८	१५०२	धनेंदु
						शु	१२	२२	१६	उत्राषाढ़ा	१४	२२	श्र	१८/६४	वालव	२२	१६	कोलव			३३	२७	३	९	१५०३	१६भाःउ मकरेंदु । नक्षत्रमास ५५ । चन्द्रायन ११० उत्रायणे
						श	१३	२१	१८	श्रवण	३३	६			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			३३	२३	४	१०	१५०४	मकरेंदु
						र	१४	२०	२०	धनेष्टा	३३	६			विणिज	२०	२०	वृष्टि			३३	१९	५	११	१५०५	३४॥भा उः कुंभेंदु । पखी १०२
बृ	र	बु	श	मं	गु	चं	१५	१९	२२	शतभिषा	३	६			वव	१९	२२	वालव			३३	१५	६	१२	१५०६	कुंभेंदु ।

विक्रम सम्वत् १९७६ लो० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ५३ । पांचमा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ४ । कार्तिकवदी । लोकोत्रमासनाम । प्रतिवर्धन । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र -	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधनतत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३ पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	४६	२२	रेवती	५१	६३			वालव	१६	५२	कोलव			३१	१७	६	११	१५३६	मीनेंदु
						बृ	२	४८	२४	ऽश्विनि	५१	६३			स्त्रीलोचन	१८	५४	गर			३१	१३	७	१२	१५३७	२५॥भाःउः मेखेंदु
						शु	३	४७	२६	भरणी	२१	६३			विणिज	१७	५६	वृष्टि			३१	९	८	१३	१५३८	मेखेंदु
						श	४	४६	२८	कृतका	२१	६३			वव	१६	५८	वालव			३१	५	९	१४	१५३९	४४ भाःउः घृखेंदु । उत्राभाद्रपदा समास रात्री फा
						र	५	४५	३०	रोहिणी	५१	६३			कोलव	१५	६०	स्त्रीलोचन			३१	१	१०	१५	१५४०	वृखेंदु । हस्त ४८घःउ । चित्राऽर्के १३दिन२४घः। २ पग१० अंःछाः पोः
						चं	६	४४	३२	मृगसिरा	५१	६३			गर	१५	०	विणिज			३०	५८	११	१६	१५४१	६२॥भाःउःमिथुनेंदु
						मं	७	४३	३४	आद्रा	२१	६३			वृष्टि	१४	२	वव			३०	५४	१२	१७	१५४२	मिथुनेंदु
						बु	८	४२	३६	पुनर्वसु	५१	६३			वालव	१३	४	कोलव			३०	५०	१३	१८	१५४३	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ११३
						बृ	९	४१	३८	पुष्प	५१	६३			स्त्रीलोचन	१२	६	गर			३०	४६	१४	१९	१५४४	१४भाःउःकर्केंदु
						शु	१०	४०	४०	अश्लेषा	२१	६३			विणिज	११	८	वृष्टि			३०	४२	१५	२०	१५४५	कर्केंदु
						श	११	३९	४२	मघा	२१	६३			वव	१०	१०	वालव			३०	३८	१६	२१	१५४६	३२॥भाःउः सिंघेंदु
						र	१२	३८	४४	पुः फाः	२१	६३			कोलव	९	१२	स्त्रीलोचन			३०	३४	१७	२२	१५४७	सिंघेंदु । २ पः ११अंःछाः
						चं	१३	३७	४६	उः फाः	५१	६३			गर	८	१४	विणिज			३०	३०	१८	२३	१५४८	५१भाःउःकन्येंदु
						मं	१४	३६	४८	हस्त	५१	६३			वृष्टि	७	१६	सुकन			३०	२६	१९	२४	१५४९	कन्येंदु । पखी १०५
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	३५	५०	चित्रा	५१	६३			चतुष्पद	६	१८	नाग			३०	२२	२०	२५	१५५०	कन्येंदु

निक्रम सम्वत् १९७६ लो० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ५२ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ३ । आसौजशुदी । लोकोत्रमास नाम । विजय । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	सूर्यमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	म	गु	चं	बृ	र	बु	१	३	५४	हस्त	३३	६			वव	३	५४	बालव			३२	१२	२२	२८	१५२२	कन्येंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	२	५६	चित्रा	३३	६			कौलव	२	५६	स्त्रीलोचन			३२	८	२३	२९	१५२३	४८ भा उः तुलेंदु
						शु	३	१	५८	स्वाती	३	६			गर	१	५८	विणिज			३२	४	२४	३०	१५२४	तुलेंदु । पूर्वाभाद्रपद समाप्त रात्रीका
						श	४	०	६०	विशाखा	३३	६			वृष्टि वव	० / २९	६० / ३२	बालव	२९	३५	३२	०	२५	३१	१५२५	तुलेंदु सूर्यमास ५० उत्राभाद्रपद रात्रीका २पग ८ अंः छाया पोः
०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०
						र	६	५६	२	अनुराधा	३३	६			कौलव	२९	३७	स्त्रीलोचन			३१	५७	२६	१	१५२६	वृश्चकेंदु । कन्याऽर्के शंक्रांती वर्षाऋतु
						चं	७	५८	४	ज्येष्ठा	३	६			गर	२८	३४	विणिज			३१	५३	२७	२	१५२७	वृश्चकेंदु । उत्रा फा० २४ घः उः हस्तार्के १३ दि २४ घड़ी
						मं	८	५७	६	मूला	३	६			वृष्टी	२७	३६	वव			३१	४९	२८	३	१५२८	१८॥भाः उ धनेंदु
						बु	९	५६	८	पूर्वा षा०	३	६			बालव	२६	३८	कौलव			३१	४५	२९	४	१५२९	धनेंदु
						बृ	१०	५५	१०	उत्रा षा०	३३	६	अभी	१६ / ५४	स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			३१	४१	३०	५	१५३०	३७ भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन ११२ । नक्षत्र मास ५६ । ऋतुमास ५१
						शु	११	५४	१२	श्रवण	५१	६३			विणिज	२४	४२	वृष्टि			३१	३७	१	६	१५३१	मकरेंदु
						श	१२	५३	१४	धनेष्ठा	५१	६३			वव	२३	४४	बालव			३१	३३	२	७	१५३२	५५॥ भाःउः कुंभेंदु । २ पग ६ अ० छाया पोः
						र	१३	५२	१६	शतभिषा	२१	६३			कौलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			३१	२९	३	८	१५३३	कुंभेंदु
						चं	१४	५१	१८	पूर्वा भा०	२१	६३			गर	२१	४८	विणिज			३१	२५	४	९	१५३४	कुंभेंदु
गु	मं	बृ	र	बु	श	मं	१५	५०	२०	उत्रा भा०	५१	६३			वृष्टि	२०	५०	वव			३१	२१	५	१०	१५३५	७ भा.उः मीनेंदु पखी १०४,

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्रं	घड़ा	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादि के	घड़ी	भाग ६०	करणादी के	दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमासमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फ... प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	२०	२०	रुतका	४०	५०			कोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन	२९	१९	६	११	१५६६	६५ भाःउ· वृखेंदु
						श	२	१९	२२	रोहणी	६०	०			गर	१९	२२	विणिज	२९	१५	७	१२	१५६७	वृखेंदु
						र	३	१८	२४	रोहिणी	१०	५०			वृष्टि	१८	२४	बव	२९	११	८	१३	१५६८	वृखेंदु
						चं	४	१७	२६	मृगसरा	१०	५०	ऽद्रा	३०	वालव	१७	२६	कोलव	२९	७	९	१४	१५६९	१६॥भाःउः मिथनेंदु
						मं	५	१६	२८	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर	२९	३	१०	१५	१५७०	मिथनेंदु । अश्विनी समास रात्रीका ३ पग २ अं:छाः पोः
						बु	६	१५	३०	नर्वसु	१०	५०			विणिज	१५	३०	वृष्टि	२८	६०	११	१६	१५७१	३५भा उः फर्केंदु चन्द्रायन ११५
						वृ	७	१४	३२	पुष्य	१०	५०	ऽश्ले	३०	बव	१४	३२	वालव	२८	५६	१२	१७	१५७२	कर्केंदु
						शु	८	१३	३४	मघा	४०	५०			कोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन	२८	५२	१३	१८	१५७३	४०॥ भाःउः सिंघेंदु
						श	९	१२	३६	पूर्वा फा०	४०	५०			गर	१२	३६	विणिज	२८	४८	१४	१९	१५७४	सिंघदु
						र	१०	११	३८	उत्रा फा०	६०	०			वृष्टि	११	३८	बव	२८	४४	१५	२०	१५७५	सिंघेंदु
						चं	११	१०	४०	उत्रा फा०	१०	५०			वालव	१०	४०	कोलव	२८	४०	१६	२१	१५७६	५ भाःउ. कन्येंदु
						मं	१२	९	४२	हस्त	१०	५०			स्त्रीलोचन	९	४२	गर	२८	३६	१७	२२	१५७७	कन्येंदु
						बु	१३	८	४४	चित्रा	१०	५०	स्वा	३०	विणिज	८	४४	वृष्टि	२८	३२	१८	२३	१५७८	२३॥तुलेंदु । ३पगः २ अंः छाः पोः
						वृ	१४	७	४६	विशाषा	६०	०			शुकन	७	४६	चतुष्पद	२८	२८	१९	२४	१५७९	तुलेंदु।पखी१०७
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१५	६	४८	विशाषा	१०	५०			नाग	६	४८	किस्तुघन	२८	२४	२०	२५	१५८०	४२ भाःउः वृश्चकेंदु । विशाषा ऽकें ६०घड़ी पुंर्ण

कार्तिक शुदी । लोकोत्तरमासनाम । प्रतिवर्धन । रविदक्षिणायणे

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५३ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ४ । कार्तिक शुदी । लोकोत्तरमासनाम । प्रतिवर्धन । रविदक्षिणायणे

चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १
चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	
बु	न	मं	शु	चं	बृ	१	३४	५२	स्वाती	२१	६३			किस्तुघन	५	२०	बव			३०	१८	२१	२६	१५५१	२॥ भा.उः तुलेंदु
					शु	२	३३	५४	विशाखा	५१	६३			बालव	४	२२	कोलव			३०	१४	२२	२७	१५५२	तुलेन्दु
					श	३	३२	५६	अनुराधा	५१	६३			स्त्रीलोचन	३	२४	गर			३०	१०	२३	२८	१५५३	२१ भाः उः वृश्चकेंदु
					र	४	३१	५८	ज्येष्ठ	२१	६३			विणिज	२	२६	वृष्टि			३०	६	२४	२९	१५५४	वृश्चकेंदु । चित्रा१२घःउःस्वातीऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी । रेवती रात्री का
					चं	५	३०	६०	मूला	२१	६३			बव	१	२८	बालव			३०	२	२५	३०	१५५५	३६॥ भा उः धनेंदु । सूर्यमास ५१ अश्विनी । रात्रीका । ३ पः छाः
					म	६	३०	०	पू षा०	२१	६३			कोलवस्त्री०	२९ ०	३२ ३०	गर			२९	५९	२६	१	१५५६	धनेंदु । तुलाऽर्के शंक्रांती
					बु	७	२१	२	उत्रा षा०	५१	६३			विणिज	२१	२	वृष्टि			२९	५५	२७	२	१५५७	५८ भाः उः मकरेंदु
					बृ	८	२८	४	ऽभीच	१०	५०			बव	२८	४	बालव			२९	५१	२८	३	१५५८	मकरेंदु । नक्षत्र मास ५७ । चन्द्रायन ११४ उत्रायणे
					शु	९	२७	६	श्रवण	१०	५०			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			२९	४७	२९	४	१५५९	मकरेंदु
					श	१०	२६	८	धनेष्ठा	१०	५०	सत	३०	गर	२६	८	विणिज			२९	४३	३०	५	१५६०	९॥भा उः कुंभेंदु । स्वाति५४घःउ विशाखाऽर्के२०दिः६घः । ऋतुमास ५२
					र	११	२५	१०	पूर्वाभा०	४०	५०			वृष्टि	२५	१०	बव			२९	३९	१	६	१५६१	कुंभेंदु
					चं	१२	२४	१२	उत्राभा०	६०	०			बालव	२४	१२	कोलव			२९	३५	२	७	१५६२	२८भाःउःमीनेंदु । ३ पग १अंः छाया पोः
					म	१३	२३	१४	उत्राभा०	१०	५०			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			२९	३१	३	८	१५६३	मीनेंदु
					बु	१४	२२	१६	रेवती	१०	५०			विणिज	२२	१६	वृष्टि			२९	२७	४	९	१५६४	४६॥भाःउः मेखेंदु । पखी १०६
र बु	न	मं	शु	चं	बृ	१५	२१	१८	अश्विनी	१०	५०	भर	३०	बव	२१	१८	बालव			२९	२३	५	१०	१५६५	मेखेंदु

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीका प्रमाण ४।
म	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	५१	१८	रोहिणी	२९	३७			वालव	२१	४८	कोलव			२७	२५	५	९	१५९५	बृखेंदु
						र	२	५०	२०	मृगसरा	२९	३६	द्रा	३०	स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			२७	२१	६	१०	१५९६	३७॥भाः३ मिथुनेंदु
						चं	३	४९	२२	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	१९	५२	वृष्टि			२७	१७	७	११	१५९७	मिथुनेंदु
						म	४	४८	२४	पुनर्वसु	२९	३७			वव	१८	५४	वालव			२७	१३	८	१२	१५९८	५६ भा उः कर्केंदु । चन्द्रायन ११७
						बु	५	४७	२६	पुष्प	२९	३७	श्ले	३०	कालव	१७	५६	स्त्रीलोचन			२७	९	९	१३	१५९९	कर्कैंदु
						बृ	६	४६	२८	मघा	५९	३७			गर	१६	५८	विणिज			२७	५	१०	१४	१६००	कर्कैंदु । कृतका समाप्तरात्रीका
						शु	७	४५	३०	पूर्वाफा०	५९	३७			वृष्टि	१५	६०	वव			२७	१	११	१५	१६०१	७॥ भा॰उः सिंघदु । ज्येष्ठा ६ घ उः मुलाऽर्के १३ दिः २४ घः ३पः ६ श्रंः ।
						श	८	४४	३२	उत्राफा०	६०	०			वालव	१५	०	कोलव			२६	५८	१२	१६	१६०२	सिंघदु [रोहिणी रात्री का लगा
						र	९	४३	३४	उत्राफा०	२९	३७			स्त्रीलोचन	१४	२	गर			२६	५४	१३	१७	१६०३	२६ भा.उ कन्येंदु
						च	१०	४२	३६	हस्त	२९	३७			विणिज	१३	४	वृष्टि			२६	५०	१४	१८	१६०४	कन्येंदु
						म	११	४१	३८	चित्रा	२९	३७	स्वा	३०	वव	१२	६	वालव			२६	४६	१५	१९	१६०५	४४॥ भाःउ॰ तुलेंदु
						बु	१२	४०	४०	विशापा	६०	०			कोलव	११	८	स्त्रीलोचन			२६	४२	१६	२०	१६०६	तुलेंदु
						बृ	१३	३९	४२	विशापा	२९	३७			गर	१०	१०	विणिज			२६	३८	१७	२१	१६०७	६३ भा.उ. वृश्चकेंदु
						शु	१४	३८	४४	अनुराधा	२९	३७	ज्ये	३०	वृष्टि	९	१२	शुकन			२६	३४	१८	२२	१६०८	वृश्चकेंदु । पखी १०९ । ३ प ७ श्रंः ञाः पोः
म	शु	च	बृ	र	बु	श	१५	३७	४६	मूला	५९	३७			चतुष्पद	८	१४	नाग			२६	३०	१९	२३	१६०९	वृश्चकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४६ जुगकामास ५४ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सकामास ५ । मृगसर शुदी । लोकोत्रमास नाम । श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
मं	शु	बु	बृ	र	शु	श	१	५	५०	अनुराधा	१०	५०	ज्यै	३०	वव	५	५०	वालव			२८	२०	२१	२६	१५८१	वृश्चकेंदु । ऽनुराधा ऽर्के १३ दि २४ घः । चन्द्रदर्शनम्
						र	२	६	५२	मूला	४०	५०			कोलव	४	५२	स्त्री लोचन			२८	१६	२२	२७	१५८२	६०॥भाःउ धनेंदु
						च	३	३	५४	पूर्वाषाड़ा	४०	५०			गर	३	५४	विणिज			२८	१२	२३	२८	१५८३	धनेंदु
						मं	४	२	५६	उत्राषाड़ा	६०	०			वृष्टी	२	५६	वव			२८	८	२४	२९	१५८४	धनेंदु
						बु	५	१	५८	उत्राषाड़ा	१०	५०	श्र	[illegible]	वालव	१	५८	कोलव			२८	४	२५	३०	१५८५	१२भाःउःमकरेंदुनक्षत्रमास५८।चन्द्रायन११६उत्रायणे भरणी समाप्तरात्रीका
						बृ	६	०	६०	श्रवण	२६	३७			स्त्रीलो० गर	० २६	६० ३२	विणिज	२६	३२	२७	०	२६	३१	१५८६	मकरेंदु । सूर्यमास ५२ कृतका रात्रीका ३ पः ५ श्रंः छाया पोः
०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						गु	८	५१	२	धनिष्ठा	२६	३७	सत	३०	वृष्टि	२६	३२	वव			२७	५७	२७	१	१५८७	२०॥भा उः कुभेंदु वृश्चकेंभानु शंक्रांती।सरदऋतु।गरजनेकी ऽसाभा इलगी
						श	९	५८	४	पुर्वा भाद्र	५९	३७			वालव	२८	३४	कोलव			२७	५३	२८	२	१५८८	कुभेंदु
						र	१०	५७	६	उत्राभा०	६०	०			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			२७	४९	२९	३	१५८९	४६ भा उः मीनेंदु
						चं	११	५६	८	उत्रा भा०	२६	३७			विणिज	२६	३८	वृष्टी			२७	४५	३०	४	१५९०	मीनेंदु ऋतुमास५३
						मं	१२	५५	१०	रेवती	२६	३७			वव	२५	४०	वालव			२७	४१	१	५	१५९१	मीनेंदु
						बु	१३	५४	१२	अश्विनी	२६	३७	भर	३०	कोलव	२४	४२	स्त्री लोचन			२७	३७	२	६	१५९२	॥भाः उ मेखेंदु
						बृ	१४	५३	१५	कृक्ता	५६	३७			गर	२३	४४	विणिज			२७	३३	३	७	१५९३	मेखेंदु ३ प ५ श्रंः छाः पोः
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	५२	१६	रोहिणी	६०	०			वृष्टी	२२	४६	वव			२७	२९	४	८	१५९४	११ भा उः वृषेंदु । पक्षी १०८।अनुराधा२४घ॰उः जेष्टा ऽर्के६दिन २४घड़ी

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफलें ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	२२	१६	पुनर्वसु	४८	२४			कोलव	२२	१६	स्त्रीलोचन	२५	२७	५	६	१६२५	मिथुनेंदु चन्द्रायन ११६
						मं	२	२१	१८	पुष्य	४८	२४			गर	२१	१८	विणिज	२५	२३	६	१०	१६२६	१० भाःउः फर्केंदु
						बु	३	२०	२०	अश्लेषा	१८	२४			वृष्टि	२०	२०	बव	२५	१६	७	११	१६२७	कर्केंदु । पूर्वाषाढ़ा ५४ घःउः । उत्राषाढ़ाऽर्के २० दिः ६घड़ी
						बृ	४	१६	२२	मघा	१८	२४			वालव	१६	२२	कोलव	२५	१५	८	१२	१६२८	२८॥ भाः उः सिंघेंदु
						शु	५	१८	२४	पूर्वा फा०	१८	२४			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर	२५	११	६	१३	१६२६	सिंघेंदु
						श	६	१७	२६	उत्रा फा०	४८	२४			विणिज	१७	२६	वृष्टि	२५	७	१०	१४	१६३०	४७ भाः उः कन्येंदु
						र	७	१६	२८	हस्त	४८	२४			बव	१६	२८	वालव	२५	३	११	१५	१६३१	कन्येंदु मृगसिरा समास रात्रीका । ३ पग १० अंः छाः
						चं	८	१५	३०	चित्रा	४८	२४			कोलव	१५	३०	स्त्रीलोचन	२४	६०	१२	१६	१६३२	६५॥ भाःउः तुलेंदु
						मं	६	१४	३२	स्वाती	१८	२४			गर	१४	३२	विणिज	२४	५६	१३	१७	१६३३	तुलेंदु
						बु	१०	१३	३४	विशाषा	४८	२४			वृष्टि	१३	३४	बव	२४	५२	१४	१८	१६३४	तुलेंदु
						बृ	११	१२	३६	अनुराधा	४८	२४			वालव	१२	३६	कोलव	२४	४८	१५	१६	१६३५	१७ भाःउः वृश्चकेंदु
						शु	१२	११	३८	ज्येष्ठा०	१८	२४			स्त्रीलोचन	११	३८	गर	२४	४४	१६	२०	१६३६	वृश्चकेंदु
						श	१३	१०	४०	मूला	१८	२४			विणिज	१०	४०	वृष्टि	२५	४०	१७	२१	१६३७	३५॥ भाःउः धनेंदु
						र	१४	६	४२	पूर्वाषा०	१८	२४			शुकन	६	४२	चतुष्पद	२४	३६	१८	२२	१६३८	धनेंदु आर्द्रा समासरात्रीका ३पग ११ अंः छाः पखी १११
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	८	४४	उत्रा षा०	४८	२४			नाग	८	४४	किस्तुघन	२४	३२	१६	२३	१६३६	५४ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्र मास ६० चन्द्रायन १२०

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५५ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ६ । पौष शुदी । लोकोत्तरमास नाम । शिव । रविदत्तिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नंबर के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६१	सूर्य मास	चंद्र मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
गु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	३६	५८	पूर्वा पा०	५१	३७			किस्तुघ्न	७	१६	बव			२६	२६	२०	२४	१६१०	१४॥ भाःउः धनेंदु
						चं	२	३४	५०	उत्रा पा०	६०	०			बालव	६	१८	कोलव			२६	२२	२१	२५	१६११	धनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	३४	५२	उत्राषाढ़ा	२६	३७	ऽभी	५५/६४	स्त्रीलोचन	५	२०	गर			२६	१८	२२	२६	१६१२	३३ भा.उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ५६ । चन्द्रायन ११८ उत्रायणे
						बु	४	३३	५४	श्रवण	५८	२४			विणिज	४	२२	वृष्टि			२६	१४	२३	२७	१६१३	मकरेंदु
						बृ	५	३२	५६	धनेष्ठा	४८	२४			बव	३	२४	बालव			२६	१०	२४	२८	१६१४	५१॥भाःउः कुंभेंदु । मुला ३० उः पुर्वाषाडाऽके १३ दिः२४ घड़ी
						शु	६	३१	५८	सतभिषा	१८	२४			कोलव	२	२६	स्त्री लोचन			२६	६	२५	२९	१६१५	कुंभेंदु । रोहिणी समाप्त रात्री का
						श	७	३०	६०	पूर्वा भा०	१८	२४			गर	१	२८	विणिज			२६	२	२६	३०	१६१६	कुंभेंदु । सूर्यमास ५३ मृगसरा रात्री का ३ पगः ८ अंःछायाः
						र	८	३०	०	उत्राभाद्र	४८	२४			वृष्टि बव	०/२६	३०/३२	बालव			२५	५६	२७	१	१६१७	३ भाः उ॰ मीनेंदु । धनऽके संक्रांति
						चं	९	२९	२	रेवती	४८	२४			कोलव	२९	२	स्त्री लोचन			२५	५५	२८	२	१६१८	मीनेंदु
						मं	१०	२८	४	ऽश्विनी	४८	२४			गर	२८	४	विणिज			२५	५१	२९	३	१६१९	२१॥ भाः उः मेखेंदु
						बु	११	२७	६	भरणी	१८	२४			वृष्टि	२७	६	बव			२५	४७	३०	६	१६२०	मेखेंदु । ऋतुमास ५४
						बृ	१२	२६	८	कृतिका	१८	२४			बालव	२६	८	कोलव			२५	४३	१	५	१६२१	४० भाः उः बृखेंदु
						शु	१३	२५	१०	रोहिणी	४८	२४			स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			२५	३९	२	६	१६२२	बृखेंदु
						श	१४	२४	१२	मृगसरा	४८	२४			विणिज	२४	१२	वृष्टि			२५	३५	३	७	१६२३	५८॥ भाःउः मिथुनेंदु । पखी ११०
गु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	२३	१४	आद्रा	१८	२४			बव	२३	१५	बालव			२५	३१	४	८	१६२४	मिथुनेंदु । ३ पग १ अंछा

विक्रम सम्वत् १६७६ लोंकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५७ । पांचमाअभिवर्धन मम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुणवदी । लोकोत्तरमासकानाम । हेमंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	५३	१४	पुष्प	७	११	श्ले	३०	बालव	२३	४४	कोलव			२४	२८	४	७	१६५४	कर्केंदु ३ पग ११ छाया पोः
						बु	२	५२	१६	मघा	३७	११			स्त्रीलोचन	२२	५६	गर			२४	३२	५	८	१६५५	४६॥भाःउः सिंघेंदु
						बृ	३	५१	१८	पूर्वा फाः	३७	११			विणिज	२१	४८	वृष्टि			२४	३६	६	६	१६५६	सिंघेंदु
						शु	४	५०	२०	उत्रा फाः	६०	१०			बव	२०	५०	बालव			२४	४०	७	१०	१६५७	सिंघेंदु
						श	५	४६	२२	उत्रा फाः	७	११			कोलव	१६	५२	स्त्रीलोचन			२४	४४	८	११	१६५८	१ भाःउः कन्येंदु
						र	६	४८	२४	हस्त	७	११			गर	१८	५४	विणिज			२४	४८	६	१२	१६५६	कन्येंदु
						चं	७	४७	२६	चित्रा	७	११	स्वा	३०	वृष्टि	१७	५६	बव			२४	५२	१०	१३	१६६०	१६॥भाःउः तुलेंदु
						मं	८	४६	२८	विशाषा	६०	०			बालव	१६	५८	कोलव			२४	५६	११	१४	१६६१	तुलेंदु पुष्प समाप्त रात्रीका
						बु	६	४५	३०	विशाषा	७	११			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			२४	६०	१२	१५	१६६२	३८ भाःउः वृश्चकेंदु । ३ पग १० श्रंः छाः
						बृ	१०	४४	३२	अनुराधा	७	११	ज्ये	३०	विणिज	१५	०	वृष्टि			२५	३	१३	१६	१६६३	वृश्चकेंदु
						शु	११	४३	३४	मूला	३७	११			बव	१५	२	बालव			२५	७	१४	१७	१६६४	५६॥ भा उः धनेंदु
						श	१२	४२	३६	पूर्वाषा०	३७	११			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			२५	११	१५	१८	१६६५	धनेंदु । श्रवण २६ घःउः धनेष्टा ऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						र	१३	४१	३८	उत्राषाड़ा	६०	०			गर	१२	६	विणिज			२५	१५	१६	१६	१६६६	धनेंदु
						चं	१४	४०	४०	उत्राषाड़ा	७	११	ऽभी	१८ ५४	वृष्टि	११	८	शुकन			२५	१६	१७	२०	१६६७	८भाःउः मकरेंदु नक्षत्रमास ६१ चन्द्रायन १२२ उत्रायणे पखी ११३
शु	नं	बृ	र	बु	श	मं	१५	३६	४२	श्रवण	२५	६५			चतुष्पद	१०	१०	नाग			२५	२२	१८	२१	१६६८	मकरेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ जोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । युगमास ५६ । पांचमाग्रभिवर्धन सम्वत्सरका मास ७ । माघशुदी । लोकोत्तरमासनाम । शिशिरे । रविदक्षिणायणे ।

वा. ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६४	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	कुल प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	७	४६	ऽभीच	७	११			वव	७	४६	बालव			२४	२८	२०	२४	१६४०	मकरेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	६	४८	श्रवण	७	११			कोलव	६	४८	स्त्री लोचन			२४	२४	२१	२५	१६४१	मकरेंदु
						बृ	३	५	५०	धनेष्ठा	७	११	सत	३०	गर	५	५०	वणिज			२४	२०	२२	२६	१६४२	५॥ भाःउ कुंभेदु
						शु	४	४	५२	पूर्वा भा०	३७	११			वृष्टि	४	५२	वव			२४	१६	२३	२७	१६४३	कुम्भेंदु
						श	५	३	५४	उत्रा भा०	६०	०			बालव	३	५४	कोलव			२४	१२	२४	२८	१६४४	२४ भा उः मीनेंदु
						र	६	२	५६	उत्रा भा०	७	११			स्त्रीलोचन	२	५६	गर			२४	८	२५	२९	१६४५	मीनेंदु
						चं	७	१	५८	रेवती	७	११			वणिज	१	५८	वृष्टि	२९	३२	२४	४	२६	३०	१६४६	४२॥ भाः उः मेखेंदु । पूनर्वसु समाप्त रात्रीका
						मं	८	०	६०	ऽश्विनी	७	११	भर	३०	वव बालव	० २९	६ ३२	कोलव			२४	०	२७	३१	१६४७	मेखेंदु । उत्राषाढाऽर्के६०घ ।सूर्यमास५४पुष्यरात्रीका४पग छायाः
०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
						बु	१०	५१	२	कृत्तका	३७	११			स्त्रीलोचन	२१	३२	गर			२४	४	२८	१	१६४८	६१ भा.उः वृखेंदु मकरेसानु। शक्रांती रविउत्रायणे। हिमंतऋतु। अभिचऽर्के [४दिन१२घड़ी
						बृ	११	५८	४	रोहिणी	६०	०			वणिज	२८	३४	वृष्टि			२४	८	२९	२	१६४९	वृखेंदु
						शु	१२	५७	६	रोहिणी	७	११			वव	२७	३६	बालव			२४	१२	३०	३	१६५०	वृखेंदु । ऋतुमास ५५
						श	१३	५६	८	मृगसरा	७	११	मृ	३०	कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			२४	१६	१	४	१६५१	१२॥ भा ३ मिथुनेंदु
						र	१४	५५	१०	पूनर्वसु	६०	०			गर	२५	४०	वणिज			२४	२०	२	५	१६५२	मिथनेंदु । अभिच १२ घःउ श्रवणाऽर्के १३दि· २४घः
बृ	र	बु	श	म	शु	चं	१५	५४	१२	पूनर्वसु	७	११			वृष्टि	२५	४२	वव			२४	२४	३	६	१६५३	३१ भा उः कर्केंदु । पक्षी ११२

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४६। जुगकामास ५८ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रवदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवेढी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	२४	१२	उत्रा फा०	६०	०			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२६	२६	४	७	१६८४	सिंघेंदु । ३ प: ७ अं: छा:
						शु	२	२३	१४	उत्रा फा०	२५	६५			गर	२३	१४	विणिज			२६	३०	५	८	१६८५	२२ भा:उ: कन्येंदु । सत: ४२ घ: उ: पु: भाऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						श	३	२२	१६	हस्त	२५	६५			वृष्टि	२२	१६	बव			२६	३४	६	९	१६८६	कन्येंदु
						र	४	२१	१८	चित्रा	२५	६५	स्वा	३०	बालव	२१	१८	कोलव			२६	३८	७	१०	१६८७	४०॥ भा.उ: तुलेंदु
						चं	५	२०	२०	विशाखा	६०	०			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२६	४२	८	११	१६८८	तुलेंदु ।
						मं	६	१९	२२	विशाखा	२५	६५			विणिज	१९	२२	वृष्टि			२६	४६	९	१२	१६८९	५९ भा:उ: वृश्चकेंदु
						बु	७	१८	२४	अनुराधा	२५	६५	ज्ये	३०	बव	१८	२४	बालव			२६	५०	१०	१३	१६९०	वृश्चकेंदु
						बृ	८	१७	२६	मूला	५५	६५			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२६	५४	११	१४	१६९१	वृश्चकेंदु
						शु	९	१६	२८	पूर्वा षा०	५५	६५			गर	१६	२८	विणिज			२६	५८	१२	१५	१६९२	१०॥भा: उ: धनेंदु । मघा स्मास रात्रीका ३ पग ६ अं: छाया पो:
						श	१०	१५	३०	उत्रा षा०	६०	०			वृष्टि	१५	३०	बव			२७	१	१३	१६	१६९३	धनेंदु
						र	११	१४	३२	उत्रा षा०	२५	६५	ऽभी	१८/२४	बालव	१४	३२	कोलव			२७	५	१४	१७	१६९४	२१ भा:उ: मकरेंदु । नक्षत्र मास ६२ चन्द्रायन १२४ ।
						चं	१२	१३	३४	श्रवण	४४	५२			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२७	९	१५	१८	१६९५	मकरेंदु
						मं	१३	१२	३६	धनेष्ठा	४४	५२			विणिज	१२	३६	वृष्टि			२७	१३	१६	१९	१६९६	४७॥ भा:उ: कुंभेंदु
						बु	१४	११	३८	शतभिषा	१४	५२			शुकुन	११	३८	चतुष्पद			२७	१७	१७	२०	१६९७	कुंभेंदु । पक्षी ११५
	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१०	४०	पूर्वा भा०	१४	५२			नाग	१०	४०	किंस्तुघन			२७	२१	१८	२१	१६९८	६६ भा.उ: मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७९ लोकीक । वीर सम्वत् २४४९ । जुगमास ५७ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुणशुदि । लोकोत्तरमास नाम । हेमंत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग६७	नक्षत्र	घड़ी भाग६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६४	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमासा	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
श	मं	गु	चं	वृ	र	बु	१	३८	४४	धनेष्टा	२५	६५	सत	३०	किंस्तुघन	६	१२	बव			२५	२७	१९	२२	१६६९	२६॥ भाःउः कुंभेंदु
						वृ	२	३७	४६	पूर्वा भा०	५५	६५			बालव	८	१४	कोलव			२५	३१	२०	२३	१६७०	कुंभेंदु चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	३६	४८	उत्राभाद्र	६०	०			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			२५	३५	२१	२४	१६७१	४५भाःउ. मीनेंदु
						श	४	३५	५०	उत्रा भाः	२५	६५			विणिज	६	१८	वृष्टि			२५	३९	२२	२५	१६७२	मीनेंदु
						र	५	३४	५२	रेवती	२५	६५			बव	५	२०	बालव			२५	४३	२३	२६	१६७३	६३॥भाःउः मेखेंदु
						चं	६	३३	५४	ऽश्विनी	२५	६५	भर	३०	कोलव	४	२२	स्त्रीलोचन			२५	४७	२४	२७	१६७४	मेखेंदु
						मं	७	३२	५६	कृतका	५५	६५			गर	३	२४	विणिज			२५	५१	२५	२८	१६७५	मेखेंदु
						बु	८	३१	५८	रोहिनी	६०	०			वृष्टि	२	२६	बव			२५	५५	२६	२९	१६७६	१५भाःउः वृखेंदु । अश्लेषां समास रात्रीका
						वृ	९	३०	६०	रोहिनी	२५	६५			बालव	१	२८	कोलव			२५	५९	२७	३०	१६७७	वृखेंदु ॥ मघालगी रात्रीका सूर्यमास ५५ । ३ पग ९ अंः छ्राः
						शु	१०	३०	०	मृगसिरा	२५	६५	ऽद्रा	३०	स्त्रीलो गर	[illegible]	[illegible]	विनिज	२९	३२	२६	२	२८	१	१६७८	३३॥भाःउः मिथुनेंदु। धनेष्टा ऽर्के ६० घः कुंभभानु संक्रांती
						श	११	२९	२	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	२९	२	बव			२६	६	२९	२	१६७९	मिथुनेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन४२घड़ी
						र	१२	२८	४	पुनर्वसु	२५	६५			बालव	२८	४	कोलव			२६	१०	३०	३	१६८०	५२भाःउः कर्केंदु
						चं	१३	२७	६	पुष्य	२५	६५	ऽश्ले	३०	स्त्रीलोचन	२७	६	गर			२६	१४	१	४	१६८१	कर्केंदु । ऋतुमास ५६ । चन्द्रायन १२३ दक्षिणायणो
						मं	१४	२६	८	मघा	५५	६५			विणिज	२६	८	वृष्टि			२६	१८	२	५	१६८२	कर्केंदु
श	मं	गु	चं	वृ	र	बु	१५	२५	१०	पूर्वा फा०	५५	६५			बव	२५	१०	बालव			२६	२२	३	६	१६८३	३॥भाःउः सिंहेंदु पक्षी ११३

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४६। जुगकामास ५८ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रवदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रविउत्तरायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रहर्क	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	च	बृ	१	२४	१२	उत्रा फा०	६०	०			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२६	२६	४	७	१६८४	सिंघेंदु । ३ पः ७ अंः छाः
						शु	२	२३	१४	उत्रा फा०	२५	६५			गर	२३	१४	विणिज			२६	३०	५	८	१६८५	२२ भा.उ कन्येंदु । सतः ४२ घः उः पुः माऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						श	३	२२	१६	हस्त	२५	६५			बृष्टि	२२	१६	बव			२६	३४	६	९	१६८६	कन्येंदु
						र	४	२१	१८	चित्रा	२५	६५	स्वा	३०	बालव	२१	१८	कोलव			२६	३८	७	१०	१६८७	४०॥ भा उः तुलेंदु
						चं	५	२०	२०	विशाषा	६०	०			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२६	४२	८	११	१६८८	तुलेंदु ।
						म	६	१९	२२	विशाषा	२५	६५			विणिज	१९	२२	बृष्टि			२६	४६	९	१२	१६८९	५६ भाःउः बृश्चकेंदु
						बु	७	१८	२४	अनुराधा	२५	६५	ज्ये	३०	बव	१८	२४	बालव			२६	५०	१०	१३	१६९०	बृश्चकेंदु
						बृ	८	१७	२६	मूला	५५	६५			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२६	५४	११	१४	१६९१	बृश्चकेंदु
						शु	९	१६	२८	पूर्वा षा०	५५	६५			गर	१६	२८	विणिज			२६	५८	१२	१५	१६९२	१०॥भाः उ धनेंदु । मघा समाप्त रात्रीका ३ पग ६ अंः छाया पोः
						श	१०	१५	३०	उत्रा षा०	६०	०			बृष्टि	१५	३०	बव			२७	१	१३	१६	१६९३	धनेंदु
						र	११	१४	३२	उत्रा षा०	२५	६५	ऽभी	१५/६७	बालव	१४	३२	कोलव			२७	५	१४	१७	१६९४	२६ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्र मास ६२ चन्द्रायन १२४।
						चं	१२	१३	३४	श्रवण	४४	५२			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२७	९	१५	१८	१६९५	मकरेंदु
						मं	१३	१२	३६	धनेष्टा	४४	५२			विणिज	१२	३६	बृष्टि			२७	१३	१६	१९	१६९६	४७॥ भा उः कुंभेंदु
						बु	१४	११	३८	शतभिषा	१४	५२			शुकन	११	३८	चतुष्पद			२७	१७	१७	२०	१६९७	कुंभेंदु । पक्षी ११५
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१०	४०	पूर्वा भा०	१४	५२			नाग	१०	४०	किस्तुघन			२७	२१	१८	२१	१६९८	६६ भा उ. मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगप्रमाण ५७ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुणशुदि । लोकोत्तरमास नाम । हेमंत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
ग	मे	गु	चं	पृ	र	बु	१	३८	४४	धनेष्ठा	२५	६५	सत	३०	किस्तुघन	६	१२	बव			२५	२७	१९	२२	१६६९	२६॥ भा.उः कुंभेंदु
						बृ	२	३७	४६	पूर्वा भा०	५५	६५			वालव	८	१४	कौलव			२५	३१	२०	२३	१६७०	कुंभेंदु चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	३६	४८	उत्राभाद्र	६०	०			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			२५	३५	२१	२४	१६७१	४५भाःउ. मीनेंदु
						श	४	३५	५०	उत्रा भाः	२५	६५			विणिज	६	१८	वृष्टि			२५	३९	२२	२५	१६७२	मीनेंदु
						र	५	३४	५२	रेवती	२५	६५			बव	५	२०	वालव			२५	४३	२३	२६	१६७३	६३॥भाःउ. मेखेंदु
						चं	६	३३	५४	ऽश्विनी	२५	६५	भर	३०	कौलव	४	२२	स्त्रीलोचन			२५	४७	२४	२७	१६७४	मेखेंदु
						मं	७	३२	५६	कृतका	५५	६५			गर	३	२४	विणिज			२५	५१	२५	२८	१६७५	मेखेंदु
						बु	८	३१	५८	रोहिनी	६०	०			वृष्टि	२	२६	बव			२५	५५	२६	२९	१६७६	१५भाःउः वृखेंदु । अश्लेषां समाप्त रात्रीका
						बृ	९	३०	६०	रोहिनी	२५	६५			वालव	१	२८	कौलव			२५	५९	२७	३०	१६७७	वृखेंदु ॥ मघालगी रात्रीका सूर्यमास ५५ । ३ पग ६ अं: छा:
						शु	१०	३०	०	मृगसिरा	२५	६५	ऽद्रा	३०	स्त्रीलो गर	२९ ६०	३१ ६१	विणिज	२९	३२	२६	२	२८	१	१६७८	३३॥भाःउः मिथुनेंदु। धनेष्टा ऽर्के ६० घः कुंभेभानु संक्रांती
						श	११	२९	२	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	२९	२	बव-			२६	६	२९	२	१६७९	मिथुनेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन४२घड़ी
						र	१२	२८	४	पुनर्वसु	२५	६५			वालव	२८	४	कौलव			२६	१०	३०	३	१६८०	५२भाःउः फर्केंदु
						चं	१३	२७	६	पुष्प	२५	६५	ऽश्ले	३०	स्त्रीलोचन	२७	६	गर			२६	१४	१	४	१६८१	फर्केंदु । ऋतुमास ५६ । चन्द्रायन १२३ दक्षिणायणे
						मं	१५	२६	८	मघा	५५	६५			विणिज	२६	८	वृष्टि			२६	१८	२	५	१६८२	फर्केंदु
ग	मे	गु	चं	पृ	र	बु	१५	२५	१०	पूर्वा फा०	५५	६५			बव	२५	१०	वालव			२६	२२	३	६	१६८३	३॥भाःउः सिंघेंदु पक्षी ११४

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४६। जुगकामास ५८ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रवदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवृंद	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	वृद्धी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	सूर्यमास	चंद्रमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से। सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पर्वीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रणाम ४
१	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१	२४	१२	उत्रा फा०	६०	०			कौलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२६	२६	४	७	१६८४	सिंघेंदु । ३ प: ७ अं: छा:
						शु	२	२३	१४	उत्रा फा०	२५	६५			गर	२३	१४	विणिज			२६	३०	५	८	१६८५	२२ भा:उ: कन्येंदु । सत: ४२ घ: उ: पू: माऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						श	३	२२	१६	हस्त	२५	६५			वृष्टि	२२	१६	बव			२६	३४	६	९	१६८६	कन्येंदु
						र	४	२१	१८	चित्रा	२५	६५	स्वा	३०	बालव	२१	१८	कौलव			२६	३८	७	१०	१६८७	४०॥ भा.उ: तुलेंदु
						चं	५	२०	२०	विशाखा	६०	०			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२६	४२	८	११	१६८८	तुलेंदु ।
						मं	६	१९	२२	विशाखा	२५	६५			विणिज	१९	२२	वृष्टि			२६	४६	९	१२	१६८९	५९ भा:उ: वृश्चकेंदु
						बु	७	१८	२४	अनुराधा	२५	६५	जे	३०	बव	१८	२४	बालव			२६	५०	१०	१३	१६९०	वृश्चकेंदु
						बृ	८	१७	२६	मूला	५५	६५			कौलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२६	५४	११	१४	१६९१	वृश्चकेंदु
						शु	९	१६	२८	पूर्वा षा०	५५	६५			गर	१६	२८	विणिज			२६	५८	१२	१५	१६९२	१०॥भा: उ: धनेंदु । मघा समाप्त रात्रीका ३ पग ६ अं: छाया पो:
						श	१०	१५	३०	उत्रा षा०	६०	०			वृष्टि	१५	३०	बव			२७	१	१३	१६	१६९३	धनेंदु
						र	११	१४	३२	उत्रा षा०	२५	६५	अभी	६४	बालव	१४	३२	कौलव			२७	५	१४	१७	१६९४	२९ भा:उ: मकरेंदु । नक्षत्र मास ६२ चन्द्रायन १२४।
						चं	१२	१३	३४	श्रवण	४४	५२			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२७	९	१५	१८	१६९५	मकरेंदु
						मं	१३	१२	३६	धनेष्ठा	४४	५२			विणिज	१२	३६	वृष्टि			२७	१३	१६	१९	१६९६	४७॥ भा.उ: कुंभेंदु
						बु	१४	११	३८	शतभिषा	१४	५२			शुकन	११	३८	चतुष्पद			२७	१७	१७	२०	१६९७	कुंभेंदु । पखी ११५
१	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१०	४०	पूर्वा भा०	१४	५२			नाग	१०	४०	किंस्तुघन			२७	२१	१८	२१	१६९८	६६ भा.उ: मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लो० वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५८ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रशुदी । लोकोत्रमास नाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
,	र	गु	श	म	गु	१	६	४२	उत्रा भा०	४४	५२			वव	६	४२	वालव			२७	२५	१९	२२	१६९९	मीनेंदु। पूर्व भाः ६घ उःउत्राः भाऽर्के २०दि६घ. ३प ५श्रं छा। चन्द्रदर्शनम्।
					श	२	८	४४	रेवती	४४	५२			कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			२७	२९	२०	२३	१७००	मीनेंदु
					र	३	७	४६	अश्विनी	४४	५२			गर	७	४६	निगिज			२७	३३	२१	२४	१७०१	१७॥ भा ३ः मेखेंदु
					चं	४	६	४८	भरणी	१४	५२			वृष्टि	६	४८	वव			२७	३७	२२	२५	१७०२	मेखेंदु
						५	५	५०	कृतका	१४	५२			वालव	५	५०	कोलव			२७	४१	२३	२६	१७०३	३६भा:३ वृखेंदु
						६	४	५२	रोहिणी	४४	५२			स्त्रीलोचन	४	५२	गर			२७	४५	२४	२७	१७०४	वृखेंदु
					बु	७	३	५४	मृगसरा	४४	५२			निगिज	३	५४	वृष्टि			२७	४९	२५	२८	१७०५	५४॥ भा:३ मिथुनेंदु
					गु	८	२	५६	आद्रा	१४	५२			वव	२	५६	वालव			२७	५३	२६	२९	१७०६	मिथुनेंदु
					श	९	१	५८	पुनर्वसु	४४	५२			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	२९	३२	२७	५७	२७	३०	१७०७	मिथनेंदु। चन्द्रायन १२५ पूर्वाफाल्गुणी समाप्तरात्रीका
					र	१०	०	६०	पुष्प	४३	५२			गर विगिज	२६	३२	वृष्टि	२९	३२	२८	०	२८	३१	१७०८	६ भा:३ः ककेंदु । सुर्यमास ५६ उत्राफाल्गुणी। रात्रीका ३ पग ४ अ छाः
•	•	•	•	•	०	० ११	०	०	•	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
					चं	१२	५६	२	अश्लेषा	१४	५२			वव	२९	३२	वालव			२८	४	२९	१	१७०९	ककेंदु । मीनाऽर्के संक्रांती वसंतऋतु
					म	१३	५८	४	मघा	१४	५२			कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			२८	८	३०	२	१७१०	२४॥ भा:३ः सिंघेदु । ऋतुमास ५७
					बु	१४	५७	६	पूर्वा फा०	१४	५२			गर	२७	३६	निगिज			२८	१२	१	३	१७११	सिंघदु ।
र	गु	श	म	गु	च शु	१५	५६	८	उत्रा फा०	४४	५२			वृष्टी	२६	३८	वव			२८	१६	२	४	१७१२	४३ भा:३ कन्येंदु पखी ११६

–५ ला० वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५६ । पांचमा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास १० । वैशाषवदी । लोकोत्रमासनाम । कुसमसभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन क	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री क			दिनमानघड़ी	भाग ६७	नक्षत्रमास	सूर्यमास	युगममास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
च	बृ	र	बु	श	म	शु	१	५५	१०	हस्त	४४	५२			वालव	२५	४०	कोलव			२८	२०	३	५	१७१३	कन्यैंदु
						श	२	५४	१२	चित्रा	४४	५२			स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			२८	२४	४	६	१७१४	६१॥ भा उ तुलैंदु
						र	३	५३	१४	स्वाती	१४	५२			विणिज	२३	४४	वृष्टि			२८	२८	५	७	१७१५	तुलैंदु । ३ पग ३ श्र छा पोः
						च	४	५२	१६	विशाखा	४४	५२			बव	२२	४६	वालव			२८	३२	६	८	१७१६	तुलैंन्दु
						म	५	५१	१८	अनुराधा	४४	५२			कालव	२१	४८	स्त्रीलोचन			२८	३६	७	९	१७१७	१३ भा उ. वृश्चकेंदु
						बु	६	५०	२०	ज्येष्ठा	१४	५२			गर	२०	५०	विणिज			२८	४०	८	१०	१७१८	वृश्चकेंदु
						बृ	७	४९	२२	मूला	१४	५२			वृष्टि	१९	५२	बव			२८	४४	९	११	१७१९	३१॥ भा उः धनेंदु । ७ भा १२ घ उ रेवती ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						शु	८	४८	२४	पू षा०	१४	५२			वालव	१८	५४	कालव			२८	४८	१०	१२	१७२०	धनेंदु
						श	९	४७	२६	उत्रा षा०	४४	५२			स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			२८	५२	११	१३	१७२१	५० भा उ मकरेंदु । नक्षत्र मास ६३ । चन्द्रायन १२६ उत्रायणे
						र	१०	४६	२८	ऽभीच	३	३९			विणिज	१६	५८	वृष्टि			२८	५६	१२	१४	१७२२	मकरदु । उत्राफाल्गुणी समास रात्री का
						चं	११	४५	३०	श्रवण	३	३९			बव	१५	६०	वालव			२८	६०	१३	१५	१७२३	मकरेंदु । ३ पग २ अः छाया
						म	१२	४४	३२	धनेष्टा	३	३९	सत	३०	कालव	१५	०	स्त्रीलोचन			२९	३	१४	१६	१७२४	१॥भा उ कुभेंदु
						बु	१३	४३	३४	पूर्वाभा०	३३	३९			गर	१४	२	विणिज			२९	७	१५	१७	१७२५	कुभेंदु
						बृ	१४	४२	३६	उत्राभा०	६०	०			वृष्टि	१३	४	शुकन			२९	११	१६	१८	१७२६	२०भा उ मीनेंदु । पखी ११७
ब	बृ	र	बु	श	म	शु	१५	४१	३८	उत्रा भा०	३	३९			चतुष्पद	१२	६	नाग			२९	१५	१७	१९	१७२७	मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १६७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास ५६। पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास १०। वेशाषशुदी। लोकोत्तरमासनाम। कुलसंभव। रविउत्रायणो

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
म	गु	नं	वृ	र	बु	श	१	४०	४०	रेवती	३	३६			किस्तुघन	११	८	वव			२९	१९	१८	२०	१७२८	३८॥भाःउः मेखेंदु
						र	२	३९	४२	अश्विनि	३	३६	भर	३०	बालव	१०	१०	कोलव			२९	२३	१९	२१	१७२९	मेखेंदु चन्द्रदर्शनम्
						सं	३	३८	४४	कृतका	३३	३६			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			२९	२७	२०	२२	१७३०	५७ भाःउः वृखेंदु। ३ पग १ अंः छाः पोः
						मं	४	३७	४६	रोहिणी	६०	०			विषिज	८	१४	वृष्टि			२९	३१	२१	२३	१७३१	वृखेंदु
						बु	५	३६	४८	रोहिणी	३	३६			वव	७	१६	वालव			२९	३५	२२	२४	१७३२	वृखेंदु। रेवती ३६ घः उः अश्विनी ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						बृ	६	३५	५०	मृगसिरा	३	३६	आ	३०	कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			२९	३९	२३	२५	१७३३	८॥भाःउःमिथुनेंदु
						शु	७	३४	५२	पुनर्वसु	६०	०			गर	५	२०	विषिज्			२९	४३	२४	२६	१७३४	मिथुनेंदु
						श	८	३३	५४	पुनर्वसु	३	३६			वृष्टि	४	२२	वव			२९	४७	२५	२७	१७३५	२७भाःउःकर्केंदु॥ चन्द्रायन १२७
						र	९	३२	५६	पुष्य	३	३६	श्ले	३०	वालव	३	२४	कोलव			२९	५१	२६	२८	१७३६	कर्केंदु
						चं	१०	३१	५८	मघा	३३	३६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			२९	५५	२७	२९	१७३७	४५॥भाःउः सिंघेंदु। हस्त समाप्त रात्रीका
						मं	११	३०	६०	पुः फाः	३३	३६			विषिज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	२९	५९	२८	३०	१७३८	सिंघेंदु। सूर्यमास ५७। चित्रा रात्रीका। २ पग पुर्ण छाया पोः
						बु	१२	३०	०	उः फाः	६०	०			वव वालव	० / २९	३० / ०	कोलव			३०	२	२९	१	१७३९	६४ भाःउः कन्येंदु। मेखभानु शंक्रांती .
						बृ	१३	२९	२	उः फाः	३	३६			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			३०	६	३०	२	१७४०	कन्येंदु ॥ ऋतुमास ५८
						शु	१४	२८	४	हस्त	३	३६			विषिज	२८	४	वृष्टि			३०	१०	१	३	१७४१	कन्येंदु ॥ पखो ११८
म	गु	नं	वृ	र	बु	श	१५	२७	६	चित्रा	३	३६	सा	३०	वव	२७	६	वालव			३०	१४	२	४	१७४२	१५॥भाःउः तुलेंदु

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रि के			दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगकालमान	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन, प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
शु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	२६	८	विशाखा	६०	०			कौलव	२६	८	स्त्रीलोचन			३०	१८	३	५	१७४३	तुलेंदु
						चं	२	२५	१०	विशाखा	३	३६			गर	२५	१०	विणिज			३०	२२	४	६	१७४४	३४ भाःउः वृश्चकेंदु
						मं	३	२४	१२	अनुराधा	३	३६	ज्ये	३०	वृष्टि	२४	१२	बव			३०	२६	५	७	१७४५	वृश्चकेंदु । ऽश्विनीऽर्के ६० घड़ी । २ पग ११ अंगुल छाया पोः
						बु	४	२३	१४	मूला	३३	३६			बालव	२३	१४	कौलव			३०	३०	६	८	१७४६	५२॥ भाःउ· धनेंदु । भरनीऽर्के ६ दिः ४२ घः
						बृ	५	२२	१६	पूर्वाषाढ़ा	३३	३६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			३०	३४	७	९	१७४७	धनेंदु
						शु	६	२१	१८	उत्राषाढ़ा	६०	०			विणिज	२१	१८	वृष्टि			३०	३८	८	१०	१७४८	धनेंदु
						श	७	२०	२०	उत्राषाढ़ा	३	३६	ऽभी	१५/६४	बव	२०	२०	बालव			३०	४२	९	११	१७४९	४ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ६४ । चन्द्रायन १२८
						र	८	१९	२२	श्रवण	२२	२६			कौलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			३०	४६	१०	१२	१७५०	मकरेंदु
						चं	९	१८	२४	धनिष्ठा	२२	२६	शत	३०	गर	१८	२४	विणिज			३०	५०	११	१३	१७५१	२२॥ भा.उः कुंभेंदु
						मं	१०	१७	२६	पूर्वा भाद्र	५२	२६			वृष्टि	१७	२६	बव			३०	५४	१२	१४	१७५२	कुंभेंदु । भरनी ४२ घ.उ. कृतकाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						बु	११	१६	२८	उत्राभा०	६०	०			बालव	१६	२८	कौलव			३०	५८	१३	१५	१७५३	४१ भा उः मीनेंदु । चित्रा समाप्त रात्री का । ३ पः १० अंःछा
						बृ	१२	१५	३०	उत्रा भा०	२२	२६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			३१	१	१४	१६	१७५४	मीनेंदु
						शु	१३	१४	३२	रेवती	२२	२६			विणिज	१४	३२	वृष्टि			३१	५	१५	१७	१७५५	५६॥ भाः उः मेखेंदु
						श	१४	१३	३४	अश्विनी	२२	२६	भर	३०	शकुन	१३	३४	चतुष्पद			३१	९	१६	१८	१७५६	मेखेंदु । पखी ११९
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	१२	३६	कृतिका	५२	२६			नाग	१२	३६	किस्तुघन			१३	१३	१७	१९	१७५७	मेखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७७ शाकेक । वीरसम्वत् २४४६ जुगकामास ६० । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ११ । ज्येष्ट शुदी । लोकोत्रमास नाम । निदाह । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़ं २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ५ ।
र	शु	न	मं	बु	चं	१	११	३८	रोहणी	६०	०			वव	११	३८	वालव			३१	१७	१८	२०	१७५८	११ भा:उः वृखेंदु । चन्द्रदशनम्
					मं	२	१०	४०	रोहिणी	२२	२६			कोलव	१०	४०	स्त्री लोचन			३१	२१	१९	२१	१७५९	वृखेंदु
					बु	३	९	४२	मृगसरा	२२	२६	ऽ३	३०	गर	९	४२	विणिज			३१	२५	२०	२२	१७६०	२९॥ भा:उः मिथुनेंदु । २ पग ९ अंःछा
					बृ	४	८	४४	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टी	८	४४	वव			३१	२९	२१	२३	१७६१	मिथुनेंदु
					शु	५	७	४६	पुनर्वसु	२२	२६			वालव	६	४६	कोलव			३१	३३	२२	२४	१७६२	४८ भा:उः ककेंदु । चन्द्रायन १२९
					श	६	६	४८	पुष्य	२२	२६	ऽ७	३०	स्त्रीलोचन	७	४८	गर			३१	३७	२३	२५	१७६३	ककेंदु
					र	७	५	५०	मघा	५२	२६			विणिज	५	५०	वृष्टी			३१	४१	२४	२६	१७६४	६६॥ भा:उः सिंघेंदु
					चं	८	४	५२	पूर्वा फा०	५२	२६			वव	४	५२	वालव			३१	४५	२५	२७	१७६५	सिंघेंदु
					मं	९	३	५४	उत्रा फा०	६०	०			कोलव	३	५४	स्त्री लोचन			३१	४९	२६	२८	१७६६	सिंघेंदु । कृतका ६ घ०३० रोहिणीऽर्के २० दिः ६ घड़ी
					बु	१०	२	५६	उत्रा फा०	२२	२६			गर	२	५६	विणिज			३१	५३	२७	२९	१७६७	१८ भा:उः कन्येंदु
					बृ	११	१	५८	हस्त	२२	२६			वृष्टि	१	५८	वव	२९	३२	३१	५७	२८	३०	१७६८	कन्येंदु । स्वाती समाप्त रात्री का
					शु	१२	०	६०	चित्रा	२२	२६	१४	३०	वालवकोलव	० २९	६० ३२	स्त्रीलोचन	२९	३२	३२	०	२९	३१	१७६९	३९॥ भा:उः तुलेंदु । सूर्यमास ५८ । विशाखा रात्रीका । २ पः ८ अंः छाः
०	०	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
					श	१४	५९	२	विशाखा	६०	०			गर	२९	३२	विणिज			३२	४	३०	१	१७७०	तुलेंदु । वृखभानु शंक्रांती । ग्रीषम ऋतु । ऋतुमास ५९
न	मं	बु:	चं	शु	र	१५	५८	५	विशाखा	२२	२६			वृष्टी	२८	३४	वव			३२	८	१	२	१७७१	५५ भा: उः वृश्चकेंदु । पखी १२०

विक्रम सम्वत् १६७७ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ६१ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास १२ । प्रथमआषाढवदी । लोकोत्तरमास नाम । धनविरोध । प्रथम । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	५७	६	अनुराधा	२२	२६	ज्ये	३०	वालव	२७	३६	कोलव			३२	१२	२	३	१७७२	वृश्चकेंदु
						मं	२	५६	८	मूला	५२	२६			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर			३२	१६	३	४	१७७३	वृश्चकेंदु
						बु	३	५५	१०	पूर्वाषा०	५२	२६			विणिज	२५	४०	वृष्टि			३२	२०	४	५	१७७४	६॥भाःउः धनेंदु
						वृ	४	५४	१२	उत्राषाडा	६०	०			बव	२४	४२	वालव			३२	२४	५	६	१७७५	धनेंदु
						शु	५	५३	१४	उत्राषडा	२२	२६	ऽभी	३५/५४	कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			३२	२८	६	७	१७७६	२५ भा·उः मकरेंदु। चन्द्रायन१३०।नक्षत्रमास२६।१।उत्रायणे२पग७अंःछाःपोः
						श	६	५२	१६	श्रवण	४१	१३			गर	२२	४६	विणिज			३२	३२	७	८	१७७७	मकरेंदु
						र	७	५१	१८	धनेष्टा	४१	१३			वृष्टि	२१	४८	बव			३२	३६	८	९	१७७८	४३॥ भा·उः कुंभेंदु
						चं	८	५०	२०	सतभिषा	११	१३			वालव	२०	५०	कोलव			३२	४०	९	१०	१७७९	कुंभेंदु
						मं	९	४९	२२	पूर्वा भा०	११	१३			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर			३२	४४	१०	११	१७८०	६२भाःउः मीनेंदु
						बु	१०	४८	२४	उत्राभाद्र	४१	१३			विणिज	१८	५४	वृष्टि			३२	४८	११	१२	१७८१	मीनेंदु
						वृ	११	४७	२६	रेवती	४१	१३			बव	१७	५६	वालव			३२	५२	१२	१३	१७८२	मीनेंदु
						शु	१२	४६	२८	ऽश्विनी	४१	१३			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			३२	५६	१३	१४	१७८३	१३॥भाःउ· मेखेंदु । विशाषां समासराशीका । २पग६अंःछाया पोरसी
						श	१३	४५	३०	भरनी	११	१३			गर	१५	६०	विणिज			३२	६०	१४	१५	१७८४	मेखेंदु
						र	१४	४४	३२	कृतका	११	१३			वृष्टि	१५	०	सुकन			३३	३	१५	१६	१७८५	३२भाःउः वृखेंदु (पखी) १२१
वृ	र	बु	श	म	शु	चं	१५	४२	३४	रोहिनी	४१	१३			चतुष्पद	१५	२	नाग			३३	७	१६	१७	१७८६	वृखेंदु । रोहिणी १२ घःउः मृगसरऽके १३ दिन २४ घड़ी

विक्रम सम्वत् ११७३ लौकिक । वीर सम्वत् २४४६ । युगमास ६२ । पांचवा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३ । द्वितीय आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमास नाम । वनविरोध। द्वितिय । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिवसे	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ माढे१८भागफलें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	गु	न	मं	शु	श	गु	१	१३	३४	पुष्य	६०	०			वव	१३	३४	वालव			३५	६	१७	१८	१८१७	२३ भा उः फर्केंदु । चन्द्रायन १३३ । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	१२	३६	अश्लेषा	३०	०			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			३५	१३	१८	१९	१८१८	कर्केंदु
						श	३	११	३८	मघा	३०	०			गर	११	३८	विणिज			३५	१७	१९	२०	१८१९	४१॥ भाःउः सिंघेदु
						र	४	१०	४०	पूर्वाफा०	३०	०			वृष्टि	१०	४०	वव			३५	२१	२०	२१	१८२०	सिंघेदु
						चं	५	९	४२	उत्राफा०	६०	०			वालव	९	४२	कोलव			३५	२५	२१	२२	१८२१	६० भाःउः कन्येंदु
						मं	६	८	४४	हस्त	६०	०			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			३५	२९	२२	२३	१८२२	कन्येंदु
						बु	७	७	४६	चित्रा	६०	०			विणिज	७	४६	वृष्टि			३५	३३	२३	२४	१८२३	कन्येंदु
						गु	८	६	४८	स्वाती	३०	०			वव	६	४८	वालव			३५	३७	२४	२५	१८२४	११॥ भाःउः तुलेंदु
						शु	९	५	५०	विशाखा	६०	०			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			३५	४१	२५	२६	१८२५	तुलेंदु
						श	१०	४	५२	अनुराधा	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३५	४५	२६	२७	१८२६	३० भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसु5कें २४ घः उः पुष्यार्के १३ दिन २४ घड़ी
						र	११	३	५४	ज्येष्ठा	३०	०			वृष्टि	३	५४	वव			३५	४९	२७	२८	१८२७	वृश्चकेंदु
						चं	१२	२	५६	मूला	३०	०			वालव	२	५६	कोलव			३५	५३	२८	२९	१८२८	४८॥ भाःउः धनेंदु *पगपूर्ण छाया पोः
						मं	१३	१	५८	पूर्वाषाढ़ा	३०	०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर			३५	५७	२९	३०	१८२९	धनेंदु । पूर्वाषाढ़ा समतरात्री का [उत्राषाड़ा।रात्रीका।पखी १२४।२*
श	मं	शु	चं	गु	र	बु	१४	०	६०	उत्राषाढ़ा	६०	०			विणिज वृष्टि	०/२६	३/३२	वव	२६	३२	३६	०	३०	३१	१८३०	धनेंदु । सूर्य मास ६० । ऋतुमास ६१ । नक्षत्रमास ६७ । चन्द्राय १३४ ।
०	०	०	०	०	०	०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ०

१५	दिन क नाम सूर्य के	शुभाशुभ	१५	रात्रि के नाम सूर्य के	शुभाशुभ	१	अहोरात्रि के	३०	मुहूर्त	शुभाशुभ
१	पुर्वांगा	मधम	१	उत्तम	उत्तम	१	रुद्र	१६	आनंदे	
२	सिधि मनोरथ	उत्तम	२	सुनत्तत्र	शुभ	२	श्वेत	१७	धीजय	शुभ
३	मनोहर	शुभ	३	पलवत्था	मधम	३	मित्र	१८	विशवसेन	
४	जसोभद्र	उत्तम	४	जसोधर	शुभ	४	वायु	१९	प्रजापत	शुभ
५	जसोधर	उत्तम	५	सुमनसा	शुभ	५	सुपीत	२०	उपसम	शुभ
६	सर्व काम समृधी	उत्तमोतम	६	श्रीसंभुत	उत्तम	६	अभीचंद्रः शुभ	२१	गंधर्व	
७	इंदमूर्धाभिसिते	मधम	७	विजया	शुभ	७	माहेंद्र	२२	अग्निवेष	
८	सोमनसा	मधम	८	विजयंति	शुभ	८	बलवानः शुभ	२३	सत वृषभ	
९	धनंजय	शुभ	९	जयंती	उत्तम	९	ब्रह्मा	२४	आतापवान	शुभ
१०	अर्थ सिद्धि	उत्तमोतम	१०	अपराजित	उत्तमोतम	१०	बहुसत्यः शुभ	२५	रूणवान	
११	अभीजाय	उत्तम	११	इच्छा	फनीष्ट	११	ईसान	२६	मोमे	
१२	अत्यंत सन	फनीष्ट	१२	समाहारा	फनीष्ट	१२	त्वष्टा	२७	वृषभ	
१३	सयंजए	उत्तमोतम	१३	तेजा	मध्यम	१३	भवितात्माः शुभ	२८	सर्वार्थसिद्ध	
१४	अग्नीवेसे	अशुभ	१४	अतितेजा	फनीष्ट	१४	वैश्रमण	२९	राक्षस	शुभ
१५	उपसम	मधम	१५	देवनादानिरई	उत्तमोतम	१५	वारूण	३०		

प्रथम सम्वत् १९७७ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ६२ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३ । द्वितीय आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमास नाम । वनविरोधा द्वितिय । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नाम ५ माघ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ५४	करण रात्री			दिनमानघड़ी०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ माढे१८भागफर्से । सुर्य के माथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	गु	श	मं	शु	चं	वृ	१	१३	३४	पुण्य	६०	०			वव	१३	३४	वालव			३५	९	१७	१८	१८१७	२३ भा उः कर्केंदु । चन्द्रायन १३२ । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	१२	३६	अश्लेषां	३०	०			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			३५	१३	१८	१९	१८१८	कर्केंदु
						श	२	११	३८	मघा	३०	०			गर	११	३८	विणिज			३५	१७	१९	२०	१८१९	४१॥ भा॰उः सिंघेदु
						र	४	१०	४०	पुर्वाफा०	३०	०			वृष्टि	१०	४०	वव			३५	२१	२०	२१	१८२०	सिंघदु
						चं	५	९	४२	उत्राफा०	६०	०			वालव	९	४२	कोलव			३५	२५	२१	२२	१८२१	६० भाःउः कन्येंदु
						मं	६	८	४४	हस्त	६०	०			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			३५	२९	२२	२३	१८२२	कन्येंदु
						बु	७	७	४६	चित्रा	६०	०			विणिज	७	४६	वृष्टि			३५	३३	२३	२४	१८२३	कन्येंदु
						वृ	८	६	४८	स्वाती	३०	०			वव	६	४८	वालव			३५	३७	२४	२५	१८२४	११॥ भाःउ॰ तुलेंदु
						शु	९	५	५०	विशाषा	६०	०			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			३५	४१	२५	२६	१८२५	तुलेंदु
						श	१०	४	५२	अनुराधा	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३५	४५	२६	२७	१८२६	३० भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसुऽर्के २४ घ उः पुष्पार्के १२ दिन २४ घड़ी
						र	११	३	५४	ज्यैष्टा	३०	०			वृष्टि	३	५४	वव			३५	४९	२७	२८	१८२७	बृश्चकेंदु
						चं	१२	२	५६	मूला	३०	०			वालव	२	५६	कोलव			३५	५३	२८	२९	१८२८	४८॥ भाःउः धनेंदु *पगपूर्ण छाया पोः
						मं	१३	१	५८	पूर्वाषाढ़ा	३०	०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर			३५	५७	२९	३०	१८२९	धनेंदु । पूर्वाषाढ़ा समस्तरात्री का [उत्राषाढ़ा।रात्रीका।पखी १२४।२*
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	१४	०	६०	उत्राषाढ़ा	६०	०			विणिज वृष्टि	०/२६	६०/३२	वव	२६	३२	३६	०	३०	३१	१८३०	धनेंदु । सूर्य मास ६० । ऋतुमास ६१ । नक्षत्रमास ६७ । चन्द्राय १३४ ।
०	०	०	०	०	०	०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ०

१५	दिन के नाम सूर्य के	शुभाशुभ	१५	रात्रि के नाम सूर्य के	शुभाशुभ	१	अहोरात्रि के	३०	मुहूर्त्त	शुभाशुभ
१	पुर्वांगा	मधम	१	उत्तम	उत्तम	१	रुद्र	१६	आनंदे	
२	सिधि मनोरथ	उत्तम	२	सुनत्त्र	शुभ	२	श्वेत	१७	वीजय	शुभ
३	मनोहर	शुभ	३	पलवत्या	मधम	३	मित्र	१८	विशवसेन	
४	जसोभद्र	उत्तम	४	जसोधर	शुभ	४	वायु	१९	प्रजापत	शुभ
५	जसोधर	उत्तम	५	सुमनसा	शुभ	५	सुपीत	२०	उपसम	शुभ
६	सर्व काम समृधी	उत्तमोतम	६	श्रीसभुत	उत्तम	६	अभीचंद: शुभ	२१	गंधर्व	
७	इंदमूद्धाभिसिते	मधम	७	विजया	शुभ	७	माहेंद्र	२२	अग्निवेष	
८	सोमनसा	मधम	८	विजयंति	शुभ	८	वलवान: शुभ	२३	सत वृषभ	
९	धनंजय	शुभ	९	जयंती	उत्तम	९	ब्रह्मा	२४	आतापयान	शुभ
१०	अर्थ सिद्धि	उत्तमोतम	१०	अपराजित	उत्तमोतम	१०	बहुसत्य: शुभ	२५	रुणयान	
११	अभीजाय	उत्तम	११	इच्छा	कनीष्ट	११	ईसान	२६	मोमे	
१२	अत्यंत सन	कनीष्ट	१२	समाहारा	कनीष्ट	१२	त्वष्टा	२७	वृषभ	
१३	सयंजप	उत्तमोतम	१३	तेजा	मध्यम	१३	भवितात्मा: शुभ	२८	सर्वार्थसिद्ध	
१४	अग्नीविसे	अशुभ	१४	अतितेजा	कनीष्ट	१४	वैश्रमण	२९	राक्षस	शुभ
१५	उपसम	मधम	१५	देवनांदानिरई	उत्तमोतम	१५	वारुण	३०		

प्रथम सम्यत् १६७७ लौकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ६२ । पांचना अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३ । द्वितीय आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमास नाम । वनविरोधा द्वितिय । रविउत्रायणे

१.

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नेईं के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ा भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमानघ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ माढे१८भागफसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	गु	श	मं	शु	चं	वृ	१	१३	३४	पुष्प	६०	०			वव	१३	३४	वालव			३५	९	१७	१८	१८१७	२३ भा उः कर्केंदु । चन्द्रायन १३३ । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	१२	३६	अश्लेषा	३०	०			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			३५	१३	१८	१९	१८१८	कर्केंदु
						श	३	११	३८	मघा	३०	०			गर	११	३८	विणिज			३५	१७	१९	२०	१८१९	४१॥ भाःउः सिंघेदु
						र	४	१०	४०	पूर्वाफा०	३०	०			वृष्टि	१०	४०	वव			३५	२१	२०	२१	१८२०	सिंघेदु
						चं	५	९	४२	उत्राफा०	६०	०			वालव	९	४२	कोलव			३५	२५	२१	२२	१८२१	६० भाःउः कन्येंदु
						मं	६	८	४४	हस्त	६०	०			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			३५	२९	२२	२३	१८२२	कन्येंदु
						गु	७	७	४६	चित्रा	६०	०			विणिज	७	४६	वृष्टि			३५	३३	२३	२४	१८२३	कन्येंदु
						वृ	८	६	४८	स्वाती	३०	०			वव	६	४८	वालव			३५	३७	२४	२५	१८२४	११॥ भाःउः तुलेंदु
						शु	९	५	५०	विशाखा	६०	०			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			३५	४१	२५	२६	१८२५	तुलेंदु
						श	१०	४	५२	अनुराधा	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३५	४५	२६	२७	१८२६	३० भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसुऽर्के २४ घ उः पुष्पार्के १३ दिन २४ घड़ी
						र	११	३	५४	ज्येष्ठा	३०	०			वृष्टि	३	५४	वव			३५	४९	२७	२८	१८२७	वृश्चकेंदु
						चं	१२	२	५६	मूला	३०	०			वालव	२	५६	कोलव			३५	५३	२८	२९	१८२८	४८॥ भाःउः धनेंदु *पगपूर्ण छाया पोः
						मं	१३	१	५८	पूर्वाषाड़ा	३०	०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर			३५	५७	२९	३०	१८२९	धनेंदु । पूर्वाषाड़ा समतरात्री का [उत्राषाड़ा।रात्रीका।पखी १२४।२*
श	मं	गु	चं	वृ	र	गु	१५	०	६०	उत्राषाड़ा	६०	०			विणिज वृष्टि	० २९	६० ३२	चर	२९	३२	३६	०	३०	३१	१८३०	धनेंदु । सूर्य मास ६० । ऋतुमास ६१ । नक्षत्रमास ६७ । चन्द्राय १३४

ज्ञानवृद्धि क १० नक्षत्रों क नाम	नाम राशी देखने का यंत्र	१३ नक्षत्र दिशा के लिए
मृगसिरा १आद्रा २ पुष्य ३ पूर्वा भाद्रपदा ४ पूर्वा फाल्गुणी ५ पूर्वाषाढा ६ मूला ७ अश्लेषा ८ हस्त ९ चित्रा १०	चु चे चो ला ली लु ले लो आ मेख, ई उ ए ओ वा वी वु वे वो, वृख,का की कु घ ङ छ के को हा मिथुन, ही हु हे हो डा डी डु डे डो, कर्क, मा मी मु मे मो टा टी टु टे सिंह, टो पा पी पु ष ण ठ पे पो कन्या, रा री रु रे रो ता ती तु ते तुला,तो नी नु ने ना या यी यु वृश्चक, ये यो भा भी भु धा फा ढा भे धन,भो जा जी जु जेजो ख खा खुखेखो गा गी मकर,गु गे गो सा सी सु से सो दा कुंभ,दि दु थ झ थ दे दो चा ची मीन, इति उपयोगी समज क और जगा से लिखा गया है।	अभिज १ श्रावण २ अश्वनी ३ रोहिणी ४ मृगसिरा ५ पुष्य ६ रेवती ७ हस्त ८ अनुराधा ९ जेष्ठा १० तीन उत्रा १३

दिननी तिथीना नामः १ः ६-११-नंदाः २ः ७-१२ भद्राः ३-८ १३-जया ४-९-१४-तुच्छा ५ः १०-१५ पूर्णा		रात्रि की तिथीके नाम १६-११-उम्रवती-२-७-१२-भोगवती-३-८-१३ जसवती-४-९-१४ सर्वसिध्रि ५-१०-१५ शुभ		कए घटे (कालक) का सघा मुहूर्त्त होया युग कि आदि में दिन उगते घरात पहलो महूर्त हुये फिर न मिले क्योंकि दिन घटने वढने के कारण नाम-नक्षत्र देखने का यंत्र			
चु चे चो ला.	अश्विनी	डा डु डे डो.	अश्लेषा	ती तु ते तो.	विशाखा	गा गी गु गे.	धनेष्ठा
ली लु ले लो.	भरणी	मा मी मु मे.	मघा	ना नी नु ने.	अनुराधा	गो सा सी सु.	सतभिषा
आ ई उ ए.	कृतिका	मो टा टी टु.	पुर्वा फाः	नी या यी यु.	ज्येष्ठा	दु ज झ थ.	उत्रापाद्रपदा
ओ वा वी वु	रोहिणी	टे टो पा पी	उतरा फा	ये यो भा भी.	मूला	दे दो चा ची.	रेवती
वे वो का की.	मृगसिर			भु धा फा ढा.	पूर्वाषाढा		
कु घ ङ छ.	आद्रा	पु प ण ठ.	हस्त	भे भो जा जी.	उत्राषाढा		
के को हा ही.	पुनर्वसु	पे पो रा री.	चित्रा	जु जे जो खा	अभीच		
हु हे हो डा	पुष	रु रे रो ता.	स्वाती	खी खु खे खो.	श्रवण		

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible] जैन लाहौर.

नहा दिन छतीस घड़ी रात बारां कम जान दुजा दिन दाक्षिणायण का उलट उत्तरायण मान ॥८॥
भाग एकसठ घड़ी एक के चारों चार घटत उलट बढे हर दिन विषे दिन दिन रात घटंत ॥९॥
इकसौ चौंतीस चन्द्र की पाचसाल की ऐन, अभिजित पुष्य नक्षत्र में बदले भाषत जैन ॥१०॥

अथ लौंद वर्णन।

दोहा–पौष अभिवर्धन में पड़े दो चन्द्रके वाद, चौथाचन्द्र छोडके पडे आषाढ रख याद ॥११॥

जैन मास नाम।

दोहा–श्रावण मास १ अभिनद है, २ प्रतिष्ठित भादों जान, ३ विजे ४ प्रतिवर्धन चतुर्थ ५ श्री पांस ६ शिवे ७ सिसराण ॥१२॥
८ हेमंत ९ बसंत नवमां समझ १० कुसुम संभव नाम ११ निदाहे १२ वण विरोधतक बारांमास तमांम ॥१३॥

चन्द्रमां और सूर्य के साथ नक्षत्र रहने का प्रमाण।

दोहा–चार दिन बारां घड़ी सूर्यों का प्रमाण अभिजित आठारां घड़ी चवन भाग चन्द्र साथे जान ॥१४॥
सतभिषां भरणी आद्रा अश्लेषा स्वाति जान ६ खट दिन ४२ ब्याली जैपष्ठा चन्द्र अर्ध दिन ३० घड़ी प्रमाण ॥१५॥
आषाढ भ द्रव फाल्गुणी उत्तरा रोहनी जान नव्वे विशाषा पूनर्वसु २० दिन ६ घड़ी विशाके सूर्य यान ॥१६॥
क्रतिका हस्त अनुराधा मूला चित्रा जान पन्द्रा नक्षत्र चन्द्र साथ साठ घड़ी प्रमाण ॥१७॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

जिनदास गमलाल जैन लाहौर.

बड़ा दिन छतीस घड़ी रात बारां कम जान दुजा दिन दाक्षिणायण का उलट उत्तरायण मान ॥८॥

भाग एकसठ घड़ी एक के चारों चार घटत उलट बढे हर दिन त्रिपे दिन दिन रात घटंत ॥९॥

इकसौ चौंतीस चन्द्र की पाचसाल की ऐन, अभिजित पुष्य नक्षत्र में बदले भापत जैन ॥१०॥

अथ लौंद वर्णन ।

दोहा-पौष अभिवर्धन में पड़े दो चन्द्रके बाद, चौथाचन्द्र छोडके पडे आपाढ रख याद ॥११॥

जैन मास नाम ।

दोहा-श्रावण मास १ अभिनद है, २ प्रतिष्ठित भादों जान, ३ विजे ४ प्रतिवर्धन चतुर्थ ५ श्री यांस ६ शिवे ७ सिसराण ॥१२॥

८ हेमंत ९ वसंत नवमां समझ १० कुसुम संभव नाम ११ निदाहे १२ वण विरोधतक बारांमास तमांम ॥१३॥

चन्द्रमां और सूर्य के साथ नक्षत्र रहने का प्रमाण ।

दोहा-चार दिन बारां घड़ी सूर्यो का प्रमाण अभिजित आठारां घड़ी चवन भाग चन्द्र साथे जान ॥१४॥

सतभिषां भरणी आद्रा अश्लेषा स्वाति जान ६ छट्ट दिन ४२ ब्याली उपग्रा चन्द्र अर्ध दिन ३० घड़ी प्रमाण ॥१५॥

आपाढ़ भद्रव फाल्गुणी उत्तरा रोहनी जान नव्वे विशाषा पूनर्वसु २० दिन ६ घड़ी विशके सूर्य यान ॥१६॥

कृतिका हस्त अनुराधा मूला चित्रा जान पन्द्रा नक्षत्र चन्द्र साथ साठ घड़ी प्रमाण ॥१७॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निरंजनदास गमनाल जैन लाहौर.

१९७२ से २००७ प्रयंत चन्द्र सूर्य ग्रहण विक्रमां सम्वत तक लिखत हैं ॥

१९७२	मे	ग्रहण	नहीं	है	०		१९९१	श्रावण	सुदी	वार	बृस्पति	चन्द्र
१९७३	में	ग्रहण	नहीं	है	०		१९९१	माघ	सुदी	वार	शनि	चन्द्र
१९७४	श्रावण	सुदी	वार	बुद्ध	चन्द्र ग्रहण		१९९२	पाष	सुदी	वार	बुध	चन्द्र
१९७७	ज्येष्ठ	सुदी	वार	रवि	चन्द्र		१९९३	आषाढ	वदी	वार	शुक्र	सूर्यग्रहण
१९७७	कार्तिक	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		१९९३	आषाढ	सुदी	वार	शनि	चन्द्रग्रहण
१९७८	कार्तिक	सुदी	वार	रवि	चन्द्र		१९९५	आसौज	सुदी	वार	चन्द्र	चन्द्रग्रहण
१९७९	कार्तिक	वदी	वार	बृस्पति	सूर्यग्रहण		१९९६	वैशाख	सुदी	वार	बुध	चन्द्र
१९८०	फाल्गुण	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		१९९७	फाल्गुण	सुदी	वार	बुध	चन्द्र
१९८१	भाद्रपद	सुदी	वार	बृस्पति	चन्द्र		१९९८	भाद्रपद	वदी	वार	शुक्र	सूर्य
१९८१	फाल्गुण	सुदी	वार	रवि	चन्द्र		१९९८	भाद्रपद	सुदी	वार	शुक्र	चन्द्र
१९८२	भाद्रपद	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		१९९८	माघ	सुदी	वार	रवि	चन्द्र
१९८२	फाल्गुण	वदी	वार	शुक्र	सूर्य		२०००	आषाढ	सुदी	वार	रवि	चन्द्र
१९८४	ज्येष्ठ	सुदी	वार	रवि	चन्द्रग्रहण	शाइद दिये या	२००१	श्रावण	वदी	वार	रवि	सूर्यग्रहण
१९८५	मृगसिर	वदी	वार	चन्द्र	सूर्यग्रहण	[न दिय	२००२	प्रथम आषाढ	सुदी	वार	चंद्र	चंद्रग्रहण
१९८६	ज्येष्ठ	वदी	वार	बृस्पति	सूर्य		२००२	मृगसिर	सुदी	वार	बुध	चन्द्र
१९८८	चैत्र	सुदी	वार	बृस्पति	चन्द्र		२००३	मृगसिर	सुदी	वार	रवि	चन्द्र
१९८८	आसौज	सुदी	वार	शनि	चन्द्र		२००४	ज्येष्ठ	सुदी	वार	बुध	चन्द्र
१९८८	चैत्र	सुदी	वार	मंगल	चन्द्र		२००५	वैशाख	वदी	वार	रवि	सूर्यग्रहण
१९८९	आसौज	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		२००७	चैत्र	सुदी	वार	रवि	चन्द्रग्रहण
१९९०	भाद्रपद	वदी	वार	चन्द्र	सूर्यग्रहण							